www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ...
छत्तीसगढ़ का पहला राष्ट्रीय दैनिक
संपर्क करें : deshbandhuraipur@gmail.com

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

रायपुर, सोमवार, 14 जुलाई 2025 । वर्ष – 67 । अंक –89 । पृष्ठ –12 । मूल्य – 4.00 रु. प्रेस पंजीयन- 06072/59

अब देशभर में मतदाता सूची संशोधन की तैयारी

बिहार में चल रहे विशेष पुनरीक्षण की तर्ज पर होगा काम

नई दिल्ली, 13 जुलाई (देशबन्धु)। चुनाव आयोग ने अगले महीने से पूरे देश में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) की तैयारी शुरू कर दी है। यह पुनरीक्षण बिहार में चल रहे विशेष पुनरीक्षण जैसा होगा। चुनाव आयोग की तरफ से यह कदम उस समय उठाया गया है जब पिछले हफ्ते सुप्रीम कोर्ट ने इसे संविधानिक दायित्व करार दिया और चुनाव आयोग को बिहार में इस प्रक्रिया को जारी रखने की अनुमति दी। हालांकि चुनाव आयोग के इस फैसले के खिलाफ कुछ विपक्षी पार्टियों और अन्य संगठनों ने सुप्रीम कोर्ट में इस पुनरीक्षण के खिलाफ चुनौती दी थी। अब कुछ राज्य चुनाव अधिकारियों ने उन राज्यों में आखिरी बार किए गए विशेष पुनरीक्षण के बाद प्रकाशित मतदाता सूची को सार्वजनिक कर दिया है। दिल्ली के मुख्य चुनाव अधिकारी की वेबसाइट पर 2008 की मतदाता सूची उपलब्ध है, जब राष्ट्रीय राजधानी में आखिरी बार पुनरीक्षण हुआ था। उत्तराखंड में 2006 में आखिरी पुनरीक्षण हुआ था, और अब उस वर्ष की सूची राज्य की वेबसाइट पर है।

28 को अंतिम निर्णय लेगा आयोग

चुनाव आयोग ने कहा है कि 28 जुलाई को बिहार मामले की सुनवाई के बाद, वह देशव्यापी पुनरीक्षण पर अंतिम निर्णय लेगा। इस प्रक्रिया के तहत विदेशी अवैध प्रवासियों को उनके जन्मस्थान की जांच करके हटाया जाएगा।

अगले साल कई राज्यों में चुनाव

वहीं राज्यों में विधानसभा चुनाव की बात करें, तो बिहार में इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं। जबकि असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में अगले साल में विधानसभा चुनाव होंगे।

चुनाव आयोग की प्रक्रिया सिर्फ दिखावा : तेजस्वी यादव

तेजस्वी यादव ने बिहार में मतदाताओं के गणना प्रपत्र पर चुनाव आयोग के आंकड़ों को खारिज किया है। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान भारतीय निर्वाचन आयोग पर गंभीर आरोप लगाए।

उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग के आंकड़े सिर्फ अपलोडिंग को दर्शाते हैं, जबकि प्रमाणिकता और वैधता की गारंटी नहीं दी गई है। तेजस्वी यादव ने कहा, चुनाव आयोग ने 80.11 प्रतिशत गणना फॉर्म भरने का दावा किया है, लेकिन यह नहीं बताया कि कितने प्रपत्र सत्यापित, स्वैच्छिक और वैध तरीके से भरे गए हैं। हमें जानकारी मिल रही है कि बिना मतदाता की जानकारी के बीएलओ की तरफ से फर्जी हस्ताक्षर या अंगूठा लगाकर प्रपत्र भरे जा रहे हैं। इसलिए चुनाव आयोग के आंकड़े जमीनी हकीकत से पूरी तरह से विपरीत हैं।

चुनाव आयोग के अधिकारियों का दावा

बिहार की वोटर लिस्ट में नेपाल-बांग्लादेश के लोग

बिहार में वोटर लिस्ट वैरिफिकेशन का काम जारी है। इस दौरान चुनाव आयोग के अधिकारियों का दावा है कि बिहार में बड़ी तादाद में विदेशी हैं। आयोग के अफसरों ने बताया, 'हमने मतदाता सूची पुनरीक्षण के लिए घर-घर जाकर दौरे किए। इस दौरान हमें नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार से आए लोग बड़ी संख्या में मिले हैं।' अफसरों के मुताबिक 1 अगस्त के बाद ऐसे लोगों की जांच होगी। 30 सितंबर को पब्लिश होने वाली आखिरी मतदाता सूची में अवैध प्रवासियों के नाम शामिल नहीं किए जाएंगे।'

निर्वाचन आयोग मोदी सरकार के हाथों की 'कठपुतली': सिब्बल

राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने आरोप लगाया है कि निर्वाचन आयोग हमेशा से मोदी सरकार के हाथों की ''कठपुतली'' रहा है। उन्होंने दावा किया कि बिहार में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण एक ''असंवैधानिक'' कदम है, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बहुसंख्यकवादी सरकारें सत्ता में बनी रहें। पूर्व कानून मंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि प्रत्येक निर्वाचन आयुक्त ''इस सरकार के साथ मिलीभगत करने'' में एक-दूसरे से आगे रहता है। बिहार में मतदाता सूची के जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग (ईसी) के पास नागरिकता के मुद्दों पर फैसला करने का अधिकार नहीं है।

मानसून सत्र रहेगा हंगामेदार

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ विधानसभा का मानसून सत्र सोमवार 14 जुलाई से शुरू हो रहा है। यह सत्र काफी हंगामेदार रहने की संभावना है। कांग्रेस खाद, बिजली, और घोटालों को लेकर सरकार को घेरेगी ।सत्र के लिए सदस्यों ने 990 से अधिक प्रश्न जमा किए है ।वहीं भाजपा भी जवाबी रणनीति के साथ तैयार है। सत्र के दौरान सदन में तीखी बहस और राजनीतिक टकराव देखने को मिलेगा। 14 जुलाई से 18 जुलाई तक आयोजित किया जाएगा।

मानसून सत्र के दौरान कुल पांच बैठकें होंगी, जिसमें विधायकों ने 996 प्रश्न लगाए हैं। कृषि, शिक्षा, खाद्य जैसे महत्वपूर्ण विभागों से जुड़े निर्णय भी इस सत्र में लिए जा सकते हैं। वहीं, आबकारी विभाग में 2200 करोड़ के घोटाले पर चर्चा की प्रबल संभावना है, जिससे सदन का माहौल और गरमा सकता है। सदन में तीखी बहस और रणनीतिक हमलों की पूरी तैयारी है, जिसे देखते हुए यह सत्र खासा हंगामेदार हो सकता है।

कांग्रेस बिजली दरों में बढ़ोत्तरी, डीएपी खाद की कमी, अवैध रेत खनन ,शराब घोटाला कानून व्यवस्था और भारत माला परियोजना में भ्रष्टाचार जैसे मामलों पर स्थगन प्रस्ताव लाने की तैयारी में है। सत्र के लिए विधायकों ने सरकार की खामियों गड़बड़ियों पर अधिक प्रश्न जमा किए है।

- **आज से 18 तक चलेगा सत्र**
- **सदस्यों ने लगाए 996 सवाल**

वहीं सरकार ने भी 10 से अधिक नए और संशोधन विधेयकों की सूचना दी है। ये सभी विधेयक बुधवार को पेश किए जाने की संभावना है। सत्र की कार्यविधि तय करने स्पीकर रमन सिंह ने कल सुबह कार्यमंत्रणा समिति की बैठक बलाई है। कल पहले दिन सदन, दिवंगत पूर्व राज्यपाल शेखरदत्त और पूर्व मंत्री राजा सुरेन्द्र बहादुर सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करेगा। इसके बाद ध्यानाकर्षण सूचनाओं पर चर्चा उपरांत सदन की कार्रवाई स्थगित कर दी जाएगी। उसके बाद पक्ष-विपक्ष के सभी विधायक नवा रायपुर में अंतिम रूप दिए जा रहे नए विधानसभा भवन के निरीक्षण के लिए जाएंगे।

सत्र के दूसरे दिन से सदन में हंगामे के आसार रहेंगे। विपक्ष ने खाद-बीज की कमी, कानून व्यवस्था, अवैध शराब, और ऑनलाइन सट्टे को लेकर सरकार को घेरने की रणनीति बनाई है। वहीं भाजपा के विधायक कांग्रेस की खेमेबाजी को हथियार बनाकर हमला करेगी।

मानसून सत्र में पेश होनेवाले विधेयक

कृषि उपज मंडी संशोधन विधेयक, सक्ती में निजी विश्वविद्यालय स्थापना विधेयक, जन विश्वास विधेयक, मोटरयान नियम संशोधन विधेयक, मोटरयान कराधान संशोधन विधेयक, राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण विधेयक, जीएसटी संशोधन विधेयक, भू राजस्व संहिता संशोधन विधेयक, पत्रकारिता विश्वविद्यालय (कुलपति नियुक्त) संशोधन विधेयक प्रमुख हैं।

सार संक्षेप

श्रीलंका ने तमिलनाडु के 7 मछुआरों को किया गिरफ्तार

चेन्नई। श्रीलंका की नौसेना ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) को पार करके मछली पकड़ने का आरोप लगाकर तमिलनाडु के सात मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया है और उनके ट्रॉलर भी जब्त कर लिए हैं। रामनाथपुरम जिले के रामेश्वरम के रहने वाले ये मछुआरे शनिवार को मछली पकड़ने निकले थे, तभी उन्हें ट्रॉलर के साथ गिरफ्तार कर लिया गया।

शुभांशु शुक्ला की घर वापसी तय

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से वापसी को लेकर अहम जानकारी सामने आई है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने रविवार को एक्सिओम-4 इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन मिशन से जुड़ा अपडेट दिया। उन्होंने बताया कि शुभांशु शुक्ला 15 जुलाई को दोपहर 3 बजे (भारतीय समयानुसार) पृथ्वी पर लौट सकते हैं। शुभांशु शुक्ला एक्सिओम-4 मिशन के तहत तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों के साथ इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर गए थे।

झामुमो का 'एक्स' हैंडल हैक, मुख्यमंत्री ने दिए जांच के आदेश

रांची। झारखंड में सत्तारूढ़ दल झारखंड मुक्ति मोर्चा का आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स' हैक हो गया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने एक्स हैंडल से पोस्ट कर यह जानकारी दी। उन्होंने झारखंड पुलिस को मामले की जांच करने का आदेश दिया है।

प्रसिद्ध अभिनेता कोटा श्रीनिवास राव का निधन

हैदराबाद। प्रसिद्ध तेलुगु अभिनेता कोटा श्रीनिवास राव का रविवार तड़के हैदराबाद के फिल्मनगर स्थित उनके आवास पर निधन हो गया। 83 वर्षीय राव कुछ समय से बीमार थे। उनके निधन से भारतीय सिनेमा, खासकर तेलुगु फिल्म उद्योग में एक युग का अंत हो गया।

खराब सर्जरी किट मामले में कंपनी के खिलाफ होगी कार्रवाई : जायसवाल

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। सर्जरी किट खराब मिलने के मामले पर स्वास्थ्य मंत्री बिहारी जायसवाल ने कहा कि कुछ लॉट की सप्लाई हुई थी। उसमें कई बैग की जांच किए गए हैं। जंग लगे बैग की भी जांच हो रही है। उन्होंने कहा कि अगर यह ज्यादा मात्रा में पाई गई तो सप्लाई करने वाली कंपनी पर कार्रवाई की जाएगी। है जायसवाल ने स्पष्ट किया कि छत्तीसगढ़ में किसी भी प्रकार का भ्रष्टाचार बर्दास्त नहीं किया जाएगा। आरंग विधायक के काफिले पर हमला को लेकर उन्होंने कहा जल्द कड़ी कार्रवाई होगी।

विधायक गुरु खुशवंत साहब की कार पर अज्ञात असमाजिक तत्व द्वारा हमला के मामले में मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि यह कोई नई घटना नहीं है इस घटना के मूल में जाएंगे ।जो आसमाजित तत्व शामिल है, उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगीअपराध में शामिल लोगों को जल्द पकड़ लिया जाएगा।

- **मानसून सत्र के लिए कांग्रेस के पास एक भी मुद्दा नहीं है**
- **बर्दाश्त नहीं करेंगे भ्रष्टाचार**

एनएचएम स्वास्थ्य कर्मियों के हड़ताल पर जाने को लेकर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जयसवाल ने कहा कि लोकतंत्र में अपनी बात रखने का अधिकार है ।एनएचएम स्वास्थ्य कर्मियों ने ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने कहा कि जो मांगे पूरा कर सकते हैं, उन्हें निश्चित रूप से पूरा किया जाएगा। स्वास्थ्य मिशन एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है, जिसे हम पूरी गंभीरता से संचालित कर रहे हैं। भारत सरकार से चर्चा करके अपनी गारंटी को पूरा करने के लिए आगे बढ़ रहे हैं।

स्वास्थ्य मंत्री ने एक सवाल के जवाब में कहा कि यह कांग्रेस का आंतरिक विषय है हमें क्या लेना है। हमरा उद्देश्य पार्टी के विषय को आगे पहुंचाना है। जो उनकी धारणा वो उसे आगे बढ़ाते रहें ।कांग्रेस ने 70 सालों में क्या किया है ? महिलाओं, किसान और ➤➤ शेष पृष्ठ 7 पर ➤

कोयला घोटाला मामले में ईओडब्लू की बड़ी कार्रवाई

2 साल से फरार आरोपी नवनीत तिवारी गिरफ्तार

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित कोयला लेवी घोटाला मामले में आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए करीब दो वर्षों से फरार चल रहे आरोपी नवनीत तिवारी को गिरफ्तार कर लिया है। नवनीत पर अवैध कोल लेवी की योजना बनाने वसूली करने और उससे अर्जित अवैध धनराशि को निवेश करने जैसे गंभीर आरोप हैं।

ईडी रेड के बाद से था फरार

ईओडब्ल्यू के अनुसार कोयला घोटाला मामले में नवनीत तिवारी आरोपी के विरुद्ध धारा 7, 7 I,12 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियमए 1988 ;संशोधित 2018,तथा आईपीसी की धाराएं 420, 120बी, 384, 467,468, 471 के तहत अपराध दर्ज है। नवनीत तिवारी वर्ष 2022 में प्रवर्तन निदेशालय की छापेमारी के बाद से लगातार फरार था। अदालत ने उसके विरुद्ध स्थायी गिरफ्तारी वारंट भी जारी किया था। आरोपी लंबे समय तक कानून से बचता रहाए लेकिन अंततः ईओडब्लू की टीम ने उसे धर दबोचा।

पुलिस रिमांड पर जारी है पूछताछ

पुलिस रिमांड पर जारी है पूछताछ

गिरफ्तारी के बाद नवनीत तिवारी को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है। ईओडब्ल्यू सूत्रों के मुताबिक आरोपी से अब तक कोल ट्रांसपोर्ट परमिट की धांधली पैसों की वसूली की प्रक्रिया और उसमें शामिल अन्य लोगों की भूमिका को लेकर गहन पूछताछ की जा रही है।

कहां खर्च की अवैध कमाई

जांच में सामने आया है कि इस घोटाले की राशि को सरकारी अधिकारियों और राजनेताओं को रिश्वत देने में खर्च किया गया। साथ ही चुनावी खर्चों के लिए भी इस अवैध राशि का इस्तेमाल किया गया। आरोपियों ने इससे कई चल.अचल संपतियों को खरीदा।

क्या है कोयला लेवी मामला

ईडी की जांच में सामने आया कि कुछ लोगों ने राज्य के वरिष्ठ राजनेताओं और नौकरशाहों से मिलीभगत के बाद ऑनलाइन मिलने वाले परमिट को ऑफलाइन कर कोयला ट्रांसपोर्ट करने वालों से अवैध वसूली की। जुलाई 2020 से जून 2022 के बीच कोयले के हर ➤➤ शेष पृष्ठ 7 पर ➤

'शहीदी' दिवस पर कश्मीर में मचा बवाल

नेकां की सरकार में नेकां के ही नेता नजरबंद

जम्मू, 13 जुलाई (देशबन्धु)। एक बार फिर धारा 370 को खत्म करने के बाद कश्मीर में 13 जुलाई के 'शहीदी दिवस' पर कश्मीर में बवाल मचा हुआ है। हालात यह हैं कि समाचार भिजवाए जाने तक कश्मीर में नेकां की सरकार के दौरान ही उसके नेताओं, विधायकों आदि के साथ ही विपक्ष के कई नेताओं और मीरवायज मौलवी उमर फारूक को भी नजरबंद कर दिया गया था, जबकि 'शहीदों' की कब्रों तक इन सभी की पहुंच न होने पाए, इसके लिए श्रीनगर के कई इलाकों में अघोषित कर्फ्यू के हालात बनाए गए थे। इस घटनाक्रम पर जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शहीदी दिवस की तुलना ब्रिटिश भारत में हुए जलियांवाला बाग हत्याकांड से करते हुए कहा कि 1931 में इसी दिन जिन लोगों ने अपनी जान कुर्बान की थी, उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ ऐसा किया था। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में आई जब जम्मू कश्मीर पुलिस ने रविवार को सत्तारूढ़ नेशनल कांफ्रेंस और विपक्षी दलों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की और उन्हें 13 जुलाई के शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए मजार-ए-शोहदा (शहीदों की कब्रगाह) की ओर जाने से रोक दिया। वर्ष 1931 में इसी दिन, श्रीनगर सेंट्रल जेल के पास महाराजा हरि सिंह ➤➤ शेष पृष्ठ 7 पर ➤

लोनिवि उप यंत्री परीक्षा में हाईटेक नकल

दो मुन्नी बहनों का खुला राज

परीक्षा केंद्र के अंदर बैठी छात्रा को बाहर बैठी छात्रा वाकी टाकी से प्रश्नों का हल बता रही थी

बिलासपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। बिलासपुर में सब इंजीनियर की भर्ती परीक्षा में एक हाईटेक नकल का मामला सामने आया है। यहां मुन्ना भाई नहीं बल्कि मुन्नी बहनों को नकल करते पकड़ा गया है। पकड़ी गई एक एक छात्रा जहां परीक्षा केंद्र के अंदर परीक्षा दिला रही थी वही बाहर से दूसरी छात्रा उसे वाकी टॉकी से जवाब बता रही थी। जिसे दो स्थानीय युवाओं ने पकड़ा है। पूरी परीक्षा संपन्न होने के बाद छात्रा के पास से नकल उपकरण बरामद किए गए।

लोक निर्माण विभाग में उप अभियंता के 113 पदों में भर्ती के लिए व्यावसायिक परीक्षा मंडल के द्वारा भर्ती परीक्षा का आयोजन किया गया था। परीक्षा आज सुबह 10 से 12.15 तक थी। इस दौरान बिलासपुर शहर के सरकंडा स्थित शासकीय रामदुलारे बालक उच्चतर माध्यमिक शाला सरकंडा मुक्तिधाम में ➤➤ शेष पृष्ठ 7 पर ➤

उज्ज्वल निकम, श्रृंगला सहित चार सदस्य राज्यसभा के लिए मनोनीत

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने विभिन्न क्षेत्रों की चार विशिष्ट हस्तियों को राज्यसभा के लिए मनोनीत किया है, जिनमें जाने माने वकील उज्ज्वल देवराव निकम, पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला, वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षाविद् सी. सदानंदन मास्टर और जानी मानी इतिहासकार तथा शिक्षाविद् मीनाक्षी जैन शामिल हैं। गृह मंत्रालय ने अधिसूचना में कहा कि राष्ट्रपति ने भारत के संविधान के अनुच्छेद 80 के खंड (1) के उप-खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मनोनीत सदस्यों की सेवानिवृत्ति के कारण उत्पन्न रिक्तियों को भरने के लिए चार सदस्यों को राज्यसभा में मनोनीत किया है। पूर्व विदेश सचिव हर्ष श्रृंगला अमेरिका में भारत के राजदूत रहे हैं और उनकी कूटनीति तथा रणनीतिक मामलों में विशेष पहचान है। देश की विदेश नीति से संबंधित विभिन्न मामलों में उन्होंने महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

नवनिर्माण रेल यात्री प्राकृतिक सौंदर्य का ले सकेंगे लुत्फ

मिजोरम में 51 किमी मार्ग पर 48 सुरंगों से गुजरेगी रेल

- **दस घंटे का सफर महज तीन घंटे में होगा पूरा**

बइरबी, 13 जुलाई (एजेंसियां) रेल चलने से विकट पहाड़ों की दूरी किस कदर कम हो सकती है इसका ताजा उदाहरण मिजोरम के बइरबी से राजधानी आइजोल को जोड़ने वाली रेल लाइन है जिसके संचालन से इन दोनों स्थानों की दूरी 10 घंटे से घटकर महज तीन घंटे की रह जाएगी।

बइरबी से आइजोल को जोड़ने के लिए फिलहाल राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या छह से ही यातायात का एकमात्र साधन है और यह सड़क आइजोल होते हुए पड़ोसी देश म्यांमार की सीमा तक जाती है। इस मार्ग पर यातायात सामान्य हो तो सड़क मार्ग से 9 से 10 घंटे का समय लगना सामान्य बात है लेकिन बइरबी-एजल मार्ग रेल का संचालन शुरू होने से यह दूरी महज तीन घंटे की रह जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि रेलवे के इस रुट को म्यांमार सीमा तक जोड़ने की योजना है और इसके लिए सर्वेक्षण का काम भी जल्द शुरु किया जा सकता है और फिर आइजोल शहर पूरी तरह रेल से जुड़ जाएगा। अभी आइजोल से करीब 20 किमी दूर साईरंग तक यह रेल मार्ग बनकर तैयार किया गया है। करीब 52 किमी के इस रूट पर 48 सुरंग हैं और इससे रास्ता छोटा हो रहा है और सफर कुछ ही घंटे में पूरा हो रहा है। बइरबी-आइजोल रेलमार्ग बनने के बाद मिजोरम की राजधानी आइजोल पूर्वोत्तर राज्यों की चौथी राजधानी है जो रेलमार्ग से जुड़ जाएगी। असम की राजधानी गुवाहाटी, अरुणाचल की राजधानी ईटानगर तथा त्रिपुरा की राजधानी अगरतला के बाद मिजोरम की राजधानी रेल नेटवर्क से जुड़ जाएगी।

आइजोल में पर्यटन बढ़ेगा *-आइजोल रेल मार्ग पर वातानुकूलित रेल डिब्बों पर डिस्टाडोम शीशे लगे हैं जिनसे खुली रोशनी ट्रेन के छत से आती है लेकिन करीब हर मिनट बाद रेल के सुरंग में घुसने से अंधेरा छा जाता है। इसके बावजूद इस मार्ग पर रेल यात्री प्राकृतिक सौंदर्य का लुत्फ ले सकेंगे। रेल अधिकारियों का कहना है इस मार्ग पर रेल के संचालन से आइजोल में पर्यटन बढ़ेगा और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिल सकेगा।*

डिब्बों तथा ईंजनों में लगाए जाएंगे कैमरे

रेलवे ने ट्रेनों में यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए सभी डिब्बों में सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्णय लिया है। सभी 74 हजार डिब्बों और 15 हजार इंजनों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। प्रत्येक डिब्बे में चार सीसीटीवी कैमरे और इंजनों में छह कैमरे लगाऐ जाएंगे।

देश

उवाच

बिहार में कानून-व्यवस्था लगभग पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। जो लोग जंगल राज के दौर की निंदा करके सत्ता में आए थे, वे अब या तो खुद इसे बढ़ावा दे रहे हैं या इसे पनपने दे रहे हैं। हर दिन हत्याएं हो रही हैं। महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार होता है।

-तारिक अनवर, कांग्रेस सांसद

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	31.0	28.0
मुंबई	30.0	26.0
कोलकाता	27.0	26.0
चेन्नई	34.0	29.0

बिहार में मतदाता सूची से गरीबों का वोट काटना चाह रही भाजपा : कांग्रेस

बिहार में मजबूती के साथ चुनाव लड़ने का किया दावा

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर शनिवार को हुई इंडिया अलायंस की बैठक पर कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद ने कहा कि कांग्रेस अलायंस का हिस्सा है। हमें जितनी सीटें मिलेंगी, हम मजबूती के साथ चुनाव लड़ेंगे। कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद ने कहा कि पिछली बार कितनी सीट पर कांग्रेस चुनाव लड़ी और इस बार कितनी सीटों पर लड़ेंगे, सवाल यह महत्वपूर्ण नहीं है। महत्वपूर्ण बात यह है कि कांग्रेस मजबूती के साथ चुनाव लड़ेगी। इसके अलावा अलायंस के जो भी साथी चुनाव लड़ेंगे, कांग्रेस कार्यकर्ता मजबूती के साथ समर्थन करेंगे। लोगों का समर्थन हमारे साथ है। इसीलिए एनडीए बौखला गई है।

चुनाव आयोग का इस्तेमाल कर वोटर लिस्ट से गरीबों-वंचितों का वोट काटना चाह रही है। कांग्रेस सांसद ने सीट बंटवारे पर कुछ भी कहने से इनकार किया। उन्होंने कहा कि जितनी भी सीटों पर चुनाव लड़ेंगे, सभी के सामने जल्द ही आंकड़े होंगे। बिहार बंद के दौरान राहुल गांधी और तेजस्वी यादव से कन्हैया कुमार और पप्पू यादव को दूर किए जाने पर कांग्रेस सांसद ने कहा कि देश का दुर्भाग्य है कि जो मुख्य मुद्दा है, उस पर चर्चा नहीं की जाती है। पप्पू यादव और कन्हैया कुमार पर चर्चा होती है। एनडीए सरकार के खिलाफ बिहार बंद के दौरान गांव-गांव और पंचायतों में सैकड़ों लोग जुटे और विरोध जताया। इस पर चर्चा क्यों नहीं होती है। कांग्रेस सांसद तारिक अनवर का तर्क देते हुए उन्होंने कहा कि बिहार में उनसे बड़ा कोई नेता नहीं है। वह भी ट्रक में नहीं गए थे। मैं भी नहीं था। इस पर चर्चा नहीं होती है। कई और साथी भी नहीं गए। ट्रक पर सीमित जगह होती है। बाकी दलों के एक-दो नेता थे। कांग्रेस के चार से पांच लोग थे। ट्रक पर सभी कांग्रेस के नेता होते तो अच्छा नहीं होता। अलायंस में हैं तो उसका धर्म भी निभाना चाहिए। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि 40 प्रतिशत लोग बस अपने परिवार का पालन-पोषण करने के लिए दिल्ली, गुजरात, पंजाब, हरियाणा, महाराष्ट्र, तमिलनाडु जैसे राज्यों में काम कर रहे हैं।

अलायंस के जो भी साथी चुनाव लड़ेंगे, कांग्रेस कार्यकर्ता मजबूती के साथ समर्थन करेंगे लोगों का समर्थन हमारे साथ है इसीलिए एनडीए बौखला गई है : मोहम्मद जावेद

पिता-पुत्र का नाम पूछ कैसे तय हो रहा कोई विदेशी : पप्पू यादव

पटना। बिहार में चल रहे मतदाता सूची पुनरीक्षण पर निर्दलीय सांसद राजेश रंजन यानि पप्पू यादव ने सवाल उठाए। चुनाव आयोग ने कहा है कि गहन पुनरीक्षण के दौरान नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार के कई लोग पाए गए, जिनके नाम अंतिम मतदाता सूची में शामिल नहीं किए जाएंगे। इस पर यादव ने तंज कसते हुए कहा कि चुनाव आयोग बिना कागजात लिए कैसे दावा कर रहा है कि कोई नेपाल या बांग्लादेश का है? अगर आधार कार्ड, राशन कार्ड या अन्य दस्तावेज हैं, तो किस आधार पर लोगों को सूची से हटाया जाएगा। उन्होंने सवाल किया कि जब कोई पहचान पत्र या दस्तावेज मांगा ही नहीं जा रहा, तो केवल नाम और पिता का नाम पूछकर कैसे तय हो रहा है कि कोई विदेशी है। पप्पू यादव ने इस प्रक्रिया को गलत और संदिग्ध बताया। उन्होंने कहा कि विपक्ष इस मुद्दे को इसलिए उठा रहा है क्योंकि बिना ठोस सबूत के लोगों के नाम हटाए जा रहे हैं। यह चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश हो सकती है।

मतदाता सूची में किया जाए संशोधन : टिपरा मोथा

अगरतला, 13 जुलाई (एजेंसियां)। त्रिपुरा सरकार में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सहयोगी दल टिपरा मोथा ने मतदाता सूची में संशोधन की मांग की है। टिपरा मोथा के संस्थापक प्रद्योत किशोर देबबर्मन ने रविवार को यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि पार्टी मतदाता सूची में संशोधन के लिए घर-घर जाकर सर्वेक्षण कराना चाहती है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी के विधायक भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) को पत्र लिखकर आयोग द्वारा मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में इस तरह के सर्वेक्षण को शामिल करने का आग्रह करेंगे। देबबर्मन का यह बयान उन खबरों के बाद आया है जिनमें कहा गया है कि बिहार में एसआईआर के तहत किए गए इसी तरह के घर-घर जाकर किए गए सर्वेक्षण में आगामी चुनावों से पहले राज्य में रह रहे नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार के मूल निवासियों की मौजूदगी का पता चला है।

इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए देबबर्मन ने मांग की कि पूर्वोत्तर राज्यों, खासकर त्रिपुरा में भी यही प्रक्रिया अपनाई जाए। उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि सर्वेक्षण करने वाले अधिकारियों में मूल निवासी टिप्रासा लोग या स्थानीय जनसांख्यिकी से परिचित अधिकारी शामिल होने चाहिए। उन्होंने कहा कि मुझे समझ नहीं आ रहा कि बिहार को महत्वपूर्ण क्यों माना जाता है जबकि पूर्वोत्तर को चुनाव आयोग नजरअंदाज कर देता है। क्या हम भी भारत की संतान नहीं हैं, अब समय आ गया है कि टिपरा मोथा के विधायक चुनाव आयोग को पत्र लिखकर यहां भी यही मांग करें। मैं पूर्वोत्तर के अपने सभी भाइयों और बहनों से भी आग्रह करता हूँ कि वे अपने-अपने क्षेत्रीय दलों पर भी इसी तरह की कार्रवाई करने का दबाव बनाएं।

आतंकवाद का दुष्प्रचार करने पर होगी कानूनी कार्रवाई : मनोज सिन्हा

अलगाववादी विचारधारा को बढ़ावा देने वालों पर साधा निशाना

श्रीनगर, 13 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की आड़ में आतंकवाद का दुष्प्रचार को वैधता' प्रदान करने की कोशिश करने वालों की रविवार को कड़ी आलोचना की और चेतावनी दी कि प्रशासन पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी संगठनों की बातें दोहराने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करेगा।

सिन्हा जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में आतंकवाद के कारण जान गंवाने वाले 40 लोगों के परिजनों को नियुक्ति पत्र वितरित करने के बाद एक समारोह को संबोधित कर रहे थे। उपराज्यपाल ने कहा कि भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को अपनी बात कहने का अधिकार देता है लेकिन यह किसी को भी राष्ट्र की अखंडता से समझौता करने के लिए इस अधिकार का उपयोग करने की अनुमति नहीं देता है। अलगाववादी विचारधारा को बढ़ावा देने वालों पर सीधा निशाना साधते हुए सिन्हा ने कहा, कुछ लोग खुलेआम टीआरएफ (द रेजिस्टेंस फ्रंट) और लश्कर-ए-तैयबा जैसे आतंकवादी समूहों की भाषा बोल रहे हैं। यह अभिव्यक्ति की आजादी नहीं बल्कि देश के साथ विश्वासघात है। ऐसे कृत्यों को बख्शा नहीं जाएगा। किसी का नाम लिए बिना उन्होंने कुछ चुनिंदा लोगों पर पाकिस्तान के आतंकवादी पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि वे आतंकवाद को ऑक्सीजन और खाद दे रहे हैं।

निर्दोष नागरिकों को अंतत: पहचान देना ऐतिहासिक कदम

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के हजारों निर्दोष नागरिकों को अंतत: पहचान और सम्मान देना एक ऐतिहासिक कदम है। इन परिवारों के बारे में सच्चाई को जानबूझकर दबाया गया और कोई भी उनके आंसू पोंछने नहीं आया।सभी जानते थे कि पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी क्रूर हत्याओं में शामिल थे लेकिन किसी ने भी हजारों बुजुर्ग माता-पिता, पत्नियों, भाइयों या बहनों को न्याय नहीं दिलाया। सिन्हा ने कहा कि प्रशासन अब उन सभी परिवारों के दरवाजे तक पहुंचेगा जो दशकों से न्याय की प्रतीक्षा कर रहे हैं और उनके लिए रोज़गार, पुनर्वास और आजीविका की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

सार संक्षेप

ओडिशा के दो दिन के दौरे पर जाएंगी मुर्मु

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु सोमवार को ओडिशा की दो दिन की यात्रा पर जाएंगी। राष्ट्रपति भवन सचिवालय ने रविवार को बताया कि राष्ट्रपति यात्रा के पहले ही दिन यानी सोमवार को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) भुवनेश्वर के पांचवें दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी। राष्ट्रपति मंगलवार को रावेनशॉ विवि के 13वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी और कटक स्थित रावेनशॉ गर्ल्स हाई स्कूल के तीन भवनों के पुनर्विकास की आधारशिला रखेंगी। वह कटक में आदिकवि सरला दास के जयंती समारोह में भी शामिल होंगी और कलिंग रत्न पुरस्कार-2024 प्रदान करेंगी।

श्रीलंकाई नौसेना की गश्ती नाव से ट्रॉलर क्षतिग्रस्त

चेन्नई। श्रीलंकाई नौसेना द्वारा सात मछुआरों की गिरफ्तारी के बाद एक अन्य घटना में समुद्र में एक श्रीलंकाई गश्ती नाव से टकराने के बाद मछुआरों की नाव क्षतिग्रस्त हो गई हालांकि उस पर सवार सात मछुआरे तैरकर सुरक्षित तट पर पहुंचने में कामयाब रहे। रविवार को हुई यह लगातार दूसरी घटना थी और दोनों ही घटनाओं में मछुआरे रामेश्वरम के रहने वाले है। सात मछुआरों की गिरफ्तारी के बाद एक और घटना घटी जब भारतीय मछुआरों का ट्रॉलर, जिसमें सात अन्य मछुआरे थे वो श्रीलंकाई गश्ती नाव से टकरा गया। मछुआरे समुद्र में नेदुनथीवु के पास मछली पकड़ रहे थे।

बंगाल में रज्जाक हत्याकांड में मोफज्जल गिरफ्तार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में दक्षिण 24 परगना जिले के भांगड़ में तृणमूल कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष रज्जाक खान की हत्या के सिलसिले में रविवार को तृणमूल कार्यकर्ता मोफज्जल मुल्ला को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी है। भांगड़ के चलतबेरिया के तृणमूल कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष खान को गुरुवार शाम पार्टी की एक बैठक के बाद घर लौटते समय कथित तौर पर कई बार गोली मारी गई। खान और आरोपी दोनों एक ही बैठक में शामिल हुए थे, जिसकी अध्यक्षता तृणमूल विधायक सौकत मुल्ला ने की थी। सूत्रों ने बताया कि मोफज्जल खान का करीबी दोस्त रहा है।

झारखंड में दो महिलाओं के शव मिलने से हड़कंप

कोडरमा। झारखंड के कोडरमा में रविवार को दो अलग-अलग जगहों पर दो महिलाओं की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से सनसनी फैल गई। एक महिला अपने घर में बिस्तर पर मृत पाई गई, जबकि दूसरी का शव घर से कुछ दूर एक मैदान में पड़ा मिला। पुलिस दोनों मामलों की तहकीकात में जुटी है।

मध्य प्रदेश ने स्वच्छता में फिर रचा इतिहास : मोहन यादव

भोपाल, 13 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 में मध्य प्रदेश के आठ शहरों के नामांकित होने पर रविवार को कहा कि स्वच्छता के क्षेत्र में मध्यप्रदेश ने एक बार फिर इतिहास रच दिया है। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने प्रदेशवासियों को इसके लिए बधाई प्रेषित की। इसके साथ ही विदेश यात्रा पर रवाना होने के पहले उन्होंने अपने बयान में कहा कि राज्य ने इस क्षेत्र में एक बार फिर इतिहास रच दिया है। देश भर में हुए मिशन 2024 के स्वच्छता सर्वे में इंदौर ने नई श्रेणी में भी पहला स्थान प्राप्त करते हुए लगातार 8वीं बार पहला स्थान हासिल किया है। वहीं 3 से 10 लाख की जनसंख्या श्रेणी में उज्जैन देश भर में नंबर वन पर रहा है। मुख्यमंत्री ने पूरे प्रदेशवासियों, नगर निकायों, स्वच्छता कर्मियों, महापौरों, पार्षदों और आम जनता को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु भी इस गौरव को साझा करेंगी। इंदौर की स्वच्छता की उपलब्धि को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। भोपाल अब प्राकृतिक सुंदरता, साफ-सफाई और आदर्श जीवनशैली में देश का आदर्श नगर बनता जा रहा है। मध्यप्रदेश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छता संकल्प को साकार कर रहा है।

वर्ष 2030 तक एक करोड़ युवाओं के लिए नए रोजगार का लक्ष्य : नीतीश

पटना, 13 जुलाई (देशबन्धु)। बिहार सरकार वर्ष 2025 से 2030 के बीच राज्य में युवाओं के लिए एक करोड़ सरकारी नौकरियों और रोजगार का सृजन करेगी जो सरकार के मौजूदा लक्ष्य 50 लाख से दोगुनी है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक्स पर अपने पोस्ट में कहा कि उनकी सरकार के दौरान 2005 से 2020 के बीच राज्य में 8 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी मिली थी।

वर्ष 2020 में सुशासन कार्यक्रम के सात निश्चयों के दूसरे निश्चय में लक्ष्य तय किया गया कि 2025 तक 10 लाख सरकारी नौकरियों के साथ 10 लाख रोजगार का सृजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बाद में इस संकल्प को बढ़ाया और अगस्त 2025 तक 12 लाख नौकरियों के साथ 38 लाख रोजगार का लक्ष्य तय किया। कुमार ने कहा कि हमने अभी तक 10 लाख सरकारी नौकरियों और 39 लाख रोजगार का लक्ष्य हासिल कर लिया है और विश्वास रखते हैं तय समय सीमा में 50 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी तथा रोजगार देने का लक्ष्य हासिल कर लिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने भविष्य में रोजगार सृजन की चर्चा करते हुए कहा कि वर्ष 2025 से 2030 के बीच युवाओं के लिए करीब एक करोड़ सरकारी नौकरियों और रोजगार का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए युवाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस योजना को विस्तारित करने के लिए एक विवि की स्थापना की जाएगी।

■ मुख्यमंत्री ने की भविष्य में रोजगार सृजन की चर्चा

बख्तियारपुर-ताजपुर पुल निर्माण का लिया जायजा

नीतीश कुमार ने गंगा नदी पर निर्माणाधीन-बख्तियारपुर-ताजपुर पुल के निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया और उसे तेजी से पूर्ण करने का निर्देश दिया। कुमार अथमलगोला प्रखण्ड के करजान (बख्तियारपुर-मोकामा फोरलेन बाईपास) से कल्याणपुर होते हुए गंगा नदी के तट पर पहुंचे और निर्माणाधीन बख्तियापुर-ताजपुर पुल के निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्माण कार्य में तेजी लाकर बख्तियारपुर-ताजपुर पुल को यथाशीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया। इस पुल के निर्माण से महात्मा गांधी सेतु और राजेंद्र सेतु पर यातायात का बोझ भी कम होगा तथा लोगों को आवागमन में काफी सुविधा होगी। इसके माध्यम से महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों, धार्मिक स्थलों, शैक्षणिक तथा प्रमुख चिकित्सा संस्थानों तक जाने में समय की भी बचत होगी।

कुलगाम सड़क हादसे में दस तीर्थयात्री घायल

जम्मू, 13 जुलाई (देशबन्धु)। जम्मू-श्रीनागर राष्ट्रीय राजमार्ग के साथ कुलगाम के खुदावानी इलाके में एक यात्रा के काफिले के दौरान तीन वाहनों के टकराने के बाद दस से अधिक अमरनाथ तीर्थयात्री घायल हो गए। एक अधिकारी ने बताया कि बालटाल की ओर जाने वाला एक काफिला राजमार्ग पर टाचलू क्रॉसिंग के पास एक दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दरअसल तीन बसें एक -दूसरे से टकरा गईं थीं।

उन्होंने कहा कि दस से अधिक लोगों को चोटें लगीं और उन्हें इलाज के लिए पास के अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। काइमोह अस्पताल के एक डॉक्टर ने बताया कि लगभग 10 घायल तीर्थयात्रियों को पास की सुविधा में प्राथमिक चिकित्सा दी गई और बाद में गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) अनंतनाग में स्थानांतरित कर दिया गया। डॉक्टर ने बताया कि उन सभी को मामूली चोटें हैं और वे स्थिर स्थिति में हैं। उन्हें आगे के चिकित्सा उपचार व आवश्यक औपचारिकताओं के लिए जीएमसी के लिए भेजा गया था।

तेलंगाना सरकार ने महिला समूहों को दिए 344 करोड़ रुपए

हैदराबाद, 13 जुलाई (एजेंसियां)। तेलंगाना सरकार ने महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए महिला स्वयं सहायता समूहों को ब्याज सब्सिडी के रूप में 344 करोड़ रुपए दिए हैं। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। इसमें से 300 करोड़ रुपए ग्रामीण स्वयं सहायता समूहों को और 44 करोड़ रुपए शहरी समूहों को आबंटित किए गए हैं। यह धनराशि 18 जुलाई तक समूहों के खातों में जमा कर दी जाएगी।

इस पहल के तहत, राज्य के मंत्री और विधायक लाभार्थियों को ब्याज सब्सिडी के चेक वितरित करेंगे। इसे महिलाओं की वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। महिला समूहों ने प्रशासन की इस प्रतिबद्धता का स्वागत किया है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व और पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास मंत्री दानसारी अनसूया सीतक्का की पहल पर, ब्याज मुक्त ऋण योजना को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किया जा रहा है। मंत्री सीतक्का ने कहा कि महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना सरकार का मुख्य उद्देश्य है।

■ 18 जुलाई तक समूहों के खातों में जमा कर दी जाएगी धनराशि

रेवंत.रेड्डी ने उज्जैनी महाकाली मंदिर में की पूजा-अर्चना

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यंमत्री ए.रेवंत.रेड्डी ने रविवार को सिंकदराबाद में ऐतिहासिक उज्जैनी महाकाली मंदिर में चल रहे बोनालु उत्सव के दौरान पूजा अर्चना की। रेड्डी अपने जुबली हिल्स आवास से मंदिर पहुंचे जहां उनका मंदिर के पुजारियों ने पारंपरिक तरीके से स्वागत किया। इस दौरान तेलंगाना के मुख्यंमत्री ए. रेवंत. मुख्यमंत्री ने मंदिर में सिल्क के कपड़े भेंट किए। बोनालु तेलंगाना का एक बड़ा धार्मिक एवं सांस्कृतिक उत्सव है। मुख्यमंत्री के साथ कोंडा सुरेखा सहित कई राज्य मंत्री भी थे, जिन्होंने मंदिर में बोनम चढ़ाया।

चिराग पासवान को जान से मारने की धमकी देने वाला गिरफ्तार

समस्तीपुर, 13 जुलाई (एजेसियां)। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान को जान से मारने की धमकी देने वाले युवक को पुलिस ने बेगूसराय से गिरफ्तार कर लिया है। समस्तीपुर के पुलिस उपाधीक्षक (साईबर क्राईम) दुर्गेश दीपक ने बताया कि 11 जुलाई को पासवान को सोशल मीडिया पर जान से मारने की धमकी दी गई थी। इस मामले में समस्तीपुर साईबर थाना में लोजपा (रामविलास) के जिलाध्यक्ष अनुपम कुमार सिंह उर्फ हीरा सिंह ने प्राथमिकी दर्ज कराई थी। तकनीकी अनुसंधान के माध्यम से केंद्रीय मंत्री को धमकी देने वाले युवक की पहचान समस्तीपुर जिले के भीरहा गांव निवासी मोहम्मद मेराज के रूप में की गई। इसके बाद पुलिस की टीम ने बेगूसराय जिले के तेघड़ा स्थित एक ठिकाने पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान मोहम्मद मेराज को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपी ने जिस मोबाईल से पासवान को जान मारने की धमकी दी थी उसे भी बरामद कर लिया गया है। उल्लेखनीय है कि इस मामले में लोजपा रामविलास के मुख्य प्रवक्ता राजेश कुमार उर्फ राजेश भट्ट ने पटना में साइबर क्राइम थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

केरल में सौर पैनल योजना में भ्रष्टाचार से हुआ कामकाज बाधित : वीडी सतीशन

केएसईबी व राज्य सरकार को किया कटघरे में खड़ा

तिरुवनंतपुरम, 13 जुलाई (एजेंसियां)। केरल विधानसभा में विपक्षी नेता वीडी सतीशन ने रविवार को आरोप लगाया कि राज्य में घरों की छतों पर सौर पैनल लगाने का काम कथित भ्रष्टाचार के चलते ठप पड़ गया है। उन्होंने विद्युत नियामक आयोग, केरल राज्य विद्युत बोर्ड (केएसईबी) और राज्य सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए ज़िम्मेदार इन संस्थाओं ने निजी कंपनियों को लाभ पहुँचाकर भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया है।

कांग्रेस नेता ने सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने के लिए बने नवीकरणीय ऊर्जा नियमों में संशोधनों को तत्काल वापस लेने की मांग भी की। प्रस्तावित संशोधनों के अनुसार, तीन किलोवाट वाले सौर पैनल को लगाने के लिए तीन फेज वाला पावर कनेक्शन होना चाहिए और पाँच किलोवाट सौर ऊर्जा बनाने वालों को इसका 30 फीसदी बैटरी में जमा करना होगा। इसमें आगे कहा गया है कि जो बिजली बनेगी उस पर प्रति यूनिट एक रुपये का शुल्क बिजली बोर्ड केएसईबी को देना होगा और तीन किलोवाट से अधिक बिजली बनाने पर नेट मीटरिंग अनिवार्य है। इनमें से कोई भी शर्त स्वीकार्य नहीं है।

उन्होंने चेतावनी दी कि संशोधनों के लागू होने से राज्य के सौर ऊर्जा संयंत्रों का कामकाज बंद हो जाएंगे। उन्होंने मसौदे में दो खास कंपनियों की बैटरियों के उपयोग की सिफारिश पर भी चिंता व्यक्त की और दावा किया कि वे बाजार में उपलब्ध भी नहीं हैं।

उम्मीद | पहलगाम आतंकी हमले का जख्म भरने में लगेगा अभी समय

कश्मीर में पर्यटकों की संख्या बढ़ी पर पिछले रिकॉर्ड से कोसों दूर

जम्मू, 13 जुलाई (देशबन्धु)। हालांकि सभी पक्ष दावा कर रहे हैं कि कश्मीर में पर्यटन फिर से शिखर की ओर है। पर इस सच्चाई से मुख नहीं मोड़ा जा सकता कि पहलगाम नरसंहार के जख्म भरने में समय लगेगा। यही कारण है कि दावों और पर्यटकों की बढ़ती संख्या के बावजूद आने वालों का आंकड़ा पिछले रिकार्ड से कोसों दूर है। ऐसे में कश्मीर में डल झील के किनारे 17वीं सदी के मध्य में स्थित निशात उद्यान लंबे समय से पर्यटकों को मंत्रमुग्ध करता रहा है।

लेकिन 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद, 17वीं सदी में मुगलों द्वारा बनाए गए प्रत्येक राशि चिन्ह को दर्शाने वाले बारह सीढ़ीदार उद्यानों में सन्नाटा छा गया। लेकिन ढाई महीने बाद, झील के किनारे स्थित जबरवान पहाड़ों की पृष्ठभूमि वाला दूसरा सबसे बड़ा लोकप्रिय उद्यान पिछले कुछ हफ्तों में धीरे-धीरे पर्यटकों की संख्या बढ़ने के बाद फिर से जीवंत हो उठा है, जो घाटी में पर्यटन के पुनरुत्थान को दर्शाता है। हमले के बाद कश्मीर में पर्यटकों का आना बंद हो गया, जिसमें पहलगाम में 25 पर्यटक और एक स्थानीय टट्टू संचालक मारे गए और पर्यटकों की संख्या घटकर मात्र सौ रह गई। उद्यानों की देखरेख करने वाले एक अधिकारी के बकौल, निशात और सबसे बड़े मुगल उद्यानों शालीमार और चश्माशाही में पर्यटकों की संख्या फिर से बढ़ गई है और प्रतिदिन औसतन 4000-5000 पर्यटक आते हैं। इनमें से 70 प्रतिशत पर्यटक हैं।

■ मुगल उद्यानों शालीमार व चश्माशाही में पर्यटकों की संख्या फिर से बढ़ी

इन उद्यानों में पर्यटकों की आवाजाही पुष्प कृषि विभाग द्वारा नियंत्रित की जाती है, जो इनके रख रखाव के लिए भी जिम्मेदार है। लेकिन पर्यटकों की संख्या अभी भी 22 अप्रैल से पहले के स्तर तक नहीं पहुंच पाई है, जब उद्यानों में प्रतिदिन औसतन 9,000 पर्यटक आते थे और सप्ताहांत में यह संख्या 12,000 के आंकड़े को पार कर जाती थी। केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के अनुसार, पर्यटकों की संख्या में यह वृद्धि केंद्र और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों द्वारा आयोजित बैठकों और सम्मेलनों सहित विश्वास निर्माण की पहलों के कारण है। उन्होंने श्रीनगर में 7 और 8 जुलाई को आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय पर्यटन सचिवों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा था कि ये प्रयास फलदायी होंगे और आने वाले दिनों में कश्मीर में पर्यटन फिर से पूरे जोश में आ जाएगा। वैसे जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने देश के प्रमुख पर्यटन मेले, ट्रैवल एंड टूरिज्म फेयर का उद्घाटन करने के लिए कोलकाता का दौरा किया और माना कि इस क्षेत्र में पर्यटन धीरे-धीरे फिर से पटरी पर लौट रहा है। उन्होंने पर्यटन को पुनर्जीवित करने में मदद के लिए केंद्र की भी सराहना की। अब्दुल्ला का कहना था कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद मैं सभी की चिंता समझता हूं।

वे कहते थे कि लेकिन निश्चिंत रहें कि सरकार ने सुरक्षा संबंधी सभी कदम उठाए हैं और हमले के बाद उस जगह पर गए लोगों पर भरोसा करें, बजाय उन लोगों पर जो बाहर बैठकर उस जगह को जाने बिना ही कोई राय बना रहे हैं।

दुनिया रंग-बिरंगी

बंगाली सिनेमा से है गहरा प्यार और जुड़ाव : राजकुमार राव

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव हाल ही में रिलीज हुई एक्शन थ्रिलर फिल्म 'मालिक' को मिल रही प्रतिक्रिया का लुत्फ उठा रहे हैं। इस बीच उन्होंने बंगाली सिनेमा की जमकर तारीफ की। राजकुमार राव ने बंगाली सिनेमा के सुनहरे दौर को याद किया, जब सत्यजित राय और ऋत्विक घटक जैसे महान फिल्मकार बेहतरीन फिल्में बना रहे थे। उन्होंने उस समय की सांस्कृतिक समृद्धि और फिल्म बनाने की खासियत की तारीफ करते हुए कहा कि वह दौर भारतीय फिल्म इतिहास का सबसे प्रभावशाली समय था। उस समय की बंगाली फिल्मों ने भारतीय सिनेमा पर गहरा असर डाला था।

शादी को लेकर समाज की सोच बदल रही, अब पहले जैसा दबाव नहीं : फातिमा सना शेख

मुंबई, 13 जुलाई (एजेंसियां)। अभिनेत्री फातिमा सना शेख ने समाज में महिलाओं और शादी को लेकर बदलते नजरिए पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि 30 साल की उम्र के बाद भी शादी न करने वाली महिलाओं को लेकर समाज में अभी कुछ हद तक पुरानी सोच बनी हुई है, लेकिन अब पहले जैसा दबाव नहीं रहा। फातिमा ने बताया कि लोग अब व्यक्तिगत पसंद और रिश्तों में बदलाव को ज्यादा स्वीकार करने लगे हैं।

'दंगल' अभिनेत्री ने कहा कि पहले एक निश्चित उम्र तक शादी करने का दबाव ज्यादा था, लेकिन अब समय बदल रहा है और रिश्तों का मतलब भी बदल गया है। आजकल लोग खुद पर और अपने करियर पर ध्यान देना पसंद कर रहे हैं या अकेले रहने का फैसला कर रहे हैं। समाज धीरे-धीरे इसे स्वीकार करना सीख रहा है। अभिनेत्री ने कहा कि अब रिश्तों का मतलब बदल गया है। कई लोग अकेले रहने में सहज हैं या दूसरी चीजों पर ध्यान दे रहे हैं। समाज इसे स्वीकार कर रहा है। मुझे नहीं पता कि यह सही है या गलत, लेकिन अब इस पर पहले जैसी पाबंदी नहीं रही।

फातिमा सना शेख ने अपने पहले प्यार की याद भी साझा की। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी किताबों में फूल रखे या ऐसे रोमांटिक पल जिए, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि हां, बिल्कुल।

उन्होंने बताया कि उनके तत्कालीन पार्टनर ने उनके जन्मदिन पर एक खास सरप्राइज प्लान किया था, जिसमें दरवाजे से कमरे तक का रास्ता फूलों से सजाया गया था। उन्होंने कहा कि चारों तरफ फूल थे और केक के आसपास मोमबत्तियां जली हुई थीं। लेकिन, यह सरप्राइज पूरी तरह वैसा नहीं रहा जैसा सोचा गया था, क्योंकि जब तक वह वहां पहुंची, ज्यादातर मोमबत्तियां पिघल चुकी थीं। हंसते हुए उन्होंने कहा कि हमें बाद में सब साफ करना पड़ा।

उस पल को याद करते हुए फातिमा ने कहा कि यह एक खास और सच्चा प्यार था। उन्होंने यह भी बताया कि उस समय वह बहुत छोटी थीं और तब उनके पास फेसबुक या इंस्टाग्राम भी नहीं था।

दिल-दिमाग की सेहत में मददगार चिया सीड

- मधुमेह को भी करे कंट्रोल
- बीजों में प्रोटीन, फाइबर, विटामिन, मिनरल्स से भरपूर

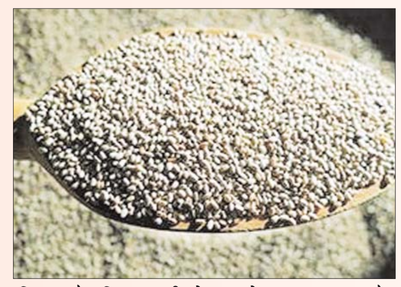

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। आजकल की तेज रफ्तार जिंदगी में सेहत का ख्याल रखना बहुत जरूरी हो गया है। जहां हम हर दिन नई चुनौतियों का सामना करते हैं, वहीं हमारा शरीर भी पर्याप्त पोषण चाहता है। अच्छी सेहत पाने के लिए सही और पौष्टिक भोजन चाहिए। ऐसे में प्रकृति ने हमें कई विकल्प दिए हैं, जिनमें से एक है 'चिया सीड' इन छोटे-छोटे बीजों के अनगिनत फायदे हैं।

अमेरिका की नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के मुताबिक, चिया बीज का वैज्ञानिक नाम 'साल्विया हिस्पैनिका' है। इसके बीज बहुत छोटे, सफेद या काले रंग के होते हैं। इनके बीजों में प्रोटीन, फाइबर, विटामिन, मिनरल्स, और ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर 'गुड फैट' होते हैं, जो हमारे शरीर की कई जरूरतों को पूरा करते हैं। चिया सीड में मौजूद प्रोटीन हमारे शरीर की मांसपेशियों को बनाए रखने और उनकी मरम्मत करने में मदद करता है। वहीं डायटरी फाइबर पाचन तंत्र को सही रखता है और कब्ज जैसी समस्याओं से बचाता है। इसके अलावा, विटामिन ए, बी1, बी2, और बी3 हमारी आंखों, त्वचा, और नर्वस सिस्टम के लिए अहम होते हैं। इन सबसे अलग ओमेगा-3 फैटी एसिड दिल और दिमाग की सेहत को बनाए रखता है। ओमेगा-3 फैटी एसिड दिमागी कामकाज को तेज करता है और याददाश्त बेहतर बनाता है।

इसमें कैल्शियम, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस और आयरन जैसे खनिज पदार्थ भी होते हैं। वहीं एंटीऑक्सिडेंट्स शरीर से हानिकारक फ्री रेडिकल्स को निकालकर हमारी कोशिकाओं की रक्षा करते हैं।

अगर आप लंबे समय तक काम करते हैं तो चिया सीड आपके लिए बेहद फायदेमंद हैं। इसमें प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट होते हैं, जो शरीर को ताकत और ऊर्जा देते हैं। यह मोटापा कम करने में मददगार होता है। पानी में भीगे हुए चिया सीड को खाने से पेट भरा हुआ महसूस होता है। इससे भूख कम लगती है और वजन नियंत्रित रहता है। चिया सीड त्वचा और बालों के लिए भी अच्छे हैं। चिया बीज में मौजूद विटामिन और मिनरल्स त्वचा को चमकदार बनाते हैं और बालों को मजबूत करते हैं।

इसके अलावा, चिया सीड डायबिटीज नियंत्रण और हड्डियों की मजबूती के लिए भी बेहतर आहार है। इनमें मौजूद कैल्शियम और फास्फोरस हड्डियों को मजबूत और स्वस्थ बनाए रखते हैं। इसके अलावा, एनआईएच के मुताबिक यह कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से बचाव भी करता है। चिया बीज में पाए जाने वाले तत्व शरीर को कैंसर से बचाने में मदद करते हैं, खासकर कोलन कैंसर और छाती के कैंसर से। अमेरिकी डाइटरी गाइडलाइंस के अनुसार, रोजाना 48 ग्राम से ज्यादा चिया सीड का सेवन नहीं करना चाहिए। इसे ज्यादा खाने से पेट फूलना या अन्य परेशानी हो सकती है। लेकिन यदि इसे संतुलित तरीके से अपने रोज के खाने में शामिल करें, तो यह आपके स्वास्थ्य के लिए वरदान साबित हो सकता है।

बढ़ रहा यूरिक एसिड का खतरा

- पानी दे सकता है इस समस्या से राहत
- जोड़ों में दर्द, सूजन, चलने में दिक्कत और शरीर में अकड़न जैसे संकेत

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में खानपान और रहन-सहन का असर सीधे हमारे शरीर पर पड़ता है। सुबह से लेकर रात तक हम तरह-तरह के फास्ट फूड, तले-भुने खाने और प्रोटीन से भरपूर चीजें खाते हैं। इस बीच हम यह ध्यान नहीं रखते कि इसका असर हमारे शरीर पर कैसे पड़ेगा। इसी लापरवाही के चलते हमारे शरीर में कई तरह की समस्याएं पैदा हो जाती हैं, जिनमें से एक है 'यूरिक एसिड' का बढ़ना। पहले यह परेशानी उम्रदराज लोगों में ही देखी जाती थी, लेकिन अब यह युवाओं में भी आम हो गई है।

जोड़ों में दर्द, सूजन, चलने में दिक्कत और शरीर में अकड़न, ये सभी इसके संकेत हो सकते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस समस्या की जड़ हमारे शरीर के पाचन और मेटाबॉलिज्म में होता है?

जब हम प्रोटीन से भरपूर चीजें खाते हैं, तो शरीर में प्यूरिन नाम का तत्व बनता है। अगर शरीर इसे सही से पचा नहीं पाता, तो यह यूरिक एसिड में बदल जाता है। अब अगर यह यूरिक एसिड समय रहते शरीर से बाहर न निकले, तो यह जोड़ों में जमा होकर दर्द और सूजन पैदा कर सकता है, या फिर किडनी में जाकर पथरी भी बना सकता है। इसका सबसे आसान, सस्ता और असरदार तरीका है 'पानी'।

पानी ही इस समस्या का सबसे बड़ा समाधान है। जैसे कोई झाड़ू घर की गंदगी साफ करता है, वैसे ही पानी शरीर में जमा जहर और बेकार तत्वों को बाहर निकालता है। जब आप पर्याप्त पानी पीते हैं, तो शरीर में बनने वाला यूरिक एसिड पेशाब के रास्ते बाहर चला जाता है। इससे शरीर साफ भी रहता है और जोड़ों पर इसका असर नहीं पड़ता। इसके अलावा, पानी पाचन क्रिया को भी बेहतर करता है, जिससे प्यूरिन ठीक से पचता है और यूरिक एसिड की मात्रा बढ़ने नहीं पाती।

अगर आप दिनभर कम पानी पीते हैं, तो शरीर में सूखापन बढ़ जाता है। इस वजह से किडनी ठीक से काम नहीं कर पाती और यूरिक एसिड धीरे-धीरे शरीर में जमा होने लगता है। इसलिए जिन लोगों को पहले से यूरिक एसिड की परेशानी है या जो प्रोटीन ज्यादा खाते हैं, उन्हें दिनभर में कम से कम 14 से 16 गिलास पानी जरूर पीना चाहिए। इससे न सिर्फ यूरिक एसिड बाहर निकलता है, बल्कि जोड़ों में नमी बनी रहती है, जिससे सूजन और दर्द में भी राहत मिलती है।

अहमदाबाद सिविल अस्पताल ने रचा इतिहास

200वें अंगदान के साथ 638 लोगों को मिला नया जीवन

अहमदाबाद, 12 जुलाई (एजेंसियां)। गुरु पूर्णिमा के शुभ दिन अहमदाबाद सिविल अस्पताल ने अंगदान के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए 200वें अंगदान की प्रक्रिया पूरी की। इस महायज्ञ में अमरेली निवासी महेशभाई सोलंकी के ब्रेन डेड होने के बाद उनके परिवार ने करुणामयी निर्णय लेते हुए उनके अंग दान किए, जिससे कई जिंदगियों में नई रोशनी आई। अस्पताल अधीक्षक डॉ. राकेश जोशी के अनुसार, पिछले साढ़े चार वर्षों में हुए कुल 200 अंगदानों के जरिए अब तक 657 अंगों का प्रत्यारोपण किया गया है, जिससे 638 मरीजों को नया जीवन मिला है। अंगदान किए गए अंगों में 175 लीवर, 364 किडनी, 64 हृदय, 14 अग्न्याशय, 6 हाथ, 32 फेफड़े, 2 छोटी आंतें और 21 त्वचा शामिल हैं।

2 जुलाई को सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल महेशभाई सोलंकी को इलाज के लिए अहमदाबाद लाया गया। 9 जुलाई को उन्हें ब्रेन डेड घोषित किया गया और परिवार ने अंगदान का फैसला लिया। उनके द्वारा दान किए गए अंगों में हृदय, लीवर, अग्न्याशय और दोनों गुर्दे शामिल हैं, जिनका प्रत्यारोपण जरूरतमंद मरीजों में किया गया।

अहमदाबाद सिविल अस्पताल राज्य का एकमात्र अस्पताल बन गया, जिसने 200 अंगदान पूरे किए हैं। डॉ. जोशी ने इसे टीमवर्क और समर्पण का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि हर अंगदान के पीछे एक परिवार की संवेदनशीलता और दूसरे परिवार की उम्मीद जुड़ी होती है।

डॉ. जोशी ने सभी अंगदाताओं और उनके परिवारों को नमन करते हुए कहा कि यह उपलब्धि न सिर्फ अस्पताल की है, बल्कि उन 200 परिवारों की है जिन्होंने मानवता की मिसाल पेश की है। हमारा लक्ष्य है कि कोई भी अंगों के इंतजार में अपनी जान न गंवाए। बता दें कि 2020 से सिविल अस्पताल अंगदान को लेकर निरंतर जनजागरूकता अभियान चला रहा है। इसका नतीजा है कि न सिर्फ गुजरात, बल्कि भारत के अन्य राज्यों और नेपाल जैसे पड़ोसी देशों से भी लोग इस अभियान से जुड़ते जा रहे हैं।

मैं अपनी लाइफ पर सोशल मीडिया को हावी नहीं होने देती : सुम्बुल तौकीर

मुंबई, 13 जुलाई (एजेंसियां)। 'इमली' फेम सुम्बुल तौकीर के मुताबिक वह सोशल मीडिया को अपने जीवन पर हावी न होने देतीं। मनमर्जी से पोस्ट शेयर करती हैं और इसे खुद पर हावी नहीं होने देतीं।

टीवी एक्ट्रेस सुम्बुल तौकीर ने कहा कि वह जैसी हैं, वैसे ही खुद को खुश रखने की कोशिश करती है। वह कभी भी किसी और की तरह बनने का दिखावा नहीं करतीं। वह इस बात का पूरा ध्यान रखती हैं कि सोशल मीडिया उनके जीवन पर हावी न होने पाए। उन्होंने कहा कि अगर आप सोशल मीडिया को अपने ऊपर हावी होने देते हैं तो यह लत बन सकती है। लेकिन मुझे कभी इसकी लत नहीं हुई क्योंकि मैं समझती हूं कि सोशल मीडिया हमारे लिए है, हम सोशल मीडिया के लिए नहीं हैं।

उन्होंने आगे कहा कि एक कलाकार के लिए सोशल मीडिया बहुत जरूरी है, क्योंकि इसी के जरिए आप अपने फैंस से जुड़ पाते हैं। कई फैंस और सपोर्टर ऐसे होते हैं जो आपसे बात करते हैं, प्यार और आशीर्वाद भेजते हैं। इसलिए सोशल मीडिया जरूरी है। लेकिन मैं इसका ज्यादा इस्तेमाल नहीं करतीं और समय सीमित रखती हूं, क्योंकि मेरे लिए जीवन में और भी बहुत जरूरी चीजें हैं, जिन पर ध्यान देना जरूरी है। मैंने अपने फोन में स्क्रीन टाइम लिमिट भी सेट कर रखी है ताकि मैं ज्यादा समय सोशल मीडिया पर न बिताऊं।

'अलमारी का अचार' का 22वें इंडियन फिल्म फेस्टिवल स्टटगार्ट में होगा वर्ल्ड प्रीमियर

मुंबई, 13 जुलाई (एजेंसियां)। आगामी शॉर्ट फिल्म 'अलमारी का अचार' का वर्ल्ड प्रीमियर 25 जुलाई को 22वें इंडियन फिल्म फेस्टिवल स्टटगार्ट में होने जा रहा है। यह फिल्म 'क्वीर स्पेशल प्रोग्राम' में प्रदर्शित की जाएगी। इस फिल्म को फेस्टिवल में बेस्ट शॉर्ट फिल्म की कैटेगरी के लिए नॉमिनेट किया गया है। यह फिल्म एक मध्यम उम्र के समलैंगिक जोड़े की कहानी है, जो एक-दूसरे से प्यार करते हैं, लेकिन वे परिवार की उम्मीदों और समाज की परंपराओं के बीच फंसे हुए हैं। फिल्म में हल्की-फुल्की मजेदार सीन भी हैं। शॉर्ट फिल्म की कहानी दिखाती है कि कैसे समलैंगिक लोग अपने प्यार को एक रूढ़िवादी भारतीय समाज में निभाने की कोशिश करते हैं।

इस शॉर्ट फिल्म में मुख्य भूमिका में मनवेंद्र त्रिपाठी और मनोज शर्मा हैं। फिल्म के निर्देशक राकेश रावत हैं। खास बात यह है कि राकेश रावत फिल्म के सिनेमैटोग्राफर और एडिटर दोनों हैं। फिल्म की कहानी, स्क्रीनप्ले और डायलॉग्स विशाल नाहर ने लिखे हैं। फिल्म का संगीत कनिश शर्मा ने तैयार किया है। अलमारी का अचार शॉर्ट फिल्म राकेश रावत की दूसरी फिल्म है। उनकी पहली फिल्म मिडनाइट दिल्ली थी। इस फिल्म को 2018 में सिंगापुर साउथ एशियन

इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में बेस्ट एडिटर का अवॉर्ड मिला था। इसके अलावा, 2020 में उन्हें राजस्थान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में बेस्ट डेब्यू डायरेक्टर के अवॉर्ड से भी नवाजा गया था। यह फिल्म 2019 में 19वें न्यूयॉर्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल में भी दिखाई गई थी। राकेश रावत ने चेन्नई के कोडंबक्कम स्थित एलवी प्रसाद फिल्म और टीवी अकादमी से पढ़ाई की थी। वह एक अनुभवी विज्ञापन फिल्म निर्माता हैं। उन्होंने कई बड़े और मशहूर ब्रांड्स के साथ काम किया है। इंडियन फिल्म फेस्टिवल स्टटगार्ट का 22वां आयोजन 23 जुलाई से 27 जुलाई तक जर्मनी के एक शहर स्टटगार्ट में होगा।

मांसपेशियों के लिए वरदान से कम नहीं नटराजासन

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। योग हमारे जीवन का एक अहम हिस्सा है, जो ना सिर्फ शरीर को स्वस्थ बनाता है बल्कि मन को भी शांति और संतुलन देता है। योग के कई आसन होते हैं, जिनमें से 'नटराजासन' एक खास और प्राचीन मुद्रा है। इसे डांसर पोज भी कहा जाता है क्योंकि इस आसन में शरीर की स्थिति बिल्कुल नृत्य की तरह लगती है। नटराजासन शरीर के संतुलन को सुधारने में मदद करता है और हड्डियों व मांसपेशियों को मजबूत बनाता है। आजकल ज्यादातर लोगों को शरीर के अलग-अलग हिस्सों में दर्द या मांसपेशियों की तकलीफ होती है, जिसका एक बड़ा कारण गलत बैठना या चलना होता है। नटराजासन के नियमित अभ्यास से ऐसे दर्द और तकलीफों में काफी आराम मिलता है। यह आसन भगवान शिव की नटराज मुद्रा से प्रेरित है, जो न केवल शरीर को संतुलित करता है, बल्कि मानसिक रूप से भी स्थिरता और शांति देता है।

आयुष मंत्रालय (मध्य प्रदेश) की ऑफिशियल वेबसाइट में इसे करने का तरीका और फायदों के बारे में विस्तार से बताया गया है। नटराजासन योग करने से पूरे शरीर में ब्लड फ्लो बेहतर होता है। जब रक्त

तनाव और मानसिक थकान को भी करता है दूर

सही तरीके से पूरे शरीर में पहुंचता है, तो शरीर के अंग अच्छे से काम करते हैं और हमें ज्यादा ऊर्जा मिलती है। साथ ही, इससे हृदय भी मजबूत होता है और थकान कम होती है। बेहतर ब्लड फ्लो से त्वचा भी स्वस्थ और चमकदार दिखती है। इसलिए नटराजासन जैसे योगासन करना शरीर के लिए बहुत लाभकारी होता है। इस योग को करने से तनाव कम होता है और मन को शांति मिलती है।

तमन्ना भाटिया ने स्टाइलिश तस्वीरों के साथ शेयर किया 'जीवन का फलसफा'

मुंबई, 13 जुलाई (एजेंसियां)। अभिनेत्री तमन्ना भाटिया बॉलीवुड की उन चुनिंदा अभिनेत्रियों में से एक हैं जो अपने लुक और स्टाइल के लिए काफी मशहूर हैं। वह फैंस के साथ नए-नए आउटफिट में अपनी फोटो शेयर करती रहती हैं। रविवार को उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी ऐसी ही कुछ स्टाइलिश तस्वीरें पोस्ट की, जिन पर फैंस जमकर प्यार लुटा रहे हैं।

तमन्ना भाटिया ने हाल ही में अपने खास अंदाज से सबको चौंका दिया। उन्होंने एक काले रंग की चमकीली गाउन के साथ एक कैजुअल ग्रे टी-शर्ट पहनी, जिससे उन्होंने दिखाया कि कैसे अलग-अलग चीजें भी एक साथ खूबसूरत लग सकती हैं। तमन्ना का कहना है कि उनके लिए फैशन सिर्फ नए ट्रेंड को फॉलो करना नहीं है, बल्कि यह खुद को जाहिर करने का एक तरीका है, जहां ग्लैमर और आराम, मजबूती और कोमलता का संतुलन बनता है। रविवार को 'बाहुबली' फिल्म की इस अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ स्टाइलिश तस्वीरें साझा कीं। कैप्शन में, तमन्ना भाटिया ने फैशन के साथ पहचान भी 'लेयरिंग' की ताकत को दर्शाया। उन्होंने साझा किया कि एक काले रंग का गाउन और एक ग्रे टी-शर्ट भले ही अलग-अलग दुनिया के लगे, लेकिन उनके लिए ऐसा लगता है जैसे वे एक-दूसरे से मिलने के लिए ही बने हैं। तमन्ना ने आगे लिखा, 'लेयरिंग की कला... एक काली चमकीली गाउन और एक ग्रे टी-शर्ट दो अलग दुनिया से हो सकती हैं - लेकिन मेरे लिए, ऐसा लगता है कि वे मिलने के लिए ही बनी थीं। क्योंकि विरोधाभास टकराव नहीं है।

महादेव करते हैं वो सब कुछ स्वीकार जो आपके लिए है वर्जित

- शहद, दूध, दही, गुड़ इत्यादि से करते हैं भोलेनाथ का अभिषेक
- अभिजीत मुहूर्त दोपहर 11:59 से 12:55 बजे तक रहेगा

श्रावण विशेष

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। देवादिदेव भोले शंकर को समर्पित श्रावण मास प्रतिपदा से आरंभ हो चुका है। औढरदानी को प्रसन्न करने के लिए भक्त कई जतन करते हैं, लेकिन भगवान तो भाव के भूखे हैं, इसलिए जब भी इस दिन समय मिले, उन्हें सिर्फ एक लोटा जल चढ़ाके खुश कर सकते हैं। अक्सर आपने देखा होगा कि शिवलिंग पर भगवान को दूध, दही, धतूरा, बेलपत्र जैसे पदार्थ अर्पित किए जाते हैं, लेकिन क्या कभी आपने सोचा ऐसा क्यों होता है?

14 जुलाई को कृष्णपक्ष की चतुर्थी पड़ रही है, सावन का प्रथम सोमवार भी। इस दिन भोलेनाथ का अभिषेक शहद, दूध, दही, गुड़ इत्यादि से करते हैं। ये वो सब चीजें हैं जो हलाहल पीने वाले भगवान सहर्ष स्वीकारते हैं, ऐसे पदार्थ जिन्हें बारिश के मौसम में मानव के लिए वर्जित माना जाता है। दरअसल, सावन यानी बरसात के दिनों में नमी की वजह से बैक्टीरिया और कीटाणु ज्यादा तेजी से फैलते हैं और ऐसे मौसम में इन पदार्थों के सेवन से गैस, एसिडिटी, अपच या अन्य पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं।

आयुर्वेद के मुताबिक, वात और कफ दोष में बैलेंस न होने के कारण मानसून में पाचन अग्नि कमजोर हो जाती है, जिससे अपच, गैस और पेट फूलने की समस्या हो सकती है और ऐसे समय में ही दूध, दही, गुड़ जैसी चीजों से परहेज करने को कहा जाता है। यही कारण है कि जो हमें वर्जित होती है वही भोले बाबा स्वीकार कर लेते हैं। एक तरह से चराचर जगत के स्वामी पिता की तरह अपने बच्चों का दुख हर, सुख समृद्धि का आशीष देते हैं। लेकिन ये भोले बाबा ही हैं जो दूध, दही और गर्म तासीर वाले गुड़ को भी स्वीकार कर लेते हैं। ये शिवजी की महानता और भक्तों के प्रति असीम प्रेम को दर्शाता है।

अब सवाल ये भी उठता है कि इंसान तो धतूरे का आमतौर पर सेवन करता नहीं, तो फिर क्यों महादेव पर इसे चढ़ाया जाए? इसका जवाब मान्यताओं और भगवान के विषपानसे जुड़ा है। जब समुद्र मंथन से विष निकला तो धरती को बचाने के लिए महादेव ने उसका पान कर लिया, लेकिन उसकी गर्मी से वो निढाल होने लगे। ऐसे में देवताओं ने भगवान शिव के सिर से विष की गर्मी को दूर करने के लिए सिर पर धतूरे और भांग से जलाभिषेक किया और विष उतर गया।

पुराणों के अनुसार तब से ही शिव जी को धतूरा, भांग और जल चढ़ाने की परंपरा शुरू हुई।

दृक पंचांगानुसार 14 जुलाई को ब्रह्म मुहूर्त सुबह 04.11 से 04.52 बजे तक रहेगा, अभिजीत मुहूर्त दोपहर 11:59 से 12:55 बजे तक रहेगा। शिव को भक्त के भाव से प्रेम है। इस दिन प्रात:काल स्नान करके स्वच्छ वस्त्र धारण करें। शिवलिंग की पूजा के लिए मंदिर जाएं। शिवलिंग का अभिषेक जल, दूध, दही, शहद, घी और गंगाजल से करने के उपरांत बेलपत्र, सफेद पुष्प, धतूरा, आक, अक्षत और भस्म अर्पित करना श्रेयस्कर होता है। भगवान शिव को सफेद मिठाई का भोग लगाएं और तीन बार ताली बजाते हुए उनका नाम स्मरण करें। जलाभिषेक के दौरान मूल मंत्र 'ओम नमः शिवाय' उत्तम होता है।

'आजादी या अकेलापन' गहरी सोच में डूबे फिल्ममेकर हंसल मेहता

मुंबई, 13 जुलाई (एजेंसियां)। फिल्ममेकर हंसल मेहता ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर मशहूर कवि चार्ल्स बुकोवस्की की कविता की चंद लाइनें शेयर कीं। साथ ही आजादी और अकेलेपन के बारे में गहराई से विचार किया। उन्होंने पोस्ट में लिखा कि जब सुबह कोई आपको जगाए नहीं, जब रात को कोई आपका इंतजार करे नहीं, और जब आप जो चाहो, वो कर सको, तो उसे आप क्या कहोगे? आजादी या अकेलापन? फिल्ममेकर हंसल मेहता ने हाल ही में बताया कि जब वह कंगना रनौत की फिल्म 'सिमरन' की शूटिंग कर रहे थे, तब उनकी सेहत ठीक नहीं थी।

उन्होंने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा था, लंबे समय तक बाहर शूटिंग करने के कारण बहुत तनाव होता था, उस तनाव से भागने की कोशिश करता था, खाने-पीने जैसी चीजों से खुद को आराम देने की कोशिश करता था। ऐसा करना मददगार साबित नहीं हुआ। शूटिंग के लगभग एक साल बाद मुझे अपने दिल में स्टेंट लगाना पड़ा। अपने स्वास्थ्य को नजरअंदाज करना कोई सही हेल्थ प्लान नहीं है। हंसल ने आगे बताया कि उन्होंने अपनी गलती से सीख ली। अब जब भी वे बाहर शूटिंग के लिए जाते हैं, तो वे ऐसी जगह रहते हैं, जहां उनका अपना किचन हो। वे खुद खाना बनाते हैं और रोज व्यायाम भी करते हैं।

उन्होंने कहा कि अब मेरा एक नियम है, हमेशा ऐसे अपार्टमेंट में रहना जहां किचन हो। मैं कुछ जरूरी सामान साथ लेकर जाता हूं, खुद अपना खाना बनाता हूं, व्यायाम करता हूं और इस दौरान मैंने खुद के साथ समय बिताना और अपनी कंपनी का लुत्फ उठाना सीख लिया है।

राज्यसभा में उज्ज्वल निकम

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राज्यसभा के लिए वरिष्ठ वकील उज्ज्वल निकम, केरल के समाजसेवी और शिक्षाविद सी. सदानंदन मास्टे, पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला और इतिहासकार मीनाक्षी जैन इन चार लोगों को नामित किया है। संविधान के अनुच्छेद 80 में प्रावधान है कि राष्ट्रपति राज्यसभा में 12 ऐसे सदस्यों को नामित कर सकते हैं जो साहित्य, विज्ञान, कला और समाज सेवा जैसे क्षेत्रों में विशेष ज्ञान या अनुभव रखते हों। यह कदम संसद को विविध क्षेत्रों की विशेषज्ञता से समृद्ध करता है। हालांकि विगत कई वर्षों से ये 12 नामांकन भी दलगत सोच से ही प्रभावित होने लगे हैं। अभी नामित 4 सदस्यों में सी. सदानंदन मास्टे और उज्ज्वल निकम तो घोषित तौर पर भाजपा के सदस्य रहे हैं। श्री सदानंदन केरल में भाजपा इकाई से जुड़े रहे हैं। केरल में भाजपा अपने पैर जमाने के लिए खूब हाथ-पैर मार रही है, लेकिन उसे लगातार नाकामी मिली है। अब प्रियंका गांधी के केरल पहुंचने के बाद भाजपा को अगले साल होने वाले चुनावों में चुनौतियों के बढ़ने का अंदाजा है। हाल ही में उपचुनावों में भी प्रियंका गांधी की मौजूदगी का असर भाजपा ने महसूस किया है। इसलिए अब राज्यसभा मनोनयन के जरिए भाजपा केरल में अपना प्रभाव बढ़ाना चाहती है।

वहीं उज्ज्वल निकम को 2024 लोकसभा चुनावों में भाजपा ने मुंबई नार्थ सेंट्रल से उम्मीदवार बनाया था, जिसमें वे कांग्रेस की वर्षा गायकवाड़ से हार गए थे। तब श्री निकम संसद नहीं पहुंच पाए तो अब भाजपा ने उन्हें दूसरे रास्ते से संसद तक पहुंचाने का रास्ता बना लिया। इसका फायदा भाजपा को महाराष्ट्र और खासतौर पर मुंबई में अपनी पकड़ और मजबूत बनाने में मिलेगा। उज्ज्वल निकम ने इस मनोनयन के बाद मीडिया से बात करते हुए बताया कि आधिकारिक सूचना आने से एक दिन पहले ही नरेन्द्र मोदी ने उन्हें फोन कर इसकी जानकारी दी थी और इस बातचीत में मराठी में ही पूछा था कि हिंदी में बात करूं या मराठी में। यह कोई सामान्य सवाल नहीं है, बल्कि इसके गहरे अर्थ महाराष्ट्र में खड़े हुए भाषा विवाद में देखे जा सकते हैं। प्राथमिक शिक्षा में हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में अनिवार्य करने के फैसला फड़नवीस सरकार ने लिया था, लेकिन उद्धव ठाकरे की शिवसेना और राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने इस फैसले का भारी विरोध किया। भाजपा की कवायद ने दोनों ठाकरे बंधुओं को एक साथ कर दिया, नतीजा यह हुआ कि फड़नवीस सरकार को फैसला वापस लेना पड़ा। इसे भाजपा की एक बड़ी हार के तौर पर देखा जा रहा है अब शायद नरेन्द्र मोदी हिंदी बोलूं या मराठी, यह सवाल खड़ा करके इस हार की खीझ मिटा रहे हैं। हालांकि इस तंज भरे सवाल के बावजूद यह तथ्य नहीं बदलेगा कि महाराष्ट्र में पहले सत्ता चुराने और फिर विधानसभा चुनावों में बड़ी जीत दर्ज करने के बावजूद उद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना से अगले भाजपा की घबराहट बरकरार है। अब अगली चुनौती बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कारपोरेशन यानी बीएमसी चुनावों की है और यहां भी शिवसेना का ही दबदबा रहा है। बीएमसी का सालाना बजट 74 हजार करोड़ से ज्यादा का होता है और यह देश में सबसे बड़े बजट वाला नगरीय निकाय है। 2014 से देश की सत्ता पर काबिज भाजपा ने कई विधानसभा और नगरीय निकायों के चुनाव जीते हैं, लेकिन बीएमसी पर कब्जे का उसका सपना अब तक पूरा नहीं हुआ है। पिछले चुनाव 2017 में हुए थे, तब अविभाजित शिवसेना को ही जीत मिली थी। शिवसेना तब एनडीए का हिस्सा थी, लेकिन बीएमसी में उसने अकेले चुनाव लड़ा था। इस बार भी शिंदे गुट की शिवसेना भाजपा से अलग ही बीएमसी चुनाव लड़ सकती है, लेकिन उद्धव ठाकरे के साथ तब एकनाथ शिंदे थे तो अब राज ठाकरे हो सकते हैं। यानी उनकी ताकत अब भी बड़ी रहेगी। ऐसे में नरेन्द्र मोदी अब दूसरे उपायों को आजमाने में लगे हैं, जिससे मुंबई पर पकड़ बढ़े।

उज्ज्वल निकम का मनोनयन ऐसा ही एक उपाय दिख रहा है। श्री निकम 1991 का कल्याण बम धमाका, 1993 का मुंबई सीरियल ब्लास्ट, 2003 का गेटवे ऑफ इंडिया बम धमाका, 26/11 मुंबई आतंकी हमला, प्रिया दत्त अपहरण कांड और नरेंद्र दाभोलकर हत्याकांड जैसे कई हाई-प्रोफाइल मामलों में अभियोजन का नेतृत्व कर चुके हैं। लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा में उज्ज्वल निकम तब आए, जब उन्होंने कहा था कि मुंबई हमलों के दोषी अजमल कसाब को जेल में बिरयानी खिलाई जा रही है। गौरतलब है कि इस हमले में शामिल सारे आतंकवादी मारे गए थे, लेकिन अजमल कसाब को मुंबई पुलिस में बतौर सहायक इंस्पेक्टर तैनात रहे तुकाराम ओंबले ने जिंदा पकड़ा, हालांकि इसमें खुद उनकी जान चली गई, क्योंकि कसाब अपनी एके 47 से अंधाधुंध गोलियां बरसा रहा था, जबकि श्री ओंबले के पास केवल एक लाठी थी, जिससे उन्होंने कसाब को रोके रखा, खुद गोलियां खाईं, लेकिन उसे पकड़ लिया। शहीद तुकाराम ओंबले को मरणोपरांत अशोक चक्र से सम्मानित किया गया है। उनकी बहादुरी और सर्वोच्च त्याग से भारत पर हुए बड़े आतंकी हमले के दोषी को पकड़ा जा सका, जिससे इस हमले के कई भेद सामने आए। कसाब को पूरी न्यायिक प्रक्रिया के बाद 21 नवंबर 2012 को फांसी दे दी गई। लेकिन इन चार सालों में जब तक कसाब जेल में रहा, यूपीए सरकार के खिलाफ इस बात को लेकर नाराजगी बनी कि उसने एक आतंकी को जेल में बिरयानी खिलाई है। जबकि इस झूठ के बारे में 2015 में खुद उज्ज्वल निकम ने खुलासा किया है। जयपुर में आतंकवाद विरोधी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में हिस्सा लेने आए श्री निकम ने कहा था कि, "कसाब ने कभी भी बिरयानी की मांग नहीं की थी और न ही सरकार ने उसे बिरयानी परोसी थी। मुकदमे के दौरान कसाब के पक्ष में बन रहे भावनात्मक माहौल को रोकने के लिए, मैंने इसे गढ़ा था।' श्री निकम के मुताबिक कसाब को आतंकवादी मानने पर कुछ लोग सवाल उठा रहे थे, उसके लिए मीडिया में सहानुभूति बन रही थी। श्री निकम ने कहा कि जब उन्होंने मीडिया से यह सब कहा तो एक बार वहां फिर पैनल चर्चाएं शुरू हो गई और मीडिया दिखाने लगा कि एक खूंखार आतंकवादी जेल में मटन बिरयानी की मांग कर रहा है, जबकि न उसने बिरयानी मांगी, न सरकार ने उसे बिरयानी खिलाई थी।

उज्ज्वल निकम ने तो बड़ी आसानी से झूठ बोलकर उसका खुलासा भी कर दिया, लेकिन इसके कारण कांग्रेस सरकार और खासकर सोनिया गांधी पर कीचड़ उछालने का मौका भाजपा को मिला और यूपीए सरकार को सत्ता से हटाने में मदद मिली। सियासी स्तर पर तो यह घिनौना खेल भाजपा ने खेला ही, खुद उज्ज्वल निकम ने एक खूंखार आतंकी के लिए ऐसा झूठ बोलकर देश की आतंकविरोधी नीति के साथ खिलवाड़ किया और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि को दागदार किया। भाजपा 2014 में सत्ता में आई और 2016 में ही उज्ज्वल निकम को पद्म श्री से सम्मानित किया गया था, फिर 2024 में चुनाव का टिकट मिला और अब सीधे राज्यसभा का मनोनयन। भाजपा में झूठ बोलने वालों को सम्मानित किया जाता है, यह बात खुद नरेन्द्र मोदी ने इस बार साबित की है।

बिहार में पुरानी गलतियों से बचना होगा: विपक्ष को एक होकर लड़ना होगा

अच्छा बैट्समेन एक बॉल पर दो बार आउट नहीं होता। मगर कांग्रेस उसी बॉल पर बार=बार अपना विकेट गंवा रही है। अभी 2023 की तीन राज्यों की हार राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और फिर 2024 में हरियाणा की जीती हुई बाजी हार कर भी उसने कोई सबक नहीं सीखा।

चुनाव आयोग है। वह तो है! और जब तक मोदी रहेंगे वह तो ऐसे ही रहेगा। आप कांग्रेस के चुनाव लड़ने पर कुछ भी लिखो लोग कहना शुरू कर देते हैं ईवीएम पर लिखो, वोटर लिस्ट पर लिखो, चुनाव धांधलियों पर कहो, चुनाव आयोग पर बोलो। सही बात है। मगर इन पर कम नहीं लिखा है। लेकिन इन्हें बदलना, ठीक करना आपके हाथ में नहीं हैं। इनके खिलाफ लड़ाई जारी है। विपक्ष भी लड़ रहा है। मीडिया का एक छोटा हिस्सा ही सही वह भी लड़ रहा है। और यह सब लड़ते रहेंगे। लेकिन अंपायरिंग खराब है, पिच खराब है, क्लोज फिल्डिंग है सब है मगर आप आउट कैसे हो रहे हैं यह तो देखिए! हर बार एक जैसी गलती करके?

बिहार के चुनाव अभी घोषित नहीं हुए हैं। थोड़ा समय है। विशेष गहन पुनरीक्षण बेईमानी है, धोखा है उससे लड़ना है। विपक्ष लड़ भी रहा है।

बिहार बंद बहुत सफल रहा। चुनाव आयोग के झूठ सामने आने लगे हैं कि इतने करोड़ फार्म बांटे। खुद बीएलओ कैमरे पर कह रहे हैं कि आधे भी नहीं बांटे। जो पुनरीक्षण करवा रहे हैं उन सरकारी कर्मचारियों का कहना है कि यह 25 जुलाई तक संभव ही नहीं है। तो यह लड़ाई चलती रहेगी। इसे विपक्ष को और ताकत से लड़ना होगा। एक भी वोट कटे नहीं यह देखना होगा। क्योंकि वोट वह सही और गलत देखकर नहीं काटेंगे। इसके लिए यह वोटर रीविजन नहीं लाए हैं। वह तो सीधा उद्देश्य है उन वोटों को काटना जो विपक्ष को जा सकते हैं।

भाजपा की जीत की संभावनाएं बढ़ाना। मामला सुप्रीम कोर्ट गया। मगर जैसा कि हमारा शक था वही हुआ। उसने कोई आदेश नहीं दिया। केवल कुछ सुझाव दे दिए। जिन पर चुनाव आयोग ने कान भी नहीं दिया। सुप्रीम कोर्ट सलाहकार बन गया।

काम था न्याय करना। उसके लिए फैसला देना। मगर वह सलाहें दे रहा है। कौन मानेगा उसकी सलाह जो मोदी जी की जीत के खिलाफ जा रही है! आदेश होता तब भी उसके खिलाफ चुनाव आयोग या उसकी तरफ से कोई और रीविजन में चला जाता। यहां तो भाई साहब ऐसा कर लो ठीक रहेगा वाली केवल खानापूरी की सलाह है जिसे कोई मानने वाला नहीं है।

खैर तो यह सब चलेगा। इससे लगातार लड़ना होगा। मगर साथ में अपना घर भी ठीक करना होगा। पुरानी बातें छोड़ते हैं। हालांकि अगर कांग्रेस 2014 की हार से लेकर अभी लास्ट महाराष्ट्र की हार की ठीक से समीक्षा कर लेती तो उसे अभी बिहार की जीत के कई मजबूत आधार मिल जाते। और हुई हार की गलतियां दोहराने से बच जाती। साथ ही जहां जीते हैं जैसे 2015 में बिहार में लालू जी जीते थे उससे समझ मिल जाती।

शकील अख्तर

कांग्रेस को लालू और तेजस्वी से कहना चाहिए कि दोनों तेजस्वी के मुख्यमंत्री बनने में सहायक हैं। बाधा नहीं हैं। लेकिन मुख्यमंत्री बनने के लिए जीतना तो पड़ेगा। तेजस्वी हर चुनाव में अच्छा कर रहे हैं। मगर जीत नहीं रहे। इस बार फिनिशर हो सकते हैं। मगर सबको साथ लेकर चलना पड़ेगा।

अभी भी समय है समझ सकते हैं। क्योंकि बिहार बहुत महत्वपूर्ण है। और उससे भी ज्यादा यह वक्त। वक्त का मतलब मोदी इस समय सबसे ज्यादा कमजोर स्थिति में हैं। 11 साल में पहली बार उनके समर्थक भी उनसे निराश हैं। पहलगाम के आतंकवादी हमले के बाद एक भी दोषी नहीं पकड़ा गया। और उसके बाद आपरेशन सिंदूर में हमारे जहाजों के नुकसान की खबर आई। किसी और ने नहीं बल्कि सेना की शीर्षस्थ अधिकारियों द्वारा। और फिर अचानक सीजफायर। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप का रोज दावा कि मेरे कहने से किया। मोदी की सारी इमेज खतम हो गई।

राष्ट्रवाद ही मोदी का सबसे बड़ा आधार था। कांग्रेस पीओके नहीं ले पाई हम लेंगे। 8 मई की रात टीवी वालों ने जो पाकिस्तान का हर शहर जीतने की कहानियां चलाईं वह इसी भरोसे चलाई थीं कि मोदी यह सब कर लेंगे। मगर मोदी ने तो सीजफायर मान लिया।

उनका सारा राष्ट्रवाद का माहौल भरभरा कर गिर गया। अब उसे संभालने की चेष्टा में जो कुछ भी कर रहे हैं उसका असर हो नहीं रहा। या किसी-किसी कोशिश का तो उल्टा असर हो रहा है। जैसे राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने चुनौती वाले अंदाज में कहा कि-बताओ हमारा क्या नुकसान हुआ?

सब खामोश थे। राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला था। मगर डोभाल के कहने के बाद लोग भारत के चीफ आफ डिफेंस स्टाफ अनिल चौहान और भारत के डिफेंस अटैची कैप्टन शिवकुमार को ही कोट करने लगे। जिन्होंने नुकसान होने की बात कही थी। और यहां तक कहा कि नुकसान सेना की वजह से नहीं राजनीतिक नेतृत्व की गलती की वजह से हुआ।

यह मोदी की छवि दोबारा बनाने की कोशिशें थीं। इसी के तहत मोदी 5 देशों की यात्रा पर गए। जिन्हें खूब बढ़ा चढ़ाकर प्रचारित किया गया। मगर घर के सवाल बाहर के सम्मानों से दूर नहीं होते हैं।

तो इस समय मोदी अपनी सबसे कमजोर स्थिति में हैं। और अगर अभी भी विपक्ष उन्हें बिहार में हरा नहीं पाएगा तो फिर उसके लिए लंबे समय तक वापस अंधेरा छा जाएगा। और मोदी फिर उभर आएंगे।

बिहार में कांग्रेस और आरजेडी का ठीक से मिल कर लड़ना तो बाद का सवाल है। पहला सवाल यह कि कांग्रेस में वहां सब कुछ ठीक क्यों नहीं है? अभी बिहार बंद के दौरान राहुल गांधी के दौरे पर पप्पू यादव और कन्हैया कुमार को अस्थायी रुप से ट्रक को बनाए रथ पर चढ़ने से रोक दिया गया।

सफल बिहार बंद की खबर चलाने से बचने के लिए गोदी मीडिया को बढ़िया शिगुफा मिल गया। इस प्रकरण में बहुत सारी बातें कही जा रही है। मगर मुख्य बात यह है कि अगर रथ पर जगह कम थी। कुछ ही लोगों को खड़ा करना था तो बाकी लोगों को पहले से क्यों नहीं बताया गया? नीचे कोई जिम्मेदार आदमी होता जैसा सारी व्यवस्थाओं में होते है तो वहीं धीरे से बता देता। सुरक्षाकर्मियों को रोकने देने की नौबत क्यों आई?

कांग्रेस व्यवस्था से काम क्यों नहीं करती है। सब को मालूम है कि सबसे ज्यादा अव्यवस्था कांग्रेस के कार्यक्रमों में होती है। इसे अपना कल्चर मान लेना अब नुकसान करने लगा है। यह ऊपर से बड़े नेतृत्व को समझना चाहिए। बेवजह यह मामला तूल पकड़ गया।

दूसरी बात आरजेडी की, तेजस्वी यादव की। लगातार यह कहा जा रहा है कि तेजस्वी और खुद लालू भी पप्पू यादव और कन्हैया को पसंद नहीं करते हैं। यह दोनों कांग्रेस के नेता हैं। और राहुल गांधी की वजह से ही कांग्रेस में आए हैं।

कांग्रेस को लालू और तेजस्वी से कहना चाहिए कि दोनों तेजस्वी के मुख्यमंत्री बनने में सहायक हैं। बाधा नहीं हैं। लेकिन मुख्यमंत्री बनने के लिए जीतना तो पड़ेगा। तेजस्वी हर चुनाव में अच्छा कर रहे हैं। मगर जीत नहीं रहे। इस बार फिनिशर हो सकते हैं। मगर सबको साथ लेकर चलना पड़ेगा।

खुद लालू और तेजस्वी को भी समझना चाहिए। राजनीति अवसरों का फायदा उठाने की होती है। अवसर गंवाने की नहीं। सबसे बड़ा दांव तो तेजस्वी का लगा है। उन्हें खुद आगे आकर यह सब विवाद खत्म करना चाहिए। कांग्रेस आरजेडी बाकी गठबंधन के दल सबको समझना चाहिए कि जीतेंगे तभी कुछ मिलेगा। अभी लट्ठमलट्ठा करने से कोई फायदा नहीं।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय विदेश नीति का खस्ताहाल

हाल के दिनों में प्रधानमंत्री मोदीजी के नेतृत्व वाली भारत सरकार की विदेश नीति ने जो बदनामी अर्जित की है, उसे कम करके नहीं आंका जा सकता। 13 जून को, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने स्पेन द्वारा पेश किये गये एक प्रस्ताव को पारित किया, जिसमें गाजा में तत्काल और बिना शर्त युद्धविराम का आह्वान किया गया था। प्रस्ताव में इज़राइल पर 'नागरिकों को युद्ध के एक तरीके के रूप में भुखमरी' का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया गया था। 193 सदस्य देशों में से 149 ने प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया, 12 ने विरोध किया जबकि 19 ने मतदान में भाग नहीं लिया। भारत ने प्रस्ताव के पक्ष में मतदान नहीं किया, बल्कि मतदान से दूर रहा।

यह सबसे शर्मनाक रुख था, क्योंकि गाजा पर इज़राइल द्वारा जारी नरसंहार युद्ध और 20 लाख लोगों पर बड़े पैमाने पर भुखमरी के हथियार के रूप में इस्तेमाल की पृष्ठभूमि में युद्धविराम की तत्काल आवश्यकता स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही थी। मतदान से परहेज़ करने के लिए भारत का तर्क कमज़ोर और कपटपूर्ण था- कि 'स्थायी शांति केवल सीधी बातचीत से ही स्थापित हो सकती है'। यह कपटपूर्ण इसलिए था क्योंकि इज़राइल ने ही पिछला युद्धविराम तोड़ा था और गाजा में सभी आपूर्ति पर पूर्ण नाकाबंदी लगा दी थी। मतदान से परहेज़ करना भारत के उस रुख के विपरीत था जो उसने छह महीने पहले, दिसंबर 2024 में, संयुक्त राष्ट्र महासभा में युद्धविराम का आह्वान करने वाले एक प्रस्ताव को पारित करते समय अपनाया था, जिसमें भारत ने प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया था। भारत और तिमोर-लेस्ते केवल दो एशियाई देश थे जिन्होंने मतदान से परहेज़ किया। अन्य सभी एशियाई देशों ने, यहां तक कि जापान और दक्षिण कोरिया जैसे संयुक्त राज्य अमेरिका के कट्टर सहयोगियों ने भी, प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया।

प्रकाश कारत

यह बात एक बार फिर स्पष्ट हो गयी कि विदेश नीति अमेरिका-इज़राइल धुरी के हाथों में गिरवी रख दी गयी है, जब भारत ने 14 जून को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) द्वारा जारी उस बयान से खुद को अलग कर लिया, जिसमें ईरान पर इज़राइली सैन्य हमलों की निंदा करते हुए इसे अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर का उल्लघन बताया गया था। भारत सरकार ने तुरंत घोषणा की कि बयान जारी करते समय उससे सलाह नहीं ली गयी थी।

राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा नेतन्याहू की फ़िलिस्तीनियों के सफाये की योजना को पूर्ण समर्थन दिये जाने के बाद, मोदी सरकार ने स्पष्ट रूप से इज़राइल समर्थक रुख़ अपनाने का साहस दिखाया है। ट्रंप प्रशासन ने यह भी संकेत दिया है कि वह अब द्वि-राष्ट्र समाधान का समर्थन नहीं करता। हर कीमत पर ट्रंप के साथ खड़े होने के गुलामी भरे रवैये के कारण भारत ने फ़िलिस्तीनी मुद्दे के प्रति अपने सैद्धांतिक समर्थन को पूरी तरह त्याग दिया है और इज़राइली शासन की उपनिवेशवादी-नरसंहारकारी नीतियों का साथ दिया है।

यह बात एक बार फिर स्पष्ट हो गयी कि विदेश नीति अमेरिका-इज़राइल धुरी के हाथों में गिरवी रख दी गयी है, जब भारत ने 14 जून को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) द्वारा जारी उस बयान से खुद को अलग कर लिया, जिसमें ईरान पर इज़राइली सैन्य हमलों की निंदा करते हुए इसे अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर का उल्लघन बताया गया था। भारत सरकार ने तुरंत घोषणा की कि बयान जारी करते समय उससे सलाह नहीं ली गयी थी। यहां तक कि यह तथ्य कि ईरान एससीओ का एक सदस्य है और उस पर आक्रमण हुआ था, मोदी सरकार की अन्तरात्मा को परेशान नहीं कर रहा था। अपनी ओर से मोदी सरकार ने। ईरान, जो एक मित्र देश है और जिसके साथ भारत की रणनीतिक साझेदारी है, के विरुद्ध इज़राइल के सैन्य आक्रमण की आलोचना या निंदा नहीं की। इस रुख की तुलना जापान की प्रतिक्रिया से की जा सकती है, जो संयुक्त राज्य अमेरिका का एक घनिष्ठ सहयोगी और क्वाड का सदस्य है। जापानी सरकार ने ईरान पर इज़राइली हमले की कड़ी निंदा की और इसे अंतरराष्ट्रीय कानून और ईरान की संप्रभुता का घोर उल्लंघन बताया।

जब संयुक्त राज्य अमेरिका ने 22 जून को सभी अंतरराष्ट्रीय कानूनों और मानदंडों का घोर उल्लंघन करते हुए ईरान के तीन परमाणु प्रतिष्ठानों पर बमबारी की, तो भारत चुप रहा। प्रधानमंत्री मोदी ने ईरानी राष्ट्रपति को फ़ोन करके चिंता व्यक्त की और तनाव कम करने का आह्वान किया। यह आक्रमण के शिकार लोगों को सलाह थी कि वे अपनी रक्षा के लिए कोई कदम न उठायें।

रियो डीजेनेरियो में आयोजित ब्रिक्स नेताओं के शिखर सम्मेलन में, मोदी ने अपने भाषण में ईरान पर इज़राइली हमले और उसके परमाणु स्थलों पर अमेरिकी बमबारी की किसी भी आलोचना से परहेज किया। लेकिन शिखर सम्मेलन द्वारा जारी संयुक्त बयान में ईरान पर आक्रमण की कड़ी निंदा की गयी। ज़ाहिर है, ब्रिक्स के दस अन्य सदस्य देश इस मामले पर भारत के विचारों से सहमत नहीं हैं।

विदेश नीति में दक्षिणपंथी झुकाव राष्ट्रपति ट्रंप की कृपा पाने और उनकी बेतुकी मांगों को मनवाने की उत्सुकता से उपजा है। 1 जुलाई को वाशिंगटन में हुई क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक में चीन को एक सुरक्षा ख़तरा और उसके बढ़ते आर्थिक प्रभाव का मुक़ाबला करने के रूप में और भी तीखे तरीके से रेखांकित किया गया। भारत यह सुनिश्चित करने पर तुला हुआ है कि ट्रंप इस साल के अंत में दिल्ली में होने वाले क्वाड नेताओं के शिखर सम्मेलन में शामिल हों।

भारत को व्यापार और शुल्क के मोर्चे पर भी ट्रंप की मांगों को मानना होगा। यहां भी, मोदी सरकार कोई ठोस रुख़ नहीं अपना पा रही है। सभी संकेत यही हैं कि भारत यह सुनिश्चित करने के लिए बड़ी रियायतें देने को तैयार था कि अंतरिम व्यापार समझौता 9 जुलाई की समय सीमा से पहले अंतिम रूप ले ले, जब ट्रंप द्वारा घोषित पारस्परिक शुल्कों में 90 दिनों का विराम समाप्त होने वाला है। हालांकि, अब तक हुई बातचीत किसी संतोषजनक निष्कर्ष पर नहीं पहुंच सकी है।

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत की विदेश नीति की स्थिति खस्ताहाल है, यह बात साफ़ हो गयी है। ट्रंप भारत और पाकिस्तान को एक साथ जोड़ने और भारत-पाकिस्तान संबंधों में अमेरिका को मध्यस्थ के रूप में पेश करने में कामयाब रहे हैं।

इस विफलता की जड़ में मोदी सरकार की संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ जूनियर साझेदारी करने की पुरज़ोर कोशिश है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अगली मुलाकात में एक नये दस वर्षीय रक्षा रूपरेखा समझौते पर हस्ताक्षर किये जायेंगे। फरवरी में मोदी की वाशिंगटन यात्रा के दौरान भारत ने बड़े पैमाने पर अमेरिकी सैन्य उपकरण खरीदने की प्रतिबद्धता जताई थी। अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्डलुटनिक ने जून में एक बार फिर भारत द्वारा रूस से हथियार खरीदने पर नाखुशी जताई, लेकिन महत्वपूर्ण बात यह भी कही कि इन चिंताओं का समाधान कर दिया गया है और 'भारत संयुक्त राज्य अमेरिका से सैन्य उपकरण खरीदने की दिशा में आगे बढ़ रहा है'।

यह सब भारत के महत्वपूर्ण हितों का परित्याग है, चाहे वह आर्थिक संप्रभुता से संबंधित हो, विदेश नीति से संबंधित हो, या रणनीतिक स्वायत्तता से।

आपके पत्र

छत्रपति शिवाजी महाराज के किलो को विश्व सूची में स्थान

राजा महाराजाओं का देशप्रेम, समर्पण भाव और त्याग परम्पराओ की त्रिवेणी ने उनके नाम को ही अमरत्व प्रदान नही किया,बल्कि उनकी धरोहर को भी विश्व तक फैलाया। राजा महाराजा देश की आन बान और शान के प्रतीक रूप धर्म के लिए अपना जीवन अर्पण करने के लिए हमेशा तैयार रहते थे। उनका धर्म के प्रति लगाव और आस्था का केंद्र बिंदु उनका आदर्श सबसे पहले अपना देश रहा है। राजस्थान महाराणा प्रताप की भूमि मेवाड़ का इतिहास हमे शूरवीरता की गाथा बयां करता है,वही उनकी त्याग और राजधर्म के पालन की मिसाल आज भी दी जाती है। राजस्थान की कुर्बानी की यशोगाथा आज भी युवाओ के लिए आदर्श बनी हुई है। जन जन के प्रिय और आदर्शवादी राजाओं को कैसे विस्मृत किया जा सकता है। उसी कड़ी में छत्रपति महाराजा शिवाजी के त्याग और समर्पण भाव आज भी लोगो के जेहन में है। उसी श्रृंखला में महाराजा शिवाजी के आदर्श और देश के स्वाभिमान की लड़ाई में उनका योगदान बहुत बड़ा रहा है। जिनकी कल्पना मात्र से लोग आज भी उनकी कृतियों को लोग दिलो में संजोकर रखे हुए है। छत्रपति शिवाजी महाराज के 12 किले यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में शामिल होने से आज महाराष्ट्र ही नही पूरे देश को गर्व है। भारत का इतिहास रहा है कि जितने भी हिन्दू राजाओ ने त्याग की मिसाल पेश की है। उनका जीवन देश के लिए समर्पित था। धर्म पर आस्था की बेड़ियों से जकड़े राजाओं ने अपना सब कुछ बलिदान कर धर्म का ध्वज हमेशा लहराते चले। आज वो हर भारतीय के दिलो के दीपक बन गए है। छत्रपति शिवाजी महाराज की यशोगाथा कम नही है। उनका त्याग कठोर ह्दय इंसान को पिघला सकता है। उल्लेखनीय है कि शिवाजी महाराज के क़िले 47वे विश्व धरोहर में जगह मिलने पर महाराष्ट्र सहित पूरा देश गदगद है। 17वी से 19वी शताब्दी के बीच मराठा साम्राज्य की सैन्य रणनीति और स्थापत्यकला के उत्कर्ष उदाहरण है। महाराष्ट्र और देश के लिए गौरवशाली पल है। भारत के स्थापत्य कला का उत्कृष्ट नमूना हमारी धरोहर रही है। जो विश्व स्तर पर अपने नाम को दैदीप्यमान किया गया है। यूनेस्को में भारत की स्थापत्यकला को विश्व धरोहर की मान्यता मिलना देश की त्याग संस्कृति का उत्कर्ष नमूना है। राजा महाराजा की गौरव गाथा उनकी शूरवीरता समर्पण भाव के लिए की जाती रही है। उनका जीवन जनता के दु:ख दर्द के साथ जुड़ा हुआ था। वो अपनी जनता से सच्चा प्रेम भी करते थे। यद्यपि,मराठा सैन्य परिदृश्यों में 12वे किले में शामिल किया गया। इस पर प्रधानमंत्री ने एक्स पर मराठी भाषा में ट्वीट करते हुए प्रसन्नता जताते हुए कहा कि मराठा इतिहास का विश्व भर में प्रसार होगा। जब हम मराठा साम्राज्य की बात करते है तो हम उसे सुशासन,सैन्य शक्ति सांस्कृतिक गौरव और सामाजिक कल्याण की और जोड़ते है। यह हमारी विरासत है। इस पर हर भारतीय के लिए गौरव की बात है। गौरतलब है कि शिवनेरी किला शिवाजी महाराज का जन्म स्थल है। रायगढ़ जिला मराठा साम्राज्य की राजधानी थी और 1674 में छत्रपति महाराज शिवाजी का राज्याभिषेक हुआ था। लोहगढ़ राजनौतिक रूप से महत्वपूर्ण किला है। साल्हेर किला मुघलो के खिलाफ युद्ध महत्वपूर्ण गवाह रहा है। प्रतापगढ़ मराठा सैन्य शक्ति का प्रतीक माना गया। स्वराज शिक्षा में महत्वपूर्ण राजगढ़ किला माना जाता है। ये वो किले है जिनके पीछे राजा महाराजाओं की सम्पूर्ण जीवन का समर्पण रहा है। खंडेरी किला समुद्री रक्षा का सम्पूर्ण केंद्र तथा विजयदुर्ग किला मराठा सेना की सैन्य ताकत का प्रतीक माना जाता है। इनकी शूरवीरता के लिए देश नतमस्तक है। सिंधु दुर्ग किला तट पर निर्मित अभेद किले के नाम से जानते है। तटीय रक्षा का एक उदाहरणसुवर्ण दुर्ग किला है। पन्हाला किला मराठा इतिहास का महत्वपूर्ण गढ़ है। ये धरोहर विश्व मानचित्र की गवाह बनी है इसके लिए उन तमाम राजा महाराजाओं की त्याग भावना की किले के रूप में मिसाल पेश की है। जिसका हमे गर्व है।

-कांतिलाल मांडोत

ललित सुरजन की कलम से

वर्तमान समय और प्रगतिशील आंदोलन

'सोवियत संघ का विघटन, बर्लिन दीवार का टूटना, जर्मनी का एकीकरण, मार्ग्रेट थैचर व रोनाल्ड रीगन की आर्थिक नीतियां- ये कुछ ऐसे कारक तत्व थे जिनका प्रभाव भारत सहित विश्व के अनेक देशों पर धीरे-धीरे कर पडना शुरू हुआ तथा जिसकी निष्पत्ति हम आज देख रहे हैं। अतीत में एक सीढ़ी और नीचे उतरें तो नेहरू युग की समाप्ति को भी एक युगांतरकारी मोड़ के रूप में देखा जा सकता है। मैं आपको कुछ और पीछे ले चलना चाहता हूं। 1947 में देश का आज़ाद होना एक बहुत बड़ी घटना थी जिसने तीसरी दुनिया के तमाम अन्य मुल्कों को प्रेरणा दी व उनकी अपनी आज़ादी की लड़ाई को धार देने का काम किया; लेकिन इसके समानांतर भारत का विभाजन होना भी उतनी ही महत्वपूर्ण दूसरी घटना थी। आज यह विचार करने की आवश्यकता है कि जब दक्षिण एशिया में धर्म पर आधारित एक नए देश याने पाकिस्तान की स्थापना हुई ठीक उसी समय पश्चिम एशिया में धर्म पर आधारित एक दूसरे देश याने इजराइल की स्थापना भी हुई।'

'भारत में ऐसे विद्वतजनों की कमी नहीं है जो पाकिस्तान निर्माण के लिए गांधी-नेहरू को दोषी ठहराते हैं। उन्हें यह सवाल स्वयं से पूछना चाहिए कि फिलिस्तीन को खत्म कर इजरायल की स्थापना का दोषी कौन था।'

(अक्षर पर्व अक्टूबर 2015 अंक की प्रस्तावना)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2015/10/blog-post_5.html

गुरुवाणी विचार

तीरथ करत औ दान करत मन में धरे गुमान

जहां मात पिता सुत मीत भाई- मन उंहा नाम तेरे संगि सहाई।
जहं महा भइआन दूत जम दलै- तहं केवल नाम संगि तेरे चले।
जहं मुस्कल होवे अति भारी-हरि को नाम खिन माहि उबारी।
अनेक पुनह चरन करन नहीं तरै-हरि को नाम कोटि पाप हरै।
गुरमुख नाम जपहो मन मेरे- नानक पावहु सुख घनेरे।।

गुरुवाणी में गुरुदेव हमें समझा रहे हैं कि जहां माता-पिता भाई बहन बाल-बच्चे यहां तक कि स्त्री भी काम नहीं आती। वहां प्रभु नाम हमारी सहायता करता है। वही हमारे साथ जाने वाला है बाकी सब तो पूर्व जनमों के संजोग से भाई-बहन स्त्री इत्यादि बनकर हमारे जीवन में आए हैं। कहा भी गया है -

मात-पिता सुत बनिता इस्ट मीत और भाई।
पूरब जनम के मिले संजोगी- अंते को न सहाई।।

आगे आप समझाईश दे रहे हैं कि जहां अति भयानक यमदूतों का दल आकर हमें सताता है और काफी परेशान करता है वहां भी अगर हमने सिमरन बंदगी की होगी तो वही सिमरन बंदगी हमारी मदद करती है।

मेरे राम राम तूं संता का संत तेरे।
तेरे सेवक को भौ किछ नाही-
जम नहीं आवै नेड़े।

यमदूत दूर से ही भाग खड़े होते हैं। प्रभु नाम सिमरन में इतनी शक्ति है। इंसान को पग पग पर मुश्किलें आती रहती हैं तब केवल प्रभु नाम का ओट आसरा ही हमें इन मुश्किलों से निजात दिलाती है-

चित आवै उस पारब्रह्म तां लगे न तातीवाओ।

जहं कुटंब कबीले रिश्ते नाते हमारा साथ नहीं देते वहां संत प्रभु परमात्मा की सिमरन बंदगी काम आती है। हमारे लिए तो डूबती नाव की पतवार बनकर हमारी सहायता करती है। हमारी सारी मुश्किलें आसान कर देते हैं। इंसान तरह-तरह के धार्मिक और शुभ कर्म करने पर भी यमदूतों की मार छूट नहीं पाते। प्रभु परमात्मा की सिमरन बंदगी करते रहने पर उसे इस बात का अहम हो जाता है कि वह बहुत बड़ा दानी है। इतने तीर्थों का स्नान किया है इत्यादि और गुरवाणी में कहा भी गया है -

तीरथ करत और दान करत मन में धरे गुमान।
नानक निहप्रल जात सब जिओ कुंचर इंसनान।

इस तरह हमें हर वक्त प्रभु नाम सिमरन करते रहना चाहिए क्योंकि उसी के पुण्य प्रताप से हम इस भवसागर से अपनी जीवन नैया सुचारू रूप से खेकर प्रभु के सांचे दरबार में स्थान प्राप्त कर सकते हैं। जहां हमेशा हमें आनंद ही आनंद की अनुभूति होती रहती है इसलिए गुरुदेव हमें समझा रहे हैं कि सिमरन बंदगी करते रहना है। यह हमें इस लोक में भी और परलोक में भी सहायता पहुंचती रहे।

हलति सुख पलति सुख सिमरनो सदा नाम हरि का लीजै।

प्रभु परमात्मा की सिमरन बंदगी करते रहने पर हमारे कोटि कोटि जनमों के पाप खत्म हो जाते हैं। तभी हमारा मानव जीवन पाकर इस धरा में आना सार्थक समझा जाएगा। हमारे मानव जीवन पाने का मुख्य उद्देश्य भी प्रभु परमात्मा की सिमरन बंदगी कर उसकी प्राप्ति कर लेना है। मानव जीवन बिना यह असंभव है क्योंकि देवतागण भी मानव जीवन पाने के लिए तरसते रहते हैं-

इस देही को सिमरे देव-
इस देही को भजि हरि की सेव।

बिना मानव देही के यह संभव हो ही नहीं सकता। कहा भी गया है कि-

भजो गोविंद भूल मत जाहो।
मानुस जनम का ऐही लाहो।।

-इंदर सिंह आहुजा

अमेरिका के पांच राज्यों में प्रवासी हिरासत केंद्र बनाने पर बातचीत : नोएम

न्यूयॉर्क, 13 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका के गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) की सचिव क्रिस्टी नोएम ने कहा है कि वह फ्लोरिडा के एलीगेटर अल्काट्राज़ की तर्ज पर प्रवासी हिरासत केंद्र स्थापित करने के लिए पांच राज्यों के साथ लगातार बातचीत कर रही हैं। सुश्री नोएम ने कहा कि इन पांचों राज्यों का नेतृत्व रिपब्लिकन गवर्नर कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने उनके नामों का खुलासा नहीं किया। उन्होंने एलीगेटर अल्काट्राज़ हिरासत केंद्र के सफल शुभारंभ में डीएचएस के साथ सहयोग के लिए फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस की भी प्रशंसा की। गौरतलब है कि फ्लोरिडा एवरग्लेड्स में स्थित डेड-कोलियर प्रशिक्षण और संक्रमण हवाई अड्डे की साइट पर 39 वर्ग मील (100 वर्ग किमी) में फैले इस केंद्र का निर्माण केवल आठ दिनों में किया गया था।

देश विदेश

इजरायली ने की गाजा में 110 फिलिस्तीनियों की हत्या

■ **मृतकों में अमेरिका समर्थित जीएचएफ में खाद्य की प्रतीक्षा कर रहे 34 लोग भी शामिल**

यरूशलम, 13 जुलाई (एजेंसियां)। इजरायली बलों ने शनिवार को गाजा में हमला कर कम से कम 110 फिलिस्तीनियों की हत्या कर दी, जिनमें दक्षिणी राफा में अमेरिका समर्थित गाजा मानवतावादी फाउंडेशन (जीएचएफ) में खाद्य की प्रतीक्षा कर रहे 34 लोग भी शामिल हैं। यह जानकारी अल जजीरा ने चिकित्सा सुत्रों के हवाले से रविवार को दी। ये हत्याएं कतर में संघर्षविराम वार्ता में प्रगति रुकने और इज़रायल की योजना पर बढ़ती निंदा के बीच हुई है जिससे पूरी आबादी को मजबूरन स्थानांतरित किया जाना है।

राफा में, जीवित बचे लोगों और प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि इजरायली बलों ने जीएचएफ स्थलों में से एक अल-शकौश क्षेत्र में फिलिस्तीनियों पर सीधे गोलीबारी की, जिसकी संयुक्त राष्ट्र और अधिकार समूहों ने मानव बूचड़खाने और मौत के जाल के रूप में निंदा की है।

गाज़ा में डॉक्टरों के अनुसार, मई के अंत में अपने ऑपरेशनों की शुरुआत के बाद से जीएचएफ स्थलों पर 800 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए हैं और 5,000 अन्य घायल हुए हैं। चिकित्सा सूत्रों के अनुसार, इज़राइली सेना ने उत्तरी गाजा के जबालिया में दो आवासीय भवनों पर भी हमला किया, जिसमें 15 लोग मारे गए। गाजा शहर के पश्चिम में शाती शरणार्थी शिविर पर इज़राइली हमलों में सात और लोग मारे गए।

इज़रायली सेना ने उत्तरी गाजा के बेत हनून पर भी हमला किया और शहर के उत्तरपूर्वी हिस्से पर लगभग 50 बम गिराए।

ये नए हमले तब हुए जब इज़राइली सेना ने घोषणा किया कि उसके बलों ने पिछले 48 घंटों में गाजा पर 250 बार हमला किया है। मानवाधिकार समूहों की चेतावनियों के बावजूद, इज़राइली सेना ने गाजा में खाद्य और अन्य मानवीय आपूर्ति के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाना जारी रखा है।

गाजा स्थित सरकारी मीडिया कार्यालय ने कहा कि कुपोषण के कारण अब तक 67 बच्चों की मौत हो चुकी है। कार्यालय ने यह भी बताया कि पांच साल से कम उम्र के 6.5 लाख बच्चे गंभीर कुपोषण ख़तरे में हैं।

खबरों के अनुसार, युद्ध समाप्त करने के लिए हमास और इजरायल के बीच वार्ता में प्रगति रुक गई है क्योंकि दोनों पक्ष गाजा से इजरायली सेना की वापसी की सीमा पर असहमत हैं।

गाजा में मानवीय सहायता पाने की कोशिश में मारे गए 800 लोग : यूएन

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय (ओएचसीएचआर) ने कहा है कि गाजा में मानवीय सहायता पाने की कोशिश में लगभग 800 लोग मारे गए हैं। जिनेवा में एक प्रेस वार्ता में ओएचसीएचआर की प्रवक्ता रवीना शमदासानी ने कहा कि 7 जुलाई तक, ओएचसीएचआर ने गाजा में सहायता वितरण क्षेत्रों में 798 हत्याओं को दर्ज किया है। उन्होंने कहा कि इनमें गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन (जीएचएफ) स्थलों के आसपास 615 और संभवत: सहायता काफिलों के मार्गों पर 183 मौतें शामिल हैं। उन्होंने यह भी बताया कि ज़्यादातर मौतें गोली लगने से हुई हैं। सुश्री शमदासानी ने कहा कि ऐसी स्थिति अस्वीकार्य है, फिर भी यह जारी है।

खैबर पख्तूनख्वा में मिर्यान थाने पर ड्रोन हमला, एक महीने में पांचवीं वारदात

बन्नू। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में स्थित मिर्यान पुलिस स्टेशन पर शनिवार देर रात एक बार फिर ड्रोन हमला हुआ। पुलिस अधिकारियों ने रविवार को इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि पिछले एक महीने में इसी थाने को निशाना बनाकर यह पांचवां ड्रोन हमला है। पुलिस के अनुसार, इस बार भी उच्च ऊंचाई से उड़ रहे एक ड्रोन के माध्यम से हथियारबंद गोला-बारूद गिराया गया। हालांकि, हमले में किसी प्रकार की जनहानि या संरचनात्मक क्षति नहीं हुई। अधिकारियों ने स्वीकार किया कि ड्रोन इतनी ऊंचाई पर उड़ रहा था कि उसे गिराना संभव नहीं हो पाया। पुलिस ने बताया कि पिछले एक महीने में मिर्यान थाने पर यह पांचवां क्वाडकॉप्टर हमला है। इससे यह स्पष्ट होता है कि क्षेत्र में आतंकियों द्वारा अत्याधुनिक ड्रोन तकनीक का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। बॉर्डर से लगे इस संवेदनशील इलाके में इन ड्रोन हमलों की बढ़ती घटनाएं सुरक्षा एजेंसियों के लिए गंभीर चिंता का विषय बन चुकी हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, हाल के महीनों में ऐसे ड्रोन के उपयोग में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। हमले के बाद पूरे बन्नू क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया जा रहा है और सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद कर दिया गया है। इससे एक दिन पहले, शुक्रवार देर रात लक्की मरवत जिले के सेराई गंबीला थाने पर भी बड़ा आतंकी हमला हुआ था। इसमें करीब दर्जनभर आतंकवादियों ने थाने को चारों ओर से घेर लिया और हल्के व भारी हथियारों से हमला किया।

सुडोकू 6973

	7		6		4			5
8				5			6	3
		5	3					8
5								
	9						4	
								2
1					8	2		
6	5			7				1
7			9		6		8	

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारूवाला

ग्रह स्थिति : सोमवार 14 जुलाई , 2025 श्रावण कृष्ण पक्ष 4

राशिफल

मेष - आज आप समाज, मित्रों से सम्बंधित कामों में व्यस्त रहेंगे। उनके लिए पैसे भी खर्च हो सकते हैं। हालांकि अचानक धन लाभ होने से आप खुश भी हो जाएंगे। सरकारी कामकाज अच्छी तरह पूरे होंगे।

वृषभ - आज आप नए काम की शुरुआत कर सकेंगे। भाग्य आपके साथ है। नौकरी करने वालों के लिए दिन अच्छा है। उनकी आय बढ़ेगी और नौकरी में पदोन्नति हो सकती है। आप सरकार की तरफ से लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

मिथुन - किसी भी नए काम की शुरुआत के लिए आज का दिन अच्छा नहीं है। शरीर में थकान और आलस्य रहने से किसी भी काम में आपका मन नहीं लगेगा। पेट संबंधी किसी रोग से परेशान हो सकते हैं।

कर्क - क्रोध और नकारात्मक विचार से आपका मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित होगा। ऐसे में खुद पर संयम रखें। खान-पान का ध्यान रखें, अन्यथा स्वास्थ्य खराब होने की पूरी संभावना है। परिवार में वाद-विवाद होगा।

सिंह - आज का दिन मध्यम फलदायी है। दांपत्यजीवन में किसी बात पर रूठने-मनाने का दौर रहेगा। व्यापार में भी पार्टनर के साथ मनमुटाव हो सकता है। आप का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा

कन्या - आज के दिन आप स्फूर्ति तथा अच्छे स्वास्थ्य का अनुभव करेंगे। घर तथा नौकरी में वातावरण आनंददायी रहेगा। सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। बीमार व्यक्ति के स्वास्थ्य में सुधार होगा।

तुला - आप का दिन मध्यम फलदायी है। संतान की चिंता आपको सताएगी। विद्या-अभ्यास में बाधा आ सकती है। वाद-विवाद या बौद्धिक चर्चा से दूर रहें। नए काम की शुरुआत आज ना करें।

वृश्चिक - आज शांत चित्त से दिन गुजारें। मन किसी खास चिंता में रह सकता है। शरीर भी अस्वस्थ रहेगा। इससे आपके काम करने की गति धीमी होगी। संबंधियों के साथ मनमुटाव हो सकता है। आर्थिक हानि की संभावना है।

धनु - नए काम की शुरुआत करने के लिए आज का दिन शुभ है। भाई-बंधुओं से मेल-जोल रहेगा। परिजनों के साथ प्रवास का आयोजन हो सकता है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। भाग्य आपका साथ देगा। आध्यात्मिकता में अधिक रस लेंगे।

मकर - आज परिजनों के साथ वाद-विवाद हो सकता है। वाणी पर संयम आपको कठिनाई से बाहर निकालेगा। शेयर-सट्टे में पूंजी-निवेश का आयोजन कर पाएंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। आंख का दर्द हो सकता है।

कुंभ - आज आप शारीरिक एवं मानसिक रूप से उत्साहित रहेंगे। आर्थिक रूप से दिन लाभदायी है। कुटुंबजनों एवं मित्रों के साथ बाहर कहीं घूमने जा सकते हैं। आध्यात्मिकता में आपकी रुचि रहेगी।

मीन - लोभ या लालच में न फंसें। आर्थिक विषय में बहुत सावधानी बरतें। पूंजी-निवेश अथवा सही, मुहर करने से पहले ध्यान रखें। शारीरिक स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। एकाग्रता भी कम रहेगी।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस को हमारा पूरा समर्थन : किम जोंग उन

सोल, 13 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन ने रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात के दौरान यूक्रेन के खिलाफ जारी युद्ध में रूस के सभी कदमों के समर्थन की बात कही। उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया ने रविवार को यह जानकारी दी।

योनहाप समाचार एजेंसी ने कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) के हवाले से बताया कि किम ने यह टिप्पणी शनिवार को लावरोव के साथ बैठक में की। इससे एक दिन पहले रूसी मंत्री अपने उत्तर कोरियाई समकक्ष के साथ दूसरे दौर की रणनीतिक वार्ता के लिए उत्तर कोरिया गए थे। केसीएनए ने कहा कि किम और लावरोव ने पिछले वर्ष जून में प्योंगयांग में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ किम की शिखर वार्ता के दौरान हुए समझौतों के ईमानदारी से क्रियान्वयन पर चर्चा की। इसके अलावा, दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी को और विकसित करने के तरीकों पर भी चर्चा हुई। केसीएनए ने कहा कि किम जोंग-उन ने कहा कि उत्तर कोरिया, रूस और उत्तर कोरिया के बीच हुए रक्षा समझौते के तहत, यूक्रेन संकट के मूल कारणों से निपटने के लिए रूसी नेतृत्व के सभी कदमों का बिना शर्त समर्थन और प्रोत्साहन करेगा। किम के हवाले से केसीएनए ने कहा कि दोनों देश अपने गठबंधन के स्तर के अनुरूप सभी रणनीतिक मुद्दों पर समान विचार साझा करते हैं।

चीन श्रीलंका का एक विश्वसनीय साझेदार : वांग यी

बीजिंग, 13 जुलाई (एजेंसियां)। सीपीसी केंद्रीय समिति के पोलित ब्यूरो के सदस्य और चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने कुआलालंपुर में श्रीलंका के विदेश मंत्री विजिथा हेराथ से मुलाकात की।

वांग यी ने कहा कि चीन और श्रीलंका के बीच पारंपरिक मित्रता है। चीन श्रीलंका के साथ मिलकर ईमानदारी से पारस्परिक सहायता और चिरस्थायी मित्रता वाली चीन-श्रीलंका रणनीतिक सहयोग साझेदारी के विकास को बढ़ावा देना चाहता है।

वांग यी ने कहा कि चीन श्रीलंका का एक विश्वसनीय साझेदार है और दोनों पक्षों को बेल्ट एंड रोड के उच्च-गुणवत्ता वाले संयुक्त निर्माण और विभिन्न क्षेत्रों में व्यावहारिक सहयोग को गहरा करना चाहिए। कोलंबो पोर्ट सिटी और हंबनटोटा व्यापक विकास समेत दो प्रमुख परियोजनाओं को संयुक्त रूप से लागू करना, चीन-श्रीलंका मुक्त व्यापार समझौते पर वार्ता में तेजी लाना और हरित ऊर्जा, डिजिटल अर्थव्यवस्था, आधुनिक कृषि और समुद्री अर्थव्यवस्था के क्षेत्रों में सहयोग के लिए नए विकास बिंदु बनाना आवश्यक है। चीन-श्रीलंका समुद्री सहयोग पारस्परिक रूप से लाभप्रद और दोनों पक्षों के लिए जीत वाला है और किसी तीसरे पक्ष को लक्षित नहीं करता है, न ही इसमें किसी तीसरे पक्ष को हस्तक्षेप करना चाहिए। विजिथा हेराथ ने कहा कि श्रीलंका चीन के साथ अपने संबंधों को बहुत महत्व देता है और एक-चीन सिद्धांत का दृढ़ता से पालन करता है। उन्होंने श्रीलंका की स्वतंत्रता, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा में चीन के दृढ़ समर्थन और संकट के समय श्रीलंका की समय पर सहायता के लिए चीन का आभार व्यक्त किया।

■ **चीनी विदेश मंत्री ने की श्रीलंका के विदेश मंत्री से मुलाकात**

एस जयशंकर का तीन दिवसीय चीन दौरा, एससीओ बैठक में होंगे शामिल

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर रविवार से चीन की तीन दिन की यात्रा पर रवाना होंगे। वे तियानजिन में होने वाली शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेंगे। विदेश मंत्री जयशंकर ने कई बार अंतरराष्ट्रीय बैठकों के दौरान अपने चीनी समकक्ष से मुलाकात की है। लेकिन, जून 2020 में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर दोनों देशों के सैनिकों के बीच गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प के बाद द्विपक्षीय संबंधों में आई तनाव के बाद यह उनकी पहली चीन यात्रा होगी। अक्टूबर 2024 में रूस के कजान शहर में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच लगभग पांच साल बाद पहली बार एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठक हुई थी।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि भारत-चीन संबंधों की नींव आपसी भरोसे, आपसी सम्मान और आपसी संवेदनशीलता होगी। सकारात्मक और टिकाऊ संबंधों को बनाए रखने के लिए इन तीन प्रमुख बिंदुओं को ध्यान में रखना जरूरी है।

तब से, अजीत डोभाल, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश सचिव विक्रम मिस्री कई जटिल मुद्दों पर गहन चर्चा करने के लिए बीजिंग का दौरा कर चुके हैं। बीजिंग में पिछले महीने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों के सुरक्षा परिषद सचिवों की 20वीं बैठक को संबोधित करते हुए, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोवाल ने कहा कि भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के नामित आतंकी समूहों और उनके सहयोगियों से लगातार खतरे की गहरी चिंता है।

वर्ग पहेली 6973

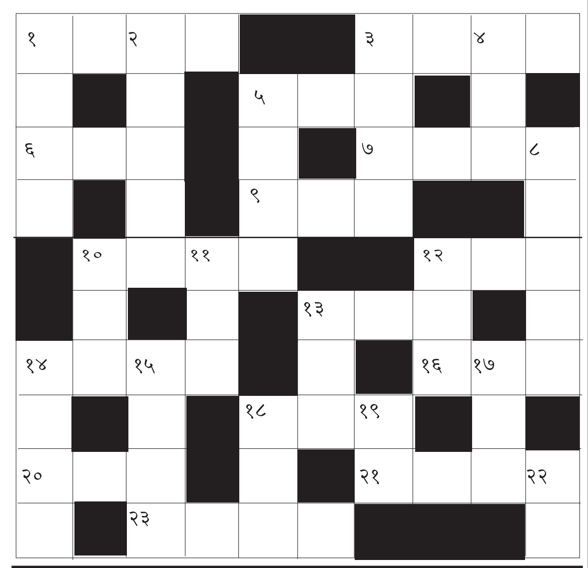

बायें से दायें:-

१. जो किसी चीज का दुख-सुख उठा चुका हो कृत भोग
३. घुड़सवार
५. नया और कोमल पत्ता, विस्तार
६. बेचैनी, छटपटाहट
७. संज्ञा शब्द के बदले प्रयुक्त होने वाला शब्द
९. भौंरा, मिलिंद
१०. पैसे की तकलीफ
१२. जहां जाना या जिसे समझना आसान हो, आसान
१३. बालि-सुग्रीव के राज्य की राजधानी
१४. जलवायु०(उर्दू)
१६. दया, कृपा (उर्दू)
१८. रुकना, अटकना, हठ करना
२०. सम्राट अशोक का राज्य
२१. हथेली से धीरे-धीरे ठोंकना या आघात करना, थपकी देना
२३. सरस, रसीला

ऊपर से नीचे:-

१. भोगना, सहना, बीतना, पूरा होना
२. खाने की वस्तु
३. मौका, समय
४. रुकावट डालना, मना करना, गति-चाल बंद करना
५. पतिता, गलत रास्ते पर चलने वाला
८. जिसकी बड़ी महिमा हो, राज्यपाल आदि के सम्मान में प्रयुक्त शब्द
१०. विचित्र, अनोखा, अद्भुत (उर्दू)
११. जलपान
१२. मरम्मत, दोष या खराबी दूर करने की क्रिया
१३. लकड़ी, शीशे आदि का पल्ला जिसका दरवाजा बंद किया जाता है
१४. हमला
१५. बलराम
१७. रोमांचक
१८. बेहद
१९. स्वामी, पति
२२. गर्व, अभिमान (उर्दू)

वर्ग पहेली-6972

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

आज का इतिहास

1223- फिलिप द्वितीय की मृत्यु के बाद उनके बेटे लुई फ्रांस के राजा बने।
1636- मुगल बादशाह शाहजहां ने औरंगजेब को दक्कन का वायसराय नियुक्त किया।
1789- फ्रांसीसी क्रांति की शुरुआत।
1850- मशीन द्वारा जमाई गई बर्फ का पहला सार्वजनिक प्रदर्शन।
1914- पहले तरल ईंधन आधारित रॉकेट की डिजाइन का पेटेंट रॉबर्ट एच गोगार्ड ने प्राप्त किया।
1927- हवाई द्वीप में विमान की पहली व्यावसायिक उड़ान शुरू।
1940- द्वितीय विश्वयुद्ध में जर्मनी के बमवर्षक विमानों ने स्वेज पर बमबारी की।
1942- वर्धा में कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में ब्रिटिश सरकार से पूर्ण स्वतंत्रता की मांग करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया।
1951- सीबीएस चैनल पर घुड़दौड़ के रूप में किसी खेल कार्यक्रम का पहली बार रंगीन प्रसारण।
1965- मंगल के पास से गुजरने वाले नासा के अंतरिक्ष यान ने किसी दूसरे ग्रह की पहली क्लोज अप तस्वीरें लीं।
1969- जयपुर में मालगाड़ी और यात्री गाड़ी की टक्कर में 85 लोगों की मौत।
1969- अमेरिका के वित्त मंत्रालय ने 500, 1,000, 5,000 और 10,000 डॉलर का नोटों बंद किया।
1972- तत्कालीन सोवियत संघ ने भूमिगत परमाणु परीक्षण किया।
1975- प्रसिद्ध हिंदी फिल्म संगीतकार मदन मोहन का निधन।
1987- ताइवान में 37 वर्षों के बाद मार्शल कानून समाप्त।

प्रथम पृष्ठ का शेष

खराब सर्जरी किट मामले में ...

जनता के लिए क्या किया सबने देखा है? भाजपा अपने घोषणा पत्र पर आगे बढ़ रही है।भाजपा बेरोजगारो को न्याय दिलाने का काम कर रही है। कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नहीं है। जनता के सामने बने रहने के लिए ये बात करते रहते हैं। उन्होंने कहा टेक्नोलॉजी के मामले में देश आगे बढ़ा है।मानसून सत्र के लिए कांग्रेस के पास एक भी मुद्दा नहीं है।

उन्होंने विपक्ष को मुद्दविहिन बताते हुआ कहा कि 18 महीने में विष्णुदेव साय के नेतृत्व में कई डवलपमेंट के कई काम हुए हैं। प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्र में काम हुए हैं वहीं गरीब, किसान और सभी के लिए काम हुए हैं। इसलिए सरकार को कटघरे में खड़ा करने के लिए कांग्रेस के पास एक भी मुद्दा नहीं है।

2 साल से फरार आरोपी ...

टन पर 25 रुपये की अवैध लेवी वसूली गई। 15 जुलाई 2020 को इसके लिए आदेश जारी किया गया था। खनिज विभाग के तत्कालीन संचालक पै समीर बिश्नोई ने आदेश जारी किया था। यह परमिट कोल परिवहन में कोल व्यापारियों को दिया जाता है। पूरे मामले का मास्टरमाइंड किंगपिन कोल व्यापारी सूर्यकांत तिवारी को माना गया। इसमें जो व्यापारी पैसे देता उसे ही खनिज विभाग से पीट और परिवहन पास जारी होता थाए यह रकम 25 रुपये प्रति टन के हिसाब से सूर्यकांत के कर्मचारियों के पास जमा होती थी। इस तरह से स्कैम कर कुल 570 करोड़ रुपये की वसूली की गई।

नेकां की सरकार में ...

की पुलिस ने 22 नागरिकों को मार डाला था। रविवार सुबह पुलिस ने श्रीनगर के केंद्र लाल चौक से 5 किमी दूर, पुराने शहर के नौहट्टा इलाके में स्थित ऐतिहासिक कब्रिस्तान की ओर जाने वाली सड़कों को सील कर दिया। नेकां, पीडीपी और पीपुल्स कांफ्रेंस के दर्जनों नेताओं और कार्यकर्ताओं ने दावा किया कि पुलिस ने उन्हें उनके घरों में बंद कर दिया और बाहर निकलने की अनुमति नहीं दी। पूर्ववर्ती राज्य में 13 जुलाई को पारंपरिक रूप से आधिकारिक अवकाश के रूप में मनाया जाता था। केंद्र द्वारा नियुक्त उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के अधीन जम्मू कश्मीर पुलिस ने रविवार को घोषणा की कि श्रीनगर जिला प्रशासन ने नौहट्टा के ख्वाजा बाजार की ओर जाने वाले सभी लोगों को अनुमति देने से इनकार कर दिया है। पीपुल्स कांफ्रेंस के अध्यक्ष और हंदवाड़ा के विधायक सज्जाद गनी लोन ने कहा कि उन्हें पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। घर से बाहर निकलने की इजाजत नहीं है। वे हिरासत में हैं। मुझे समझ नहीं आ रहा कि केंद्र सरकार कश्मीर के लोगों के लिए पवित्र चीज़ों को फिर से परिभाषित करने पर इतनी क्यों तुली हुई है।

दो मुन्नी बहनों का...

भी परीक्षा केंद्र बनाया गया था। यहां एक छात्रा परीक्षा दिलाने आई हुई थी। बाहर उसकी सहेली टेंपो में बैठकर वॉकी टॉकी से उसे प्रश्नों के जवाब बता रही थी। परीक्षा दिलाने वाली छात्रा ने अपने ऊपर के अंतर वस्त्रों में कैमरा छुपा रखा था। कैमरे का फ्लैश बाहर बैठी सहेली के मोबाइल पर डिस्प्ले हो रहा था। बाहर बैठी सहेली अंदर परीक्षा दे रही छात्रा के पास रखें मोबाइल से प्रश्नों को देखने के बाद गूगल में आंसर सर्च कर अंदर वॉकी-टॉकी के माध्यम से छात्रा को बता रही थी।

इसी दौरान कांग्रेस के छात्र संगठन एनएसयूआई से जुड़े दो युवक विकास सिंह और मयंक सिंह गौतम ने बाहर बैठी छात्रा की सहेली को नकल करवाते हुए पकड़ लिया। उससे पूछताछ की गई और पूछा गया कि अंदर कैमरा लेकर जो परीक्षार्थी परीक्षा दिला रही है उसका नाम क्या है? शुरू में तो वह मुकरती रही फिर छात्र नेताओं से पूछने लगी कि उन्हें क्या चाहिए वह क्यों ऐसा कर रहे हैं। जब दोनों छात्र नेताओं ने पुलिस बुलाने की धमकी दी और परीक्षा हाल में अंदर जाकर सभी छात्राओं की चैकिंग करवाने की धमकी दी। तब भी परीक्षा केंद्र के बाहर वॉकी टॉकी लेकर बैठी युवती ने अपनी सहेली का नाम नहीं बताया।

पूछताछ करते 12.15 बज गए और परीक्षा खत्म हो गई तब अंदर कैमरा लेकर परीक्षा दिला रही छात्रा बाहर निकली। अपनी सहेली को छात्र नेताओं से घिरा देख वह हड़बड़ा गई और डरकर दौड़कर भागने लगी। उसने चिल्लाकर अपनी सहेली को भी भगाने के लिए कहा। छात्र नेताओं ने वहां मौजूद अन्य युवतियों और छात्राओं के माध्यम से परीक्षा दिला रही छात्रा को पकड़ा। उसे वापस परीक्षा केंद्र में लाया गया और केंद्राध्यक्ष तथा परीक्षा ड्यूटी कर रहे अन्य परीक्षकों को सूचना देकर छात्रा की तलाशी लेने को कहा गया। महिला परीक्षकों द्वारा ली गई तलाशी में छात्रा के अंतर्वस्त्रों में टेप से चिपका कैमरा और माइक मिला। बताया जा रहा है कि दोनों छात्राएं अंबिकापुर से परीक्षा दिलाने आई थी। परीक्षा दिलाने वाली छात्रा की उत्तर पुस्तिका अलग चिह्नित करके रखी गई है।

पकड़ी गई नकलची छात्रा ने की भागने की कोशिश

पूछताछ करते-करते 12.15 बज गए और परीक्षा खत्म हो गई. तभी अंदर कैमरा लेकर परीक्षा दे रही छात्रा बाहर निकली. अपनी सहेली को छात्र नेताओं से घिरा देख वह हड़बड़ा गई और डरकर भागने लगी. उसने चिल्लाकर अपनी सहेली को भी भागने के लिए कहा. छात्र नेताओं ने वहां मौजूद अन्य युवतियों और छात्राओं की मदद से परीक्षा दे रही छात्रा को पकड़ा. उसे वापस परीक्षा केंद्र में लाया गया और केंद्राध्यक्ष तथा परीक्षा ड्यूटी पर मौजूद अन्य परीक्षकों को सूचना देकर छात्रा की तलाशी लेने को कहा गया. महिला परीक्षकों द्वारा ली गई तलाशी में छात्रा के अंतर्वस्त्रों में टेप से चिपका कैमरा और माइक मिला.

बताया जा रहा है कि दोनों छात्राएं अंबिकापुर से परीक्षा देने आई थीं. नकल करते पकड़ी गई छात्रा की उत्तर पुस्तिका को अलग से चिह्नित करके रखा गया है.

एनएसयूआई ने किया खुलासा

इस संबंध में एनएसयूआई के छात्र नेता विकास सिंह और मयंक सिंह गौतम ने बताया, हमें सूचना मिली थी कि वॉकी-टॉकी और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के माध्यम से सब इंजीनियर भर्ती परीक्षा में नकल करवाई जा रही है. हमने अपने संगठन की दो छात्राओं को परीक्षा केंद्र के बाहर तैनात कर पहले वस्तुस्थिति की जानकारी ली. जब हमारे संगठन की छात्राओं ने मामले की पुष्टि की, तब हम मौके पर पहुंचे और इस हाईटेक नकल के पूरे मामले का भंडाफोड़ कर दिया।

दुनिया को जानें

थ्येनचो-9 ने पूर्ण-क्षेत्रीय संयुक्त प्रशिक्षण किया पूरा

बीजिंग, 13 जुलाई (एजेंसियां)। थ्येनचो-9 कार्गो अंतरिक्ष यान के प्रक्षेपण मिशन ने पूरे क्षेत्र के लिए एक संयुक्त पूर्वाभ्यास का आयोजन किया। वर्तमान में, प्रक्षेपण मिशन प्रणालियों ने प्रासंगिक कार्यात्मक निरीक्षण पूरे कर लिए हैं और प्रक्षेपण से पहले सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं।

रविवार सुबह लगभग 8:20 बजे, पेइचिंग एयरोस्पेस फ्लाइट कंट्रोल सेंटर के नेतृत्व में वेनछांग स्पेस लॉन्च साइट, शीआन सैटेलाइट ट्रैकिंग एंड कंट्रोल सेंटर और मिशन ट्रैकिंग और कंट्रोल स्टेशनों के एकीकृत प्रेषण के तहत संयुक्त समायोजन और नियंत्रण को लागू किया गया, लॉन्च की तैयारी, लॉन्च और उड़ान के दौरान विभिन्न तकनीकी स्थितियों और कार्य प्रक्रियाओं का व्यापक रूप से अनुकरण किया गया और प्रणालियों के बीच इंटरफेस के मिलान और काम के समन्वय का आकलन किया गया। यह क्षेत्र-व्यापी संयुक्त अभ्यास एक व्यापक सिमुलेशन अभ्यास है, जिसमें थ्येनचो-9 मिशन के प्रज्वलन और प्रक्षेपण को छोड़कर, अधिकांश भाग लेने वाली प्रणालियां और सबसे पूर्ण तत्व शामिल हैं। संयुक्त अभ्यास के सफल समापन का अर्थ है कि सभी प्रणालियों ने प्रक्षेपण की तैयारी कर ली है।

खेल जगत

पंत सबसे महान विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में जाने जाएंगे : तिवारी

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज मनोज तिवारी ने ऋषभ पंत की जमकर तारीफ की है। तिवारी ने कहा कि पंत अगर अपनी बल्लेबाजी शैली को जारी रखेंगे, तो इतिहास के सबसे महान विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में जाने जाएंगे। मनोज तिवारी ने कहा कि ऋषभ पंत अनोखे हैं, उनकी खेलने की अपनी अलग शैली है। उनकी सोच और दृष्टिकोण अन्य बल्लेबाजों से अलग है। वह कभी-कभी अपना विकेट गंवा देते हैं, जिससे उनकी आलोचना होती है। लेकिन, उनकी सक्सेस रेट अधिक है। उन्होंने कहा कि एडम गिलक्रिस्ट जैसे कुछ बेहतरीन विकेटकीपर रहे हैं, जो स्टंप के पीछे और बल्ले से कमाल के थे। भारतीय परिस्थितियों में हमारे पास एमएस धोनी थे। लेकिन, मेरा मानना है कि अगर पंत अपनी शैली के मुताबिक खेलते रहे, तो उन्हें इतिहास के सबसे महान विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में जाना जाएगा।

लॉर्ड्स टेस्ट : दूसरी पारी में लड़खड़ाई इंग्लैंड की बल्लेबाजी

लॉर्ड्स, 13 जुलाई (एजेंसियां)। लॉर्ड्स टेस्ट की दूसरी पारी में इंग्लैंड की बल्लेबाजी लड़खड़ा गई है। भारतीय तेज गेंदबाजों के सामने इंग्लैंड का टॉप ऑर्डर पूरी तरह विफल रहा है। चौथे दिन का पहला सत्र बिना किसी नुकसान के दो रन से शुरू करने वाली इंग्लैंड टीम ने अपने 4 विकेट महज 98 रन पर गंवा दिए हैं। चौथे दिन लंच तक जो रूट 17 और कप्तान बेन स्टोक्स 2 रन पर नाबाद हैं। रविवार को इंग्लैंड टीम को ओपनिंग बल्लेबाजों जैक क्रॉली और बेन डकेट से बड़ी शुरुआत की उम्मीद थी। लेकिन, यह जोड़ी एक बार फिर असफल रही। इंग्लैंड को 22 के स्कोर पर पहला झटका मोहम्मद सिराज ने बेन डकेट के रूप में दिया। डकेट 12 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद 42 के स्कोर पर ओली पोप भी 4 रन बनाकर सिराज का शिकार हुए।

जैक क्रॉली 22 रन बनाकर नितीश रेड्डी का शिकार बने। हैरी ब्रूक ने तीन विकेट के दबाव को कम करने की कोशिश में तेज बल्लेबाजी की, लेकिन वह भी 19 गेंद पर 23 रन बनाकर चौथे विकेट के रूप में आउट हुए। उन्हें आकाश दीप ने बोल्ड किया। रूट 17 और स्टोक्स 2 रन बनाकर नाबाद हैं। इससे पहले, भारत की पहली पारी 387 रन पर समाप्त हुई थी। भारत के लिए सलामी बल्लेबाज केएल राहुल में शतक लगाया था। वह 100 रन बनाकर आउट हुए। ऋषभ पंत ने 74 और

वेंगसकर और राहुल के नाम 'लॉर्ड्स' के मैदान पर एक से ज्यादा टेस्ट शतक

नई दिल्ली। भारत के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने इंग्लैंड के खिलाफ 'लॉर्ड्स में जारी तीसरे टेस्ट मैच में शतक जड़ा। केएल राहुल ने भारत की पहली पारी में 177 गेंदों का सामना करते हुए 100 रन बनाए। ऐसा दूसरा बार था, जब केएल राहुल ने 'लॉर्ड्स के इस ऐतिहासिक मैदान पर शतक लगाया। केएल राहुल यहां एक से ज्यादा बार शतक जड़ने वाले दूसरे भारतीय हैं। आइए, जानते हैं कि भारत की ओर से 'लॉर्ड्स में किन खिलाड़ियों ने दो या इससे ज्यादा टेस्ट शतक लगाए हैं। दिलीप वेंगसरकर : साल 1979 से 1990 के बीच दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने लॉर्ड्स में कुल चार टेस्ट खेले, जिसकी आठ पारियों में तीन शतक और एक अर्धशतक की मदद से 72.57 की औसत के साथ 508 रन बनाए। वेंगसरकर ने अगस्त 1979 को लॉर्ड्स में पहली बार टेस्ट मैच खेला, जिसकी पहली पारी में खाता नहीं खोल सके, लेकिन अगली पारी में उन्होंने 103 रन जड़ दिए। जुलाई 1982 में वेंगसरकर यहां अपना दूसरा टेस्ट खेलने उतरे, जिसकी पहली पारी में महज दो रन जुटाने के बाद अगली पारी में 157 रन बना दिए। दिलीप वेंगसरकर जून 1986 में लॉर्ड्स में अपना तीसरा टेस्ट खेले, जिसकी पहली पारी में नाबाद 126 रन बनाए।

पंत का रन आउट होना निराशाजनक : केएल राहुल

लंदन। भारत के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने स्वीकारा है कि लॉर्ड्स टेस्ट के तीसरे दिन शतक बनाने की उनकी जल्दबाजी के चलते ऋषभ पंत रन आउट हो गए। केएल राहुल मानते हैं कि यह भारत के लिए बढ़त हासिल करने की कोशिश के लिए 'आदर्श' नहीं था।

लंच से पहले आखिरी ओवर में, ऋषभ पंत 74 के निजी स्कोर पर रन आउट हो गए। पंत उस समय केएल राहुल को स्ट्राइक पर वापस लाने की कोशिश कर रहे थे, ताकि सलामी बल्लेबाज अपना शतक पूरा कर सके। हालांकि, ऋषभ पंत के पवेलियन लौटने के बाद केएल राहुल ने लॉर्ड्स में अपना दूसरा शतक पूरा किया। टीम इंडिया ने अपनी पहली पारी में 387 रन बनाए। तीसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद केएल राहुल ने पत्रकारों से कहा कि पंत के आउट होने से कुछ ओवर पहले हमारी बातचीत हुई थी।

मैंने उनसे कहा था कि अगर हो सके तो लंच से पहले मैं अपना शतक पूरा कर लूंगा। लंच से पहले बशीर के आखिरी ओवर में मुझे लगा कि मेरे पास शतक बनाने का अच्छा मौका है, लेकिन दुर्भाग्य से मेरी गेंद सीधे फील्डर के पास चली गई। यह ऐसी गेंद थी, जिस पर मैं चौका लगा सकता था। केएल राहुल ने कहा कि पंत बस स्ट्राइक रोटेट करना चाहते थे। वह मुझे वापस स्ट्राइक पर लाना चाहते थे। लेकिन, ऐसा नहीं होना चाहिए था। इस एक रन-आउट ने वास्तव में भारत के स्कोरबोर्ड की गति थाम दी। यह हम दोनों के लिए निराशाजनक था। जाहिर है, कोई भी अपना विकेट इस तरह नहीं गंवाना चाहता।

केएल राहुल ने बताया कि पिछले दो वर्षों से वह एक विशेषज्ञ के साथ काम कर रहे हैं, जिसने उन्हें 'रिएक्शन-टाइम ट्रेनिंग' में मदद की। इस तरह की ट्रेनिंग फॉर्मूला 1 ड्राइवर्स करते हैं। राहुल ने बताया कि पिछले एक-दो साल में, मैंने 'मेंटल ड्रिल्स' पर काम किया है। मैंने एक विशेषज्ञ के साथ थोड़ा समय बिताया, जिसने मुझे अपना रिएक्शन टाइम सुधारने में मदद की। मुझे लगता है कि कई दूसरे खेलों में भी इस तरह की ट्रेनिंग का इस्तेमाल किया जाता है।

मेरा शतक बनवाने की हड़बड़ी में आउट हुए पंत : राहुल

लॉर्ड्स। भारतीय सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने कहा कि ऋषभ पंत लंच से पहले मेरा शतक बनवाने की हड़बड़ी में रनआउट हुये।मैच के बाद राहुल ने मीडिया से बातचीत में कहा कि यह आदर्श स्थिति नहीं है। इससे कुछ ओवर पहले हमारे बीच बातचीत हुई थी, मैंने उन्हें (पंत को) कहा था कि अगर संभव होगा तो मैं लंच से पहले अपना शतक पूरा करूंगा। जैसे ही बशीर लंच से पहले आखिरी ओवर करने आये मुझे लगा कि मेरे पास शतक पूरा करने का अच्छा अवसर है लेकिन दुर्भाग्यवश मैंने सीधा फ़ील्डर की ओर गेंद खेल दिया। उन्होंने कहा कि वो एक ऐसी गेंद थी जिस पर मैं चौका जड़ सकता था। इसके बाद वह इस कोशिश में रहे कि किसी भी तरह से वह मुझे स्ट्राइक पर लेकर आएं ताकि मैं अपना शतक पूरा कर सकूं। लेकिन निश्चित तौर पर ऐसा नहीं होना चाहिए था, अंत में रन आउट ने मोमेंटम को बदल दिया। यह हम दोनों के लिए निराशाजनक था। निश्चित तौर पर कोई इस तरह से अपना विकेट नहीं गंवाना चाहता। उन्होंने कहा कि जाहिर है, थोड़ी निराशा हुई क्योंकि चायकाल से पहले तक हम वाकई अच्छी स्थिति में थे। मैंने और ऋषभ ने लंबी साझेदारी की और फिर हम दोनों जल्दी ही आउट हो गए, वह लंच से ठीक पहले और मैं लंच के ठीक बाद। यह सही नहीं था, आपके पास शीर्ष पांच में ऐसे बल्लेबाज थे जिन्होंने अच्छी शुरुआत की थी, इसलिए आदर्श रूप से आप चाहते हैं कि उनमें से कोई एक या दोनों बल्लेबाज आगे बढ़ें और बड़ा स्कोर बनाएँ और इसी तरह आप टेस्ट मैच में आगे बढ़ते हैं।उल्लेखनीय है कि शोएब बशीर जब लंच से पहले आखिरी ओवर करने आये तब भारत का स्कोर तीन विकेट पर 247 रन था। तीन गेंद बाद ही ऋषभ पंत रन आउट हो गये। लंच ब्रेक के बाद दूसरे ओवर में के एल राहुल लॉर्ड्स में एक से अधिक शतक लगाने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज बनने के बाद बशीर का शिकार बन गए।

मैं अभी और टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहता हूं : रहाणे

> मेरे अंदर टेस्ट क्रिकेट खेलने का जुनून बाकी है और इस समय मैं अपनी क्रिकेट का लुत्फ उठा रहा हूं। मैं यहां सिर्फ कुछ दिनों के लिए आया हूं और अपने ट्रेनिंग के कपड़े भी साथ लाया हूं ताकि मैं खुद को फिट रख सकूं: अजिंक्य रहाणे

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। 37 वर्षीय अजिंक्य रहाणे ने पिछले दो वर्षों से कोई टेस्ट मैच नहीं खेला है लेकिन उनके अंदर टेस्ट क्रिकेट खेलने की भूख और जुनून अभी बाकी है। उन्होंने इस संबंध में चयनकर्ताओं से संपर्क करने की कोशिश भी की थी लेकिन उन्हें चयनकर्ताओं की ओर से कोई जवाब नहीं मिला। रहाणे इस समय लंदन में हैं और उन्हें स्काई स्पोर्ट्स में नासिर हुसैन और माइकल आथर्टन से बात करते हुए कहा कि मैं अभी भी टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहता हूं। मेरे अंदर टेस्ट क्रिकेट खेलने का जुनून बाकी है और इस समय मैं अपनी क्रिकेट का लुत्फ उठा रहा हूं। मैं यहां सिर्फ कुछ दिनों के लिए आया हूं और अपने ट्रेनिंग के कपड़े भी साथ लाया हूं ताकि मैं खुद को फिट रख सकूं। हमारा घरेलू सीजन शुरू होने वाला है इसलिए तैयारी अभी शुरू ही हुई है। जब रहाणे से पूछा गया कि विरोट कोहली और रोहित शर्मा सरीखे सीनियर खिलाड़ियों के संन्यास के बाद भारतीय टीम युवा खिलाड़ियों पर ध्यान केंद्रित कर रही है ऐसे में उनके सामने टेस्ट में वापसी करने के लिए कैसी चुनौतियां हैं तो उन्होंने कहा कि उनका ध्यान सिर्फ उन चीजों पर है जिन पर उनका नियंत्रण है। नए कप्तान शुभमन गिल ने कोहली की जगह चौथे नंबर पर ले ली है, जबकि उप-कप्तान ऋषभ पंत पांचवें नंबर पर आ गए हैं।

शेफाली वनडे वर्ल्ड कप की दौड़ में शामिल : मजूमदार

बर्मिंघम, 13 जुलाई (एजेंसियां)। शेफाली वर्मा इस साल होने वाले वनडे वर्ल्ड कप में भारतीय टीम में जगह बनाने की दौड़ में शामिल हैं। पिछले साल टी-20 वर्ल्ड कप में भारत के शुरुआती दौर में ही बाहर होने के बाद शेफाली को भारतीय टीम से बाहर का रास्ता दिखा दिया था। हालांकि इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए शेफाली की भारतीय दल में वापसी हुई और उन्होंने अंतिम मैच में 41 गेंदों पर 75 रनों की पारी खेलते हुए सीरीज में स्मृति मंधाना के बाद सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज के रूप में सीरीज का समापन किया। शेफ़ाली ने 158.55 के स्ट्राइक रेट और 35.20 की औसत से कुल 176 रन बनाए जिसमें 20, 3, 47, 31 और 75 रनों की पारी शामिल है। उनके दोनों सबसे बड़े स्कोर उस मैच में आए जिसमें भारत हार गया। द ओवल और एजबस्टन दोनों ही जगह इंग्लैंड ने अंतिम गेंद पर जीत हासिल की। शेफाली द्वारा अपनी टीम को 19 रन पर 2 विकेट से 167 रन पर 7 विकेट तक पहुंचाने में मदद करने के बाद, मेजबान टीम को इंग्लैंड में महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में जीत हासिल करने के लिए सबसे सफल लक्ष्य का पीछा करना पड़ा-और उन्होंने यह जीत केवल अंतिम गेंद पर हासिल की, जबकि डैनी वायट-हॉज और सोफिया डंकली के बीच 101 रन की ओपनिंग साझेदारी हुई थी। शेफाली ने 23 गेंदों पर अर्द्धशतक जड़ते हुए महिला टी20 में संयुक्त तौर पर दूसरा सबसे तेज अर्द्धशतक लगाया, इस मामले में सिर्फ़ ऋचा घोष ही उनसे आगे हैं जिन्होंने पिछले साल वेस्टइंडीज के खिलाफ 18 गेंदों पर अर्द्धशतक जड़ा था। शेफाली बुधवार से साउथम्प्टन में शुरू होने वाली वनडे सीरीज का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन भारत के मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने कहा कि वह 30 सितंबर से घरेलू सरजमीं पर शुरू होने वाले वनडे वर्ल्ड कप के लिए 'बिना किसी संदेह' के दावेदार हैं, हालांकि दिसंबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू मैदान पर डेब्यू करने के बाद से प्रतीका रावल ने 11 वनडे मैचों में 63.80 की औसत से रन बनाए हैं।

> ■ शेफाली वर्मा ने अंतिम सीरीज में 41 गेंदों पर 75 रनों की पारी खेली

सार संक्षेप

न्यूजीलैंड ने त्रिकोणीय सीरीज के लिए टीम में किए बदलाव

हरारे। न्यूजीलैंड ने जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका के साथ होने वाली त्रिकोणीय सीरीज के लिए टीम में बदलाव करते हुए डेवोन कॉनवे, मिच हे, जिमी नीशम और टिम रॉबिन्सन को शामिल किया है। विकेटकीपर-बल्लेबाज कॉनवे, फिन एलन की जगह लेंगे। फिन एलन को अमेरिका में मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) में खेलते समय पैर में चोट लगई थी। वहीं हे, नीशम और रॉबिन्सन माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, ग्लेन फिलिप्स और रचिन रवींद्र के अतिरिक्त खिलाड़ी के रूप में टीम में शामिल हुए हैं। ये दोनों खिलाड़ी कल मेजर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में शामिल हैं। न्यूज़ीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर कहा कि हम फिन के लिए बहुत दुखी हैं। मैं उनके साथ काम करने और एमएलसी से उनके बेहतरीन प्रदर्शन को जारी रखने के लिए उत्सुक था, लेकिन दुर्भाग्य से उन्हें चोटें लग गईं।हम भाग्यशाली हैं कि फिन की जगह डेवोन जैसे अनुभवी खिलाड़ी को चुन पा रहे हैं। त्रिकोणीय श्रृंखला की कल मेजबान जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका के बीच मुकाबले से शुरुआत होगी। न्यूज़ीलैंड अपना पहला मुकाबला 16 जुलाई को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलेगा।

ट्रैप मिक्स्ड टीम में 10वें स्थान पर रही भारतीय जोड़ी

नई दिल्ली। भारत ने लोनाटो में अंतर्राष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) विश्व कप शॉटगन में अपनी प्रतिस्पर्धा समाप्त कर दी, जब लक्ष्य श्योरण (22,19,25) और नीरू ढांडा (25,24,25) की जोड़ी, तीसरी सीरीज में बेहतरीन प्रदर्शन करने के बावजूद, ट्रैप मिक्स्ड टीम पदक राउंड से चूक गई।

जय शाह ने स्टार्क को 100 टेस्ट खेलने पर बधाई दी

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष जय शाह ने ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क को 100 टेस्ट मैच खेलने की उपलब्धि हासिल करने पर बधाई दी है। शाह के अनुसार, साल 2011 में डेब्यू के बाद से यह बाएं हाथ का तेज गेंदबाज अभी भी अपने खेल के शीर्ष पर है। सबीना पार्क में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच के लिए मैदान पर उतरते ही स्टार्क 100 टेस्ट मैच खेलने वाले 16वें ऑस्ट्रेलियाई बन गए। वह ग्लेन मैक्ग्रा के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज हैं। जय शाह ने 'एक्स' पर लिखा, मिचेल स्टार्क को 100 टेस्ट मैच खेलने के लिए बधाई। यह किसी भी क्रिकेटर के लिए एक बड़ी उपलब्धि है, लेकिन एक तेज गेंदबाज के लिए तो यह और भी मायने रखती है। उन्होंने साल 2011 में टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया था। वह अभी भी अपने खेल के शीर्ष पर हैं। मिचेल स्टार्क 100 टेस्ट मैच खेलने वाले 15 अन्य ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। स्टार्क 100 टेस्ट मैच और इतने ही विकेट लेने वाले 15वें तेज गेंदबाज भी बन गए। इस लिस्ट में जैक्स कैलिस और बेन स्टोक्स जैसे ऑलराउंडर भी शामिल हैं। मिचेल स्टार्क ने साल 2011 में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना पहला टेस्ट मैच खेला था। उन्होंने करियर के 14वें साल में अपना 100वां टेस्ट खेला। स्टार्क 191 टेस्ट पारियों में 27.33 की औसत के साथ 396 विकेट अपने नाम कर चुके हैं। यह तेज गेंदबाज 400 टेस्ट विकेट पूरे करने से महज चार कदम दूर है।

> ■ मिचेल स्टार्क 100 टेस्ट मैच खेलने वाले 15 अन्य ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल हुए

त्रिकोणीय सीरीज

न्यूज़ीलैंड क्रिकेट टीम से जुड़े चार खिलाड़ी

क्राइस्टचर्च, 13 जुलाई (एजेंसियां)। डेवोन कॉन्वे, मिच हे, जेम्स नीशम और टिम रॉबिन्सन को जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी त्रिकोणीय सीरीज के लिए न्यूजीलैंड की टी20 टीम में शामिल किया गया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने बताया है कि विकेटकीपर-बल्लेबाज कॉन्वे टी20 सीरीज में फिन एलन की जगह लेंगे। एलन इस सप्ताह चोट के बाद सीरीज से बाहर हो चुके हैं। एलन को संयुक्त राज्य अमेरिका में मेजर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट में सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स की ओर से खेलते समय पैर में चोट लग गई थी। न्यूज़ीलैंड के हेड कोच रॉब वाल्टर ने कहा कि हम फिन एलन के लिए बहुत दुखी हैं। मैं उनके साथ काम करने को लेकर उत्सुक था, लेकिन दुर्भाग्य से चोटें लग जाती हैं। हम भाग्यशाली हैं कि फिन की जगह डेवोन जैसे खिलाड़ी को टीम में शामिल कर पाए। मिच हे, नीशम और रॉबिन्सन को माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, ग्लेन फिलिप्स और रचिन रवींद्र के अतिरिक्त कवर के रूप में टीम में शामिल किया गया है, जो सोमवार को एमएलसी-2025 का फाइनल खेलेंगे। वाल्टर ने बताया कि वह टीम का विस्तार करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि हमें पता था कि सोमवार को एमएलसी फाइनल में कुछ खिलाड़ी शामिल हो सकते हैं, इसलिए हम संभावित रिप्लेसमेंट के रूप में मिच, जिमी और टिम को शामिल कर रहे हैं।

बडोनी डीपीएल-2024 में सर्वाधिक रन बनाने के मामले में दूसरे पायदान पर

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। दाएं हाथ के बल्लेबाज आयुष बडोनी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) और दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) में अपना जलवा बिखेर चुके हैं। आयुष बडोनी ने डीपीएल-2024 में बतौर कप्तान साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स की ओर से खेलते हुए आठ मुकाबलों में 58 की औसत के साथ कुल 522 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से एक शतक और चार अर्द्धशतक निकले। बडोनी डीपीएल-2024 में सर्वाधिक रन बनाने के मामले में दूसरे पायदान पर रहे। आयुष बडोनी ने नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स के खिलाफ मुकाबले में 55 गेंदों का सामना करते हुए 165 रन कूट दिए। इस दौरान उनके बल्ले से 19 छक्के और आठ चौके निकले। इस पारी में आयुष बडोनी ने सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्य के साथ दूसरे विकेट के लिए 286 रन की साझेदारी की। प्रियांश आर्य ने 50 गेंदों में 10 छक्कों और इतने ही चौकों के साथ 120 रन बनाए। आयुष बडोनी की इसी पारी के दम पर साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स ने 20 ओवरों के खेल में 308/5 का स्कोर खड़ा किया। टीम ने 112 रन के बड़े अंतर से जीत दर्ज की। आयुष बडोनी डीपीएल से पहले आईपीएल में डेब्यू कर चुके थे। साल 2022 में, आईपीएल करियर की शुरुआत करने वाले आयुष ने अब तक 56 मैच खेले, जिसकी 46 पारियों में 26.75 की औसत के साथ 963 रन जोड़ चुके हैं। इस लीग में उनके नाम छह अर्द्धशतक दर्ज हैं। उन्होंने आईपीएल में 38 छक्के और 73 चौके भी लगाए हैं। आयुष बडोनी का कद जितना छोटा है, बल्लेबाजी का अंदाज उतना ही आक्रामक है। वह एक उपयोगी ऑफ-स्पिनर भी हैं। आयुष बडोनी प्रसिद्ध 'क्रिकेट क्लब' से निकले हैं, जिसने देश को ऋषभ पंत और शिखर धवन जैसे बेहतरीन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर दिए हैं। आयुष बडोनी आज 25 साल के हैं। वह अंडर-19 क्रिकेट में अपना जलवा बिखेर चुके हैं, लेकिन दिल्ली की टीम में जगह बनाने के लिए उन्हें लंबा इंतजार करना पड़ा। आईपीएल ने ही उन्हें बड़ा मौका दिया, जिसे आयुष ने बखूबी भुनाया। साल 2022 में लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम में उन्हें शामिल किया गया। आयुष बडोनी 28 मार्च को अपने डेब्यू आईपीएल मैच में जिस समय बल्लेबाजी के लिए उतरे, उस वक्त तक एलएसजी की टीम 29 के स्कोर पर अपने चार विकेट गंवा चुकी थी।

> ■ आयुष बडोनी ने 55 गेंदों का सामना करते हुए 165 रन बनाए

सुडोकू 6973 का हल

3	7	1	6	8	4	9	2	5
8	2	4	1	5	9	7	6	3
9	6	5	3	2	7	4	1	8
5	8	7	2	4	1	6	3	9
2	9	3	8	6	5	1	4	7
4	1	6	7	9	3	8	5	2
1	4	9	5	3	8	2	7	6
6	5	8	4	7	2	3	9	1
7	3	2	9	1	6	5	8	4

सभी सतहों पर ग्रैंड स्लैम जीतने वाली खिलाड़ी बनीं स्वियाटेक

स्वियाटेक ने 1983 के बाद से विंबलडन में महिला एकल फाइनल में पहली बार 6-0 से शुरुआती सेट जीतकर अपना दबदबा बनाया

लंदन, 12 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व विश्व नंबर एक इगा स्वियाटेक ने विंबलडन 2025 में इतिहास रच दिया। स्वियाटेक ने खेले गए महिला एकल के फाइनल में अमांडा एनिसिमोवा को 6-0, 6-0 से एकतरफा हराकर अपना पहला विंबलडन और कुल मिलाकर छठा करियर ग्रैंड स्लैम खिताब जीता। चार बार फ्रेंच ओपन और एक बार यूएस ओपन जीतने वाली पोलैंड की स्वियाटेक ने विंबलडन जीतने के साथ ही सिंथेटिक, क्ले और घास वाली सभी सतहों पर ग्रैंड स्लैम जीतने वाली खिलाड़ी बन गई हैं। स्वियाटेक ने 57 मिनट में शानदार जीत दर्ज की, जो ओपन एरा में 6-0, 6-0 से ग्रैंड स्लैम एकल फाइनल में उनका दूसरा मैच था। इससे पहले 1988 में स्टेफी ग्राफ ने फ्रेंच ओपन फाइनल में नतालिया ज्वेरेवा को डबल बैगेल से हराया था। जून में चौथी बार रोलैंड गैरोस ट्रॉफी जीतने के बाद स्वियाटेक ने अपना पहला खिताब जीता। ओपन एरा में पोलैंड की ओर से पहली विंबलडन एकल चैंपियन बनने के अलावा, यह जीत स्वियाटेक के करियर की 100वीं ग्रैंड स्लैम मैच जीत भी है। 2019 में ग्रैंड स्लैम के मुख्य ड्रॉ में पदार्पण के बाद से अब उनका ग्रैंड स्लैम के मुख्य ड्रॉ में रिकॉर्ड 100-20 है। स्वियाटेक ने 1983 के बाद से विंबलडन में महिला एकल फाइनल में पहली बार 6-0 से शुरुआती सेट जीतकर मैच पर अपना दबदबा बनाया। तब मार्टिना नवरातिलोवा ने एंड्रिया जैगर को 6-0, 6-3 से हराया था। इससे पहले, 1973-75 के सभी फाइनल में पहले सेट 6-0 से बराबर रहे थे, जिसमें 1973 में बिली जीन किंग की तत्कालीन 18 वर्षीय क्रिस एवर्ट पर 6-0, 7-5 से जीत भी शामिल है। एनीसिमोवा ने दूसरे सेट के शुरुआती चरणों में मजबूत शॉट लगाए, जिसमें 90 मील प्रति घंटे की रफ्तार से फोरहैंड विनर भी शामिल था, जिससे स्कोर 30-30 हो गया और स्वियाटेक ने 6-0, 1-0 से सर्विस की। लेकिन इसका स्कोरबोर्ड पर कोई असर नहीं पड़ा, और स्वियाटेक स्टेफनी ग्राफ के साथ उन खिलाड़ियों के विशिष्ट क्लब में शामिल हो गईं, जिन्होंने बिना कोई मैच हारे कोई बड़ा फाइनल जीता। विंबलडन 2025 में एनिसिमोवा का प्रदर्शन कुल मिलाकर करियर बदलने वाला रहा। उन्होंने सेमीफाइनल में आर्यना सबालेंका के खिलाफ विश्व की नंबर 1 खिलाड़ी पर अपनी पहली जीत दर्ज की, और सोमवार को अपने करियर में पहली बार शीर्ष 10 में जगह बनाएंगी।

> ■ पूर्व विश्व नंबर एक इगा स्वियाटेक ने विंबलडन 2025 में इतिहास रच दिया

रोबोट के खिलाफ खेलने से खेल में सुधार हुआ : दिव्यांशी भौमिक

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। जैसे-जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जीवन के विभिन्न पहलुओं का अभिन्न अंग बनता जा रहा है, खेल भी इसके विकास से अछूते नहीं हैं। भारत की 14 वर्षीय टेबल टेनिस खिलाड़ी दिव्यांशी भौमिक, जो हाल ही में एशियाई युवा टेबल टेनिस चैंपियनशिप में अंडर-15 बालिका एकल का खिताब जीतने वाली 36 वर्षों में पहली भारतीय बनीं, बताती हैं कि कैसे रोबोट के खिलाफ अभ्यास करना टेबल टेनिस खिलाड़ियों के लिए एक आम बात बन गई है। यूनीवार्ता के साथ एक विशेष बातचीत में, दिव्यांशी ने बताया कि उनके पिता उनके अभ्यास सत्रों को आसान बनाने के लिए एक पावर पोंग ओमेगा रोबोट घर लाए थे। उन्होंने कहा कि आजकल रोबोट के खिलाफ खेलना आम बात हो गई है। इससे मुझे अपनी निरंतरता सुधारने, लंबी रैलियों का अभ्यास करने में मदद मिली है, और आप रोबोट को हाई-स्पिन, हाई-लूप सेटिंग पर प्रोग्राम कर सकते हैं, और फिर अभ्यास में ऐसी हजारों गेंदें मार सकते हैं।

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर	
हिंद यूनिलीवर	4.61 प्रतिशत
एक्सिस बैंक	0.79 प्रतिशत
सन फार्मा	0.56 प्रतिशत
एनटीपीसी	0.37 प्रतिशत
इटर्नल	0.19 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर	
टीसीएस	3.46 प्रतिशत
एमएंडएम	2.75 प्रतिशत
भारती एयरटेल	2.20 प्रतिशत
टाटा मोटर्स	2.00 प्रतिशत
टेक महिंद्रा	1.73 प्रतिशत

सर्राफा

दिल्ली	
सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	97,511
बिटुर	88,730
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	1,10,290
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	77.85	90.26
पौंड स्टर्लिंग	105.22	122.04
यूरो	88.88	103.09
चीन युआन	8.4	13.63

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दड़ा	3100-3200
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4280-4380
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4400-4500

दाल-दलहन

चना	5700-5800
दाल चना	7789-7818
मसूर काली	8006-8032
उड़द दाल	10556-10561
मूंग दाल	10133-10146
अरहर दाल	11130-11132

[अर्थ जगत]

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

सतत विकास लक्ष्य सूचकांक में पूर्वोत्तर क्षेत्र की स्थिति मजबूत : नीति आयोग

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। बेहतर डेटा सिस्टम, व्यापक स्तर पर जिलों की कवरेज और राज्यों की अधिक भागीदारी के कारण नॉर्थ ईस्ट रीजन का सतत विकास लक्ष्य सूचकांक का 2023-24 संस्करण पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास की सही तस्वीर पेश करता है। नॉर्थ ईस्ट रीजन के सतत विकास लक्ष्य सूचकांक के 2023-24 संस्करण में बताया गया कि पूर्वोत्तर के इलाकों में काफी अच्छा विकास हुआ और मिजोरम, सिक्किम और त्रिपुरा के सभी जिलों ने 'फ्रंट रनर' स्टेटस हासिल कर लिया है।

मिजोरम का हनाहथियाल शीर्ष प्रदर्शन करने वाला जिला बनकर उभरा है। नागालैंड और त्रिपुरा जैसे राज्यों ने विभिन्न लक्ष्यों पर संतुलित और मजबूत प्रदर्शन किया है। पहले संस्करण की तुलना में, अग्रणी श्रेणी में जिलों का अनुपात 2021-22 में 62 प्रतिशत से बढ़कर 2023-24 में 85 प्रतिशत हो गया है। यह सुधार राष्ट्रीय फ्लैगशिप योजनाओं, राज्यों द्वारा बेहतर

- 'फ्रंट रनर' जिलों का अनुपात बढ़कर 85 प्रतिशत हुई
- मिजोरम का हनाहथियाल शीर्ष प्रदर्शन करने वाला जिला बनकर उभरा

स्थानीयकरण और आकांक्षी जिला कार्यक्रम जैसी पहलों के तहत किए गए प्रयासों का परिणाम है।

नीति आयोग और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय द्वारा संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के सहयोग से 7 जुलाई को जारी किया गया यह सतत विकास लक्ष्य सूचकांक का दूसरा संस्करण है, जो अगस्त 2021 की पहली रिपोर्ट पर आधारित है। यह नवीनतम संस्करण आठ पूर्वोत्तर राज्यों के जिलों द्वारा 17 सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) में से 15 पर किए जा रहे प्रदर्शन पर नजर रखता है। इसमें 131 में से 121 जिलों को शामिल किया गया है, जो पहले संस्करण के 103 जिलों से अधिक है। इस सूचकांक के आंकड़ों में भी सुधार हुआ है, जिसमें 84 संकेतकों (41 केंद्रीय और 43 राज्य) का उपयोग किया गया है, जो बेहतर समन्वय और रिपोर्टिंग को दर्शाता है।

पीएलआई स्कीम में इलेक्ट्रॉनिक्स व फार्मा उद्योग को मिला 70 प्रतिशत से ज्यादा फंड

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2024-25 में सरकार द्वारा प्रोडक्शन लिंक्ड स्कीम (पीएलआई) के लिए जारी किए गए कुल फंड में से 70 प्रतिशत इलेक्ट्रॉनिक्स और फार्मा उद्योग को मिला है। यह जानकारी आधिकारिक डेटा में दी गई। डेटा में बताया गया कि वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान योजना के तहत जारी 10,114 करोड़ रुपए में से इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र को 5,732 करोड़ रुपए मिले, जबकि फार्मा क्षेत्र को 2,328 करोड़ रुपए प्राप्त हुए। घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए 2021 में शुरू की गई पीएलआई योजना को शुरू में 14 प्रमुख क्षेत्रों के लिए लॉन्च किया गया था। इसने देश के औद्योगिक आधार और हाई वैल्यू वाले निर्यात को बढ़ाने में अहम भूमिका अदा की है। इस योजना की सफलता इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र के प्रदर्शन में स्पष्ट रूप से दिखती है। विनिर्माण क्षेत्र में मजबूत प्रगति के कारण, इलेक्ट्रॉनिक्स अब भारत की शीर्ष तीन निर्यात श्रेणियों में शामिल हो गया है।

नकली व घटिया उर्वरक बेचने वालों के खिलाफ करें सख्त कार्रवाई : शिवराज

केंद्र ने राज्यों को लिखा पत्र

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखकर किसानों को नकली और घटिया उर्वरक बेचने वालों के खिलाफ तत्काल और सख्त कार्रवाई करने को कहा है।

सरकार द्वारा जारी बयान में कहा गया कि यह पत्र नकली उर्वरकों की बिक्री, सब्सिडी वाले उर्वरकों की कालाबाजारी और देश भर में जबरन टैगिंग जैसी अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए जारी किया गया है। केंद्रीय मंत्री द्वारा लिख गए इस पत्र में इस बात पर जोर दिया है कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसानों की आय में स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए, उन्हें सही समय पर, किफायती दामों पर और मानक गुणवत्ता वाले गुणवत्तापूर्ण उर्वरक उपलब्ध कराना आवश्यक है।

उन्होंने आगे कहा कि उर्वरक आदेश, 1985, जो आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के अंतर्गत आता है, के तहत नकली या घटिया उर्वरकों की बिक्री प्रतिबंधित है। शिवराज सिंह चौहान ने पत्र में आगे कहा कि जहां भी आवश्यकता हो, सही स्थानों पर उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करना राज्यों की जिम्मेदारी है। राज्यों को कालाबाजारी, अधिक मूल्य निर्धारण और सब्सिडी वाले उर्वरकों के दुरुपयोग जैसी गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखनी चाहिए और उनके विरुद्ध त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने उर्वरक उत्पादन और बिक्री की नियमित निगरानी करने के साथ-साथ नमूनाकरण और परीक्षण के माध्यम से नकली और घटिया उत्पादों पर कड़ी निगरानी रखने को कहा है। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि पारंपरिक उर्वरकों के साथ नैनो-उर्वरकों या जैव-उत्तेजक उत्पादों की जबरन टैगिंग तुरंत बंद की जानी चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने यह भी सिफारिश की है कि दोषियों के खिलाफ लाइसेंस रद्द करने और एफआईआर दर्ज करने सहित सख्त कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए।

इनोवेशन व सकारात्मक ऊर्जा की समान भावना साझा करते हैं भारत-आइसलैंड : पुरी

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि भारत और आइसलैंड भौगोलिक रूप से जरूर दूर हो, लेकिन दोनों अपने लोगों के अच्छे भविष्य के लिए इनोवेशन और सकारात्मक ऊर्जा की समान भावना साझा करते हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उन्होंने आइसलैंड की बहुत ही फलदायी और उत्पादक यात्रा संपन्न की है, जिसमें आइसलैंड के उप स्थायी सचिव बर्गडिस एलर्ट्सडोटिर द्वारा भारतीय प्रतिनिधिमंडल के लिए रात्रिभोज का आयोजन किया गया। पुरी ने पोस्ट में कहा कि हमारे साथ भारत में आइसलैंड के राजदूत एम्ब

बेनेडिक्ट होस्कुलडसन और कई ऊर्जा, व्यापार एवं बहुपक्षीय विशेषज्ञ भी शामिल हुए। आइसलैंड के लोगों और ऊर्जा पेशेवरों के गर्मजोशी और आतिथ्य के लिए मैं उनका तहे दिल से आभारी हूं। इससे पहले केंद्रीय मंत्री ने कार्बफिक्स की मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी क्रिस्टिन इंगी लारुसन से मुलाकात की। कार्बफिक्स एक आइसलैंडिक कार्बन कैप्चर कंपनी है जो भूमिगत बेसाल्ट संरचनाओं में कार्बन डाइऑक्साइड को इंजेक्ट करके उसे पत्थर में बदल देती है।

औरंगाबाद औद्योगिक शहर परियोजना के सहयोग से खुलेगा कौशल विकास केंद्र

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के साथ साझेदारी में महाराष्ट्र के औरंगाबाद औद्योगिक शहर (एयूआरआईसी) में 20,000 वर्ग फुट में कौशल विकास केंद्र की स्थापना की जाएगी, जिसके लिए अगले सप्ताह एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की रविवार को जारी एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई। विज्ञप्ति में कहा गया है कि उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव अमरदीप सिंह भाटिया ने शनिवार को छत्रपति संभाजी नगर दौरे में उस क्षेत्र में औद्योगिक बुनियादी ढांचे और स्टार्टअप विकास की प्रगति की समीक्षा की और कौशल विकास की पहल के प्रस्ताव का

- जल्द ही एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद

समर्थन किया। सचिव ने वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) निवेश को आकर्षित करने और क्षेत्र के नवाचार और औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र को और बढ़ाने के लिए एयूआरआईसी में अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) केंद्रों के विकास को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर भी जोर दिया है। हितधारकों ने समावेशी आवासीय विकास के लिए एक व्यापक पैकेज की पेशकश करने के लिए राज्य सरकार की आवास नीतियों के साथ प्रधानमंत्री आवास योजना पीएमएवाई 2.0 की सब्सिडी के समन्वय की भी सिफारिश की, ताकि एक औद्योगिक टाउनशिप के विकास का अच्छी तरह से समर्थन किया जा सके। इस दौरे में हॉल में सचिव की अध्यक्षता में एक उद्योग संपर्क सत्र भी शामिल था, जिसमें एमएएसआईए, सीएमआईए, सीआईआई, फिक्की और एसोचैम जैसे उद्योग निकायों सहित प्रमुख हितधारकों की भागीदारी देखी गई। चर्चा के दौरान, हितधारकों ने औरंगाबाद-हैदराबाद-चेन्नई के बीच बेहतर कनेक्टिविटी, एमआरओ सुविधा का विकास और वंदे भारत टर्मिनल, बिडकिन में बेहतर लॉजिस्टिक्स, जालना और वालुज के बीच स्थानीय ट्रेन सेवाएं बेहतर किए जाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

सार संक्षेप

टीसीएस और भारती एयरटेल का मार्केटकैप घटा

मुंबई। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और भारती एयरटेल का मार्केटकैप इस हफ्ते संयुक्त रूप से 1,10,762.97 करोड़ रुपए कम हो गया है। इसकी वजह शेयर बाजार में गिरावट होना है। 7-11 जुलाई तक के कारोबारी सत्र में सेंसेक्स में 932.42 अंक या 1.11 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। शेयर मार्केट की शीर्ष 10 कंपनियों में टीसीएस के बाजार मूल्यांकन में सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। कंपनी का मार्केटकैप 56,279.35 करोड़ रुपए कम होकर 11.81 लाख करोड़ रुपए हो गया है। टीसीएस के जून तिमाही के नतीजे निवेशकों की उम्मीदों पर खरे नहीं उतरने के कारण टीसीएस के शेयर में शुक्रवार को 3.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। वहीं, भारती एयरटेल का मार्केटकैप 54,483.62 करोड़ रुपए कम होकर 10.95 लाख करोड़ रुपए हो गया है। इसके अतिरिक्त, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इन्फोसिस, आईसीआईसीआई बैंक, एलआईसी, एचडीएफसी बैंक और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के मार्केट कैप में कमी दर्ज की गई।

सरकार ने अब तक जारी किए 10 लाख से अधिक नियुक्ति पत्र

नई दिल्ली। देशभर में रोजगार मेलों के माध्यम से अब तक 10 लाख से ज्यादा भर्ती पत्र जारी किए जा चुके हैं। यह जानकारी सरकार की ओर से दी गई। रोजगार मेले का पहला संस्करण 22 अक्टूबर, 2022 को आयोजित किया गया था। इस उद्घाटन समारोह के दौरान 75,000 से अधिक कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए थे। 22 नवंबर, 2022 को दूसरे संस्करण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 45 से ज्यादा शहरों में नवनियुक्त युवाओं को लगभग 71,000 नियुक्ति पत्र जारी किए थे। एक दिन में सबसे ज्यादा एक लाख से अधिक नियुक्ति पत्र वितरण फरवरी 2024 में हुआ था। अब तक देश भर में रोजगार मेले के 16 संस्करण आयोजित किए जा चुके हैं। शनिवार को प्रधानमंत्री मोदी ने 16वें रोजगार मेले के दौरान सरकारी विभागों और संगठनों में नवनियुक्त युवाओं को 51,000 से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित किए।

सितम्बर से मर्सिडीज की कारें होंगी महंगी

नई दिल्ली। मर्सिडीज बेंज इंडिया सितंबर से अपनी गाड़ियों के दाम में 1 से 1.5 फीसदी तक की बढ़ोतरी करने जा रही है। कंपनी के एमडी संतोष अय्यर ने बताया कि यूरो के मुकाबले रुपये की गिरावट की वजह से यह कदम उठाया जा रहा है। इस साल कंपनी ने पहले ही जनवरी और जुलाई में दो बार कीमतें बढ़ाई हैं। अय्यर ने कहा कि पिछले एक महीने से यूरो के मुकाबले रुपए का मूल्य 100 के आसपास स्थिर है। इस वजह से सितंबर में कीमतों में बढ़ोतरी जरूरी हो गई है। उन्होंने यह भी बताया कि कीमतों में यह बढ़ोतरी मामूली होगी और इसका ज्यादा असर बिक्री पर नहीं पड़ेगा। उनका कहना है कि हाल में ब्याज दरों में कमी से कस्टमरों की मासिक किस्तों पर ज्यादा बोझ नहीं पड़ेगा।

निवेशकों को भारत-अमेरिका वार्ता के नतीजे का इंतजार

साप्ताहिक समीक्षा

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय व्यापार परिदृश्य और भू-राजनैतिक अनिश्चितताओं से प्रभावित कारोबार के कारण बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजारों में गिरावट तेज हो गई। निवेशकों को अब भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता के संतुलित परिणाम की प्रतीक्षा है। वे फिलहाल किनारे रह कर कुछ चुनिंदा लिवाली करना बेहतर मान रहे हैं । सप्ताह के दौरान तिमाही परिणामों का सीजन आईटी क्षेत्र की दिग्गज टीसीएस के पहली तिमाही के नतीजों से शुरू हुआ जिसमें बाजार को वैश्विक मांग में नरमी का संकेत दिखा है। सप्ताहांत यूरोपीय संघ और मैक्सिको के खिलाफ अमेरिका में 30 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की घोषणा का इस सप्ताह बाजार पर नकारात्मक प्रभाव दिख सकता है।

विश्लेषकों के अनुसार भारत में मुद्रास्फीति नीचे आने और ब्याज दर में नरमी से निवेशकों का बाजार में विश्वास बना हुआ है लेकिन अमेरिका के राष्ट्रपति की व्यापार नीति से व्याप्त अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक तनाओं के बीच मांग में कमी के कारण फिलहाल निवेश किनारे पर ही रहना बेहतर मान रहे हैं।

पिछले कुछ महीनों तक विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की ओर से अच्छे प्रवाह के बाद जुलाई में अब तक उनका निवेश कुल

- घटती मुद्रास्फीति तेजी की धारणा को दे रही बढ़ावा
- रियल एस्टेट व फिनटेक क्षेत्र में बनी हुई मंदी

मिलाकर कम हुआ है। बजाज ब्रोकिंग रिसर्ज के अनुसार स्थिर मैक्रो संकेतक और घटती मुद्रास्फीति तेजी की धारणा को बढ़ावा दे रही है। हालांकि वैश्विक संकेत (जैसे, अमेरिकी चुनाव, ब्याज दरों पर निर्णय) अस्थिरता पैदा कर सकते हैं। फर्म के अनुसार निवेशक चुनिंदा खरीदारी की ओर झुके हैं और उचित मूल्य निर्धारण और स्पष्ट वृद्धि की संभावना वाले आईपीओ को पसंद कर रहे हैं। फिर भी बाजार में फार्मा, औद्योगिक और विशिष्ट उपभोक्ता वस्तु वर्ग के शेयर बेहतर चल रहे हैं जबकि रियल एस्टेट और फिनटेक क्षेत्र में मंदी बनी हुई है।

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स मुख्य निवेश रणनीतिकार डॉ. वी.के. विजय कुमार का कहना है कि एफपीआई प्रवाह कमजोर होने के संकेत हैं। तीन महीने तक सकारात्मक प्रवाह के बाद, जुलाई में अब तक एफपीआई मामूली रूप से ही सही, नकारात्मक हो गया है। जुलाई में 11 तारीख तक स्टॉक एक्सचेंजों के माध्यम से इक्विटी में एफपीआई प्रवाह 555 करोड़ रुपए का नकारात्मक आंकड़ा दर्शाता है। अप्रैल, मई और जून में तीन महीने तक सकारात्मक प्रवाह के बाद यह पहला नकारात्मक प्रवाह आंकड़ा है। इस वर्ष 2025 के जनवरी, फरवरी में तेज निकासी के साथ पहले तीन महीने एफपीआई प्रवाह नकारात्मक रहे और अगले तीन महीनों में यह प्रवृत्ति उलट गई थी। जुलाई में फिर प्रवाह कुल मिला कर नकारात्मक हो गया है। वैसे वर्ष 2025 के लिए, अब तक कुल मिलाकर एफआईआई प्रवाह 100443 करोड़ रुपये घटा है। श्री विजयकुमार ने कहा कि एफपीआई प्राथमिक बाजार में लगातार खरीदार और निवेशक रहे हैं।तीन महीने की खरीदारी के बाद जुलाई में एफपीआई की बिकवाली को मार्च के निचले स्तर से बाजार में आई रिकवरी और उसके परिणामस्वरूप बढ़े हुए मूल्यांकन के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।

विश्लेषकों के अनुसार चूंकि अन्य बाजार अपेक्षाकृत सस्ते हैं इस लिए वहां पूंजी डालने के लिए एफआईआई अल्पकालिक रणनीति के तहत भारत में फिर से बिकवाली कर सकते हैं।

ट्रम्प के व्यापार शुल्क संबंधी फैसलों से रुपया व अन्य मुद्राएं दबाव में

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। देश के वृहद आर्थिक संकेतों की मजबूती और मुद्रास्फीति में नरमी के बावजूद वैश्विक बजाार की अनिश्चिताओं के बीच बीते समाप्त अमेरिकी डालर के मुकाबले रुपए पर लगातार दबाव बना रहा और यह आलोच्य सप्ताह के दौरान कुल मिला कर 46.30 रुपए कमजोर रहा। बाजार में इस समय अमेरिका में आयात शुल्क के निर्णयों से अनिश्चिता बढ़ गई है और कारोबारियों को भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर घोषणा की प्रतीक्षा है।(जुलाई में स्थानीय शेयर बाजारों की कुल मिला कर बिकवाली बने रहने का भी रुपये पर असर पड़ा है। अमेरिका में आयात शुल्क दरों पर अमेरिकी राष्ट्रपति की ओर से सप्ताह के दौरान की गई घोषणाओं से बाजार सहमे हुए हैं। इस बीच विश्व की प्रमुख मुद्राओं के समक्ष डालर की मजबूती से भी रुपए पर दबाव बढ़ा है।

सप्ताह के दौरान जापानी येन, कनाडायी डालर और यूरो अमेरिकी डॉलर के समक्ष नीचे आ गये थे। ब्रिटेन का पौंड वहां की अर्थव्यवस्था में मई में संकुचन की रिपोर्ट के बाद दो सप्ताह के

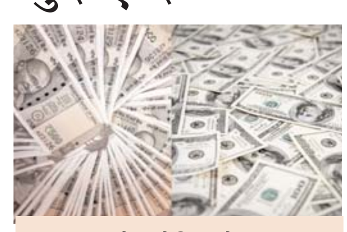

- बाजार में अमेरिका में आयात शुल्क के निर्णयों से बढ़ गई अनिश्चिता

अपने न्यूनतम स्तर पर पहुंच गया था।

ट्रम्प सरकार की नीतियों से बिटकायन जैसी डिजिटल मुद्राओं का बाजार गरम है। बाजार को लगता है कि ऐसी मुद्राओं के कारोबार को आने वाले समय में मजबूत वैधानिक मान्यता मिल सकती है। उल्लेखनीय है कि ट्रंप सरकार के निकट के लोगों की एक कंपनी ने हाल में पाकिस्तान में डिजिटल करेंसी और ब्लाक चेन प्रौद्योगिकी का एक करार किया है। अमेरिका का व्यापार घाटा कम करने तथा घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहित करने के अपनी लक्ष्यों के तहत ट्रम्प ने करीब 15 देशों पर ऊंची दर से प्रशुल्कों की घोषणा की।

सोने की कीमत इस हफ्ते फिर बढ़ी व चांदी 1.10 लाख रुपए किलो के पार

- यह पहला मौका है जब चांदी साप्ताहिक आधार पर 1.10 लाख रुपए प्रति किलो के ऊपर हुई बंद

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। सोने और चांदी दोनों की कीमत में इस हफ्ते बढ़त देखी गई है। सोने के दाम में 400 रुपए से अधिक का इजाफा हुआ। वहीं, चांदी का भाव 2,700 रुपए से अधिक बढ़ गया है।

इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत 97,511 रुपए है, जबकि एक हफ्ते पहले इसी दिन यह 97,021 रुपए थी, जो कि सोने की कीमत में 490 रुपए की बढ़त को दर्शाता है। बीते हफ्ते 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमतों में 1,237 रुपए प्रति 10 ग्राम का इजाफा हुआ।

22 कैरेट सोने का दाम बढ़कर 89,320 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 88,871

रुपए था। वहीं, 18 कैरेट सोने की कीमत 72,766 रुपए प्रति 10 ग्राम से बढ़कर 73,133 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है।

वहीं, समीक्षा अवधि में चांदी की कीमत 2,710 रुपए बढ़कर 1,10,290 रुपए प्रति किलो हो गई है, जो कि पहले 1,07,580 रुपए प्रति किलो थी। चांदी अपने उच्चतम स्तर के करीब बनी हुई है। यह पहला मौका है जब चांदी साप्ताहिक आधार पर 1.10 लाख रुपए प्रति किलो के ऊपर बंद हुई है। सोने और चांदी में बढ़त की वजह वैश्विक अस्थिरता माना जा रहा है।

वित्त मंत्री ने किया लीविंग रूट ब्रिज का दौरा, कहा

सस्टेनेबल फ्यूचर को मिल रहा बढ़ावा

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मेघालय के ईस्ट खासी हिल्स जिले के सीज गांव में बने लीविंग रूट ब्रिज के दौरे पर कहा कि सौ से अधिक वर्षों से यहां के लोगों ने एक ऐसी संस्कृति को बनाए रखा है जो प्रकृति का सम्मान करती है और स्थायी गतिशीलता को बढ़ावा देती है। यहां जीवित वृक्षों को नुकसान पहुंचाए बिना नदियों को पार करने के तरीके भी खोजे गए हैं।

जीवित वृक्षों को नुकसान पहुंचाए बिना खोजे गए नदियों को पार करने के तरीके

केंद्रीय मंत्री यहां गांव के बुजुर्गों, स्थानीय नेताओं और विश्व बैंक, केएफडब्ल्यू और एडीबी द्वारा समर्थित पेमेंट फॉर इकोसिस्टम सर्विसेज प्रोग्राम कार्यक्रम के लाभार्थियों से बातचीत करने आई थीं। यह पहल स्वदेशी समुदायों द्वारा अपनाई जाने वाली सदियों

लीविंग रूट ब्रिज एक शानदार उदाहरण हैं कि कैसे पारंपरिक ज्ञान वैश्विक समाधान प्रदान कर सकता है : निर्मला सीतारमण, वित्त मंत्री

पुरानी पारिस्थितिक प्रथाओं के संरक्षण में मदद करती है।

प्रकृति के साथ समुदाय के गहरे संबंध की प्रशंसा करते हुए, वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि मेघालय के लीविंग रूट ब्रिज इस बात का एक शानदार उदाहरण हैं कि कैसे पारंपरिक ज्ञान वैश्विक समाधान प्रदान कर सकता है। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब विश्व सस्टेनेबल सॉल्यूशंस की तलाश कर रहा है, सीज के लोगों ने दिखाया है कि सरल, प्रकृति-समन्वयित प्रथाओं के माध्यम से क्या संभव है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे लिविंग रूट्स से बने पुल आसपास के वातावरण को नुकसान पहुंचाए बिना अस्तित्व और विकास को दर्शाते हैं।

केंद्रीय मंत्री ने इस विरासत का दस्तावेजीकरण करने और जड़ पुलों के लिए यूनेस्को से मान्यता प्राप्त करने के लिए समुदाय के प्रयासों की भी सराहना की। वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि मान्यता दिखावे के लिए नहीं, बल्कि दुनिया को यह दिखाने के लिए है कि आपने इसे पहले किया था।

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि आपके कार्य न केवल प्रभावी हैं, बल्कि उन्हें दोहराया भी जा सकता है। वैश्विक मान्यता दूसरों को प्रेरित करने में मदद करेगी।

मोक्ष धाम पर नपा अध्यक्ष अशोक जैन, पूर्व विधायक प्रमोद शर्मा सहित पार्षदों एवं समाज सेवियों ने किया श्रमदान

बलौदाबाजार, 13 जुलाई (देशबन्धु)। नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन के प्रयास से रायपुर रोड स्थित मोक्ष धाम में स्वच्छता का कार्यक्रम के तहत सफाई का कार्य किया गया। न.पा. अध्यक्ष अशोक जैन, पूर्व विधायक प्रमोद शर्मा, सीएमओ आशीष तिवारी, उपाध्यक्ष जितेन्द्र महले, धिरज बाजपेयी, व पार्षदगणों, समाजसेवियों ने श्रमदान किया। वही नगर पालिका अध्यक्ष के प्रयास से कूड़ेदान की व्यवस्था कर बोर का सुधार कार्य किया गया व विधुत व्यवस्था को सुधारते हुए लाईट लगाई गइ।

स्थानीय रायपुर रोड स्थित मोक्ष धाम में नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन के प्रयास से सघन रूप से सफाई अभियान का कार्यक्रम तैयार कर नगर पालिका के पार्षद गण जनसामान्य, व समाज सेवियों के सहयोग से स्वच्छता का कार्य वृहद रूप से किया गया। मोक्ष धाम की बदहाल स्थिति एवं जगह-जगह लगे कचरो के ढेर व उठ रही दुर्गंध से मोक्षधाम आये लोगों को बेहद परेशानी का सामना करना पड़ रहा था, नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन को जब इसकी जानकारी हुई तो मुख्य नगर पालिका अधिकारी आशीष तिवारी के साथ मोक्ष धाम निरीक्षण करने पर मोक्ष धाम में बेहद बदहाल स्थिति में देखा गया तब तत्काल जागरूकता का

कुडे दान की व्यवस्था के साथ ही सुधारी गई लाईट

परिचय देते हुए नगर पालिका की सफाई टीम एवं पार्षद गणों व समाज सेवा के कार्य मे लगे लोंगो के सहयोग से स्वच्छता अभियान चलाकर मोक्ष धाम में सघन सफाई के कार्य कर श्रमदान किया गया। इस दौरान मोक्ष धाम में नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन के प्रयास से कूड़ादान रखवाया गया, एवं पेयजल व्यवस्था के लिए बोर का सुधार कराया गया, साथ ही कटीली झाड़ियों की सफाई के साथ जगह-जगह पहले कपड़ों एवं पेड़ पौधे के कचरो की सफाई का कार्य किया गया।

इस अवसर पर नगर पालिका के अध्यक्ष अशोक जैन, पूर्व विधायक प्रमोद शर्मा, मुख्य नगर पालिका अधिकारी आशीष तिवारी, धीरज बाजपेई, नगर पालिका उपाध्यक्ष जितेंद्र महले, पार्षद हरजीत सिंह सलूजा, कन्हैया सेन, जितेंद्र डड़सेना, सतीश पटेल, चंद्रशेखर गुप्ता, आदित्य गुप्ता, मनोज कांत पुरैना, पार्षद प्रतिनिधि शशि भूषण शुक्ला, पोषण पटेल, रविन्द्र नामदेव, रवि फेकर व समाजसेवी सुशील तिवारी नीलम दिक्षित, पत्रकार प्रभाकर मिश्रा, संतोष तिवारी, संजय नारायण केशरवानी, ने अपनी सेवाएं दी व मोक्ष धाम सेवा कार्य में लगे समिति अध्यक्ष श्याम सुंदर केसरवानी से मोक्ष धाम की व्यवस्था को बनाए रखने के संबंध में चर्चा भी की गई। नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन ने इस दौरान यह भी कहा कि यह सफाई अभियान नगर पालिका द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, मोक्ष धाम में अंतिम संस्कार के लिए परिजन के लोग आते हैं नगर के अधिकांश नगरवासी के द्वारा अंतिम क्रिया इसी मोक्ष धाम में होती है, यह स्थान हमारी धार्मिक एवं सांस्कृतिक आस्थाओं से भी जुड़ा हुआ है, इसलिए यहां के सफाई की जिम्मेदारी नगर पालिका के पार्षद एवं जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ नगर के प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य बनता है कि वह मोक्ष धाम की सफाई एवं सौन्दर्य करण में समय-समय पर अपना सहयोग दें।

नलवा माइंस को लेकर विधायक अनुज शर्मा की जनप्रतिनिधियों के साथ अहम बैठक

खरोरा, 13 जुलाई (देशबन्धु)। खरोरा क्षेत्र में प्रस्तावित नलवा माइंस को लेकर स्थानीय विधायक अनुज शर्मा ने एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया। इस बैठक में क्षेत्र के सरपंच, जनपद सदस्य, जनपद अध्यक्ष, जिला पंचायत सदस्य और जिला पंचायत अध्यक्ष शामिल हुए। बैठक का उद्देश्य माइंस से संबंधित मुद्दों पर जनप्रतिनिधियों और क्षेत्रवासियों की राय जानना तथा उनके हितों को सुनिश्चित करना था।

जनप्रतिनिधियों ने एक स्वर मे कहा, उद्योग गांव में नहीं चाहिए

बैठक में विधायक अनुज शर्मा ने क्षेत्र की जनभावनाओं को प्राथमिकता देते हुए कहा, च्यएक जनप्रतिनिधि के रूप में मेरा कर्तव्य है कि मैं जनता की भावनाओं और उनके हितों के साथ खड़ा रहूँ। खरोरा क्षेत्रवासियों का जो भी निर्णय होगा, मैं पूरी तरह से उनके साथ हूँ।ज्ज

यह बैठक नलवा माइंस के मुद्दे पर क्षेत्रवासियों और प्रशासन के बीच एक सकारात्मक संवाद का प्रतीक रही। विधायक अनुज शर्मा ने भविष्य में भी ऐसी बैठकों के माध्यम से जनता की आवाज को बुलंद करने का वादा किया।

वहीं बैठक मे जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल, भाजपा नेता वेदराम मनहरे, जनपद अध्यक्ष टिकेश्वर मनहरे, जिला पंचायत सदस्य स्वाति वर्मा, उपाध्यक्ष जनपद पंचायत सुरेन्द्र वर्मा, सरपंच संघ अध्यक्ष अभिषेक वर्मा, उपाध्यक्ष नगर पंचायत सुमित सेन समेत छेत्र के कई सरपंचगण शामिल हुए। जहाँ सभी ने यह निर्णय लिया की किसी भी हालत मे सीमेंट खदान के लगने नहीं दिया जायेगा पहले ही सीमेंट खदान के कारण छेत्र मे जल स्तर गिरते जा रहा है और पानी की समस्या है साथ ही अन्य समस्याओ के कारण सभी ने एक स्वर मे उद्योग का विरोध किया। वहीं बैठक मे जनप्रतिनिधियों ने छेत्र मे बिक रहे अवैध शराब को लेकर विधायक से शिकायत की

मांगों को लेकर नगरी निकाय कर्मचारियों ने की मुख्यमंत्री से मुलाकात

महासमुंद, 13 जुलाई (देशबन्धु)। नगरी निकाय कर्मचारी अपनी तीन सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री से मुलाकात की। पूरे प्रदेश के नगरी निकाय कर्मचारी अपनी तीन सूत्रीय मूलभूत मांगों को लेकर लगातार पिछले एक सप्ताह से अपने-अपने निकायों में काली पट्टी लगाकर फील्ड और कार्यालयीन कार्य कर रहे थे। नवयुक्त अधिकारी कर्मचारी नगरी निकाय कल्याण संघ के प्रदेश अध्यक्ष राजेश सोनी ने बताया कि निकाय कर्मचारियों की बहुत ही महत्वपूर्ण और जमीनी स्तर की तीन मांगे जिसमें महीने के पहली तारीख को वेतन का भुगतान करने, शासन के अन्य विभागों की भांति पुरानी पेंशन योजना लागू करने और समय पर पदोन्नति प्रदान करने जैसे गंभीर मुद्दों को लेकर लगातार संघर्षरत है। लगातार शासन को अपनी मांगों और समस्याओं को लेकर ध्यान आकर्षित करने के लिए प्रयास कर रहे थे। इसी बीच शनिवार को मुख्यमंत्री निवास से संघ के पदाधिकारियों को मुलाकात के लिए बुलावा आया। संघ के प्रदेश पदाधिकारियों द्वारा मुख्यमंत्री से उनके निवास में भेंट कर समस्याओं से अवगत कराया। जिस पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने निकाय कर्मचारियों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए अति शीघ्र मांगों पर विचार कर पूर्ण करने का आश्वासन दिया। श्री सोनी ने बताया कि चर्चा सकारात्मक और सार्थक रही और आने वाले समय पर निश्चित रूप से कर्मचारियों को इसका लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री से मुलाकात करने वाले में प्रमुख रूप से कर्मचारी संघ के संरक्षक संजय शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष राजेश सोनी, प्रदेश महामंत्री सुभाष सोनकर, वरिष्ठ सलाहकार श्रवण ठाकुर और कर्मचारी ललित साहू उपस्थित थे।

बीच सड़क पर पुलिसकर्मियों पर भड़के विधायक, ग्रामीणों ने जांच के नाम पर अवैध वसूली का लगाया था आरोप

कसडोल/बलौदाबाजार, 13 जुलाई (देशबन्धु)। रविवार को कसडोल विधायक बीच सड़क में यातायात पुलिस कर्मियों पर भड़क पड़े। वजह थी ग्रामीणों की अवैध वसूली की शिकायत। दरअसल बलौदाबाजार कसडोल मार्ग पर ग्राम डोंगरीडीह डोंगरा के पास नेशनल हाईवे पर पुलिस द्वारा वाहनों की अनियमित जांच कर ग्रामीण महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों से जांच के नाम पर अवैध वसूली की शिकायत ग्रामीणों ने विधायक से की थी जिस पर विधायक मौके पर पहुंचे थे।

मौके पर पहुंचकर विधायक ने देखा कि ग्रामीण पुलिस की दहशत की वजह से सड़क पर खड़े थे। सड़कों में वाहनों की लंबी कतार लगी थी। ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस केवल दो पहिया वाहनों की जांच करती है और जांच के नाम पर अवैध वसूली करती है। रोजी मजदूरी करने वाले, अस्पताल जाने वाले महिलाओं, बुजुर्गों को भी जांच के नाम पर परेशान कर मनमाने राशि वसूल की जाती है।

निष्पक्ष जांच करे पुलिस-मौके पर पहुंच कर कसडोल विधायक संदीप साहू जांच कर रहें पुलिसकर्मियों पर भड़के और कहा कि क्षेत्र की जनता की शिकायत मिली है। जांच के नाम पर महिलाओं, लड़कियों, बुजुर्गों और अस्पताल जाने वाले लोगों को

परेशान कर अवैध वसूली की जा रही है। ये मैं बर्दाश्त नहीं करूंगा। आप निष्पक्ष हर वाहनों की जांच करिए इसमें सभी सहयोग करेंगे। लेकिन सिर्फग्रामीणों को निशाना बनाएंगे तो यह नहीं चलेगा।

ओवरलोडेड ट्रक व चार पहिए की नहीं होती जांच-नेशनल हाईवे 130 बी पर ओवर लोडेड भारी वाहन तेज रफ्तार से बेलगाम दौड़ती रही है। ट्रक ड्राइवरों द्वारा लापरवाही पूर्वज वाहन चलाया जाता है जिससे आए दिन दुर्घटना होती रहती है। इन वाहनों की पुलिस ना ही जांच करती है और ना ही इन पर कोई कार्रवाई होती है। वही चार पहिए वाहनों की भी जांच पुलिस द्वारा नहीं की जाती। इससे साफजाहिर है कि पुलिस केवल दो पहिए चालक ग्रामीणों को निशाना बना रही है। इधर सूत्रों की माने तो ओवरलोड भारी वाहनों से यातायात और स्थानिय पुलिस की लंबी चौड़ी सेटिंग है, जिसका हिस्सा हर माह मिल जाता है, इसलिए इन बेलगाम हाइवा, ट्रक और बलकरों पर कार्रवाई नही किया जाता। सूत्रों ने यहाँ तक दावा किया है कि कसडोल विधानसभा के राष्ट्रीय राजमार्ग के लाहौद और अमेरा में भी आरटीओ जांच के नाम पर सिविल में निजी रखें लोगों के द्वारा लाखों की वसूली की जा रही है, अगर इन सरकारी वसूलीबाजो पर इनके रखें लोगों के नंबर का कॉल डिटेल्स निकाला जाये तो दूध का दूध और पानी का पानी हो जायेगा। फिलहाल विधायक संदीप साहू ने जिला पुलिस अधीक्षक से जांच के बाद कार्रवाई की मांग किया है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फिंगेश्वर में हुआ सिजेरियन प्रसव व महिला नसबंदी

फिंगेश्वर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। दिनांक 11.07.2025 को विश्व जनसंख्या दिवस जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा के प्रथम दिवस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फिंगेश्वर में सिजेरियन प्रसव व महिला नसबंदी ऑपरेशन किया गया। बता दे कि माननीय विधायक राजिम विधानसभा क्षेत्र श्री रोहित साहू जी के विशेष प्रयास से दिनांक 30.06.2025 को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फिंगेश्वर में ओटी कक्ष का शुभारंभ पश्चात सिजेरियन प्रसव प्रारंभ हुआ, उसके बाद आज दूसरी बार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला गरियाबंद डॉक्टर यू. एस. नवरत्न के निर्देशन, खंड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर व्ही. के. हिरौंदिया व डीपीएम गणपत नायक के मार्गदर्शन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फिंगेश्वर में राज्यपाल गोद ग्राम बिजली की महिला मंजू साहू पति यश कुमार साहू का सफल सिजेरियन प्रसव व प्रसव पश्चात नसबंदी साथ ही 07 अन्य महिलाओं का महिला नसबंदी (सीटीटी) स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर रुचि रूपरेला, डॉक्टर सी.पी.पटेल, निश्चेतना विशेषज्ञ डॉक्टर राजेंद्र चौधरी एवं टीम के द्वारा संपन्न

किया गया। बीएमओ डॉक्टर हिरौंदिया ने बताया कि यह निश्चित ही पूरे फिंगेश्वर विकासखंड के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है, अभी शासन द्वारा दिनांक 11 जुलाई 2025 से 18 जुलाई 2025 तक जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें प्रतिदिन हमारे मितानिन व मैदानी क्षेत्र के कर्मचारी आरएचओ, सीएचओ के द्वारा परिवार नियोजन के अस्थाई साधन जिसमें कॉपर टी, इंजेक्शन अंतरा, ओरल पिल्स, छाया,, कंडोम, स्थाई साधनों जिसमें पुरुष व महिला नसबंदी के बारे में घर घर भ्रमण कर व स्वास्थ्य संस्था में पसंद की टोकरी बनाकर, सास बहु सम्मेलन आयोजित कर दो बच्चों के बीच में अंतराल व दो बच्चों के बाद स्थाई साधन जिसमें महिला व पुरुष नसबंदी के बारे में विस्तार से जानकारी देकर लोगों को जनसंख्या स्थिरीकरण के बारे में प्रेरित किया जायेगा, इसी कड़ी में आगे दिनांक 18.07.2025 को सीएचसी फिंगेश्वर में पुरुष नसबंदी शिविर का आयोजन किया जाएगा, जो पुरुष नसबंदी हेतु इच्छुक है वह अपना पंजीयन हमारे आरएचओ, सीएचओ व मितानिन के माध्यम से करा सकते है। अब है पुरुषों की बारी परिवार नियोजन में बराबर की भागीदारी थीम को अपनाकर सभी पुरुष साथी पुरुष नसबंदी हेतु आगे आए। शिविर में विशेष रूप से सीएचसी फिंगेश्वर प्रभारी डॉ अंकिता अग्रवाल, डॉ विपिन लहरें, डॉ अमन विश्वास बीपीएम सौरभ विरमानी बीईटीओ योगेश पराना स्टाफ नर्स मनीषा ध्रुव रजनी जैकब अनीता साहू, मिथलेश ध्रुव, हेमा बघेल, ओटी टेक्नीशियन युगल किशोर साहू, देवनारायण ध्रुव, उतरा साहू, कौशल्या ध्रुव, पर्यवेक्षक लेख राम वर्मा आशा पोद्दार, राधा सोनी, संतोष निषाद, सुधा नायक, समस्त आरएचओ, उत्तम साहू, उदित ध्रुव ड्रेसर विमला साहू, लोकनाथ साहू वाहन चालक संजय श्रीवास्तव, देवेंद्र घेवरिया, राजेश साहू व अन्य सभी अधिकारी / कर्मचारी का विशेष सहयोग रहा।

अछोली में नि:शुल्क पाठ्यपुस्तक का वितरण

अमेरा/बलौदाबाजार, 13 जुलाई (देशबन्धु)। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला अछोली मे 12 जुलाई को बच्चों को शासन द्वारा दिए जाने वाले पाठ्यपुस्तक का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम मे मुख्य रूप से उपस्थित सरपंच प्रतिनिधि राजेश खन्ना जलहरे ग्राम पंचायत अछोली द्वारा बच्चों को पाठ्यपुस्तक की महत्त्व आवश्यकता को बतलाते हुए बधाई दी। इस कार्यक्रम मे एस एम सी अध्यक्ष चंद्र कुमार जलहरे, उपाध्यक्ष दिनेश साहू, जनप्रतिनिधि मेघनाथ यादव, शिक्षकगण ईश्वरी प्रसाद वर्मा, छन्नू लाल वर्मा, सीमा साहू, हिमांशु वर्मा सहित समस्त छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I, IKBAL MEMAN S/O KASAM resident of 270/KH WARD 07, GANDHI CHOWK BAJAR ROAD, FARASGAON, KONDAGAON (C.G.) 494228 have changed my old name IKBAL MEMAN S/O KASAM so in future I should be recognized by my new name that is MOHAMMAD IKBAL MEMAN S/O KASAM in all Government and other documents.

MOHAMMAD IKBAL MEMAN
270/KH WARD 07,
GANDHI CHOWK BAJAR
ROAD, FARASGAON,
KONDAGAON (C.G.) 494228

शपथ पत्र

मैं तनिषा यादव (TANISHA YADAV), उम्र-19 वर्ष, पिता- श्री हर्ष यादव (HARSH YADAV), निवासी- जय लक्ष्मी काम्प्लेक्स, बिलासपुर रोड, फाफाडीह, रायपुर, छत्तीसगढ़ शपथ पूर्वक निम्न कथन करती हूँ कि-

यह कि, मेरा नाम एवं पता उपरोक्तानुसार सत्य एवं सही है ।

यह कि, मेरा पूर्व नाम तनिषा यादव (TANISHA YADAV) था परन्तु ज्योतिषी के सुझाव के अनुसार मैंने वर्तमान में अपना नया नाम राधिका यादव रख लिया हैं एवं अपने सभी शासकीय एवं अन्य शासकीय दस्तावेज में अपना नया नाम राधिका यादव दर्ज करवाना चाहती हूँ जो की मेरे भविष्य हेतु आवश्यक हैं।

यह कि, तनिषा यादव (TANISHA YADAV) एवं राधिका यादव (RADHHIKA YADAV) दोनों ही नाम मेरे है एवं मैं इसकी पूरी जिम्मेदारी लेती हूँ।

यह कि, मैं अपने समस्त शासकीय दस्तावेजो में मेरा नया नाम राधिका यादव (RADHHIKA YADAV) दर्ज करवाना चाहती हूँ जिस कारण मैं राधिका यादव (RADHHIKA YADAV) को अपने नाम के रूप में राज-पत्र में प्रकाशित कराना चाहती हूँ जिसके समर्थन में, मैं यह शपथ-पत्र सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रही हूँ।

शपथकर्ता

न्यायालय तहसीलदार पलारी जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)
ईश्तहार

रा.प्र.क्रं. अ/06 वर्ष 2024-25

सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त विषयांतर्गत लेख है कि आवेदिका जगौती बाई बेवा सुखउ जाति कुर्मी साकिन ओडान प.ह.नं. 36 रा.नि.मं. रोहांसी तहसील पलारी जिला बलौदाबाजार भाटापारा छ.ग. के द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि ग्राम चोरहाडीह प.ह.नं. 46 स्थित भूमि ख.नं. 01 रकबा 0.464 हे. भूमि राजस्व अभिलेख में आवेदिका की पुत्री दुरपत बाई पिता सुखउ जाति कुर्मी के नाम पर एकल खाते में दर्ज है। उक्त वादभूमि में खातेदार दुरपत बाई पिता सुखउ जाति कुर्मी की मृत्यु दिनांक 03.03.2025 को हो गई है। अत: उक्त वादभूमि में मृतक खातेदार का नाम विलोपित कर मृतक के विधिक वारिसानों का नाम पर नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदक छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 109-110 के तहत आवेदन पत्र मय मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति बी-1 खसरा सहित आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जो इस न्यायालय मे विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को दावा आपत्ति प्रस्तुत किया जाना हो तो स्वत: इस न्यायालय में उपस्थित होकर या अपने अभिभाषक के माध्यम से नियत पेशी दिनांक 23.07.2025 तक आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत पेशी दिनांक के पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 07.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा पद मुद्रा के द्वारा ईश्तहार जारी किया गया।

सील
तहसीलदार
पलारी

न्यायालय तहसीलदार पलारी जिला बलौदाबाजार भाटापारा (छ.ग.)
ईश्तहार

रा.प्र.क्रं. अ/06 वर्ष 2024-25,

सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त विषयातर्गत लेख है कि आवेदिका जगौती बाई बेवा सुखउ जाति कुर्मी साकिन ओडान प.ह.नं. 36 रा.नि.मं. रोहांसी तहसील पलारी जिला बलौदाबाजार भाटापारा छ.ग. के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया है कि ग्राम ओडान प.ह.नं. 36 स्थित भूमि ख.नं. 11 रकबा 2.622 हे. भूमि राजस्व अभिलेख में आवेदिका जगौती बाई बेवा सुखउ जाति कुर्मी वगैरह के नाम पर संयुक्त खाते में दर्ज है। उक्त वाद भूमि में खातेदार दुरपत बाई पिता सुखउ जाति कुर्मी की मृत्यु दिनांक 03.03.2025 को हो गई है। अत: उक्त वादभूमि में मृतक खातेदार का नाम विलोपित कर मृतक के विधिक वारिसानों का नाम पर नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदक के छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 109-110 के तहत आवेदन पत्र मय मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति बी-1 खसरा सहित आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को दावा आपत्ति प्रस्तुत किया जाना हो तो स्वत: इस न्यायालय में उपस्थित होकर या अपने अभिभाषक के माध्यम से नियत पेशी दिनांक 16.07.2025 तक आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत पेशी दिनांक के पश्चात कोई दावा आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 02.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा पद मुद्रा के द्वारा ईश्तहार जारी किया गया।

सील
तहसीलदार
पलारी

न्यायालय तहसीलदार भाटापारा जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)
ईश्तहार

रा.प्र.क्र..... /अ-6/ वर्ष 2024-25
ग्राम- हथनी प.ह.नं. 40

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है आवेदक तारकेश्वर वर्मा पिता श्री सुदर्शन सिंह वर्मा अन्य 02 सभी निवासी श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड नंबर 01 हथनीपारा भाटापारा तहसील भाटापारा जिला बलौदाबाजार-भाटापारा छ.ग. के द्वारा ग्राम हथनी प.ह.नं. 11 तहसील भाटापारा स्थित भूमि खसरा नंबर 466/1 शामिल में 467 एवं 468 कुल रकबा 0.060 हे0 भूमि स्व. श्रीमती बुधियारिन बाई पति स्व. श्री फत्तेलाल वर्मा के भूमिस्वामी हक में अभिलिखित है। उक्त भूमि पर श्रीमती बुधियारिन बाई द्वारा मंदिर का निर्माण करा कर मंदिर का नाम लक्ष्मीनारायण एवं राधाकृष्ण मंदिर नामकरण की है। श्रीमती बुधियारिन बाई की मृत्यु दिनांक 02.05.2025 का नि:संतान हो चुकी है। श्रीमती बुधियारिन बाई के द्वारा अपने जीवनकाल में दिनांक 09.04.2018 को एक पंजीकृत वसीयतनामा का निष्पादित करायी है। उक्त वसीयतनामा में आवेदकगण को उक्त मंदिर के स्वामित्व में सर्वराकार घोषित कर आवेदकगण का नाम राजस्व अभिलेखों में दर्ज कराने का अधिकार प्रदान किया गया है। आवेदकगण के द्वारा उक्त वसीयतनामा के आधार पर राजस्व अभिलेखों में अपना नाम दर्ज किये जाने हेतु पंजीकृत वसीयतनामा की छायाप्रति, मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति, बी-1, खसरा की नकल सहित आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है तथा दिनांक 25/07/25 को सुनवाई हेतु नियत है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा / आपत्ति प्रस्तुत करना है तो सुनवाई हेतु नियत दिनांक 25/07/25 तक स्वयं या अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से नियत समय व स्थान में दावा / आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त /दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह ईश्तहार आज दिनांक 09/07/25 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर सहित जारी किया गया।

सील
तहसीलदार
भाटापारा (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी, (रा.) भाटापारा जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग)
उद्घोषणा

रा.प्र.क्र.....अ/2
वर्ष 2024-25

एतद द्वारा सर्व साधारण जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुरेन्द्र कुमार अग्रवाल पिता स्व. हरिशंकर अग्रवाल निवासी - परशुराम वार्ड भाटापारा, तहसील- भाटापारा, जिला- बलौदाबाजार- भाटापारा (छ.ग.) के द्वारा ग्राम- हथनी प.ह.न. 40 तहसील-भाटापारा जिला-बलौदाबाजार- भाटापारा (छ.ग.) स्थित भूमि खसरा नंबर 214/38 रकबा 0.0100 हेक्टेयर अर्थात 1100 वर्गफीट, लगान 0.02 रुपये भूमि को आवासीय प्रयोजन हेतु छ.ग.भू.रा. संहिता 1959 की धारा 59(2) के तहत पुनर्निर्धारण किये जाने हेतु आवेदन पत्र के साथ शपथपत्र, खसरा, नक्शा, बी-1 प्रस्तुत किया है। जिसका प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

उक्त भूमि को आवासीय प्रयोजन हेतु परिवर्तित करने में जिस किसी को आपत्ति/दावा हो तो प्रकरण नियत 18/07/2025 तक आपत्ति/ दावा प्रस्तुत कर सकते है । नियत अवधि पश्चात् प्राप्त आपत्ति / दावा पर विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 03/07/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।

सील
अनुविभागीय अधिकारी
भाटापारा

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी, (रा.) भाटापारा जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग)
उद्घोषणा

रा.प्र.क्र....अ/2
वर्ष 2024-25

एतद द्वारा सर्व साधारण जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक चैतूराम देवांगन पिता खोरबाहरा देवांगन निवासी - ग्राम-बोइतरा, तहसील- भाटापारा, जिला बलौदाबाजार- भाटापारा (छ.ग.) के द्वारा ग्राम- हथनी प.ह.न. 40 तहसील-भाटापारा जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.) स्थित भूमि खसरा नंबर 846/34 रकबा 0.0317 हेक्टेयर अर्थात 3478 वर्गफीट, लगान 0.15 रुपये भूमि को आवासीय प्रयोजन हेतु छ.ग.भू.रा.संहिता 1959 की धारा 59(2) के तहत पुनर्निर्धारण किये जाने हेतु आवेदन पत्र के साथ शपथपत्र, खसरा, नक्शा, बी-1 प्रस्तुत किया है। जिसका प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

उक्त भूमि को आवासीय प्रयोजन हेतु परिवर्तित करने में जिस किसी को आपत्ति/दावा हो तो प्रकरण नियत 18/07/2025 तक आपत्ति / दावा प्रस्तुत कर सकते है । नियत अवधि पश्चात् प्राप्त आपत्ति / दावा पर विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 03/07/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।

सील
अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
भाटापारा (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी, (रा.) भाटापारा जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग)
उद्घोषणा

रा.प्र.क्र.....अ/2
वर्ष 2024-25

एतद द्वारा सर्व साधारण जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक शैलेन्द्र कुमार देवांगन पिता गैंदराम देवांगन निवासी ग्राम-बोड़तरा, तहसील- भाटापारा, जिला बलौदाबाजार- भाटापारा (छ.ग.) के द्वारा ग्राम- हथनी प.ह.न. 40 तहसील-भाटापारा जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.) स्थित भूमि खसरा नंबर 728/30 रकबा 0.0200 हेक्टेयर अर्थात 2100 वर्गफीट, लगान 0.00 रुपये भूमि को आवासीय प्रयोजन हेतु छ.ग.भू.रा. संहिता 1959 की धारा 59 (2) के तहत पुनर्निर्धारण किये जाने हेतु आवेदन पत्र के साथ शपथपत्र, खसरा, नक्शा, बी-1 प्रस्तुत किया है। जिसका प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

उक्त भूमि को आवासीय प्रयोजन हेतु परिवर्तित करने में जिस किसी को आपत्ति / दावा हो तो प्रकरण नियत 18/07/2025 तक आपत्ति/ दावा प्रस्तुत कर सकते है । नियत अवधि पश्चात् प्राप्त आपत्ति / दावा पर विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 03/07/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।

सील
अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
भाटापारा (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी, (रा.) भाटापारा जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग)
उद्घोषणा

रा.प्र.क्र.....अ/2
वर्ष 2024-25

एतद द्वारा सर्व साधारण जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक हरमीत सिंह छाबड़ा पिता रंजीत सिंह छाबड़ा निवासी- भगतसिंह वार्ड भाटापारा, तहसील-भाटापारा, जिला बलौदाबाजार- भाटापारा (छ.ग.) के द्वारा ग्राम- राजाढार प.ह.न. 16 तहसील- भाटापारा जिला-बलौदाबाजार- भाटापारा (छ.ग.) स्थित भूमि खसरा नंबर 123/5 रकबा 0.1000 हेक्टेयर, लगान 0.25 रुपये भूमि को औद्योगिक प्रयोजन हेतु छ.ग.भू.रा. संहिता 1959 की धारा 59(2) के तहत पुनर्निर्धारण किये जाने हेतु आवेदन पत्र के साथ खसरा, नक्शा, बी-1 प्रस्तुत किया है। जिसका प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

उक्त भूमि को औद्योगिग प्रयोजन हेतु परिवर्तित करने में जिस किसी को आपत्ति/दावा हो तो प्रकरण नियत 18/07/2025 तक आपत्ति/दावा प्रस्तुत कर सकते है । नियत अवधि पश्चात् प्राप्त आपत्ति / दावा पर विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 03/07/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।

सील
अनुविभागीय अधिकारी (रा)
भाटापारा (छ.ग.)

परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2025 में रायगढ़ बना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला जिला

- तीसरी, छठवीं और नवमीं सभी कक्षाओं में राष्ट्रीय औसत से बेहतर परिणाम
- ग्रामीण छात्रों और बालिकाओं ने दिखाया श्रेष्ठ प्रदर्शन

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद द्वारा हर चार वर्ष में आयोजित होने वाले परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2025 में रायगढ़ जिले ने राज्य ही नहीं, राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी उत्कृष्टता साबित की है। दिसंबर 2024 में आयोजित इस सर्वेक्षण में रायगढ़ जिले के 91 स्कूलों के 325 शिक्षक और 2728 विद्यार्थी शामिल हुए थे। जिले के छात्रों ने कक्षा तीसरी, छठवीं और नवमीं तीनों स्तरों पर सभी विषयों में राष्ट्रीय औसत से बेहतर प्रदर्शन करते हुए जिले को 'उदित' श्रेणी में शामिल कराया है।

इस सर्वेक्षण में शासकीय, मान्यता प्राप्त अशासकीय तथा अनुदान प्राप्त विद्यालयों के विद्यार्थियों को बहुविकल्पीय प्रश्नों के माध्यम से आंका गया। रायगढ़ जिले में यह अभियान कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी और सीईओ जिला पंचायत जितेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में संचालित किया गया, जिसका परिणाम सभी स्तरों पर अत्यंत सराहनीय रहा।

कक्षा तीसरी में भाषा विषय में रायगढ़ का औसत 70 प्रतिशत रहा, जो राष्ट्रीय औसत 64 प्रतिशत और राज्य औसत 59 प्रतिशत से कहीं अधिक है। गणित में भी रायगढ़ ने 68 प्रतिशत अंक हासिल किए, जबकि राष्ट्रीय औसत 60 और राज्य औसत 57 प्रतिशत रहा। कक्षा छठवीं में भाषा में 64 प्रतिशत, गणित में 56 प्रतिशत और 'आस-पास की दुनिया' विषय में 59 प्रतिशत के साथ रायगढ़ ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। वहीं कक्षा नवमीं में भाषा विषय में 60 प्रतिशत, गणित में 39 प्रतिशत, विज्ञान में 43 प्रतिशत और सामाजिक विज्ञान में भी 43 प्रतिशत के साथ जिले ने राष्ट्रीय औसत से बेहतर परिणाम दर्ज किए।

इन आंकड़ों के आधार पर रायगढ़ को परख सर्वेक्षण की चार स्तरीय श्रेणी में 'उदित वर्ग में स्थान मिला है। यह श्रेणी केवल उन जिलों को प्रदान की जाती है, जिन्होंने तीनों कक्षाओं में राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन किया हो। रायगढ़ के साथ तीसरी कक्षा में बालोद, बलरामपुर, बीजापुर, जशपुर, कोरिया, सूरजपुर और सरगुजा, छठवीं में बलरामपुर, बस्तर, बीजापुर और सरगुजा तथा नवमीं में बस्तर, बीजापुर, बिलासपुर, धमतरी और दुर्ग जिले भी इस श्रेणी में शामिल किए गए हैं।

परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण के निष्कर्षों से यह भी सामने आया है कि रायगढ़ जिले में ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों का परिणाम शहरी क्षेत्रों से बेहतर रहा। इसके अलावा, बालिकाओं का प्रदर्शन भी बालकों की तुलना में तीनों कक्षाओं में अधिक बेहतर रहा है, जो जिले में शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक सामाजिक बदलाव का संकेत है।

प्रदेश की बेटियां विदेश में बढ़ाएंगी मान

बीजापुर/जांजगीर-चांपा, 13 जुलाई (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार राज्य के युवाओं के लिए शिक्षा, रोजगार, खेल जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में विशेष अवसर उपलब्ध करा रही है। छत्तीसगढ़ की बेटियाँ आज खेल के मैदान से लेकर हर क्षेत्र में अपनी मेहनत, निष्ठा और जज्बे से नया इतिहास रच रही हैं। राज्य सरकार खिलाड़ियों को हरसंभव सहयोग और प्रोत्साहन देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। बीजापुर जिले की धरती एक बार फिर खेल जगत में अपनी प्रतिभा का परचम लहराने जा रही है। जिले के आवापली गांव की होनहार खिलाड़ी चंद्रकला तेलम का चयन भारतीय सॉफ्टबॉल टीम में एशिया कप सॉफ्टबॉल चौंपियनशिप 2025 के लिए हुआ है। जो 14 से 20 जुलाई तक शियान, चीन में आयोजित होगी। चंद्रकला के साथ ही जांजगीर-चांपा जिले के पामगढ़ की शालू डहरिया भी भारतीय टीम का हिस्सा होंगी, जो पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व की बात है।

- बीजापुर की चंद्रकला और जांजगीर-चांपा की शालू एशिया कप सॉफ्टबॉल चौंपियनशिप में चयन

खास बात यह है कि भारतीय टीम के कोच के रूप में बीजापुर जिले के श्रम निरीक्षक सोपान कर्णेवार की नियुक्ति हुई है। इससे पहले भी कर्णेवार के कोचिंग में जिले के अनेक खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर चुके हैं। भारतीय टीम का गठन कई कठिन चयन परीक्षाओं के बाद हुआ है। चंद्रकला तेलम को अनंतपुर (आंध्र प्रदेश), नागपुर, श्रीनगर एवं इंदौर में आयोजित चयन परीक्षण और विशेष कोचिंग कैंप में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर चुना गया है। भारतीय दल को नई दिल्ली में अंतिम प्रशिक्षण के बाद 13 जुलाई को शियान, चीन के लिए रवाना किया जाएगा।

बीजापुर और जांजगीर-चांपा जिले के कलेक्टर ने भी टीम को शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। गौरतलब है कि इस टूर्नामेंट की विजेता एवं उपविजेता टीम को वर्ल्ड कप सॉफ्टबॉल चौंपियनशिप में भाग लेने का अवसर मिलेगा।चंद्रकला और शालू डहरिया की यह उपलब्धि जिले की अन्य बेटियों को भी खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी।

प्रदेश में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं

- अंतरराष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चौंपियनशिप में सुखदेव ने जीता स्वर्ण पदक

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ की प्रतिभाएं आज विभिन्न खेलों के माध्यम से राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर राज्य को गौरवान्वित कर रही हैं। राज्य शासन द्वारा खिलाड़ियों को खेल प्रशिक्षण, आधारभूत संरचना तथा प्रोत्साहन राशि सहित आवश्यक संसाधन प्रदान कर हर संभव सहयोग सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे प्रदेश के प्रतिभावान खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन देश एवं विदेश में कर सकें।

महासमुंद जिले के लिए खेल जगत से एक और गर्व की खबर आई है। फॉर्चून फाउंडेशन समाजसेवी संस्था द्वारा संचालित फॉर्चून नेत्रहीन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करमापटपर, बागबाहरा खुर्द के पूर्व छात्र सुखदेव ने 7वीं ओपन पैरा एथलेटिक्स इंटरनेशनल चौंपियनशिप 2025 में स्वर्ण पदक जीतकर पूरे छत्तीसगढ़ का नाम रोशन किया है। कांतिराव एथलेटिक्स स्टेडियम, बेंगलुरु (कर्नाटक) में 11 से 12 जुलाई तक आयोजित इस चौंपियनशिप में सुखदेव ने 1500 मीटर दौड़ को महज 4.36 मिनट में पूरा कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

गौरतलब है कि नेत्रहीन सुखदेव ने फॉर्चून फाउंडेशन करमापटपर, बागबाहरा खुर्द में रहकर प्रशिक्षक निरंजन साहू के मार्गदर्शन में निरंतर अभ्यास करते हुए यह बड़ी उपलब्धि हासिल की है। वर्तमान में सुखदेव भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) बेंगलुरु में नियमित अभ्यास कर रहे हैं। इससे पहले भी सुखदेव खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025, नई दिल्ली में 400 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक तथा 23वीं राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चौंपियनशिप चेन्नई में भी 1500 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीत चुके हैं। सुखदेव जैसे होनहार पैरा खिलाड़ी प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणा हैं।

छत्तीसगढ़ सरकार खेल एवं खिलाड़ियों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है और विशेष रूप से दिव्यांग खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश के हर खिलाड़ी को उचित मंच और अवसर मिले, ताकि वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ का नाम रोशन कर सकें।

सुखदेव की इस उपलब्धि पर महासमुंद कलेक्टर विनय कुमार लंगेह, सीईओ जिला पंचायत एस. आलोक, उप संचालक समाज कल्याण संगीता सिंह, खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी मनोज धृतलहरे, जिला शिक्षा अधिकारी विजय लहरे सहित प्रशिक्षक निरंजन साहू एवं पैरा स्पोर्ट्स संघ के पदाधिकारियों ने भी उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

हमारी जनजातीय संस्कृति विश्व पटल पर होगी स्थापित : उईके

- जनजातीय जीवन शैली की हुबहू प्रस्तुति से हुए प्रभावित
- केन्द्रीय मंत्री ने जनजातीय संग्रहालय का किया अवलोकन

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ की जनजातीय संस्कृति, परंपरा और जीवनशैली पर आधारित जनजातीय संग्रहालय का केन्द्रीय जनजातीय राज्य मंत्री दुर्गा दास उइके ने अवलोकन किया और नवा रायपुर में बनाए गए इस संग्रहालय में आदिवासी जीवन शैली के प्रस्तुतीकरण की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस संग्रहालय के जरिए छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत विश्व पटल पर स्थापित होगी। इससे जनजातीय युवाओं में अपनी संस्कृति के प्रति आत्मगौरव का भाव जगेगा। इस अवसर पर आदिम जाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग मंत्री राम विचार नेताम भी उपस्थित थे।

केन्द्रीय जनजातीय राज्यमंत्री दुर्गादास ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा जनजातीय वर्ग के हित में अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। पीएम जनमन एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के माध्यम से जनजातियों के सर्वागीण विकास के प्रयास किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्री मोदी के 2047 तक विकसित भारत की संकल्पना में यह प्रयास मील का पत्थर साबित होंगे। उन्होंने संग्रहालय के निकट ही बनाए जा रहे शहीद वीर नारायण सिंह आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्मारक सह संग्रहालय के निर्माण की समीक्षा की। इस संग्रहालय के लिए केन्द्र सरकार ने 45 करोड़ रूपए की राशि मंजूर की है। इस संग्रहालय को आगामी 30 सितम्बर तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। प्रमुख सचिव बोरा ने इस दौरान संग्रहालय में प्रयुक्त डिजीटल एवं एआई तकनीक के संबंध में जानकारी दी। बैठक में टीआरटीआई के संचालक जगदीश कुमार सोनकर सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

संग्रहालय में 14 गैलरियों में जनजातीय जीवनशैली के विभिन्न अवसरों का है झलकियां- जनजातीय संग्रहालय में जनजातीय संस्कृति, जीवनशैली और परंपरा को प्रदर्शित करने के लिए 14 गैलरियों का निर्माण किया गया है। संग्रहालय के अलग-अलग गैलरियों में जनजातियों के परंपरागत वाद्ययंत्रों, आवास एवं घरेलू उपकरण, शिकार उपकरण, उनमें कृषि की परंपरागत तकनीकें एवं उपकरणों का जीवंत प्रदर्शन किया गया है। इसी प्रकार लौह निर्माण, रस्सी निर्माण, फसल मिंजाई, कत्था निर्माण, चिवड़ा-लाई निर्माण, मंद आसवन, अन्न कुटाई व पिसाई, तेल प्रसंस्करण हेतु उपयोग में लाने जाने वाले उपकरणों व परंपरागत तकनीकों को दर्शाया गया है। संग्रहालय में सांस्कृतिक विरासत के अंतर्गत अबुझमाड़िया में गोटुल, भुंजिया जनजाति में लाल बंगला, जनजातियों में परम्परागत कला कौशल जैसे बांसकला, काष्ठकला, चित्रकारी, गोदनाकला, शिल्पकला आदि प्रदर्शित किए गए हैं।

ट्रक के गुप्त चैंबर से 120 किलो गांजा बरामद

कबीरधाम पुलिस की बड़ी कार्रवाई

कवर्धा, 13 जुलाई (देशबन्धु)। मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि ट्रक क्रमांक ऋछ्व 14 तत्र 9595 में उड़ीसा से कोटा (राजस्थान) की ओर भारी मात्रा में गांजा तस्करी की जा रही है। त्वरित प्रतिक्रिया देते हुए थाना चिल्फी पुलिस ने घेराबंदी कर ट्रक को रोका और बारीकी से जांच की। ट्रक के केबिन और ट्रॉली के बीच अत्यंत पेशेवर तरीके से तैयार किए गए विशेष गुप्त चैंबर से कुल 115 पैकेट में रखा गया करीब 120 किलो अवैध गांजा बरामद किया गया।

अकरम खान पिता बशीट खान, उम्र 37 वर्ष, निवासी - हरनावदा पिया, थाना - पिड़ावा, जिला - झालावाड़ (राजस्थान), पप्पु सिंग पिता हरी सिंग, उम्र 32 वर्ष, निवासी - हरनावदा पिया, थाना - पिड़ावा, जिला - झालावाड़ (राजस्थान)

प्रारंभिक पूछताछ में दोनों आरोपियों ने बताया कि वे गांजा को उड़ीसा से कोटा, राजस्थान ले जा रहे थे। तस्करी को छिपाने के लिए ट्रक में बड़ी ही चतुराई से विशेष चैंबर तैयार किया गया था।

इस सफल कार्यवाही में निरीक्षक उमाशंकर राठौर, सउनि बीरबल साहू, आरक्षक इरफान खान, आंसू तिवारी, पप्पू पनागर, सुनील मेरावी, अजय चंद्रवंशी, सुभाष नौरंगे एवं हरजेंद्र रात्रे की विशेष भूमिका रही। इनकी सतर्कता, सजगता और अति-प्रोफेशनल अंदाज़ ने इस अंतर्राज्यीय तस्करी का पर्दाफाश किया। कबीरधाम पुलिस की यह कार्यवाही न केवल आरोपियों को कड़ा संदेश देती है, बल्कि जिले में सक्रिय अन्य आपराधिक तत्वों के लिए भी यह स्पष्ट चेतावनी है कि अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ ज़ीरो टॉलरेंस की नीति के तहत सख्त कार्यवाही जारी रहेगी।

एक्शन मोड में छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड

किराया नहीं पटाने वालों को दिया अल्टीमेटम

बिलासपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड फिर एक्शन मोड में आ गया है। पुराना किराया नहीं पटाने वालों को अध्यक्ष डॉ सलीम राज ने अल्टीमेटम दिया है। वही मंगलवार तक पुराना किराया और एग्रीमेंट नहीं हुआ तो दुकान को सील कर दिया जाएगा।

बता दें कि, कंपनी गार्डन के सामने स्थित मस्जिद में वक्फ बोर्ड की कई दुकानें है। वर्षों से किराया नहीं पटाने वाले दुकानदारों को पिछले बार डॉ.राज द्वारा चेतावनी भी दी गई थी। लेकिन फिर भी दुकानदारों ने किराया नहीं दिया । अब वक्फ बोर्ड द्वारा आखिरी अल्टीमेटम मंगलवार तक का दिया गया है अगर मंगलवार तक पुराना किराया नहीं दिया गया और एग्रीमेंट नहीं किया गया तो सख्त कार्यवाही किया जाएगा।

तेज रफ्तार कार ने तीन गाड़ियों को लिया चपेट में

राजिम पुल पर हुआ रात नौ बजे हादसा, ट्रैफिक्र जाम

राजिम 13 जुलाई (देशबंधु)। राजिम की और आ रही एक तेज रफ्तार कार ने स्कूटी-बाइक समेत तीन गाड़ियों को टक्कर मार दी। इस हादसे में स्कूटी सवार युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे तुरंत निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना तीन से ज्यादा लोग घायल होने की जानकारी सामने आई है। घटना के बाद पुल पर ट्रैफिक्र जाम लग गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। घटना नवापारा पुल क्षेत्र में होने के कारण यह घटना नयापारा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आता है ।

एक्टिवा और दो बाइक को मारी टक्कर

मिली जानकारी के अनुसार, नवापारा और राजिम को जोड़ने वाले पुल पर शनिवार रात भीषण हादसा हो गया। एक तेज रफ्तार कार ने स्कूटी-बाइक समेत तीन गाड़ियों को टक्कर मार दी। बताया जा रहा है कि कार सवार महासमुंद क्षेत्र के रहने वाले हैं, जो बस्तर जा रहे थे। वहीं, स्कूटी सवार युवती नवापारा से राजिम आ रही थी। इसी दौरान पुल पर कार ने एक्टिवा को सामने से जोरदार टक्कर मार दी। इसके बाद दो बाइकों को भी चपेट में ले लिया। घटना के बाद लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुल पर वाहनों की लंबी कतार लग गई।

घटना की सूचना मिलते ही राजिम और नवापारा की पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने युवती को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया। युवती की हालत गंभीर देखते हुए रायपुर रेफ्र कर दिया गया है। उसका पैर बुरी तरह से कुचला गया है। हादसे में दो अन्य लोग घायल हुए हैं। जिसे स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा इतना भीषण था कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। स्कूटी के भी परखच्चे उड़ गए। घटना के बाद लोगों का गुस्सा फुट पड़ा है। घटना के बाद पुलिस ने कार चालक को हिरासत में ले लिया है। बताया जा रहा है कि कार सवार नशे में धुत थे। फ्लिहाल पुलिस घटना की जांच कर रही है।

राजिम में आयुष्मान कार्ड से इलाज का झांसा देकर मरीजों की जान से कर रहे खिलवाड़

- श्री जगन्नाथ मल्टी हॉस्पिटल का मामला

राजिम 13 जुलाई देशबंधु । राजिम के वार्ड 14, पथर्रा में स्थित श्री जगन्नाथ मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल में ग्रामीण क्षेत्रों से इलाज करने पहुंचे भोले भाले ग्रामीणों को आयुष्मान कार्ड से इलाज का झांसा देकर मरीजों को पहले भर्ती कर उनका इलाज प्रारंभ कर दिया जाता है बाद में मरीजों को भरी भरकम बिल थमा नगदी पैसा जमा करने दबाव बनाया जाता है।

क्या है पूरा मामला- भिलाई (आरंग) निवासी बिरझा बाई नवरंगे (60) अपने रिश्तेदारों से मिलने तर्रा आई थीं। वापसी में चौबेबांधा के पास गाड़ी से गिर गई। इलाज करने राजिम के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे जहां डॉक्टरों ने सीटी स्कैन कराकर लाने कहा। परिजन सीटी स्कैन करने लाइफकेयर पहुंचे तो उपस्थित स्टाफ ने कहा यहां आयुष्मान कार्ड से इलाज हो जाएगा नगदी पैसे नहीं लगेगा। उन्होंने मरीज को भर्ती कर लिया फ्रि शनिवार को परिजनों से कहा मरीज की स्थिति ठीक नहीं है उसे दूसरी जगह ले जाओ। साथ ही उन्हें 25 हजार रुपए जमा करने अस्पताल प्रबंध दबाव बनाने लगा।

जगन्नाथ हॉस्पिटल को आयुष्मान कार्ड से इलाज की नहीं है मान्यता

जगन्नाथ हॉस्पिटल को आयुष्मान कार्ड से इलाज करने की मान्यता अभी तक नहीं मिली है परन्तु क्षेत्र की भोली भाली जनता को झांसा देकर उनका आर्थिक शोषण करने का अड्डा बना लिया गया है। साथ ही शासन की महत्वाकांक्षी योजना का खुलेआम उल्लंघन किया जा रहा है।

हॉस्पिटल की लापरवाही से मरीज की स्थिति नाजुक- परिजनों का आरोप है कि मरीज का बेड चेंज करते समय स्टाफकी लापरवाही से मरीज गिर गया था जिससे उसकी स्थिति और गंभीर हो गई। चेहरे में कुछ जगह चोट के निशान दिखने लगा और खून भी बह रहा था।

मरीज व डॉक्टरों के बयान भिन्न भिन्न-मरीज व डॉक्टरों के बयान भिन्न भिन्न आने की सूचना पाते ही जब मीडिया की टीम ने मौके पर पहुंचकर डॉक्टरों और मरीजों से बात की तो डॉक्टर आयुष शर्मा व डॉ. श्वेता पांडे ने साफतौर पर कहा कि उनके अस्पताल में आयुष्मान योजना लागू ही नहीं है। इसके बावजूद वहां दर्जनों मरीज ऐसे मिले, जिन्हें योजना के नाम पर भर्ती किया गया था।

फर्जी रेफ्र सिस्टम या सुनियोजित लूट ?- एक ही डॉक्टर दो अलग-अलग अस्पतालों में इलाज कर रहे हैं। एक अस्पताल से मरीज को रेफ्र कर दूसरे में भेजा जा रहा है, जहां योजनाओं की सुविधा बताकर भर्ती किया जाता है। लेकिन हकीकत में मरीज को मजबूर किया जाता है नकद भुगतान करने के लिए। यह पूरा मामला श्रेफ्र माफ्यिाश् और फर्जीवाड़े के संगठित नेटवर्क की ओर इशारा करता है। चूंकि जगन्नाथ हॉस्पिटल में आयुष्मान कार्ड से इलाज नहीं होता तो प्रबंधन मरीज को नवापारा स्थित संजीवनी हॉस्पिटल में भेजकर कार्ड से पैसा निकल लेते हैं।

प्रशासन की आंखों में धूल झोंक रही हैं प्राइवेट हॉस्पिटल- अगर यह खेल एक मरीज के साथ हो रहा है, तो सवाल उठता है ऐसे कितने मरीज रोज़ इस जाल में फंस रहे हैं ?क्या छत्तीसगढ़ में प्राइवेट अस्पताल अब सिर्फ मरीजों को लूटने का अड्डा बन चुके हैं ? सरकारी तंत्र क्या इतनी निकम्मा हो चुका है कि ऐसे हॉस्पिटलों पर कोई लगाम नहीं लगा पा रहा है।

जांच नहीं तो आंदोलन- स्थानीय ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों ने प्रशासन से तत्काल उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि दोषियों पर कार्रवाई नहीं होती, तो जिला स्तरीय आंदोलन छेड़ा जाएगा। यह सिर्फ लापरवाही नहीं, यह ष्जनता के जीवन के साथ धोखाष् है। यह सवाल है - स्वास्थ्य व्यवस्था की विश्वसनीयता का।

क्या कहते हैं अधिकारी- इस संबंध में जिला चिकित्सा अधिकारी यू एस नवरत्न ने कहा श्री जगन्नाथ हॉस्पिटल को आयुष्मान कार्ड से इलाज करने की मान्यता नहीं है। आपके माध्यम से जानकारी मिला हैं.. जांच कर कार्यवाही की जाएगी।

घर के पीछे खेत में मिली 4 महीने की बच्ची की लाश

जांजगीर-चांपा, 13 जुलाई (देशबन्धु)। जिले से एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहाँ एक 4 माह की मासूम बच्ची का शव घर के पीछे खेत के गड्ढे में मिला है। इस घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है, वहीं परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बच्ची अपनी माँ के साथ घर में सो रही थी। परिजन जागे तो बच्ची अपने स्थान पर नहीं थी। बच्ची के अचानक गायब हो जाने से अपहरण की आशंका जताई जा रही थी।

स्थानीय ग्रामीणों और परिजनों ने खोजबीन शुरू की, जिसके बाद कुछ ही घंटों में घर के पीछे खेत में एक गड्ढे में बच्ची का शव मिला। घटना की जानकारी मिलते ही पामगढ़ पुलिस मौके पर पहुँची और शव को बरामद कर पहचान की पुष्टि की। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है, रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के असली कारणों का खुलासा हो पाएगा। इस घटना से पूरे गांव में शोक और आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों ने जल्द से जल्द दोषियों को पकड़ने की मांग की है।

NECC

14.07.2025	अंडा	मुर्गी	काकरेल
फार्म	500	68	165
चिल्हर	6.50	90	190

डिलीवरी 515 सैकड़ा

दर्जन अंडा 78 रु.

मुर्गी खाद प्रति ट्राली 1000 रु.

CSPFA

प्रकाशक, मुद्रक- राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए देशबन्धु परिसर रामसागरपारा रायपुर से प्रकाशित एवं मुद्रित। सम्पादक- राजीव रंजन श्रीवास्तव। प्रेस पंजीयन- 6072/59
फोन- (0771) 4077750, 4077760, email id: deshbandhuraipur@gmail.com, website:deshbandhu.co.in

उल्टा पुल्टा

पति ने पत्नी से बड़े ही प्यार से कहा - काश
तुम शक्कर होती, कभी तो मीठा बोलती...
पत्नी- काश तुम अदरक होते, कसम से...
जी भर के कूटती...!!!
पत्नी का जवाब सुनकर पति बेहोश!

संपादकीय

तालाबों में जान गंवाते मासूम

जून के अंतिम सप्ताह में पत्थलगांव के एक ग्राम में दो मासूमों की गांव के तालाब में डूबने से मौत हो गयी थी। अब जांजगीर-चाम्पा जिले से भी ऐसा ही हृदय विदारक समाचार मिला है। बलौदा थानांतर्गत भैंसतरा गांव की डबरी में डूबकर चार बच्चों की मौत हो गयी। इनके नाम हैं- पुष्पांजलि व तुषार श्रीवास (भाई-बहन, क्रमश: 9 व 5 साल), ख्याति केवट (4) और अंशिका यादव (8) पत्थलगांव की घटना में जहां स्कूल से वापसी में पड़ोस में रहने वाले दो बच्चे साइकल धोने के लिये तालाब में उतर गये थे, तो दूसरी घटना में ये बच्चे स्कूल से ही लौटते हुए नहाने के लिये पानी में उतर गये थे। इस तरह की अनगिनत घटनाएं तालाबों के राज्य छत्तीसगढ़ में होती रहती हैं, पर दुर्भाग्य से पालक व अभिभावक तो लापरवाही बरतते ही हैं, ग्राम पंचायतें भी लोगों को खुद की तथा बच्चों की सुरक्षा को लेकर जागरूक नहीं दिखतीं। डूबते हुए या तालाबों की दलदल तथा वनस्पतियों में उलझे वयस्क तो जान बचा लेते हैं पर बच्चे और किशोर जल्दी परास्त हो जाते हैं।

पत्थलगांव (अंबिकापुर) की जिस घटना का ऊपर जिक्र हुआ है वह केरजू गांव की है। स्कूल से लौटते हुए तालाब में आरव अग्रवाल व अंश अग्रवाल (क्रमश: 9 व 8 साल) अपनी साइकलें धोने गये थे। गहरे पानी में उतरने से उनकी मौत हो गयी। ऐसे ही, खल्लारी (महासमुन्द) थाना क्षेत्र के सोरम सिंघी में दुष्यंत निषाद (7 वर्ष) और द्रोण निषाद (8) कुछ मित्रों के साथ तालाब में नहाने गए थे। वे भी गहराई में उतरने से डूब गये। अन्य बच्चों की चीख-पुकार सुनकर ग्रामीण वहां पहुंचे। तब तक दोनों काल कलवित हो चुके थे। मई के बालोद के जगन्नाथपुर स्थित नवा तालाब में भी 5 साल का बच्चा डूबकर मरा था। राजनांदगांव के सोमनी थाना क्षेत्र में भी इसी प्रकार से दो की मौत हुई थी। भाई-बहन पूनम साहू (8 वर्ष) और तेजस (5) तालाब में मारे गये थे। सरगुजा के सिलसिला गांव में भी दो बच्चे तालाब में डूबे हैं। पिछले वर्ष अक्टूबर में धमतरी के एक गांव में दो सगी बहनें तथा उनके साथ गयी लड़की तालाब में डूब गयी थीं। लगभग 10 माह पहले रायपुर के राजेन्द्र नगर थाने के तहत एक तालाब में 8 और 10 साल के क्रमश: तेजस एवं विजय दीप भी डूब गये थे। ये भी शाला से नहाने चले गये थे।

ऐसी अनगिनत दुर्घटनाएं इसलिये होती हैं क्योंकि माता-पिता और अभिभावकों की जानकारी के बगैर बच्चे अकेले अथवा दोस्तों या सहेलियों के साथ तालाब नहाने चले जाते हैं। एक कारण यह भी होता है कि उनके मां-बाप, बड़े भाई-बहन, अभिभावक आदि कृषि कार्य अथवा मजदूरी करने चले गये होते हैं। कोशिश की जाये कि बच्चे तालाबों में अकेले नहाने न जायें। यथासम्भव कोई वयस्क उनके साथ रहे। बच्चे उनकी देखरेख में स्नानादि करें। बच्चे भी तालाबों की दलदल, गहराई, वनस्पतियों के खतरों को जानें। छोटे बच्चों को शाम या रात को तालाब न भेजा जाए।

शासन का ग्राम पंचायत विभाग तथा स्वयं ग्राम पंचायतों को चाहिये कि लोगों को सतर्क करें। ग्रामवासियों को बतलाया जाये कि बच्चों को नहाने या किसी भी काम के लिये अकेले न भेजें। किसी बड़े की उपस्थिति में वे नहायें अथवा तैरें अन्यथा मासूम ऐसे ही अपने प्राण गंवाते रहेंगे। जिस बड़ी तादाद में बच्चे तालाबों में डूबकर अपने प्राण गंवा रहे हैं वह दुर्भाग्यजनक है।

देव स्थलों और शिवालयों की साफ सफाई का महापौर ने किया निरीक्षण

जगदलपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। श्रावण मास के प्रारंभ होते ही मंदिरों में भक्तों की भीड़ अधिक होती है। कल सावन मास का प्रथम सोमवार है। महापौर संजय पाण्डे ने महादेव घाट स्थित शंकर मंदिर पहुंच कर पूजा अर्चना की। एमआईसी सदस्य व स्थानीय पार्षद निर्मल पाणिग्रही, सफाई विभाग के सभापति लक्ष्मण झा के साथ मिलकर मंदिर के आसपास सफाई के निर्देश सफाई दरोगा को दिए।

श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो इसके लिए भी महापौर ने संबंधित कर्मचारियों को दिशा निर्देश दिए। संजय पाण्डे ने नगर निगम के सफाई कर्मचारियों से कहा मंदिरों के आसपास किसी प्रकार की गंदगी न हो। कचरे का ढेर मंदिर के पास न हो इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए। सावन मास को देखते हुए शहर के सभी मंदिरों, शिवालयों और देवालयों के आसपास की साफ सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने का निर्देश उन्होंने दिया। उन्होंने कहा कि श्रावण मास में पवित्र स्थानों के पास किसी भी प्रकार की गंदगी नहीं दिखनी चाहिए। सफाई दरोगा व मेट से उन्होंने कहा कि देवस्थानों के आसपास की व्यापक साफ सफाई प्रतिदिन होनी चाहिए। इस पवित्र महीने में सभी मंदिर, शिवालय और देवालय की सफाई कर उनको सुसज्जित भी किया जाएगा। जिससे कि सभी सनातनी इस माह को पूर्ण आस्था, पवित्रता और निष्ठापूर्वक मना सकें।

जबलपुर गांजा ले जाने बस का इंतजार कर रहे पति-पत्नी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

आरोपियों के कब्जे से 11.505 किलोग्राम गांजा जप्त जिसका बाजार मूल्य 115000 रूपये

जगदलपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। नगरनार थाना में मुखबीर से सूचना मिला कि एक महिला एवं एक पुरूष बैग में अवैध गांजा रखकर ग्राम धनपुंजी फारेस्ट नाका के पास जगदलपुर की ओर जाने वाले बस का इंतजार कर रहे है कि सुचना पर प्रभारी निरीक्षक संतोष सिंह के नेतृत्व में 12 जुलाई को पुलिस टीम महिला स्टाप के साथ ग्राम धनपुंजी फारेस्ट नाका एनएच 63 के पास पहुंच कर देखे। मुखबीर के बताये अनुसार एक महिला एवं एक पुरुष व्यक्ति रोड किनारे बस का इंतजार करते हुये मिले जिसे घेराबंदी कर पकड़े। पुरूष व्यक्ति से नाम पता पूछने पर अपना नाम विजय सिंह ठाकुर एवं महिला ने अपना नाम संजना विजय सिंह ठाकुर पति विजय सिंह ठाकुर निवासी दमूनाका पंजाब बैंक कालोनी जबलपुर मध्यप्रदेश बताया।आरोपियों के बैग का तलाशी लेने पर कुल 3 पैकेट सेलोटेप से लिपटा हुआ कुल वजन 11.505 कि.ग्रा. कुल किमती 115000/ रूपया एवं एक नग मोबाईल को बरामद कर जप्त किया गया। आरोपियों का कृत्य अपराध धारा 20 (ख) एनडीपीएस एक्ट का पाये जाने से आरोपियों को गिरफ्तार कर अपराध सदर कायम कर विवेचना में लिया गया एवं न्यायिक रिमांड पर न्यायालय जगदलपुर के समक्ष पेश किया गया। जेल वारंट जारी होने पर जिला जेल जगदलपुर में दाखिल किया गया।

मच्छरदानी वितरण का उद्देश्य स्वास्थ्य के प्रति सुरक्षा व जागरुकता : महापौर

जगदलपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। स्वस्थ समाज ही समृद्ध समाज की नींव है। मच्छरदानी का वितरण प्रदेश सरकार की महती योजना है। इसका उद्देश्य सिर्फ मच्छरदानी का वितरण किया जाना नहीं है बल्कि स्वास्थ्य के प्रति सुरक्षा व जागरुकता है। मच्छर के काटने से मलेरिया, डेंगू जैसे गंभीर बीमारी होते हैं। हमें चाहिए कि हम सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें। जिससे कि डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी गंभीर बीमारियों से बचा जा सके।उक्त बातें रविवार को विजय वार्ड में आयोजित मच्छरदानी वितरण कार्यक्रम में महापौर संजय पाण्डे ने कही।

उन्होंने बताया प्रत्येक परिवार में मच्छरदानी का वितरण किया जाना है। गर्भवती महिला, दिव्यांग, छोटे बच्चे, उम्रदराज लोगों को अनिवार्य रूप से प्राथमिकता के आधार पर मच्छरदानी का वितरण किया जाना है। रोजाना शहर के अलग अलग वार्डों में चिन्हित स्थान पर कार्यक्रम आयोजित कर जनप्रतिनिधियों के माध्यम से मच्छरदानी का वितरण किया जा रहा है। श्री पाण्डे ने कहा मच्छर के काटने से मलेरिया, डेंगू जैसे गंभीर बीमार फैलते हैं। मच्छरदानी के उपयोग से एक बड़ा फायदा यह है कि कॉइल से निकलने वाले हानिकारक धुएँ से बचा जा सकता है। मच्छरदानी एक सस्ती, सुरक्षित और प्रभावी चीज है जो हमें मच्छरों से बचाती है। हमें अधिक से अधिक मच्छरदानी का उपयोग करना चाहिए ताकि हम स्वस्थ और सुरक्षित रह सकें। वार्ड पार्षद गौतम पानीग्राही ने कहा महापौर दलगत राजनीति से हटकर काम कर रहे हैं। प्रत्येक वार्ड में जाकर वे स्वयं मच्छरदानी वितरण कार्यक्रम में शामिल हो रहे हैं। इस बात से ही यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि वे शहर विकास के लिए कितने सजग हैं। स्वास्थ्य विभाग, नगर निगम टीम के साथ तालमेल बनाकर काम कर रहा है। जनप्रतिनिधि सेवा भाव से काम कर रहे हैं। हमारा स्वास्थ्य ही हमारा सबसे बड़ा धन है। स्वस्थ जीवन जीने के लिए स्वच्छता और सुरक्षा अत्यंत आवश्यक है। गंभीर बीमारी से बचाव के लिए मच्छरदानी एक सशक्त और सरल उपाय है। यह बिना किसी साइड इफेक्ट के स्वास्थ्य की रक्षा करता है। इस अवसर पर पूर्व पार्षद भारती श्रीवास्तव, कुंवर अजय सिंह, राम भरोसे यादव, प्रताप सिंह, शिवा, मितानिन कुमारी ठाकुर, लक्ष्मी ठाकुर, रिंकु दुबे, विवेक जैन सहित वार्ड के लोग मौजूद रहे।

कांग्रेस शासनकाल में सी-मार्ट योजना में हुए भ्रष्टाचार की हो जांच : बाफना

जगदलपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ की पूर्ववर्ती कॉग्रेस शासनकाल के दरम्यान स्व सहायता समूह की महिलाओं व अन्य पारंपरिक और कुटीर उद्योगों से जुड़े लोगों को स्वरोजगार देने की बात कहकर हर जिले में सी मार्ट खोले गये थे जिसके लिए कॉग्रेस सरकार द्वारा जनता के टैक्स के करोड़ों रूपए खर्च कर दिये गये, लेकिन कॉग्रेस शासनकाल की तमाम योजनाएं जो पूरी तरह से भ्रष्टाचार में लिप्त रहीं, जिसका खामियाजा भी कॉग्रेस को केवल 5 वर्ष में ही सत्ता से बाहर होकर भुगतना पड़ा, उसी कॉग्रेस सरकार की सी मार्ट योजना में भी व्याप्त भ्रष्टाचार व अनियमितताओं के मामले अब सामने निकलकर आ रहे हैं। एक ऐसे ही मामले को लेकर जगदलपुर भाजपा नेता एवं पूर्व विधायक संतोष बाफना ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को शिकायती पत्र लिखकर जांच एवं कार्यवाही की मांग की है। पूर्व विधायक बाफना ने कहा है कि, कॉग्रेस सरकार की सी मार्ट योजना में नियमानुसार उत्पाद किसी बड़े दुकानदार से नहीं बल्कि स्थानीय महिलाओं द्वारा तैयार उत्पादों को खरीदने का नियम निर्धारित किया गया था किन्तु इस योजना के शुरूआती दौर में ही सभी नियमों को किनारे लगाकर बस्तर संभाग के विभिन्न जिलों में स्थानीय महिलाओं को सी मार्ट आंबटित न करके रायपुर व दूसरे बड़े शहरों के लोगों को सी मार्ट शोरूम आंबटित किये गये और उन्हीं संचालकों ने मोटी कमाई करने के लिए मल्टीनेशनल कंपनियों के उत्पाद बेचने शुरू कर दिये। और सरकार के इस कृत्य से यह बात जाहिर हो गई कि, कॉग्रेस शासनकाल में महिलाओं, पिछड़ों के लिए शुरू की गई योजनाएं केवल कॉग्रेस के लिए भ्रष्टाचार का मुख्य स्त्रोत थी। यही कारण है कि, कॉग्रेस सरकार की सी मार्ट योजना से धरातल पर महिलाओं को किसी भी तरह का लाभ प्राप्त नहीं हुआ और प्रदेश में भाजपा की सरकार आने के बाद भ्रष्टाचार से पोषित कॉग्रेस की योजनाओं पर पूर्ण विराम लगाना पड़ा तो वहीं बाफना ने बताया है कि, सी मार्ट योजना सुकमा सहित प्रदेश के अन्य जिलों में महिला स्व सहायता समूह के नाम पर न केवल फर्जी तरीके से अभी भी संचालित की जा रही है बल्कि, अनियमितताओं व भ्रष्टाचार के मामले उजागर होने के बावजूद सुकमा प्रशासन के कुछ अधिकारी आवासीय विद्यालयों में खाद्य व दैनिक उपयोग की सामग्री की खरीदी के लिए आश्रम व छात्रावास अधीक्षकों पर अनुचित दबाव डालकर उन्हें विवश कर रहे हैं। भले ही सामग्री गुणवत्ताहीन व बाजार मूल्य से अधिक दर पर ही क्यों न हो। इसके अलावा सुकमा स्थित सी मार्ट के संचालन के लिए डीएमएफ मद से 15 लाख रूपए की अग्रिम राशि स्वीकृत की गई व सीएसआर मद से सी मार्ट संचालिका को 45 हजार रूपए प्रतिमाह वेतन व सरकारी आवास उपलब्ध करवाया गया, जो कि नियमों के दायरे में ही नहीं है। इसके साथ ही सुकमा जिले में स्थित सैकड़ों आश्रम, छात्रावास, पोटाकेबिन व स्कूलों में खाद्य व अन्य सामग्री फर्जी जीएसटी बिल लगाकर करोड़ों रूपए की सप्लाई कर लाखों रूपए की टैक्स की सरकार को चपत लगाई गई, जिसका कोई हिसाब-किताब नहीं एवं सुकमा के जिस शासकीय भवन में सी मार्ट संचालित किया गया वहॉ 5 लाख रुपए से अधिक बिजली बिल व 20 से 25 लाख रूपए भवन कर किराये का भुगतान आज पर्यन्त नहीं किया गया तथा दंतेवाड़ा में भी संचालित सी मार्ट में जगदलपुर के एक व्यापारी द्वारा दंतेश्वरी मंदिर ट्रस्ट को सी मार्ट के माध्यम से 9 अक्टूबर 2023 को 34 लाख 25 हजार रूपये का तेल व घी सप्लाई किया गया था जिसका भुगतान भी दंतेवाड़ा सी मार्ट द्वारा व्यापारी को आज तक नही किया गया। पूर्व विधायक बाफना ने इन्हीं सब तथ्यों का हवाला देकर पूर्ववर्ती कॉग्रेस सरकार के कार्यकाल में प्रारंभ की गई सी मार्ट योजना को पूर्णरूप से दिशाविहिन व भ्रष्टाचार में लिप्त बताया है और जिसकी जांच कर स्व सहायता समूह की महिलाओं व अन्य को उनका हक दिलाने की दिशा में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से कार्यवाही की मांग की है।

बस्तर विकासखंड का कलेक्टर ने किया दौरा

सिसल शिल्प और बेल मेटल का कार्य से जुड़े महिला स्व-सहायता समूह के दीदियों से शिल्प उत्पादन और व्यापार की गतिविधियों का लिया संज्ञान

जगदलपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। कलेक्टर हरिस एस ने शनिवार को बस्तर विकासखंड का दौरा किया। दौरा निरीक्षण में कलेक्टर ने परचनपाल में सिसल शिल्प कला, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बस्तर, गुनपुर में बेल मेटल शिल्प कला के स्व सहायता समूह से मुलाकात, छोटे आमाबाल में मनरेगा के कार्य, प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों से संवाद और मत्स्य विभाग के मत्स्य बीज उत्पादन केन्द्र का अवलोकन किया । इस दौरान उन्होंने सिसल शिल्प से जुड़े और बेल मेटल का कार्य से जुड़े महिला स्व-सहायता समूह के दीदियों से शिल्प उत्पादन और व्यापार की गतिविधियों के संबंध में चर्चा की। छोटेआमाबाल मे नरेगा योजना से निर्मित डब्ल्यूएटी एवं अप्रारम्भ आवास हितग्राहियो से मिल कर आवास एक सप्ताह के भीतर प्रारम्भ करने हेतु निर्देशित किया । इसके अलावा ग्राम पंचायत रतेंगा मे बालक आश्रम का निरिक्षण कर आश्रम में बच्चों को दी जा रही शिक्षा सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ प्रतीक जैन, सहायक कलेक्टर विपिन दुबे सहित ब्लॉक के अन्य अधिकारी उपस्थित थे ।

आमचो बस्तर-पहचान बस्तर पोर्टल के अंतर्गत ऑपरेटर-कर्मचारियों को दिया गया प्रशिक्षण

जगदलपुर, 12 जुलाई (देशबन्धु)। कलेक्टर हरिस एस के मार्गदर्शन में जिला कार्यालय के प्रेरणा सभाकक्ष में आमचो बस्तर – पहचान बस्तर पोर्टल के अंतर्गत, शासकीय योजनाओं की जानकारी अपलोड करने, आवेदनों का निराकरण की प्रविष्टि, शिकायत दर्ज करने व निवारण की प्रक्रिया, डैशबोर्ड और रिपोर्टिंग तंत्र का उपयोग के संबंध में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया । इसमें विभिन्न विभागों के तकनीकी कार्यों (जैसे पोर्टल पर प्रविष्टि आदि) को देखने वाले संबंधित ऑपरेटर कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया ।

शिकायतें, माँग या सुझाव आसानी से कर सकते हैं दर्ज : बस्तर जिले में अभिनव पहल डिजिटल जन शिकायत निवारण पोर्टल च्आमचो बस्तरज्ज की शुरुआत की गई है। यह पोर्टल ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों को सीधे जिला प्रशासन से जुड़ने का अवसर प्रदान करेगा। नागरिक अब वेबसाइट, मोबाइल ऐप या ग्राम सचिवालयों में उपलब्ध क्यूआर कोड को स्कैन कर भूमि, राजस्व, पेंशन, राशन जैसी विभिन्न सेवाओं से संबंधित अपनी शिकायतें, माँग या सुझाव आसानी से दर्ज कर सकते हैं और उनकी स्थिति को रियल-टाइम में ट्रैक कर सकते हैं। इस पोर्टल की सबसे खास बात है 'सेव ड्राफ्ट' सुविधा, जिससे नेटवर्क न होने पर भी आवेदन भरकर बाद में सबमिट किया जा सकता है। आमचो बस्तर जनदर्शन शिविर, राजस्व पखवाड़ा और सार्वजनिक डैशबोर्ड से भी जुड़ा है, जिससे समाधान पूरी तरह पारदर्शी और समयबद्ध रहता है।डिजिटल जन शिकायत निवारण पोर्टल पहल बस्तर में जवाबदेह, समावेशी और तकनीक-सक्षम प्रशासन का नया युग शुरू कर रही है—'हर गांव, हर परिवार की आवाज़ को शासन तक पहुँचाना' के संकल्प के साथ। इसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण और शहरी निवासियों को सीधे प्रौद्योगिकी का उपयोग करके प्रशासन के साथ जोड़ना है, और यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक शिकायत, मांग, या सुझाव को एक पारदर्शी, जवाबदेह और समय-सीमा पर संबंधित विभागों के निराकरण किया जाना है, उस निराकरण को ट्रैक करना भी है कि समाधान सही हुआ या नहीं । यह मंच केवल एक शिकायत पोर्टल नहीं है-यह एक केंद्रीकृत, बहु-चैनल और बहु-मॉड्यूल पर आधारित पोर्टल है, जो पूरे जिले के लिए सार्वजनिक शिकायत निवारण, विशेष प्रशासनिक ड्राइव, परियोजना निगरानी और सूचना प्रसार को एकीकृत करता है। अधिक जानकारी के लिए amchobastar.in पर जाएं या गूगल प्ले स्टोर से आमचो बस्तर ऐप डाउनलोड किया जा सकता है । आमचो बस्तर पोर्टल में आवेदनों के निराकरण हेतु ग्राम पंचायत, >> शेष पृष्ठ 9 पर >

केवल ज्ञान ही नहीं धैर्य और अनुशासन से परीक्षा उत्तीर्ण करते हैं : विपिन दुबे

शासकीय ज्ञानगुड़ी में सहायक कलेक्टर विपिन दुबे द्वारा छात्रों को दिया गया मार्गदर्शन

जगदलपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। ज्ञानगुड़ी में अध्ययनरत छात्रों को आगामी राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा नीट, जेईई, पीएटी, नर्सिंग की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के मनोबल को बढ़ाने और उन्हें मार्गदर्शन देने के उद्देश्य से सहायक कलेक्टर विपिन दुबे ने छात्रों को प्रभावी ढंग से तैयारी करने के लिए कुछ महत्वपूर्ण टिप्स और रणनीतियाँ बताई। शनिवार को ज्ञानगुड़ी में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि नीट, जेईई, पीएटी, बीएससी नर्सिंग, पीईटी, आईआईएसईआर परीक्षा केवल ज्ञान की नहीं, बल्कि धैर्य, अनुशासन और सही रणनीति की भी परीक्षा है। उन्होंने कहा कि सही दिशा में किया गया प्रयास निश्चित रूप से सफलता दिलाता है। उन्होंने विद्यार्थियों को सुझाव दिए कि पाठ्यक्रम और समय प्रबंधन में सबसे पहले, एनसीईआरटी आधारित परीक्षा के पूरे पाठ्यक्रम को अच्छी तरह से समझें। प्रत्येक विषय के लिए एक समय सारिणी बनाएँ। कठिन विषयों पर अधिक समय दें, लेकिन किसी भी विषय को पूरी तरह से नजरअंदाज न करें। विषयों की समझ पर ध्यान दें। रट्टा मारने के बजाय, अवधारणाओं को समझने पर जोर दें। यदि आपकी नींव मजबूत होगी, तो जटिल प्रश्नों को हल करना आसान हो जाएगा। महत्वपूर्ण सिद्धांतों, सूत्रों और जीव विज्ञान के डायग्राम को दोहराते रहें। अभ्यास और मॉक टेस्ट जो ज्ञानगुड़ी में प्रति सप्ताह होता है। यह आपको परीक्षा पैटर्न, समय प्रबंधन और अपनी कमजोरियों को समझने में मदद करेगा। मॉक टेस्ट देने के बाद, अपनी गलतियों का विश्लेषण करें और उन्हें सुधारने पर काम करें। क्योंकि ज्ञानगुड़ी के शिक्षक आपके प्रश्न के उत्तर व निराकरण के लिए है।साथ ही साथ स्वास्थ्य का ध्यान रखें , यह सबसे महत्वपूर्ण है। अपनी पढ़ाई के साथ-साथ शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें। पर्याप्त नींद लें, पौष्टिक भोजन खाएं और हल्का व्यायाम करें। तनाव को दूर करने के लिए छोटे-छोटे ब्रेक लेना और अपनी पसंद की गतिविधियां करना फायदेमंद होगा। सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास सफलता की कुंजी है। अपने ऊपर विश्वास रखें और खुद को हतोत्साहित न होने दें। यदि आप तनाव महसूस करते हैं, तो अपने शिक्षकों, माता-पिता या प्रभारी अलेकजेंडर चेरियन से बात करें। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन विद्यार्थियों को हर संभव सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी छात्रों को उनकी आगामी परीक्षा के लिए शुभकामनाएं दीं और विश्वास व्यक्त किया कि वे लगन और मेहनत से अपने सपनों को पूरा कर सकते हैं। इस अवसर पर ओआईसी अलेक्जेंडर एम चेरियन मनीष श्रीवास्तव, संजीव विश्वास, जी श्रीनिवास राव, देवेश पाणिग्रही, नरेंद्र पाणिग्रही उपस्थित थे ।

आस्था निकुंज वृद्धाश्रम की बुजुर्ग महिलाओं ने किया चित्रकोट जलप्रपात का भ्रमण

जगदलपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। कलेक्टर हरीश एस के निर्देश पर रविवार को रेडक्रास आस्था निकुंज वृद्धाश्रम के बुजुर्ग महिलाओं को चित्रकोट जलप्रपात का भ्रमण कराया गया। चित्रकोट जलप्रपात का दर्शन कर बुजुर्ग महिलाओं ने खुशी जाहिर करते हुए कलेक्टर हरिस तथा रेडक्रास के सभी सदस्यों को आशीर्वाद दिया।98 वर्षीय रामबती 95 वर्षीय सोनदई सहित गीता, शांति , राधा, दसरी , सोनी, सोनादाई, पार्वती, गागरी, राजू बाला ने चित्रकोट जलप्रपात का भ्रमण किया। प्रबंधक अनिल देवांगन , कु प्रिया, वर्षा, ज्योति, सविता, ईतेंद्र, रितेश सेठिया, डिप्टी डायरेक्टर सुचित्रा मिंज, तहसीलदार कैलाश पोयम, संतोष एस, विवेक सिंह, उपाध्यक्ष अलेक्जेंडर आदि ने बुजुर्ग महिलाओं के इस भ्रमण में सहयोग किया।

जर्जर भवन में आंगनबाड़ी, खतरे के बीच नव निहाल

- दंतेवाड़ा मुख्यालय में छज्जा गिरा, संचालिका घायल
- आंगनबाड़ी केन्द्रों का जायजा नहीं ले रहे डीपीओ
- विभाग में जारी कुर्सी का खेल, एक-दूसरे का निपटाने में लगे
- शहर में ऐसी अव्यवस्था तो बाकि परियोजना भी भगवान भरोसे

दंतेवाड़ा, 13 जुलाई (देशबन्धु)। महिला एवं बाल विकास विभाग इन दिनों सूर्खियों में है। ताजा मामला जिला मुख्यालय के एक आंगनबाड़ी भवन के छत का छज्जा गिरने का है। जिम्मेदार अधिकारी अपना कर्तव्य गंभीरता से नहीं निभा रहे हैं। जर्जर आंगनबाड़ी भवनों की मरम्मत नहीं हो रही है। इस लापरवाही के चलते नव निहालो की जान खतरे में है।

जिला मुख्यालय ही नहीं बल्कि जिले के सभी परियोजनाओं में हालात ऐसे ही हैं। लेकिन अफसरों की दिलचस्पी केवल सप्लाई और खरीदी-बिक्री में है। मूल दायित्व से भटकने के कारण स्थिति बिगड़ रही है। परियोजनाओं में अवैध वसूली, बिलिंग और खरीदी-बिक्री की भी चर्चा है। दंतेवाड़ा सहित सभी परियोजनाओं में पिछले पांच साल के ही सप्लाई और खरीदी-बिक्री तथा बिलिंग की जांच हो जाए तो कई बड़े खुलासे सामने आ सकते हैं। अभी हाल ही में जिला मुख्यालय दंतेवाड़ा के वार्ड नंबर 12 ब्लाक कालोनी में संचालित आंगनबाड़ी भवन के छत का छज्जा गिरने का मामला प्रकाश में आया है। मलबा की जद में आने से आंगनबाड़ी संचालिका चोटिल हुई है। वहीं हादसे में किसी बच्चे को कोई नुकसान नहीं हुआ। इससे विभागीय अधिकारियों एवं बच्चों के परिजनों के राहत की सांस ली है। बड़ा नुकसान होने से बच तो गया मगर सवाल विभागीय अधिकारियों पर उठाया जाएगा कि आखिर जर्जर भवनों में क्यों आंगनबाड़ी संचालित करवाई जा रही थी ? क्या विभागीय अधिकारियों को यह नहीं दिखता कि भवन पुराना एवं खस्ता हालत में है बारिश का मौसम है घटना भी घट सकती है। इस तरह की लापरवाही अक्षम्य है। गौरतलब है कि इन दिनों महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी अपने एक चहेते बाबू को तबादले पर जाने से रोकने में अपना ध्यान केंद्रित किए हुए हैं। मानसूनी मौसम में जर्जर एवं कमजोर आंगनबाड़ी भवनों का निरीक्षण जांच करना छोड़ जिला अफसर अपने मातहत प्रिय बाबू को येन केन प्रकारेण ट्रांसफर पर जाने से रोकने में पूरी ताकत लगाए हुए हैं। आंगनबाड़ी भवन का छत से मलबा गिरने का मामला बीती शाम 2.30 बजे के करीब का है।

केंद्र की सहायिका पुर्णिमा साहू ने बताया कि शनिवार शाम ढाई बजे संचालिका जानकी यादव और मैं आंगनबाड़ी भवन में बैठे काम कर रहे थे तभी छत का मलबा भर भराकर नीचे गिर पड़ा। मुझे तो चोट नहीं आई वहीं जानकी के उपर मलबा गिरने से उनके सिर, गले और हाथ में चोट आया है। कार्यकर्ता जिस कुर्सी पर बैठी हुई थी वह कुर्सी भी टूट गया है। सहायिका ने यह भी कहा कि कुछ सेकण्ड पूर्व मोहल्ले की ही एक दादी अपने पोते को लेकर उसी जगह पर बैठी हुई थी, उसके वहां से उठकर जाने के चंद सेकण्ड बाद ही मलबा जानकी के उपर आ गिरा। अगर मलबा बच्चे पर गिरा होता तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि नुकसान कितना बड़ा हो सकता था। विभागीय अधिकारियों की लापरवाही का खामियाजा आंगनबाड़ी में पढने वाले नौनिहालों को भुगतना पड़ रहा है।

बता दें कि जिस मकान में वर्तमान में केंद्र संचालित हो रहा है वह काफी दशकों पुराना ब्लाक का एक सरकारी क्वार्टर है। नया आंगनबाड़ी भवन साईड में बन रहा है, अभी निर्माणाधीन है। जिम्मेदार अधिकारियों को चाहिए था कि जब तक नया भवन बनकर तैयार नहीं हो जाता तब तक किसी अच्छे भवन में आंगनबाड़ी को संचालित करवाते। कुछ महिनों तक के लिए किसी का खाली भवन किराया पर भी लिया जा सकता था मगर ऐसा न कर पैसे बचाने के लालच में विभागीय अधिकारियों ने पुराने जर्जर हो चुके एक सरकारी मकान में आंगनबाड़ी को शिफ्ट कर दिया जिसके चलते इस तरह का हादसा सामने आया। जिला मुख्यालय अंतर्गत पालिका क्षेत्र के आंगनबाडी केंद्रो का जब ये हाल है तो बाकी परियोजनाओं के अंदर आने वाले ग्रामीण क्षेत्रों के केंद्रों का क्या ही हाल होगा अंदाजा लगाया जा सकता है।

आज से सावन सोमवार, शिव भक्तों में उत्साह

- शहर से लेकर जंगल तक गूंजेगा ओम नमः शिवाय
- सुरभि कालोनी श्रीराम लिंगेश्वर महादेव मंदिर में भी विशेष पूजा
- रूद्राभिषेक, सावन महोत्सव और कांवड़ यात्रा की तैयारी

दंतेवाड़ा, 13 जुलाई (देशबन्धु)। सावन सोमवार कल से प्रारंभ हो रहा है। इस बार सावन में चार सोमवार पड़ने वाले हैं। शिव भक्तों के लिए सावन सोमवार का विशेष महत्व होता है। इस दिन व्रत, पूजा और आराधना से भगवान भोलेनाथ प्रसन्न होते हैं।

दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा के शिवालयों में भी सावन सोमवार की तैयारी पूरी हो गई है। कई मंदिरों में इस अवसर पर रूद्राभिषेक होगा तो कहीं-कहीं कांवड़ यात्रा भी निकाली जाएगी। दंतेवाड़ा की सुरभि कालोनी में शिव भक्त बेहद प्रसन्न हैं, क्योंकि मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद यह पहला सावन महोत्सव होगा जब चारों सोमवार भगवान रामलिंगेश्वर की पूजा अर्चना होगी। इसके लिए कालोनी वासियों में विशेष उत्साह है। इस मौके पर सावन महोत्सव, कांवड़ यात्रा और रूद्राभिषेक होगा। इसके साथ ही शहर के अन्य प्रमुख शिवालय मनोकामनेश्वर महादेव, दंतेश्वर्य महादेव, जिला अस्पताल परिसर, सीएसईबी कालोनी, टेकनार, ब्लाक कालोनी, पीडब्ल्यूडी दफ्तर परिसर, रेलवे कालोनी, पुलिस लाईन के साथ ही जंगलपारा चितालंका, और अन्य शिवालयों में भी सावन सोमवार पर भगवान भोलेनाथ की विशेष पूजा होगी।

दंतेवाड़ा के साथ ही नकुलनार, बचेली, किरन्दुल के शिव मंदिर में भी भक्त जुटेंगे। इसके साथ ही ऐतिहासिक शिव मंदिर समलूर, बत्तीसा मंदिर बारसूर और गुमरगुंडा के शिव मंदिर में भी भक्त पहुंचेंगे। दुर्गम रास्ता पार कर तुलारगुफा में भी भगवान महादेव की पूजा के लिए भक्त पहुंचते हैं। गुमरगुंडा में बाबा विश्वनाथ के रूप में भोलेनाथ विराजे हैं। सावन में शिव पूजन की महत्ता है। इस दिन व्रत कर भक्त भगवान शिव की पूजा करते हैं और आशीर्वाद पाते हैं।

स्वावलंबी भारत अभियान: राज्य स्तरीय कार्यशाला में कोंडागांव के रासेयो स्वयं सेवक शामिल

कोण्डागांव 13 जुलाई (देशबन्धु)। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के अंतर्गत स्वावलंबी भारत अभियान को गति देने हेतु बिलासपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला में कोंडागांव जिले के चयनित स्वयं सेवक अंजू बोस, कशिश यादव, खिलेंद्र नेगी, शनिदेव भाग ले रहे हैं। यह दल जिला संगठक शशिभूषण कन्नौजे के नेतृत्व में वरिष्ठ स्वयं सेवक देवेंद्र कुमार एवं अजीत कुमार एवं स्वयं सेवकों के पालक की उपस्थिति में स्थानीय बस स्टैंड से रवाना हुआ। कार्यशाला का उद्देश्य युवाओं को स्वावलंबन, सामाजिक नेतृत्व, उद्यमिता और रचनात्मकता की दिशा में प्रेरित करना है। तीन दिवसीय इस राज्य स्तरीय कार्यशाला में प्रदेश के विभिन्न जिलों से चयनित एनएसएस स्वयं सेवक भाग ले रहे हैं, जहाँ उन्हें प्रशिक्षण के साथ-साथ समूह चर्चा, उद्यमशीलता सत्र, प्रेरक भाषण, और अनुभव साझा करने जैसे सत्रों में भाग लेने का अवसर मिलेगा, यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 11 जुलाई से 13 जुलाई तक झूलेलाल मंगलम भवन बिलासपुर में आयोजित किया गया है।

शशिभूषण कान्नौजे ने रवाना होने से पूर्व कहा राष्ट्रीय सेवा योजना केवल सेवा का माध्यम नहीं, बल्कि यह युवा मन में सामाजिक चेतना और आत्मनिर्भरता की लौ प्रज्वलित करने का सशक्त साधन है। इस कार्यशाला के माध्यम से हमारे स्वयं सेवक नई सोच और ऊर्जा के साथ लौटेंगे।आज का युवा केवल नौकरी का आकांक्षी नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बन सकता है। ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम उन्हें दिशा और दृष्टि देने में सहायक होते हैं। स्वावलंबन केवल आर्थिक स्वतंत्रता नहीं, बल्कि यह आत्मविश्वास, पहचान और समाज में सकारात्मक बदलाव की पहल है। हम इस कार्यशाला से नई प्रेरणा लेकर लौटेंगे।जिला संगठक के अनुसार, कार्यशाला के दौरान स्वयं सेवकों को सामाजिक नवाचार, ग्रामीण विकास, महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भर भारत जैसे विषयों पर कार्य करने की योजनाओं से अवगत कराया जाएगा। यह

''विश्व जनसंख्या स्थिरिकरण पखवाड़ा 2025''

जिला अस्पताल में हुआ शुभारंभ 18 जुलाई तक चलेगा

- थीम ''मां बनने की उम्र वही, जब तन और मन की तैयारी सही''

कोण्डागांव 13 जुलाई (देशबन्धु)। जिला स्वास्थ्य समिति कोण्डागांव के द्वारा कलेक्टर श्रीमती नुपुर राशि पन्ना के मार्गदर्शन में तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.आर.के. चतुर्वेदी के नेतृत्व में जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा 2025 मनाया जा रहा है। उक्त पखवाड़े का शुभारंभ जिला अस्पताल कोण्डागांव में किया गया जिसमें मुख्य रूप से सिविल सर्जन एवं सह अस्पताल अधीक्षक डॉ.प्रेम मंडावी, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ.रीता गेड़ाम, डॉ.ममता ठाकुर, डी.पी.एच.एन.ओ. सुश्री नितू कर्मकार एवं इंचार्ज सिस्टर तुलसी देवांगन और आरएमएनसीएचए काउंसलर सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित थे। इस पखवाड़े के अंतर्गत 11 जुलाई को ज़िला अस्पताल कोंडागांव में 09 महिलाओं को पीपीआईयूसीडी (कॉपर-टी) लगाया गया तथा 03 महिला नसबंदी की गई। यह पखवाड़ा 11 जुलाई से 18 जुलाई 2025 तक किया जाएगा। इस वर्ष पखवाड़े का थीम है ''मां बनने की उम्र वही, जब तन और मन की तैयारी सही'' पखवाड़े को सफल बनाने के लिए विकासखण्ड एवं जिला स्तर पर पुरूष एवं महिला नसबंदी को बढ़ावा दिया जा रहा है। यह एक स्थाई साधन जबकि इनके अतिरिक्त अस्थाई साधनों में गर्भनिरोधक गोलियां, कण्डोम, कॉपर-टी एवं अन्तरा इन्जेषन इत्यादि का प्रयोग किया जाता है। पुरूष एवं महिला नसबंदी में हितग्राही को 3000 रूपये नसबंदी पश्चात् शासन की तरफ से दिया जाता है। स्वास्थ्य विभाग जिला कोण्डागांव की ओर से जनसंख्या स्थरीकरण पखवाड़ा 2025 में अधिक से अधिक शामिल होने हेतु जनसमुदाय से अपील की गई है जिससे पखवाड़ा का सफल संचालन हो सके।

जेसीबी से उखाड़ी गई अवैध प्लाटिंग की सड़कें

बागबाहरा, 13 जुलाई (देशबन्धु)। राजस्व प्रशासन एवं नगर पालिका प्रशासन ने संयुक्त रूप से नगर में हो रहे अवैध प्लाटिंग के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करते हुए जेसीबी मशीन से कच्ची सड़को को उखाड़ दी गई है।

जिससे नगर में हड़कंप मच गया है। नगर के खाली पड़े जमीन पर अवैध प्लाटिंग करने की शिकायत लगातार नागरिकों से राजस्व विभाग एवं नगर पालिका अधिकारी को मिल रही थी। जिस पर प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई की है। जिला दंडाधिकारी एवं कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के निर्देशन तथा बागबाहरा एसडीएम उमेश कुमार साहू के मार्गदर्शन में राजस्व प्रशासन एवं नगर पालिका प्रशासन द्वारा नगर में |हो रहे अवैध प्लाटिंग पर रोक लगाते हुए अवैध कॉलोनी निर्माण स्थल पर बनी कच्ची सड़को को बुलडोजर से उखड़वा दी गई है। राजस्व प्रशासन के अनुसार रवि चंद्राकर के दो एकड़ एवं गिरीश राजपूत के साढ़े तीन एकड़ जमीन पर अवैध प्लाटिंग की जा रही थी। इस मामले में नगर पालिका प्रशासन ने पहले दोनों जमीन मालिकों को तत्सम्बन्ध में नोटिस भी जारी किया था। उसके बाद भी अवैध प्लाटिंग का काम धड़ल्ले से चल रहा था। यह कार्रवाई नगर के लालपुर-सोनदादर मार्ग

एवं पिथौरा रोड में सिलापडेरा के पास स्थित अवैध प्लाटिंग पर की गई है। दोनों ही स्थानों पर बिना अनुमति लिए भूमि का अवैध रूप से विभाजन कर प्लाटिंग की जा रही थी जो नियमों के स्पष्ट उल्लंघन की श्रेणी में आता है। दोनों विभाग द्वारा की गई संयुक्त कार्रवाई के दौरान बागबाहरा के नवपदस्थ तहसीलदार नितिन ठाकुर, राजस्व निरीक्षक देवराज बेहरा, हल्का पटवारी, रुपेश सिन्हा, नगर पालिका के उपयंत्री शशि प्रताप सिंह की उपस्थिति में अवैध प्लाटिंग पर मौके पर जाकर निरीक्षण कर यह कार्रवाई की गई।

डीईओ बरकरार, हटाए गए चारों बीईओ बच्चों की मेहनत से गौरवान्वित हो रहा विभाग

- सरकार ने विभाग को बनाया एटीएम
- नहीं की गई नए बीईओ की पोस्टिंग

दंतेवाड़ा, 13 जुलाई (देशबन्धु)। शिक्षा विभाग में प्रदेश स्तर पर व्यापक फेरबदल हुए। दंतेवाड़ा में जिला शिक्षा अधिकारी का तबादला नहीं हुआ, जबकि उनके तबादले की काफी चर्चा थी। उनकी जगह आने वाले दो-तीन लोगों के नाम पर भी कयास लगाए जा रहे थे, लेकिन जम्बो तबादला सूची में दंतेवाड़ा अछुता रहा। विकास खण्ड स्तर पर चारों ब्लाक के बीईओ यानि विकास खंड शिक्षा अधिकारियों को हटाया गया। दंतेवाड़ा, गीदम, कुआकोंडा और कटेकल्याण ब्लाक में अब नए बीईओ आयेंगे, लेकिन तबादला सूची में इनकी पोस्टिंग नहीं की गई है। बीईओ की पोस्टिंग नहीं होने पर कई तरह की चर्चा यहां चौक-चौराहे पर हो रही है। लोग खुलेआम बोल रहे हैं कि भाजपा सरकार में बीईओ और डीईओ के पद की बोली लग रही है और इसी वजह से यहां न तो डीईओ का स्थानांतरण हुआ और न ही नये बीईओ की पोस्टिंग हुई। भाजपा सरकार के डेढ़ साल में दंतेवाड़ा शिक्षा विभाग की बात करें तो यहां कांग्रेस सरकार के समय से पदस्थ शिक्षा विभाग के अफसर और अधीक्षक ही काम कर रहे हैं। भाजपाई इनके तबादले को लेकर एड़ीचोटी का जोर भी लगा चुके हैं, लेकिन उनकी कहीं सुनवाई नहीं हो रही है। अधीक्षकों को हटाने और पोस्टिंग के मामले में भी यहीं बात सामने आ रही है। कई-कई अधीक्षक दो-दो संस्थाओं में अपनी सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन इनकी कार्य कुशलता का न तो परीक्षण हो रहा है और न ही उनकी जगह कोई नई पोस्टिंग की जा रही है। इधर शिक्षा में सफलता को लेकर 10वीं-12वीं के परिणाम राज्य स्तर पर जिले को गौरवान्वित करने वाले रहे। प्रशासन की कठोरता और बच्चों की मेहनत ने जिले का नाम रोशन किया, लेकिन निचले स्तर पर मॉनिटरिंग अफसरों की लापरवाही से अब स्थितियां बिगड़ रही हैं। उम्मीद की जा रही है कि आने वाले कुछ दिनों में जिले के विकास खण्डों में नये बीईओ की पोस्टिंग हो जाएगी, जबकि वर्तमान डीईओ ही आगे कंटिन्यू करेंगे, चर्चा ऐसी भी है।

मोतीलाल नेहरू वार्ड में दो दिवसीय शिविर बांटी गई मेडिकेटेड मच्छरदानी

जगदलपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। बरसात के मौसम में मलेरिया, डेंगू जैसी गंभीर बीमारियों से बचाव के लिये स्वास्थ्य विभाग द्वारा शहर के सभी 48 वार्डों में मेडिकेटेड मच्छरदानी का वितरण किया जा रहा है। मोतीलाल नेहरू वार्ड में शनिवार व रविवार को स्थानीय पत्रकार भवन परिसर में दो दिवसीय शिविर लगा कर वार्ड वासियों को मेडिकेटेड मच्छरदानी वितरित की गयी और साथ ही लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। शिविर में पूर्व नगर मण्डल महामंत्री आर्येन्द्र सिंह आर्य ने कहा कि भाजपा की प्रदेश सरकार जनस्वास्थ्य को लेकर सजग व संवेदनशील है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में स्वस्थ परिवार, स्वस्थ प्रदेश के लक्ष्य को लेकर ही मच्छरदानी वितरण का बड़ा कार्य पूर्णता पा रहा है। मोतीलाल नेहरू वार्ड पार्षद आलोक अवस्थी ने कहा कि राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत वार्ड में सर्वप्रथम गर्भवती व शिशुवत महिलाओं एवं बुजुर्गों को प्राथमिकता में मच्छरदानी वितरित की जा रही है। स्वास्थ्य कर्मियों व मितानीन बहनों का सहयोग सराहनीय है। भाजपा पूर्वी जगदलपुर मण्डल अध्यक्ष अविनाश श्रीवास्तव ने संबोधन में स्वास्थ्य के प्रति लोगों को जागरूक रहने कहा। मच्छरदानी वितरण शिविर में पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष विद्या शरण तिवारी, शशिनाथ पाठक, विक्रम सिंह यादव, अजय शंकर त्रिवेदी, रोहित त्रिवेदी, अतुल कौशल, योगेश पाणिग्रही, स्वास्थ्य विभाग कर्मियों में एएनएम रजनी मालगांवकर, एमपीडब्ल्यू शैलेन्द्र सिंह, रीता वर्मा, चितेश्वरी मौर्य, मितानीन बहन रमा प्रभु, राजेश्वरी निर्मलकर,रेखा पाढ़ी मौजूद रहे।

प्रादेशिकी का शेष...

आमचो बस्तर-पहचान बस्तर...

जनपद पंचायत, सम्बंधित विभाग, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एसडीएम, तहसीलदार, राजस्व अधिकारी, सुपर एडमिन, जनदर्शन शाखा और ब्लड बैंक को रखा गया है । इसके अलावा डैशबोर्ड में राजस्व पखवाड़ा डैशबोर्ड, जनदर्शन डैशबोर्ड, ग्राम सचिवालय प्रबंधन, सार्वजनिक आवेदन, समय सीमा प्रबन्धन और ब्लड बैंक मॉड्यूल्स को रखा गया है ।

इनरव्हील क्लब द्वारा महिलाओं के स्किल डेवलपमेंट हेतु वर्कशॉप

- महिलाएं आत्मनिर्भर होकर समाज के उत्थान में दें अपना सहयोग - लाइबा चामड़िया

जगदलपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। इनरव्हील क्लब जगदलपुर द्वारा विश्व युवा कौशल दिवस के उपलक्ष में महिलाओं को स्किल डेवलपमेंट में सक्षम बनाने के उद्देश्य से पार्टी मेकअप एवं ग्रूमिंग की वर्कशॉप आयोजित की जाएगी। इस वर्कशॉप में जगदलपुर की प्रसिद्ध ब्यूटिशियन पूजा भाटिया द्वारा महिलाओ को पार्टी मेकअप एवं ग्रूमिंग की सम्पूर्ण जानकारी और लाइव मेकअप मॉडल पर डेमो दिया जायेगा। क्लब की अध्यक्ष लाईबा चामड़िया द्वारा जानकारी दी गई की इस वर्कशॉप का मुख्य उद्देश्य महिलाओ में स्वरोजगार और कौशल विकास से सशक्तिकरण प्रदान करना है ताकि महिलाये भी समाज में अपना योगदान देकर एक बेहतर राष्ट्र के निर्माण में अपना सहयोग दे सके।

क्लब की सचिव प्रीती आज़ाद द्वारा जानकारी दी गयी कि वर्कशॉप 22 जुलाई को शाम 04 बजे से 06 बजे तक होटल अविनाश इंटरनेशनल के कलिंगा हॉल में आयोजित किया जायेगा जिसका पंजीयन सीमित रहेगा और 21 जुलाई तक खुला रहेगा और पंजीयन शुल्क मात्र 499 का होगा जिसमे इनरव्हील क्लब द्वारा सर्टिफिकेट ऑफ़ पार्टिसिपेशन दिया जायेगा ।

शाउमवि छिंदबाहर में मना गुरू पूर्णिमा पर्व

- प्राचार्य बुधराम कश्यप ने 27 अनाथ बच्चों को नि:शुल्क पाठ्य सामग्री का किया वितरण, स्कूल फीस भी किया माफ

जगदलपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। विकास खण्ड दरभा अंतर्गत शाउमवि छिंदबहार में गुरु पूर्णिमा पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर संस्था के प्रभारी प्राचार्य बुधराम कश्यप द्वारा गुरु पूर्णिमा व अपने जन्मदिन पर अनाथ व निर्धन विद्यार्थियों को पुस्तक - कापी, पेन आदि का वितरण किया गया। साथ ही इन बच्चों की स्कूल फीस माफ किए जाने की घोषणा प्राचार्य बुधराम कश्यप किया गया। उन्होंने कहा कि जिन बच्चों के माता पिता इस दुनिया में नहीं होते हैं ऐसे बच्चों को पढ़ाई में अनेक समस्याएँ आती हैं और इन्हें पुस्तक, कापी एवं फीस आदि की व्यवस्था नहीं हो पाने के कारण बीच में ही पढ़ाई छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं। इन्हीं सब बातों को ध्यान में रखते हुए प्रभारी प्राचार्य बुधराम कश्यप द्वारा ऐसे बच्चों कि मदद के लिये पहल की। साथ ही इन बच्चों के अलावा स्कूल के और भी गरीब जरूरतमंद बच्चों को नगद के रूप में फीस के लिए तथा 12 वीं उत्तीर्ण कई बच्चों को कॉलेज में प्रवेश हेतु ऑनलाइन फॉर्म भरने में लगाने वाली राशि का भी बुधराम कश्यप द्वारा सहयोग इसी सत्र में किया गया। श्री कश्यप के द्वारा हर साल बच्चों को कुछ ना कुछ गुप्त दान के रूप से पुस्तक, कापी,फीस के लिए नगद राशि देकर सहयोग किया जाता रहा है। इस दौरान श्री कश्यप के द्वारा संस्था के समस्त स्टॉफ ने उन्हें जन्म दिन की बधाई देते हुए यादगार स्मृति स्वरूप पेन प्रदान किया गया। अंत में एक पेड़ मां के नाम पर पौधरोपण किया गया। घर में लगाने हेतु बच्चों को पौधा भी वितरण किया गया। इस अवसर पर व्याख्याता डॉ.अखिलेश त्रिपाठी, दीनबंधु नाग, डॉ.तुलादास मानिकपुरी, डॉ. लुदरसन कश्यप, उषा कश्यप, मनोहर सिंह बरनाला, प्रमोद कुमार मरावी, सुबोध शुक्ला, नोहर सिंह सलाम, दिनेश नाग, देवचन्द सेठिया, हेमंत मांझी, जगन्नाथ समरथ तथा बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

ट्रक की चपेट में आने से स्कूटी सवार की मौत

कोण्डागांव 13 जुलाई (देषबन्धु)। ट्रक की चपेट में आने से एक स्कूटी सवार की मौके पर ही मौत हो जाने की घटना जिला मुख्यालय कोण्डागांव के भीतर नो एंट्री में हुई और हादसे के बाद ट्रक चालक फरार हो गया। जिला मुख्यालय कोंडागांव के बीच से गुजरने वाली रा.रा.-30 के किनारे राम मंदिर के सामने शनिवार रात को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। बताया जा रहा है कि ट्रक चालक गति सीमा को नजर अंदाज ट्रक चलाते हुए जा रहा था और तभी एक स्कूटी ट्रक की चपेट में आ गई, जिससे स्कूटी सवार युवक ट्रक के नीचे आकर कुचल गया और स्कूटी चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक युवक की पहचान मोहित सोनी यूपी निवासी के रूप में किया गया है। ज्ञात हो कि रा.रा.-30 के जिस स्थान पर उक्त सड़क हादसा हुआ है, उसे कुछ दिनों पूर्व ही राम मंदिर तालाब का रिटेनिंग वॉल टूटने के कारण भारी वाहनों की आवाजाही को बंद कर दिया गया था, लेकिन हाल ही में बेरिकेट हटाकर यातायात शुरू किया गया था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रक तेज़ रफ्तार

से दौड़ रही थी और स्कूटी को चपेट में लेते हुए ट्रक आगे बढ़ गया। स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी, कोण्डागांव पुलिस मौके पर पहुंची और कानूनी प्रक्रिया प्रारम्भ किया। हादसे के बाद गुस्साए लोगों ने प्रशासन से सड़क पर भारी वाहनों की आवाजाही पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है।

अवैध प्रेम संबंध से जुड़े हत्या मामले में पुलिस को मिली बड़ी सफलता

◆ हत्या के आरोप में फरार आरोपी गिरफ्तार

कोण्डागांव 13 जुलाई (देशबन्धु)। 30 जून को मगेदा जंगल पाउरवेल (उड़ीसा) जाने वाले कच्चे रास्ते पर एक अज्ञात पुरुष का शव संदिग्ध अवस्था पाए जाने की सूचना पर थाना माकड़ी में मर्ग क्र.27/2025 धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत दर्ज कर मामला हत्या से संबंधित होना पाए जाने से अपराध धारा 103 बीएनएस के तहत पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक कोण्डागांव वाय. अक्षय कुमार के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कौशलेन्द्र देव पटेल के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी कोण्डागांव रुपेश कुमार के नेतृत्व में एक विशेष जांच टीम गठित की गई। इस टीम ने जांच के विभिन्न पहलुओं को चिह्नित कर तकनीकी और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से जांच प्रारंभ की। मृतक के पहने हुए पैंट में से एक जली हुई पीले रंग का एंटी-रैबिस अस्पताल पर्ची मिला, जिसमें नाम च्धर्मवीर, 33 वर्ष, निवासी नाथम अंकित था। मृतक के पास मिले एंटी-रैबिस वैक्सीन शेड्यूल कार्ड के आधार पर तमिलनाडु के धरमपुरी अस्पताल से संपर्क किया गया तथा जिससे अस्पताल में मृतक द्वारा दर्ज कराई गई अपनी व्यक्तिगत जानकारी एवं मोबाईल नम्बर के आधार पर उसके मालिक से पूछताछ करने पर बताया कि उसका स्वास्थ्य खराब होने से ईलाज हेतु अस्पताल भर्ती किये थे, जिसे 27 जून को उसका मित्र विदेश मरकाम उर्फ लम्बू लेकर चला गया। जिसके बाद उसकी कोई जानकारी नहीं है। तमिलनाडू से जानकारी प्राप्त हुआ कि धर्मवीर नेताम निवासी नगरी, थाना नगरी, जिला धमतरी, छग और उसकी पत्नी रवीना नागरची उक्त पते पर निवासरत है। जिसपर रवीना नागरची व परिजनों से सम्पर्क कर शव के फोटो को दिखाया, तो धर्मवीर नेताम के रूप में अज्ञात शव की पहचान की।

जॉच के दौरान पुलिस ने क्षेत्र के सभी उपलब्ध सीसीटीवी फुटेज का गहन अवलोकन किया और मोबाइल टावर डेटा का विश्लेषण करके मोबाईल डाटा के अवलोकन में पाया कि घटना के बाद विदेश मरकाम, लगातार अपना लोकेषन व मोबाईल नम्बर चेंज कर रहा है। इसी दौरान विदेश मरकाम के तमिलनाडू से कोण्डागांव की ओर वापस आने की जानकारी मिलने पर थाना माकड़ी एवं सायबर टीम ने अलग-अलग स्थानों पर घेराबंदी किया और विदेश मरकाम को कोण्डागांव बस स्टैण्ड से पकड़ा, अभिरक्षा में लेकर पूछताछ करने पर आरोपी ने बताया कि उसकी और मृतक की पत्नी रवीना के बीच प्रेम संबंध थे। इस बात को लेकर मृतक धर्मवीर, लगातार अपनी पत्नी रवीना को मारपीट करता था, जिससे परेशान होकर दोनों ने मिलकर धर्मवीर को मारने का प्लान बनाया था।

27 जून को मृतक धर्मवीर का स्वास्थ्य खराब होने की सूचना मिलने पर मृतक की पत्नी रवीना के कहने पर पूर्व नियोजित हत्या के प्लान को अंजाम देने के लिये विदेश मरकाम धरमपुरी तमिलनाडू जाकर धर्मवीर को साथ लेकर नगरी आने के लिए रवाना हुआ, मृतक धर्मवीर को रास्ते की जानकारी न हो, यह सोचकर अलग-अलग स्थानों पर शराब पिलाया और नगरी न ले जाकर उड़ीसा के रायघर लेकर पहुंचा, जहां धर्मवीर को मारने के लिये एक क्रिकेट बैट व शव की पहचान छुपाने व जलाने के लिए 02 लीटर पेट्रोल तथा माचिस खरीदा। रायघर से पूर्व नियोजित मगेदा के जंगलों में ले जाकर उसे पुनः शराब पिलाकर पास में रखे क्रिकेट बैट से उसके सिर पर लगातार वार कर हत्या करके पेट्रोल से जलाने का प्रयास किया परन्तु उस दौरान अत्यधिक बारिश होने की वजह से जल नहीं पाया। वहीं पुलिस के अथक मेहनत, प्रयास तथा तकनीकी टीम की सहायता से मृतक की पहचान कर आरोपियों तक पहुंचने में कोण्डागांव पुलिस सफल हुई। विदेश मरकाम पिता लच्छानाथ 30 वर्ष ग्राम कंडेतरा थाना कुदई जिला नवरंगपुर उड़ीसा व रवीना गागरची उर्फ रविना नागेश पति स्व.धमरवीर सिंह कमार उर्फ नेताम 23 वर्ष उमरगांव थाना सिहावा जिला धमतरी हाल पता कुकरेल थाना केरेगांव थाना नगरी जिला धमतरी को गिरफ्तार किया गया।

मामला सुलझाने में सायबर सेल से निरीक्षक सौरभ उपाध्याय, उनि अमिताभ खण्डेकर, प्रआर. लूमन भण्डारी, अजय बघेल, रीतूराज सिंह, आरक्षक जितेन्द्र यादव, मनोज मरकाम, बीजू यादव, कृष्णा मरकाम अजय देवांगन, चंदन यादव, परमेष्वर साहू, संतोष कोडोपी, बीजू यादव, बिरझू सोरी, जितेन्द्र मरकाम, थाना माकड़ी से निरीक्षक विकास बघेल, सउनि गिरीश कतलम, सुमीत्रा सेठिया प्रआर दषरथ मकराम, मोनाराम मण्डावी आरक्षक धन्नूराम पटेल, सुखदेव कुंजाम, महिला आरक्षक सुगंतीन का विशेष सहयोग रहा।

शासकीय हाई स्कूल बालेंगा में मनाया गया शाला प्रवेशोत्सव

कोण्डागांव 13 जुलाई (देशबन्धु)। कोंडागांव जिले के विकास खंड बड़ेराजपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत बालेंगा स्थित शासकीय हाई स्कूल बालेंगा के प्रांगण में 10 जुलाई को शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम धुमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्या की देवी मां सरस्वती और छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया जिसमें शासकीय हाई स्कूल बालेंगा में नव प्रवेशी बच्चों को दाखिला दिलाने के लिए शाला प्रवेश उत्सव अभियान के तहत उनका स्वागत तिलक लगाकर किया गया एवं पुस्तक वितरण किया गया। साथ ही कक्षा दसवीं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया गया एवं एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधा रोपण किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि सुकमन नेताम जनपद अध्यक्ष बड़ेराजपुर, सुकमन मरकाम सरपंच

प्रतिनिधि बालेंगा, शिवलाल मरकाम पूर्व जनपद सदस्य, सुखमन सलाम भूतपूर्व सरपंच, सोमलाल नेताम, सगराम मरकाम ग्राम पटेल, जयलाल मरकाम, हेमलाल नेताम भूतपूर्व जनपद सदस्य, छेदीलाल मरकाम, समस्त वार्ड पंच, संस्था के शिक्षक, शिक्षिका और अभिभावक मौजूद रहे।

बच्चों की सुविधाओं को लेकर दिए सख्त निर्देश, एक सप्ताह में व्यवस्था सुधारने को कहा

कलेक्टर ने पालना केंद्र, बाल गृह एवं आंगन बाड़ी का किया निरीक्षण

कोण्डागांव 13 जुलाई (देशबन्धु)। कोण्डागांव कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना ने शनिवार को जिले के विभिन्न शासकीय संस्थानों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जिला कार्यालय परिसर स्थित पालना केंद्र, गांधी वार्ड स्थित बालक बालगृह, तहसीलपारा स्थित बालिका बालगृह तथा बाजारपारा स्थित आदर्श आंगन बाड़ी केंद्र का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कलेक्टर ने सबसे पहले पालना केंद्र का निरीक्षण किया, जहाँ उन्होंने बच्चों की उपस्थिति की जानकारी ली। उन्होंने केंद्र में पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था सुनिश्चित करने और दीवारों को आकर्षक रंग-रोगन करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही किचन का अवलोकन कर बच्चों को दिए जा रहे पोषण आहार की गुणवत्ता के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इसके बाद गांधी वार्ड स्थित बालक बालगृह का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने वहां रोशनी की कमी पर असंतोष जताया और पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था के निर्देश दिए। साथ ही बच्चों के लिए उपयोग में लाए जा रहे गद्दे, बेडशीट और कंबलों को बदलने के निर्देश भी दिए। उन्होंने स्टडी कक्ष और कम्प्यूटर कक्ष का अवलोकन किया और बच्चों को कम्प्यूटर चलाने के लिए कहा, जहाँ कम्प्यूटर ख़राब और बिना कीबोर्ड के पाये गए। निरीक्षण के दौरान जब कलेक्टर को संस्थान में आवश्यक सुविधाओं की कमी मिली, तो उन्होंने संस्थान प्रमुख को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने बाजारपारा स्थित आदर्श आंगन बाड़ी केंद्र का भी निरीक्षण किया, जहाँ उन्होंने केंद्र में मौजूद सुविधाओं के साथ-साथ पुनर्निर्माण के तहत किए गए कार्यों की प्रगति देखी। तहसीलपारा स्थित बालिका बालगृह में भी कलेक्टर ने बच्चों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और परिसर की व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने यहां भी गद्दे और बेडशीट बदलने के निर्देश दिए तथा बच्चों को समय पर पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने को कहा। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि एक सप्ताह के भीतर सभी संस्थानों में आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए ताकि बच्चों को सुरक्षित, स्वच्छ और अनुकूल वातावरण मिल सके।

निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण नहीं होने पर ठेकेदारों पर होगी कार्रवाई: कलेक्टर

◆ लोक निर्माण विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित

कोण्डागांव 13 जुलाई (देशबन्धु)। कोण्डागांव कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना की अध्यक्षता में शनिवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभा कक्ष में लोक निर्माण विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में चल रहे पुल-पुलिया और सड़क निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। इस अवसर पर निर्माण कार्यों से जुड़े ठेकेदार भी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने निर्माण कार्यों में आ रही बाधाओं की जानकारी ली और कार्यों में हो रही देरी पर नाराज़गी जताई। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण नहीं किए गए तो संबंधित ठेकेदारों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि शासन की प्राथमिकता के इन विकास कार्यों को गंभीरता से लेते हुए गुणवत्ता एवं समयबद्धता दोनों का पालन किया जाना अनिवार्य है। बैठक में कई ठेकेदारों की अनुपस्थिति पर कलेक्टर ने असंतोष जताते हुए लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को ऐसे ठेकेदारों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर चित्रकांत चार्ली ठाकुर सहित लोक निर्माण विभाग के अधिकारीगण एवं संबंधित ठेकेदार उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ जशपुर के गांव से निकला भारत का सबसे तेज धावक अनिमेष कुजूर

कोण्डागांव 13 जुलाई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ राज्य के जशपुर का नाम इन दिनों देश भर में गूंज रहा है, जिसका श्रेय 22 वर्षीय धावक अनिमेष कुजूर को जाता है। उन्होंने पांच जुलाई को ग्रीस के वारी शहर में आयोजित ड्रोमिया इंटरनेशनल स्प्रिंट मीट में 100 मीटर दौड़ को मात्र 10.18 सेकंड में पूरा कर सबको चौंका दिया। इस प्रदर्शन के साथ उन्होंने तीसरा स्थान प्राप्त किया, यह साबित करते हुए कि छोटे से गांव घुईटांगर से निकलकर भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता हासिल की जा सकती है। अनिमेष के माता-पिता बलदौबाजार जिले में पुलिस विभाग में कार्यरत हैं। अनिमेष कुजूर भारत के सबसे तेज धावक बन गए हैं, उन्होंने 10.18 सेकेंड में 100 मीटर रेस पूरी कर नेशनल रेकॉर्ड गुरिंदरवीर सिंह का 10.20 सेकेंड को तोड़ा। कुजूर 100 व 200 मीटर दौड़ में सबसे तेज भारतीय एथलीट हैं। उन्होंने इससे पहले दक्षिण कोरिया में एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की 200 मीटर दौड़ में 20.32 सेकेंड का समय निकाला था। उन्होंने अपना ही 20.40 सेकेंड का नेशनल रेकॉर्ड तोड़ा। एथलेटिक्स के ट्रैक इवेंट के प्रशिक्षक अब इस खिलाड़ी में देश के लिए ओलंपिक में एक नई उम्मीद देख रहे हैं। अनिमेष की इस उपलब्धि पर मुख्य मंत्री विष्णुदेव साय ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पोस्ट पर

बधाई देते हुए कहा- आपकी यह ऐतिहासिक उपलब्धि हर युवा को आगे बढ़ने की प्रेरणा देगी, छत्तीसगढ़ को आप पर गर्व है। इस उपलब्धि पर छत्तीसगढ़ एथलेटिक्स संघ के अध्यक्ष महेन्द्र आहूजा, महासचिव अमरनाथ सिंह, जिला सचिव ऋषिदेव सिंह कोण्डागांव, रविंद्र पटनायक जगदलपुर, प्रभा जैन कांकेर सहित एथलेटिक्स संघ पदाधिकारी सूर्य प्रकाश राव, गणेश लेकाम, संजय राठौर, प्रभाकर सिंह, रामेश्वर राव, गुप्तेश्वर नाग, लीना तिवारी, दंतेश्वरी नायडू व्यायाम शिक्षक-शिक्षिकाओं ने बधाई दी।

नवनियुक्त बस्तर संभागाध्यक्ष एसपी विश्वकर्मा का किया सम्मान पेंशनरों ने

कोण्डागांव 13 जुलाई (देशबन्धु)। 11 जुलाई को कोण्डागांव के पेंशनरों द्वारा बैठक आहूत करके नवनियुक्त बस्तर संभागाध्यक्ष एसपी विश्वकर्मा का सम्मान सभी उपस्थितों द्वारा तिलक लगाकर एवं मुंह मीठा करके किया गया। प्रांतीय कार्यकारिणी द्वारा कोंडागांव जिले को संभागीय अध्यक्ष पद देकर जिले को गौरवान्वित करने के लिए सभी पेंशनरों ने प्रांताध्यक्ष डॉ.डी.पी.मनहर को धन्यवाद ज्ञापित कर आभार व्यक्त किया। नवनियुक्त संभाग अध्यक्ष एसपी विश्वकर्मा ने सभी के सहयोग से बस्तर संभागीय कार्यकारिणी का विस्तार करने के पश्चात् संभाग स्तर के सभी समस्याओं एवं कार्यों को सुचारू रूप से करने के लिए विश्वास दिलाया गया। उपस्थित पेंशनरों के द्वारा छत्तीसगढ़ पेंशनधारी कल्याण संघ जिंदाबाद, पेंशनर्स एकता जिंदाबाद। हम सब एक हैं। के नारे भी लगाए

गए। बैठक में एसपी विश्वकर्मा जिला कोंडागांव एवं बस्तर संभाग अध्यक्ष, जी.जी.देवांगन संरक्षक, नासिर अली, डी.आर.कश्यप, राजेंद्र गोन्नाडे, जिला सचिव एन.के.अधिकारी, कोषाध्यक्ष बी.एन. भट्टाचार्य, आर.एस.पांडे उपाध्यक्ष, उपाध्यक्ष आई.सी.निषाद, आर.एस.श्रीवास्तव, आर.बी.सिंह, श्रीराम बाघ, देवेंद्र पाणिग्राही, डी.एस.नेताम तथा संग्राम सिंह यादव उपस्थित रहे। वहीं बैठक में 1- मध्य प्रदेश तथा छत्तीसगढ़ पेंशनरों के हित में बाधक धारा 49/6 को विलोपित करने मुख्य मंत्री के नाम पोस्टकार्ड पत्र लेखन सभी सदस्यों द्वारा किए जाने तथा 2- केंद्रीय कर्मचारियों तथा पेंशनरों के डी.ए.बढ़ने के साथ-साथ उसी दिनांक से मध्य प्रदेश तथा छत्तीसगढ़ के पेंशनरों को भी जनवरी 2025 से बढ़े हुए लंबित डीए, डीआरए भुगतान करने हेतु आदेश करने बाबत् मुख्य मंत्री के नाम पोस्टकार्ड लेखन कर प्रस्तुत करने के सम्बन्ध में चर्चा करके दोनों बिंदुओं का पालन करने सभी को निर्देशित किया गया।

मरार पटेल समाज की बस्तर जोन स्तरीय बैठक

प्रदेश अध्यक्ष सुनील पटेल के साथ प्रदेश कार्यकारिणी रही मौजूद

कोण्डागांव 13 जुलाई (देशबन्धु)। कोसरिया मरार पटेल समाज बस्तर संभाग की जोन स्तरीय बैठक कोंडागांव स्थित शीतला माता मंदिर में आयोजित की गयी, जिसमें बस्तर संभाग अंतर्गत सभी समाज प्रमुख की मौजूदगी में समाज की इष्टदेवी माता शाकम्भरी देवी की पूजा अर्चना कर कार्यक्रम की शुरुआत की गयी। यह बैठक प्रदेश अध्यक्ष सुनील पटेल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। जिसमें सम्पूर्ण प्रदेश को एकजुट करने ग्राम स्तर को प्रदेश से जोड़ने प्रत्येक ग्राम समिति से 6 सदस्यों को प्रदेश से जोड़ने की दिशा मे समाज अग्रसर होकर कार्य करने की योजना बनी। जन्म, विवाह, मृत्यु संस्कार, की जानकारी किस तरह से सम्पन्न होती है, की जानकारी एकत्रित किया जा रहा है, जिसपर सभी की सहमति बनी। सामाजिक जनगणना कार्यक्रम की शुरुआत पर सहमति बनी। 2026 में सामाजिक जागरूकता अभियान के तहत जिला जोन स्तरीय महोत्सव आयोजन किए जाने पर सहमति बनी। आज के बदलते परिवेश और खर्चीली शादियों से सामाजिक जनों के जेब को हल्का हो के उद्देश्य से आदर्श विवाह की योजना पर जोर दिया गया। कम से कम जिले में आदर्श विवाह हो। बैठक के दौरान प्रदेश अध्यक्ष सुनील पटेल ने कहा मरार समाज विकासशील समाज है, लगातार सामाजिक एकजुटता का परिचय देते हुए समय समय पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करता है। अभी

जोन स्तरीय बैठक के माध्यम से सभी क्षेत्रों में जाकर जानकारियां एकत्रित कर रहे हैं। बैठक के दौरान प्रदेश अध्यक्ष सुनील पटेल, कोषाध्यक्ष लीलार सिंह पटेल, उपाध्यक्ष खेलु पटेल, रोहित पटेल, महामंत्री कुबेर पटेल, व्यापारी प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष कमलेश पटेल, युवा प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष रितेश पटेल, सांस्कृतिक प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष सत्कार पटेल, संगठन मंत्री अशोक पटेल, दुर्ग जिला अध्यक्ष आत्माराम पटेल, कांकेर जिला अध्यक्ष रामकुमार पटेल, घनश्याम पटेल, हिरासिंग पटेल, पूरन पटेल, बीरद पटेल, कमलकांत पटेल, भुनेश्वर चौधरी, कृष्णा पटेल, अर्जुन पटेल, यज्ञ प्रसाद पटेल, ओमकार पटेल, मूलचंद पटेल, गुलेन्द्र पटेल, लखन पटेल सहित सामाजिक जन भारी संख्या में मौजूद रहे।

स्वामी आत्मानंद स्कूल बांसकोट में एक पेड़ मां के नाम अभियान ने भरी हरियाली की नई साँस

फरसगांव/बडेराजपुर 13 जुलाई (देशबन्धु)। विकासखंड बडेराजपुर के स्वामी आत्मानंद शासकीय इंग्लिश मीडियम स्कूल बांसकोट में शुक्रवार को च्एक पेड़ मां के नामज् अभियान के तहत एक अनूठा और प्रेरणादायक वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस पहल में स्कूल के सभी बच्चों और शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और परिसर को नारियल, कटहल, जामुन सहित विभिन्न प्रकार के फलदार पौधों से हरा-भरा कर दिया। इस अवसर पर संस्था के प्राचार्य अमर सिंह नेताम ने बच्चों को पर्यावरण संरक्षण का महत्व समझाया। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को अपने-अपने घरों में भी एक-एक पौधा लगाने के लिए प्रेरित किया और वृक्षारोपण की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश

डाला। प्राचार्य नेताम ने बताया कि वृक्ष हमारे जीवन के लिए क्यों महत्वपूर्ण हैं और कैसे वे हमें स्वच्छ हवा, फल और छाया प्रदान करते हैं।

इस महत्वपूर्ण पहल के दौरान, सभी बच्चों ने अपने लगाए हुए पौधों की देखभाल करने और उन्हें सुरक्षित रखने का संकल्प लिया। यह अभियान न केवल स्कूल परिसर में हरियाली बढ़ाएगा, बल्कि बच्चों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी और जागरूकता की भावना भी पैदा करेगा। स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल बाँसकोट की यह पहल निश्चित रूप से अन्य शिक्षण संस्थानों के लिए एक प्रेरणा स्रोत बनेगी, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रकृति से जुड़ने और उसकी रक्षा करने के लिए प्रोत्साहित करेगी।

जायजा | राजेश्वरी एस.एम. डायरेक्टर आर.एल. का कोण्डागांव भ्रमण

सी-मार्ट, शिल्प नगरी और महिला समूहों की आजीविका गतिविधियों का लिया जायजा

कोण्डागांव 13 जुलाई (देशबन्धु)। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन डायरेक्टर-आर.एल. श्रीमती राजेश्वरी एसएम ने शुक्रवार को कोण्डागांव जिले का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने शिल्प नगरी कोण्डागांव और जिला स्तरीय सी-मार्ट का निरीक्षण किया तथा स्वयं सहायता समूहों द्वारा उत्पादित सामग्रियों को बढ़ावा देने और उनके विपणन हेतु सी-मार्ट के माध्यम से बिक्री सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डायरेक्टर ने महिला स्व सहायता समूहों के दीदियों को 'लखपति दीदी' बनने

के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि उन्हें जिला व विकास खण्ड स्तर पर विभागीय योजनाओं में प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने समूहों को सब्जी उत्पादन, मुर्गी पालन, बकरी पालन, सुकर पालन, मछली पालन, किराना दुकान, फैंसी स्टोर, मक्का उत्पादन जैसी आजीविका गतिविधियों से जोड़ने की बात कही। उन्होंने आधुनिक कृषि तकनीकों जैसे ड्रीप सिंचाई, मचान पद्धति और मल्चिंग विधि को अपनाकर ऑर्गेनिक खेती को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया। भ्रमण के दौरान उन्होंने आईएफसी क्लस्टर अंतर्गत ग्राम बफना में महिला किसान श्रीमती शांति देवांगन एवं अनिता देवांगन के खेत का दौरा किया, जहाँ ड्रीप और मल्चिंग तकनीक से सब्जी उत्पादन हो रहा है। उन्होंने महिला किसानों से चर्चा कर उनकी उपलब्धियों की सराहना की। महिला किसानों ने बताया कि आईएफसी क्लस्टर से जुड़ने के बाद उनकी आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है और वे 2 से 2.5 लाख रुपये तक की वार्षिक आय अर्जित कर रही हैं। डायरेक्टर ने अन्य महिला समूहों को भी इसी तरह प्रेरित करने और उन्हें सशक्त बनाने के निर्देश दिए। भ्रमण के दौरान विनय सिंह, जिला मिशन प्रबंधक, कोण्डागांव ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत कोण्डागांव के मार्गदर्शन में संपूर्ण भ्रमण कराया। इस अवसर पर राजकुमार (डीपीएम-एलएच, जगदलपुर), कुंजलाल सिन्हा (डीपीएम- एफएम कोण्डागांव) एवं महेश्वर राठौर (आईएफसी एंकर) भी उपस्थित रहे।

संपादकीय

तालाबों में जान गंवाते मासूम

जून के अंतिम सप्ताह में पत्थलगांव के एक ग्राम में दो मासूमों की गांव के तालाब में डूबने से मौत हो गयी थी। अब जांजगीर-चाम्पा जिले से भी ऐसा ही हृदय विदारक समाचार मिला है। बलौदा थानांतर्गत भैंसतरा गांव की डबरी में डूबकर चार बच्चों की मौत हो गयी। इनके नाम हैं- पुष्पांजलि व तुषार श्रीवास (भाई-बहन, क्रमश: 9 व 5 साल), ख्याति केवट (4) और अंशिका यादव (8) पत्थलगांव की घटना में जहां स्कूल से वापसी में पड़ोस में रहने वाले दो बच्चे साइकल धोने के लिये तालाब में उतर गये थे, तो दूसरी घटना में ये बच्चे स्कूल से ही लौटते हुए नहाने के लिये पानी में उतर गये थे। इस तरह की अनगिनत घटनाएं तालाबों के राज्य छत्तीसगढ़ में होती रहती हैं, पर दुर्भाग्य से पालक व अभिभावक तो लापरवाही बरतते ही हैं, ग्राम पंचायतें भी लोगों को खुद की तथा बच्चों की सुरक्षा को लेकर जागरूक नहीं दिखतीं। डूबते हुए या तालाबों की दलदल तथा वनस्पतियों में उलझे वयस्क तो जान बचा लेते हैं पर बच्चे और किशोर जल्दी परास्त हो जाते हैं।

पत्थलगांव (अंबिकापुर) की जिस घटना का ऊपर जिक्र हुआ है वह केरजू गांव की है। स्कूल से लौटते हुए तालाब में आरव अग्रवाल व अंश अग्रवाल (क्रमश: 9 व 8 साल) अपनी साइकलें धोने गये थे। गहरे पानी में उतरने से उनकी मौत हो गयी। ऐसे ही, खल्लारी (महासमुन्द) थाना क्षेत्र के सोरम सिंघी में दुष्यंत निषाद (7 वर्ष) और द्रोण निषाद (8) कुछ मित्रों के साथ तालाब में नहाने गए थे। वे भी गहराई में उतरने से डूब गये। अन्य बच्चों की चीख-पुकार सुनकर ग्रामीण वहां पहुंचे। तब तक दोनों काल कलवित हो चुके थे। मई के बालोद के जगन्नाथपुर स्थित नवा तालाब में भी 5 साल का बच्चा डूबकर मरा था। राजनांदगांव के सोमनी थाना क्षेत्र में भी इसी प्रकार से दो की मौत हुई थी। भाई-बहन पूनम साहू (8 वर्ष) और तेजस (5) तालाब में मारे गये थे। सरगुजा के सिलसिला गांव में भी दो बच्चे तालाब में डूबे हैं। पिछले वर्ष अक्टूबर में धमतरी के एक गांव में दो सगी बहनें तथा उनके साथ गयी लड़की तालाब में डूब गयी थीं। लगभग 10 माह पहले रायपुर के राजेन्द्र नगर थाने के तहत एक तालाब में 8 और 10 साल के क्रमश: तेजस एवं विजय दीप भी डूब गये थे। ये भी शाला से नहाने चले गये थे।

ऐसी अनगिनत दुर्घटनाएं इसलिये होती हैं क्योंकि माता-पिता और अभिभावकों की जानकारी के बगैर बच्चे अकेले अथवा दोस्तों या सहेलियों के साथ तालाब नहाने चले जाते हैं। एक कारण यह भी होता है कि उनके मां-बाप, बड़े भाई-बहन, अभिभावक आदि कृषि कार्य अथवा मजदूरी करने चले गये होते हैं। कोशिश की जाये कि बच्चे तालाबों में अकेले नहाने न जायें। यथासम्भव कोई वयस्क उनके साथ रहे। बच्चे उनकी देखरेख में स्नानादि करें। बच्चे भी तालाबों की दलदल, गहराई, वनस्पतियों के खतरों को जानें। छोटे बच्चों को शाम या रात को तालाब न भेजा जाए।

शासन का ग्राम पंचायत विभाग तथा स्वयं ग्राम पंचायतों को चाहिये कि लोगों को सतर्क करें। ग्रामवासियों को बतलाया जाये कि बच्चों को नहाने या किसी भी काम के लिये अकेले न भेजें। किसी बड़े की उपस्थिति में वे नहायें अथवा तैरें अन्यथा मासूम ऐसे ही अपने प्राण गंवाते रहेंगे। जिस बड़ी तादाद में बच्चे तालाबों में डूबकर अपने प्राण गंवा रहे हैं वह दुर्भाग्यजनक है।

उल्टा पुल्टा

अब तो शक की इंतहा ही हो गई।
बीवी- तुम्हारे शर्ट पर एक भी बाल नहीं है।
सोनू- हां तो क्या?
बीवी- सच-सच बताओ कौन थी वह गंजी?

'प्रोजेक्ट छाँव' का आगाज

अधिकारी-कर्मचारियों और परिवारजनों के लिए स्वास्थ्य-सेवा शिविर

- मुख्यमंत्री के निर्देश पर रायपुर में शुरू हुआ प्रोजेक्ट छाँव
- कलेक्टर डॉक्टर गौरव सिंह एवं उनके परिजनों ने भी स्वयं स्वास्थ्य परीक्षण करवाया
- एक हजार से अधिक अधिकारी एवं उनके परिवार ने कराया जांच

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा नवाचार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए प्रोजेक्ट च्छाँवज्ज की शुरुआत सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में की गई। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रायपुर संभागायुक्त महादेव कावरे थे, कार्यक्रम की अध्यक्षता कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने की।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसके पश्चात मुख्य अतिथि कावरे ने सभी डॉक्टरों को पुष्प भेंट कर उनका स्वागत किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी के मार्गदर्शन में लगातार स्वास्थ्य के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। साथ ही शासकीय अधिकारी कर्मचारियों सहित आम जन के कल्याण के लिए कार्य किया जा रहा है। प्रोजेक्ट छाँव जिला प्रशासन की एक सराहनीय पहल है, जिसमें राजस्व विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों तथा उनके परिवारजनों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि प्रोजेक्ट च्छाँवज्ज शासकीय कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए प्रारंभ किया गया है। विभागों के अधिकारी और कर्मचारी सदैव जनसेवा में व्यस्त रहते हैं, इसलिए वे स्वयं और अपने परिवार के स्वास्थ्य की जाँच नहीं करवा पाते। मुख्यमंत्री जी के निर्देशानुसार सभी का स्वास्थ्य परीक्षण सुनिश्चित किया जा रहा है। इसी कड़ी में इस प्रोजेक्ट की शुरुआत आज राजस्व विभाग से की गई। इस स्वास्थ्य शिविर में स्वास्थ्य परीक्षण के साथ-साथ आयुष्मान कार्ड, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, श्रम कार्ड जैसी आवश्यक सेवाएँ भी उपलब्ध कराई गईं। कलेक्टर डॉ सिंह ने कहा कि इस प्रोजेक्ट के माध्यम से हम एक स्वस्थ और सशक्त समुदाय का निर्माण करना चाहते हैं। प्रोजेक्ट छांव में कलेक्टर से लेकर कोटवार तक सभी अपने परिवारजन सहित शामिल हुए। इस दौरान कलेक्टर डॉ गौरव सिंह की धर्मपत्नी एवं माताजी ने मैमोग्राफी सहित अन्य स्वास्थ्य जांच करवाई।

इस अवसर पर डॉ. गौरव सिंह ने सभी हेल्थ काउंटरों, बालको मेडिकल सेंटर की मोबाइल कैंसर डिटेक्शन वैन एवं एमजीएम आई हॉस्पिटल की मोबाइल आई क्लिनिक का निरीक्षण भी किया। यह प्रोजेक्ट च्छाँवज्ज शासकीय कर्मचारियों और उनके परिवारों के समग्र कल्याण के प्रति शासन की प्रतिबद्धता को दर्शाता है और एक स्वस्थ, सशक्त समाज के निर्माण में सहायक सिद्ध होगा। शिविर के दौरान मुख्य अतिथि द्वारा पाँच कोटवारों को मौके पर ही श्रमिक कार्ड बनवाकर प्रदान किए गए। कोटवार संघ द्वारा जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

ग्राम पिरदा के कोटवार बिरबल सिंह धीवर ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं जिला प्रशासन द्वारा हमारे लिए इस शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें उन्होंने बीपी, शुगर सहित अन्य स्वास्थ्य जाँचें कराईं। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार प्रकट किया। इस शिविर में विशेष रूप से मैमोग्राफी, सोनोग्राफी, टीबी जांच, बोन डेंसिटी चेक, ईसीजी, इको, ब्लड टेस्ट किया गया। इस अवसर पर रामकृष्ण, नारायणा, मेडीशाइन, बालाजी, ममता, बालको, लोटस, ग्लोबल, जिला अस्पताल के प्रोफेशनल डॉक्टर एवं स्टाफ ने प्रोजेक्ट छांव में अपनी सेवाएं दी।

महिलाओं के लिए मैमोग्राफी जांच: मैमोग्राफी एक विशेष प्रकार की एक्स-रे जांच है जो महिलाओं की स्तनों (ब्रेस्ट्स) की जांच के लिए की जाती है। इसका मुख्य उद्देश्य स्तन कैंसर की प्रारंभिक अवस्था में पहचान करना होता है, जब लक्षण अभी दिखाई नहीं देते हैं। सोनोग्राफी एक गैर-विकिरण आधारित जांच है जिसमें ध्वनि तरंगों का उपयोग कर शरीर के अंदरूनी अंगों की छवि बनाई जाती है। जिससे बीमारी का पता लगाया जा सके।

इको हार्ट की सोनोग्राफी: इसमें हाई-फ्रीक्वेंसी साउंड वेव्स का उपयोग कर दिल की धड़कन, वाल्व्स, चेम्बर्स और ब्लड फ्लो को देखा जाता है। ईसीजी मशीन आपके शरीर पर लगाए गए इलेक्ट्रोड्स के माध्यम से दिल की धड़कनों को रिकॉर्ड करती है। इससे पता चलता है कि आपका दिल कितनी नियमितता से और कितनी तेज़ी से धड़क रहा है, और क्या उसमें कोई रुकावट या गड़बड़ी है। आज शिविर में ECG, सोनोग्राफी, ECO, ब्लड सैंपल, साथ ही RFT, LFT, Vitamin Dx, Bvw, HbAv, Sugar Random सहित अन्य जांच किया गया।

ओपीडी में शिशु रोग, दंत रोग, नेत्र रोग, कैंसर रोग, मेडिसिन, किडनी रोग, न्यूरोलॉजी, मेंटल हेल्थ, गैस्ट्रोलॉजी, स्त्री रोग, कार्डियोलॉजी, जनरल एंड लेमोस्कोपी सर्जरी परामर्श, BMD टेस्ट, अस्ति रोग, सहित अन्य विभाग के परामर्श किया गया।

जानिए क्या है प्रोजेक्ट छाँव: शासकीय अधिकारी-कर्मचारी अपने व्यस्त कार्यालयीन जीवन के कारण वे और उनके परिवार स्वास्थ्य जांच और सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित रह जाते हैं। विभिन्न सेवाओं के लिए अलग-अलग स्थानों पर जाना समय लेने वाला और असुविधाजनक होता है। प्रोजेक्ट छाँव का उद्देश्य शासकीय कर्मचारियों और उनके परिवारों को एक ही स्थान पर स्वास्थ्य सेवाओं और शासकीय योजनाओं की सुलभ और समेकित सुविधा प्रदान करना है। प्रोजेक्ट छाँव के अंतर्गत प्रत्येक सप्ताह एक विशेष शिविर का आयोजन किया जाएगा, जिसमें विभिन्न विभागों के कर्मचारियों के लिए विशेष दिवस निर्धारित किया जाएगा। इन शिविरों में बीपी, शुगर, वजन, ऊँचाई जैसी प्रारंभिक स्वास्थ्य जाँच, सोनोग्राफी, मैमोग्राफी, टीबी जांच की सुविधा उपलब्ध होगी। साथ ही जनरल फिजीशियन, स्त्री रोग विशेषज्ञ, बाल रोग विशेषज्ञ सहित अन्य विशेषज्ञ डॉक्टरों से परामर्श की सुविधा भी दी जाएगी।

स्वास्थ्य जागरूकता के अंतर्गत पोषण, जीवनशैली और रोग-निरोधक उपायों से संबंधित जानकारी प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, आयुष्मान कार्ड, आधार कार्ड, श्रम कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस जैसी विभिन्न शासकीय योजनाओं का पंजीयन और आवेदन की सुविधा एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाएगी। शिविर में जरूरतमंदों को आवश्यक सामान्य दवाएँ भी नि:शुल्क वितरित की जाएंगी, जिससे यह पहल एक समग्र, सुलभ और उपयोगी सेवा मंच के रूप में कार्य करेगी। आज राजस्व विभाग के 1000 अधिकारी-कर्मचारी एवं परिवारजनों ने अपना स्वास्थ्य जांच कराया एवं अन्य सुविधाओं का लाभ लिया।

इस अवसर पर एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह, निगम आयुक्त विश्वदीप, जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन डीसीएम रेलवे अवधेश कुमार त्रिवेदी, सीएमएचओ डॉ मिथिलेश चौधरी और बालको हॉस्पिटल से डॉ. भावना सिरोही सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रदेश में मानसून की रफ्तार हुई कम

अगले 5 दिन कुछ इलाकों में होगी कम बारिश

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। प्रदेश के कुछ हिस्सों में मानसून का प्रभाव जारी है। वहीं कुछ क्षेत्रों में बारिश थमने से लोगों को उमस का सामना करना पड़ा।मौसम विभाग ने आगामी 5 दिनों तक मध्य और दक्षिण छत्तीसगढ़ में बारिश की गतिविधि में कमी आने की संभावना जताई है। वहीं सरगुजा जिलों में एक सप्ताह तक माध्यम बारिश जारी रहने की संभावना है।

पिछले 24 घंटे में बिलासपुर, दुर्ग, रायपुर और बस्तर संभागों के जिलों में अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा हुई। सरगुजा संभाग के जिलों में अधिकांश स्थानों पर मध्यम वर्षा हुई तथा एक स्थान पर भारी वर्षा हुई। दौरा कोचली में 8, शंकरगढ़ में 6, मनोरा, बलरामपुर, चलगली में 5-5 सेंटीमीटर बारिश हुई. कुसमी, राजनांदगांव, चांदो , कोटाडोल, जशपुरनगर, जनकपुर, भरतपुर में 4-4 सेंटीमीटर वर्षा दर्ज की गई. सीपत, पाली, रामानुजनगर, मनेंद्रगढ़, पेंड्रा, बिहारपुर, कोरबा, रामचंद्रपुर, छुरा, हसौद, भैयाथान में 3-3 सेंटीमीटर वर्षा हुई है। राजधानी रायपुर में आज आसमान में बादल छाए रहें।.

मौसम विभाग के अनुसार समुद्र तल पर मानसून की द्रोणिका अब सूरतगढ़, सीकर, ग्वालियर, सिद्धि, डाल्टनगंज, कोंटाई और फिर दक्षिण-पूर्व की ओर उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी तक जा रही है। उत्तर-पूर्व मध्य प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों में ऊपरी हवा में चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है, जो समुद्र तल से 5.8 किमी ऊपर तक फैला हुआ है। उत्तरी हरियाणा से दक्षिण उत्तर प्रदेश होते हुए उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी तक एक कम दबाव का क्षेत्र, उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश और उसके आसपास, झारखंड, गंगीय पश्चिम बंगाल के ऊपर समुद्र तल से 0.9 किमी ऊपर चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।इनके प्रभाव से प्रदेश में अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।

एनएसयूआई ने टोल प्लाजा पर किया जमकर प्रदर्शन

छात्रों को छूट और स्थानीय रोजगार को लेकर दिया धरना

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। राजधानी रायपुर से सटे तरपोंगी टोल प्लाजा पर आज एनएसयूआई रायपुर जिला इकाई ने आज जोरदार प्रदर्शन किया। जिला अध्यक्ष प्रशांत गोस्वामी के नेतृत्व में सैकड़ों छात्र कार्यकर्ता और पदाधिकारी चार सूत्रीय मांगों को लेकर टोल प्लाजा के सामने एकजुट हुए और टोल का घेराव किया। राजधानी रायपुर से लगे तरपोंगी टोल प्लाजा पर एनएसयूआई रायपुर जिला इकाई ने चार सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदर्शन किया और टोल प्लाजा का घेराव किया। इस प्रदर्शन में प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडेय की मौजूदगी रही। जबकि नेतृत्व जिला अध्यक्ष प्रशांत गोस्वामी ने किया। सैकड़ों की संख्या में छात्र कार्यकर्ता, पदाधिकारी और युवा इस आंदोलन में शामिल हुए।

प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांगें-रायपुर की पासिंग वाहनों से टोल टैक्स समाप्त किया जाए, जिले की सीमाओं पर टोल लगाना अन्यायपूर्ण है। स्थानीय नागरिकों पर यह आर्थिक बोझ गैरवाजिब है और इसे तत्काल समाप्त किया जाना चाहिए। छात्रों के लिए च्स्टूडेंट टोल पासज्ज की व्यवस्था की जाए। प्रतिदिन रायपुर आकर पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्राओं के लिए कोई विशेष व्यवस्था नहीं है।एन एस यू आई ने मांग की कि विद्यार्थियों के लिए टोल टैक्स पूरी तरह माफ किया जाए या रियायती च्स्टूडेंट पासज्ज की व्यवस्था हो, जिससे वे शिक्षा के लिए निर्बाध आवागमन कर सकें।

टोल प्लाजा कर्मचारियों द्वारा यात्रियों से दुर्व्यवहार रोका जाए।कई बार टोल कर्मचारियों द्वारा आम नागरिकों, खासकर वरिष्ठ नागरिकों और महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार की शिकायतें आई हैं। जिला अध्यक्ष प्रशांत गोस्वामी में मांग की कि टोल स्टाफ को व्यवहार-कुशलता का प्रशिक्षण दिया जाए और किसी भी शिकायत पर त्वरित कार्रवाई की जाए। स्थानीय युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता दी जाए, टोल प्लाजा में बाहरी लोगों को नौकरी पर रखा जा रहा है जबकि आसपास के स्थानीय युवाओं को रोजगार से वंचित किया जा रहा है। हमारी मांग है कि टोल प्लाजा में प्राथमिकता स्थानीय बेरोजगार युवाओं को मिले। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडेय ने कहा कि यह सिर्फ टोल टैक्स की लड़ाई नहीं है, बल्कि यह आवाज़ है उन छात्रों की जो रोज़ पढ़ाई के लिए सफर करते हैं।उन नागरिकों की जो अपने ही शहर में दोहरी मार झेल रहे हैं, और उन युवाओं की जिन्हें उनके ही क्षेत्र में नौकरी नहीं मिल रही। एनएसयूआई द्व जनहित के इन मुद्दों को लेकर संकल्पबद्ध है और जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक यह आंदोलन जारी रहेगा। जिला अध्यक्ष प्रशांत गोस्वामी ने अपने वक्तव्य में कहा कि छात्रों, युवाओं और आम जनता के हक की यह लड़ाई अब थमेगी नहीं। शासन-प्रशासन को यह समझना होगा कि युवाओं की आवाज़ को दबाया नहीं जा सकता। अगर मांगें नहीं मानी गईं, तो हम और भी उग्र आंदोलन करेंगे। अगर जल्द ही इन चार सूत्रीय मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं होती है, तो यह आंदोलन जिले के अन्य हिस्सों में भी फैलाया जाएगा। साथ ही प्रदेश स्तर पर भी इसके लिए व्यापक रणनीति बनाई जाएगी। प्रदर्शन में एनएस यूआई के प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडेय, उपाध्यक्ष अमित शर्मा, महामंत्री हेमंत पाल, जिला अध्यक्ष प्रशांत गोस्वामी, राजा देवांगन, विशाल कुकरेजा, कुणाल दूबे, विकास राजपूताना, हरिओम तिवारी, शिवांक सिंह, प्रशांत चंद्राकर, वैभव मुजेवार, श्रेयांश परघनीया, संयम सिंह, अंकित शर्मे सहित अन्य शामिल थे।

अब सीबीआई करेगी कोयला घोटाले की जांच

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। राज्य के बहुचर्चित कोल लेवी घोटाले की जांच अब सीबीआई करेगी। साय सरकार ने इसकी औपचारिक मंजूरी दे दी है। कोल लेवी घोटाले की सीबीआई जांच को लेकर गृह विभाग की ओर से अधिसूचना भी जारी कर दी गई है। दिल्ली विशेष पुलिस प्रतिष्ठान अधिनियम की धारा 6 के तहत सीबीआई को छत्तीसगढ़ राज्य में जांच के लिए आवश्यक अधिकार दिए गए हैं। राज्य पुलिस मुख्यालय की सीआईडी शाखा ने सभी एसपी और रेंज सीआईडी को अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए निर्देश दिए हैं। अभी इस मामले की जांच ईडी और ईओडब्ल्यू की टीम कर रही थी।

इसी मामले को लेकर आज ही ईओडब्ल्यू ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी नवनीत तिवारी को ईओडब्ल्यू. एसीबी ने गिरफ्तार किया है। पिछले कई महीने से ईओडब्ल्यू आरोपी की तलाश कर रही थी। ईडीं ने बताया कि नवनीत पर अवैध कोल लेवी वसूली और अवैध धनराशि के निवेश की प्लानिंग में संलिप्तता पाई गई है। आरोपी 2022 से ईडीकी छापेमारी के बाद से फरार चल रहा था। कोर्ट ने स्थायी गिरफ्तारी वारंट भी जारी किया था। इसके बाद गिरफ्तारी की गई है।

कोयला घोटाले मामले में मास्टरमाइंड सूर्यकांत तिवारी अभी जेल में बंद हैए जबकि निलंबित आईएएस रानू साहू समीर विश्नोई सौम्या चौरसिया रजनीकांत तिवारी वीरेन्द्र जायसवाल और संदीप नायक को बेल मिल गई है जो छत्तीसगढ़ से बाहर हैं। दावा है कि छत्तीसगढ़ में कोयला घोटाला किया गया है। इस मामले में 36 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। ईडी का आरोप है कि कोयले के परिचालन ऑनलाइन परमिट को ऑफलाइन करने समेत कई तरीकों से करीब 570 करोड़ रुपए से अधिक की अवैध वसूली की गई है।

सदन में सरकार के खिलाफ नेता प्रतिपक्ष इस बार दिखाएंगे तीखे तेवर

- कांग्रेस विधायक दल की बैठक में बनी रणनीति
- सत्र की अवधि कम, फिर भी जनता के मुद्दे उठाएंगे : महंत

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। मानसून सत्र में इस बार सदन में सरकार के खिलाफ नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत काफी आक्रामक मुद्रा में नजर आएंगे।शांत स्वभाव के माने जाने महंत पर पार्टी का दबाव है।जिसके चलते इस बार तीखे तेवर में दिखाई देंगे। विधायकों को भी सरकार के खिलाफ सदन में मुद्दे उठाने के लिए कहा गया है।उसके लिए उन्हें जवाबदारी भी दी गई है। राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगे की मौजूदगी में हुई बैठक में भाजपा सरकार के खिलाफ आक्रमण और तेज करने का निर्देश दिया गया है। इसका असर मानसून सत्र में दिखाई देगा।

सोमवार से शुरू हो रहे विस सत्र को लेकर कांग्रेस विधायक दल की बैठक आज कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में हुई। बैठक की अध्यक्षता नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने की। इसके बाद उन्होंने प्रेसवार्ता कर बैठक में हुई चर्चा और आगामी रणनीति की जानकारी दी।

डॉ. चरणदास महंत ने बताया कि बैठक में सभी विधायकों की बातों को सुना गया है और तमाम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई है। उन्होंने कहा कि विधानसभा सत्र के दौरान आक्रामक तरीके से मुद्दों को उठाने का प्रयास करेंगे। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि सरकार के खिलाफ मुद्दे ज्यादा हैं, लेकिन मानसून सत्र की अवधि बहुत कम रखी गई है। फिर भी हम जनता से जुड़े मुद्दों को सदन में उठाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने बताया कि बिजली बिलों में बढ़ोतरी, सुरक्षा से जुड़े मसले और आदिवासियों के मुद्दों को लेकर लड़ेंगे। महंत ने कहा कि कांग्रेस के सभी विधायक पूरी तैयारी के साथ विधानसभा सत्र में सरकार को घेरेंगे। साथ ही कहा कि फर्जी धान खरीदी के चलते करोड़ों का नुकसान हुआ है यह मुद्दा भी उठायेंगे। छत्तीसगढ़ विधानसभा का मानसून सत्र कल 14 जुलाई से 18 जुलाई तक चलेगा। इस दौरान सदन में पांच बैठके होंगी।

बैज दिल्ली रवाना

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज रविवार को दिल्ली रवाना हो गए।आदिवासी विधायकों की राहुल गांधी से कल होने वाली अहम बैठक में शामिल होने।लिहाजा जन्मदिन छोड़ बैज दिल्ली चले गए। राहुल से मुलाकात के बाद तय होगी छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की आगे की राजनीति तय होगी।

रावतपुरा मेडिकल कॉलेज की मान्यता निरस्त करने सरकार लिख सकती है पत्र

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। नवा रायपुर के रावतपुरा निजी मेडिकल कॉलेज को मान्यता देने के लिए रिश्वतखोरी के मामले की सीबीआई ने हाल ही में गिरफ्तारियां की है। बताया जा रहा है कि राज्य सरकार भी कॉलेज की मान्यता निरस्त करने के लिए एनएमसी को चिट्ठी भेज सकती है। इसके अलावा सीबीआई की जांच के घेरे में आए रायपुर मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर पर भी सरकार ने कार्रवाई शुरू कर दी है।

- सीबीआई ने मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर डॉ कुंडू को जारी किया नोटिस

हाल ही में सीबीआई ने रावतपुरा मेडिकल कॉलेज के चेयरमैन रावतपुरा महाराज समेत पांच लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया है। इनमें कालेज के डायरेक्टर अतुल तिवारी भी हैं, जो कि मान्यता के लिए रिश्वत देने के मामले में जेल में हैं।सीबीआई ने रेरा के चेयरमैन संजय शुक्ला और रायपुर मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर डॉ अतिन कुंडू के खिलाफ भी एफआईआर किया है।

सीबीआई की इस कार्रवाई के बाद छत्तीसगढ़ के चिकित्सा शिक्षा संचालनालय ने डॉ अतिन कुंडू के रिकॉर्ड खंगाले हैं। यह पता चला है कि वे रावतपुरा संस्थान में भी सेवाएं दे रहे थे, और वेतन भी ले रहे थे।

रिम्स में भी सेवाएं दे रहे थे कुंडू

पांच साल पहले भी अतिन कुंडू के खिलाफ इसी तरह की शिकायत आई थी। इसके बाद उनका तबादला अंबिकापुर हुआ, लेकिन वो नहीं गए। उस वक्त वे अवकाश पर थे, और रायपुर के एक अन्य निजी मेडिकल संस्थान रिम्स में सेवाएं देते रहे। इन तमाम बिन्दुओं पर उन्हें नोटिस देकर जवाब मांगा गया है। साथ ही सरकार रावतपुरा मेडिकल कॉलेज की मान्यता निरस्त करने के एनएमसी को चिट्ठी लिखने जा रही है। इसके सारे रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं।

प्रदेश में अब तक 369.3 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ में 1 जून से अब तक 369.3 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा स्थापित राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश में अब तक बलरामपुर जिले में सर्वाधिक 540.4 मि.मी. वर्षा रिकार्ड की गई है। बेमेतरा जिले में सबसे कम 178.3 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई है।

राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार सरगुजा में 275.9 मि.मी., सूरजपुर में 452.4 मि.मी., जशपुर में 475.3 मि.मी., कोरिया में 399.5 मि.मी. और मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 354.4 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। रायपुर जिले में 351.8 मि.मी., बलौदाबाजार में 352.7 मि.मी., गरियाबंद में 318.6 मि.मी., महासमुंद में 335.2 मि.मी. और धमतरी में 323.0 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। बिलासपुर में 387.1 मि.मी., मुंगेली में 381.7 मि.मी., रायगढ़ में 520.0 मि.मी., सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 363.9 मि.मी., जांजगीर-चांपा में 491.4 मि.मी., सक्ती में 430.6 मि.मी., कोरबा में 469.1 मि.मी. और गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही 368.3 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड हुई है। दुर्ग जिले में 303.7 मि.मी., कबीरधाम में 260.6 मि.मी., राजनांदगांव में 298.8 मि.मी., मोहला-मानपुर-अंबागढ़-चौकी में 484.9 मि.मी., खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 246.9 मि.मी., बालोद में 380.4 मि.मी. और बस्तर जिले में 436.9 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड हुई है। कोंडागांव में 263.1 मि.मी., कांकेर में 366.9 मि.मी., नारायणपुर में 315.7 मि.मी., दंतेवाड़ा में 398.3 मि.मी., सुकमा में 215.1 मि.मी. और बीजापुर

1 करोड़ का लोन नहीं चुकाने पर आरोपी को 3 महीने की सजा

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। लक्ष्मी महिला नागरिक सहकारी बैंक से 1 करोड़ का लोन लेने के बाद वापस नहीं करने वाले कारोबारी कुलदीप सिंह भाटिया को 3 महीने कैद और लोन की रकम लौटाने का आदेश दिया गया है। ब्याज सहित लोन की रकम नहीं देने पर एक माह अतिरिक्त कैद की सजा सुनाई गई है। कोर्ट में सुनवाई के दौरान कारोबारी की ओर से तर्क दिया कि बैंक प्रबंधन द्वारा झूठे प्रकरण में फंसाया गया है। लोन लेने के बाद नियमानुसार 60 लाख रुपए किश्त की रकम जमा कराई गई है। लेकिन जमा कराई गई रकम का स्टेटमेंट बैंक द्वारा नहीं दिया जा रहा है। यह मामला हाईकोर्ट बिलासपुर और डीआरटी जबलपुर में चल रहा है। जहां हाईकोर्ट द्वारा स्थगन आदेश दिया गया है। रायपुर के जिला कोर्ट में प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट स्वर्णलता ओम यादव की अदालत में सुनवाई के दौरान कारोबारी की ओर से कोई दस्तावेजी साक्ष्य पेश नहीं किए गए। देवेन्द्र नगर रायपुर निवासी कुलदीप सिंह भाटिया ने मिलेनियम प्लाजा स्थित लक्ष्मी महिला नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित रायपुर से 4 अगस्त 2016 को एक करोड़ रुपए का लोन लिया था। इसका भुगतान मासिक किश्तों पर किया जाना था लेकिन कारोबारी ने किश्त जमा नहीं की। इसके चलते कारोबारी का बैंक खाता अनियमित हो गया और 22 अगस्त 2022 को 1 करोड़ 9 लाख रुपए ओवर ड्यू हो गया। इस राशि की अदायगी के लिए कारोबारी ने फाइनल सेटलमेंट के तहत लक्ष्मी महिला नागरिक सहकारी बैंक को चेक दिया जो बाउंस हो गया। बैंक प्रबंधन ने इसकी सूचना 25 अगस्त 2022 को दी। इसके बाद भी बकाया रकम नहीं देने पर न्यायालय की शरण ली।

शुभारंभ फाउंडेशन की अनोखी पहल

गौ सेवा और फौजियों के नाम राखियाँ

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। शुभारंभ फाउंडेशन द्वारा रक्षाबंधन के पावन अवसर पर एक विशेष सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। फाउंडेशन की अध्यक्ष सीमा कटंनकर ने जानकारी देते हुए बताया कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत महिलाओं ने 500 राखियाँ देश के सैनिक भाइयों को भेजीं ताकि वे भी रक्षाबंधन का पर्व अपनेपन और सम्मान के साथ महसूस कर सकें। कार्यक्रम का आयोजन लवकुश आश्रम में किया गया जहाँ महिलाओं ने अपने बचपन की यादें ताज़ा करते हुए एक यूनिफॉर्म में पहुँचकर वर्षा का आनंद लिया। साथ ही गौशाला में जाकर गौ माता को हरा चारा खिलाकर सेवा कार्य भी किया। आश्रम में बिताए पलों ने सभी को उनके बचपन की भावनाओं से जोड़ दिया और सभी ने

मिलकर इस अवसर को विशेष और यादगार बना दिया। कार्यक्रम में सहभागिता करने वाली सभी महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और फाउंडेशन के इस प्रयास की सराहना की। अध्यक्ष सीमा कटंनकर ने सभी का आभार व्यक्त किया।

वैष्णव ब्राह्मण समाज का रहा है गौरवशाली इतिहास: सीएम साय

मुख्यमंत्री साय अखिल भारतीय वैष्णव ब्राह्मण सेवा संघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में हुए शामिल

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज राजधानी रायपुर में आयोजित अखिल भारतीय वैष्णव ब्राह्मण सेवा संघ (चतु: संप्रदाय), मुंबई की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभु श्रीराम के ननिहाल और माता कौशल्या की पावन भूमि छत्तीसगढ़ में वैष्णव ब्राह्मण समाज का राष्ट्रीय अधिवेशन आयोजित होना हम सभी के लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि वैष्णव ब्राह्मण समाज का इतिहास अत्यंत गौरवशाली रहा है। इस समाज की विभूतियों ने छत्तीसगढ़ में दानशीलता की अद्भुत मिसालें स्थापित की हैं। विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में वैष्णव ब्राह्मण समाज का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले समाज के प्रतिभावान व्यक्तियों को सम्मानित भी किया।

मुख्यमंत्री साय ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि वैष्णव ब्राह्मण समाज ने सनातन धर्म को सशक्त बनाने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। यह समाज केवल पुरोहित कर्म से ही नहीं, बल्कि शासन-प्रशासन में भी सक्रिय रहा है। दानशीलता की महान परंपरा का परिचय देते हुए इस समाज ने कभी राजपाट तक दान कर दिए। राजनांदगांव की वैष्णव ब्राह्मण रियासत इसका अनुपम उदाहरण है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि डेढ़ वर्ष के भीतर हमने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अधिकांश गारंटियों को अमल में लाकर पूर्ण किया है। छत्तीसगढ़, प्रभु श्रीराम का ननिहाल रहा है और उन्होंने अपने वनवास का लंबा समय यहीं व्यतीत किया था। हमारी सरकार ने रामलला दर्शन योजना शुरू की है, जिसके तहत अब तक 22 हजार से अधिक श्रद्धालु अयोध्या में प्रभु श्रीरामलला के दर्शन कर चुके हैं। मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना को भी पुन: प्रारंभ किया गया है, जिसके अंतर्गत 60 वर्ष से अधिक आयु के सभी नागरिक अपनी आस्था के अनुसार तीर्थ स्थलों का दर्शन कर सकेंगे। दिव्यांगजनों, विधवाओं और परित्यक्ताओं के लिए इस योजना में अधिकतम आयु सीमा नहीं रखी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2047 तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत का संकल्प लिया गया है। उसी दिशा में हमें विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में अग्रसर होना है। इस कार्य में वैष्णव ब्राह्मण समाज की सक्रिय भागीदारी अपेक्षित है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि समाज संगठित रहकर निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर होगा।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि वैष्णव ब्राह्मण समाज एक दूरदर्शी और कल्पनाशील समाज है। उन्होंने कहा कि राजनांदगांव से विधायक, सांसद, केंद्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री के रूप में कार्य करते हुए उन्होंने इस समाज के ऐतिहासिक योगदान को निकटता से देखा है। उच्च शिक्षा, रेलवे, उद्योग और पेयजल व्यवस्था के विकास में राजनांदगांव के राजपरिवार ने अभूतपूर्व योगदान दिया है। महंत दिग्विजय दास जी ने महाविद्यालय के लिए अपना महल दान किया, रेलवे के लिए विशाल भूमि दी, और बीएनसी कॉटन मिल की स्थापना की, जिससे हजारों लोगों को रोजगार मिला। महंत घासीदास जी ने व्यापार को प्रोत्साहित करने के लिए निःशुल्क भूमि देने की घोषणा की थी।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने अपने संबोधन में कहा कि वैष्णव ब्राह्मण समाज सनातन धर्म की ध्वजवाहक है। इस राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक के आयोजन से समाज और अधिक एकजुट होकर आगे बढ़ेगा। इस अवसर पर राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, अखिल भारतीय वैष्णव ब्राह्मण सेवा संघ के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष पी. एल. बैरागी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लाल जे. के. वैष्णव, प्रदेश अध्यक्ष राकेश दास वैष्णव, विजय कुमार दास, राघवेंद्र दास वैष्णव, डॉ. सौरभ निर्वाणी, श्रीमती अंजना देवी वैष्णव, रजनीश वैष्णव सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित थे।

दादाबाड़ी में दादा गुरूदेव का 27 दिवसीय इकतीसा आज होगा प्रारंभ

प्रवचन केवल सुनने की नहीं, जीवन में उतारने का अध्याय है: साध्वी हंसकीर्ति श्रीजी

दादा गुरुदेव की 27 दिवसीय इकतीसा जाप आज से

दादा गुरुदेव की कृपा से 14 जुलाई से 9 अगस्त तक प्रतिदिन रात्रि 8 से 10 बजे तक चलने वाली 27 दिवसीय इकतीसा जाप आरंभ होगी। दादा गुरूदेव की प्रतिमा और कलश का लाभ सुमीत परिवार को मिला। वहीं, तोरण का लाभ पानी बाई आसकरण भंसाली परिवार को प्राप्त हुआ। 10 अगस्त रविवार को समापन के अवसर पर दादा गुरुदेव की विशेष बड़ी पूजा एवं रात्रि भक्ति कार्यक्रम आयोजित होगा। यह अवसर भक्ति, ध्यान और

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। दादाबाड़ी में आत्मोत्थान चातुर्मास 2025 के अंतर्गत चल रहे प्रवचन श्रृंखला के दौरान रविवार को परम पूज्य हंसकीर्ति ने कहा कि प्रवचन केवल सुनने की चीज नहीं हैं, बल्कि उनका असर हमारे विचारों, व्यवहार और कर्मों पर गहराई से पड़ता है।प्रवचन के प्रभाव से मन में गलत कार्यों की प्रवृत्ति समाप्त होने लगती है। जब व्यक्ति नियमित रूप से धर्म की बातें सुनता है, तो उसका चित्त शांत होता है और जीवन में संयम व विवेक जागृत होता है। साध्वीजी ने कहा कि जैसे कोई पुरानी फिल्म या भोजन का स्वाद वर्षों बाद भी स्मृति में बना रहता है, उसी तरह अगर मन में अराधना का भाव गहराई से उतर जाए, तो वह भी जीवन में स्थायी असर छोड़ता है।

उन्होंने कहा, हर व्यक्ति के भीतर अराधक भाव होना चाहिए। जब तक भीतर से यह भाव जागृत नहीं होगा कि मैं आत्मा हूं, तब तक आत्म-साक्षात्कार की यात्रा अधूरी रहेगी। जब कोई जीव बार-बार किसी कार्य का प्रयास करता है, तो एक दिन उसमें दक्षता भी आ जाती है। साध्वीजी ने बताया, जैसे एक भंवरा गुनगुनाता है और उसके आसपास उड़ती लट धीरे-धीरे उसी ध्वनि को अपनाने लगती है, वैसे ही जब हम बार-बार कहेंगे कि 'मैं आत्मा हूं', तो एक समय ऐसा आएगा कि भीतर से भी वही ध्वनि गूंजने लगेगी। यह आत्मिक अभ्यास हमें बाहरी राग-द्वेष से दूर ले जाएगा।उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि जब कोई पूछता है कि आप कौन हैं, तो हम अपने नाम या शरीर से परिचय देते हैं, जबकि वास्तव में हमारी पहचान आत्मा है, शरीर नहीं। यह शरीर केवल आत्मा का वस्त्र है, असली अस्तित्व आत्मा ही है।साध्वीजी कहती हैं कि जब व्यक्ति बार-बार स्वयं से यह कहता है कि मैं आत्मा हूं, तो धीरे-धीरे वह आत्म-चिंतन की दिशा में बढ़ता है। उसका ध्यान बाहरी संसार से हटकर अपने भीतर केंद्रित होने लगता है। यह प्रक्रिया सरल नहीं, परंतु निरंतर प्रयास से संभव है।

उन्होंने यह भी समझाया कि जैसे एक बच्चा बार-बार अभ्यास करने से नई भाषा सीखता है, वैसे ही आत्मा को पहचानने के लिए भी अभ्यास चाहिए। जीवन की गति तब ही सुधरती है जब हम अपने वास्तविक स्वरूप को समझते हैं।

प्रवचन का सार यह रहा कि आत्मा को पहचानिए, बार-बार अपने मन में 'मैं आत्मा हूं' का भाव दोहराइए। यही अभ्यास एक दिन आपको बाहरी मोह-माया से ऊपर उठाकर सच्ची आत्मिक शांति की ओर ले जाएगा। आत्मोत्थान चातुर्मास समिति 2025 के अध्यक्ष अमित मुणोत ने बताया कि दादाबाड़ी में सुबह 8.45 से 9.45 बजे साध्वीजी का प्रवचन होगा। आप सभी से निवेदन है कि जिनवाणी का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

सरकार के खिलाफ प्रदेश में आक्रोश फैला हुआ है: बैज

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि कल आरंग के विधायक गुरू खुशवंत के वाहन पर पथराव हुआ। दो दिन पहले केंद्रीय मंत्री तोखन साहू का काफिला जनता ने रोक कर आक्रोश प्रकट किया, नारेबाजी किया। उसके तीन दिन पहले प्रदेश के उपमुख्यमंत्री के काफिले को जनता ने घंटो रोक रखा। यह घटनाये बताती है कि सरकार जनता में पूरी तरह अलोकप्रिय हो चुकी है। जनता सरकार खिलाफ सड़को पर उतर रही है। यह घटना यह भी बताती है कि प्रदेश की कानून व्यवस्था कितनी जर्जर हो चुकी है कि विधायक मंत्री भी सुरक्षित नहीं है। श्री बैज ने कहा कि कल हमने पत्रकार वार्ता मेंइस बात का प्रमाण प्रस्तुत किया था कि पूरे प्रदेश में डी.ए.पी, यूरिया, एन.पी.के आदि की कमी है। सरकार का 11 तारीख को नैनो डीएपी खरीदने का विज्ञापन भी हमने सार्वजनिक किया था। बेहद दुखद है कि सरकार की तरफ से एक बार फिर झूठ बोला जा रहा कि पूरे प्रदेश में डी.ए.पी एवं अन्य उर्वरक उपलब्ध है। जबकि हकीकत यह है कि आज भी किसान खाद के लिये परेशान है। सोसायटियों में खाद नहीं है। खाद की कालाबाजारी हो रही। हमारी मांग है कि सरकार के कृषि मंत्री खाद की उपलब्धता के आंकड़े सार्वजनिक करें।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि सरकार के संरक्षण में पूरे प्रदेश में शिवा सट्टा ऐप का जाल प्रदेश के कोने-कोने में फैला हुआ है। अकेले खैरागढ़ में 20 करोड़ के लेन देने का खुलासा हुआ है। डबल इंजन की सरकार इस पर रोक क्यों नहीं लगा रही है? इस सट्टा एप का कमीशन किसके खाते में जा रहा है? इसके साथ ही डबल इंजन की सरकार बताये कि महादेव एप का सरगना सौरभ चंद्राकर, रवि उप्पल भारत कब लाया जायेगा?

श्री बैज ने कहा कि प्रदेश हर जिले में नकली शराब बिक रही। नकली होलाग्राम लगाकर सरकारी दुकानों से शराब बेची जा रही है। रायपुर, राजनांदगांव, डोगरगढ़, में नकली होलोग्राम लगाकर शराब बेचने की शिकायते मिली थी।

मंदिर जाए तो भगवान के दर्शन आंख भर कर करना चाहिए:शंभू शरण लाटा

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। समता कॉलोनी स्थितमें आयोजित राम कथा के दूसरे दिन अंतर्राष्ट्रीय संत शंभू शरण जी लाटा महाराज की मुख से भक्तों ने राम कथा का रसपान किया। द्वितीय दिवस अंतर्राष्ट्रीय संत लाटा जी महाराज ने भक्तों को राम कथा का रसपान कराते हुए बताया कि श्रावण माह के पावन पर्व पर भगवान राम की सुंदर कथा का श्रवण करने का हम सबको मौका मिल रहा है भगवान भोलेनाथ ने स्वयं भगवान राम के ध्यान में रहते हैं। और जो भगवान राम जी के ध्यान में रहते हैं ऐसे पार ब्रह्म परमेश्वर भगवान राम की कथा सुनने का हम सबको सौभाग्य मिल रहा है यह आयोजक परिवार और आयोजन समिति के पुण्य कर्मों का फल है जो हम सभी कथा का श्रवण कर रहे हैं। महाराज ने बताया कि श्रावण महीने ही नहीं हम किसी भी समय कोई भी मंदिर में जाएं तो भगवान का दर्शन हमें मन भर के तो करना ही चाहिए आंख भर के भी दर्शन करना चाहिए भगवान को आंख में भरना मतलब आंखों के माध्यम से हृदय में उतरना ही आंख भर कर दर्शन करना है। राम कथा में आगे संत ने भक्तों को बताया कि जो भगवान की कथा में जाकर भी कथा में ध्यान नहीं देते उनके आगे का जीवन अंधकार में रहता है जैसे भगवान शंकर जी और माता सती ऋषि के यहां भगवान राम की कथा सुनने तो गए लेकिन माता सती का मन नहीं लगा और उनके मन में संशय आ गया इस संशय के चलते माता सती भगवान राम की परीक्षा लेने के लिए पहुंच गई इसलिए माता सती को पति भगवान भोलेनाथ ने त्याग दिया और माता सती ने अपना देहात त्याग करना पड़ा इसलिए कथा में हम जाएं तो ध्यान से कथा का श्रवण पान करना चाहिए। संत ने आगे बताया कि हम कहीं भी धर्मस्थल पर रहे वहां पर यदि भगवान की निंदा हो रही हो या किसी पूजन अर्चन भागवत की निंदा हो रही है तो ना तो हमें वहां भाग लेना चाहिए और ना ही उसे निंदा को सुनना चाहिए दोनों में मनुष्यों को पाप लगता है इसलिए पाप की भागीदारी हमें नहीं बनना चाहिए।

मूणत की जनचौपाल: सरोना में खिलाड़ियों ने की खेल मैदान की मांग

विधायक ने पटवारी को 2 एकड़ सरकारी जमीन उपलब्ध कराने को कहा

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। पश्चिम के विधायक और पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेश मूणत ने रविवार को संत रविदास वार्ड (क्रमांक 70) और ठक्करबापा वार्ड (क्रमांक 17) में जन चौपाल आयोजित कर नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस अवसर पर उन्होंने अपने डेढ़ साल के कार्यकाल का लेखाजोखा जनता के समक्ष प्रस्तुत किया और सभी को सावन मास की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह पूरा क्षेत्र महादेवघाट से लेकर सरोना तक शिव की नगरी है, जहां सावन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु कांवड़ लेकर आते हैं। शिवभक्तों की सुविधा, सुरक्षा और भावनाओं का विशेष ध्यान रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। जन चौपाल में बिजली, जल, नाली, सड़क, सफाई, स्कूल, शौचालय, पेंशन, राशन जैसी कई समस्याएं सामने आईं, जिन पर विधायक ने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए। मूणत ने अधिकारियों को चेताया कि कोताही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अश्वीन गर्ग बने कैट उद्योग के प्रदेश अध्यक्ष,राठी महामंत्री पूरे प्रदेश में कैट उद्योग का होगा विस्तार

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। कैट की राष्ट्रीय कार्यकारिणी द्वारा राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के सदस्य अमर पारवानी जी को नई प्रदेश कैट उद्योग कार्यकारिणी का गठन किया है। अश्वीन गर्ग को प्रदेश अध्यक्ष, कैट उद्योग नियुक्त किया गया है।आगामी दो वर्षों के लिए उन्हीं प्रदेश कैट उद्योग का अध्यक्ष बनाया गया है। यह नियुक्ति कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी.सी. भरतिया एवं राष्ट्रीय महामंत्री एवं सांसद नई दिल्ली प्रवीण खण्डेलवाल की अनुशंसा पर हुई है। प्रदेश कैट उद्योग कार्यकारिणी इस प्रकार है। अध्यक्ष= अश्वीन गर्ग, महामंत्री - सूर्या प्रकाश राठी बनाए गए है।

परिवार से परमात्मा तक की यात्रा का मार्ग है धर्म : मनीष सागर

- स्वयं को सुधारना हो प्राथमिकता
- रविवार को हुआ विशेष प्रवचन

रायपुर 13 जुलाई (देशबन्धु)। परम पूज्य उपाध्याय प्रवर युवा मनीषी मनीष सागरजी महाराज ने रविवार को विशेष प्रवचन श्रृंखला में च्परिवार से परमात्मा तक यात्राज् विषय पर प्रवचन दिया। टैगोर नगर स्थित पटवा भवन में धर्मसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि परिवार से परमात्मा तक की यात्रा का मार्ग धर्म है। अपने परिवार में स्वच्छ,शांति का वातावरण निर्मित करें, कलह से बचें। कलह में पड़कर आप स्वयं और अपने परिवार का विकास नहीं कर पाएंगे। हमारी पहली प्राथमिकता है खुद को सुधारना। परिवार के सभी सदस्य यदि ऐसा सोचेंगे तो परिवार में शांति का माहौल होगा,कलह नहीं होगी। सभी शांत मन से धर्म से जुड़कर परिवार से परमात्मा तक की यात्रा तय करेंगे। उपाध्याय भगवंत ने कहा कि सभी आनंद के साथ जीवन जीना चाहते हैं। हमको ऐसा आनंद लेना है जो गंगा के प्रवाह से जैसा हो। इस आनंद को पाने की ट्रेनिंग स्कूल परिवार है। यदि परिवार में अच्छे से ट्रेनिंग ले ली तो हताशा और निराश नहीं होगी। हमें ऐसा स्वभाव रखना है, ऐसा जीने का तरीका डेवलप करना है जो सबको पसंद आए। इससे हम खुद भी आनंद में रहे और लोगों को भी आनंद में रखें। उपाध्याय भगवंत ने कहा कि हमारी पहली प्राथमिकता है स्वयं को सुधारना। हम अपनी साधना करने ही इस मनुष्य भव में आए हैं। पहले हमें स्वयं को देखना है लेकिन हम दूसरों को देखने में व्यस्त रहते हैं इसलिए अपने ऊपर ध्यान नहीं दे पाते हैं। हम ऐसा मनोभाव डेवलप करें कि जीना है परिवार के साथ। अपना और अपने परिवार का विकास सभी आनंद से परमात्मा जुड़ें। हमारा एक मात्र लक्ष्य होना चाहिए सद्गति की प्राप्ति। हम मनुष्य भव में आए हैं तो किस दुर्गति से आए हैं,यह ज्ञान रहे कि इस दुर्गति को दूर करना ही हमारा

रायपुर में डिजिटल अरेस्ट दो बड़ी घटनाओं से हड़कंप

- महिला से 2 करोड़ 83 लाख रुपए की ठगी
- दूसरी घटना में महिला टीचर से 8.50 लाख ऐंठे

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। राजधानी रायपुर में ही दो बड़े डिजिटल अरेस्ट के जरिये करोड़ों रुपये ठगने की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। जहां शातिर ठगों ने दिल्ली पुलिस के अधिकारी बनकर मनी लॉर्डिंग का डर दिखाकर लगातर तीन महीने तक कॉल करके करीब 2 करोड़ से ज्यादा की ठगी की। वहीं दूसरे मामले में एक सरकारी स्कूल की शिक्षिका और उसके पति को भी ईडी का अधिकारी बताकर साढ़े 8 लाख की ठगी की वारदात को अंजाम दिया। राजधानी रायपुर के विधानसभा रोड़ स्थित सफायर ग्रीन सोसाइटी में रहने वाली 63 साल की पीड़िता के पास 21 मई 2025 को उनके मोबाइल में एक नंबर से फोन आया। सामने वाले ने खुद को एसबीआई कस्टमर केयर का होना बताया और कहा कि आपके क्रेडिट कार्ड का अमाउंट बचा हुआ है। जिसका भुगतान आप को तत्काल करना होगा। साथ ही आरोपी ने कहा कि आपका नंबर दिल्ली पुलिस को ट्रांसफर कर रहा हूं। इसके बाद फोन काट दिया। थोड़ी देर बाद नये नंबर से व्हाट्सएप वीडियो कॉल आया फोन करने वाले ने खुद को दिल्ली पुलिस का अधिकारी बताया। इसके बाद ठग ने पीड़ित महिला की प्रापर्टी ज्वेलरी समेत अन्य पर्सनल जानकारी मांगी। डिटेल्स मिलाने के बाद धमकाया कि आपके नाम से मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज हुआ है। आपके आधार कार्ड से कई खाते खोले गये हैं शातिर आरोपियों ने पीड़िता से कहा कि कुछ पैसा आरटीजीएस करना होगा बाद में सारे पैसे वापस लौटा दिये जायेंगे। पीड़िता महिला ठग के झांसे में आकर आरोपियों द्वारा दिये गये अलग.अलग बैंक एकाउंट में 2 करोड़ 83 लाख रूपये ट्रांसफर कर दिए। महिला ने जब ठगों से पैसे वापस मांगे तो शातिर ठगों ने व्हाट्सएप पर मैसेज भेजकर लिखा कि आपके साथ ठगी हो गई है। खुद के साथ ठगी की जानकारी मिलने के बाद पीड़िता ने इसकी शिकायत विधानसभा थाने में दर्ज कराई है।

सरकारी स्कूल की टीचर से साढ़े आठ लाख की ठगी

वहीं दूसरी वारदात शहर के दावडा कॉलोनी में रहने वाली 58 साल की सरकारी स्कूल की टीचर और उनके पति के साथ सामने आई है। जहां अज्ञात शातिर ठगों ने अपने आप को मुंबई से ईडी का अधिकारी बताते हुए धमकाया। उन्होंने दो दिन पति.पत्नी को घर में ही डिजिटल अरेस्ट करके रखा। शातिर ठगों ने वीडियो कॉल करके धमकाया कि कोई नरेश गोयल द्वारा 536 करोड़ रुपये की मनी लांर्डिंग की जांच हमारे द्वारा की जा रही है। इसके अलावा पत्नी के मोबाईल नंबर पर काल करके धमकाया गया कि आपके द्वारा मुंबई केनरा बैंक में खाता खोला गया है। जिसके एवज में आप लोगों द्वारा 5 लाख रुपये लिये गये हैं। साथ ही उस खाते में 200 करोड़ रूपये 24 व्यक्तियों के द्वारा आपके खाते में जमा किया गया है और इसका 10 प्रतिशत कमीशन आपको 20 लाख रुपये दिया गया हैए इसलिए आपको डिजीटल अरेस्ट किया जाता है। उन्होंने कहा कि यदि आप सहयोग नहीं करेगे तो आपको फिज़ीकली अरेस्ट कर मुम्बई ले जाएंगे। शातिर ठगों ने धमकाया कि यदि आप बचना चाहते हो तो हमारे इन खातों में पैसा जमा करा दो। शातिर ठगो ने एक बैक अकाउंट नंबर दिया जिसमें बुजुर्ग दंपत्ति ने साढ़े आठ लाख रूपये जमा करा दिये। जो बैंक आफ महाराष्ट्र और नैनी प्रयागराज का खाता निकला। उक्त खाता किसी रमाशंकर के नाम में बताया जा रहा है।

आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई

नकली होलोग्राम लगी शराब की खेप बरामद, 1 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। प्रदेश में नकली होलोग्राम केस में पूर्वआबकारी मंत्री कवासी लखमापु अनवर ढेबर रिटायर्ड आईएएस अनिल टुटेजा जेल में हैं इसके बावजूद भी नकली होलोग्राम छपवाकर उसी तरीके से अवैध कारोबार जारी है आज 13 जुलाई 2025 को आबकारी विभाग की टीम ने एक बार फिर रायपुर में नकली होलोग्राम लगाकर शराब बेचने वाले आरोपी गिरफ्तार किया है टीम ने आरोपी के पास से 25 लीटर शराब जब्त की है जिसे नकली होलोग्राम लगाकर बेंचा जा रहा था इनमें से शोले ब्रांड की बोतलों पर स्टीकर भी नकली लगे मिले जानकारी के मुताबिक आरोपी मनीराम टंडन ग्रैंड आई 10 कार सीजी04एम5272 में अभनपुर थाना अंतर्गत ग्राम चंडी में नकली होलोग्राम लगाकर शराब बेच रहा था सूचना पर आबकारी विभाग की टीम ने छापमार कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है आरोपी के पास से टीम ने 25.92 बल्क लीटर नकली होलोग्राम युक्त देशी शराब जब्त की हैए जिसकी बाजार कीमत लगभग 14,400 रुपये है मामले में आबकारी विभाग ने छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है

3 महीने में दूसरा मामला

यह कोई पहला मामला नहीं है बीते तीन महीनों में यह दूसरा बड़ा मामला है जिसमें नकली होलोग्राम के ज़रिए अवैध शराब बेचने की कोशिश पकड़ी गई है 22 मार्च को रायपुर में एक ढाबे और प्रिंटिंग शॉप पर छापा मारकर 40 हजार से अधिक नकली होलोग्राम स्टीकर शराब बोतलों के लेबल और ढक्कन जब्त किए गए थे मामले में दो आरोपी गिरफ्तार हुए जबकि कुछ आरोपी बिहार फरार हो गए थे 20 अप्रैल 2025 को इसी कड़ी में बीरगांव स्थित एक ढाबे में छापा मारकर संकटमोचन नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया था उसके पास से 1460 नकली होलोग्राम 1100 शराब लेबल और 105 बोतल के ढक्कन मिले पूछताछ में सामने आया कि नकली होलोग्राम का काम भिलाई निवासी संदीप के लिए किया जा रहा था जिससे उसकी पहचान 2013.14 में सिलतरा की एक शराब भट्ठी में नौकरी के दौरान हुई थी इसके बाद टीम बीरगांव के एक प्रिंटिंग शॉप पर पहुंची जहां गणेश चौरसिया को 371 शीट ;करीब 40,000 स्टीकर काटते पकड़ा गया गणेश ने बताया कि यह प्रिंटिंग रंजीत गुप्ता के ऑर्डर पर की गई थी जो रेड की सूचना मिलते ही फरार हो गया जांच में यह भी सामने आया कि नकली होलोग्राम को सीरियल के अनुसार सेट करने और अलग.अलग प्रिंटिंग हाउस से टेम्पलेट्स प्रिंट कराने का काम संगठित तरीके से किया जा रहा था अब तक की जांच से यह स्पष्ट हुआ है कि आरोपी नकली होलोग्राम के ज़रिए देशी शराब की तस्करी कर रहे थे हर महीने करीब 30 हजार नकली स्टीकर्स की खपत से सरकार को लगभग 24 लाख रुपये का नुकसान हो रहा था

क्यों लगाया जाता है नकली होलोग्राम

होलोग्राम घोटाले में यह खुलासा हुआ कि नकली शराब को वैध दिखाने के लिए उस पर जाली होलोग्राम स्टीकर लगाए जाते थे ताकि स्कैनिंग में पकड़ न आ सके नोएडा की प्रिज्म होलोग्राफी सिक्योरिटी फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेडड को इसके टेंडर का जिम्मा सौंपा गया जबकि आरोप है कि यह कंपनी उस टेंडर के लिए योग्य नहीं थी बावजूद इसके अधिकारियों ने शर्तों में बदलाव कर उसे चयनित किया इसके बदले कंपनी के मालिक विधु गुप्ता से हर होलोग्राम पर आठ पैसे का कमीशन लिया गया 3 मई को यूपी एसटीएफने विधु गुप्ता को गिरफ्तार कियाए जसने पूछताछ में अनवर ढेबर और अरुणपति त्रिपाठी जैसे नामों का उल्लेख किया।

प्रिंसिपल की डांट से आहत नाबालिग छात्रा ने की आत्महत्या

जांच में जुटी पुलिस

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। राजधानी में एक हृदयविदारक घटना सामने आई है, जहां स्कूल में प्रिंसिपल की डांट और ट्रांसफर सर्टिफिकेट (टीसी) मिलने से आहत एक नाबालिग छात्रा ने खुदकुशी कर ली। मृतका की पहचान यामिनी ध्रुव के रूप में हुई है, जो रायपुरा स्थित आरडीए कॉलोनी में अपने परिवार के साथ रहती थी। यामिनी पंडित गिरजाशंकर मिश्रा स्कूल में पढ़ाई कर रही थी। बताया जा रहा है कि किसी बात को लेकर स्कूल की प्रिंसिपल ने उसे सख्त फटकार लगाई थी और साथ ही टीसी भी थमा दी थी। इसके बाद से ही यामिनी मानसिक रूप से काफी परेशान रहने लगी थी और चुपचाप रहने लगी थी।

घटना वाले दिन यामिनी स्कूल से घर लौटी। उसने किसी से ज्यादा बात नहीं की और सीधे अपने कमरे में चली गई। परिवार को कुछ देर तक उसकी कोई आहट नहीं मिली तो जब उन्होंने कमरे का दरवाजा खोलने की कोशिश की, तो वह अंदर से बंद मिला। परिजन जब दरवाजा तोड़कर अंदर पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि यामिनी ने पंखे से फांसी का फंदा लगाकर अपनी जान दे दी है। यह दृश्य देखकर परिवार वालों के होश उड़ गए और उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस यह भी जानने की कोशिश कर रही है कि प्रिंसिपल ने किन कारणों से छात्रा को फटकार लगाई और टीसी क्यों दी गई। परिजनों का कहना है कि यामिनी पढ़ाई में अच्छी थी और स्कूल में भी उसका व्यवहार सामान्य था। अचानक इस तरह की सख्त कार्रवाई और डांट से वह टूट गई थी। इस घटना के सामने आने के बाद शिक्षा व्यवस्था और मानसिक स्वास्थ्य पर एक बार फिर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। क्या एक नाबालिग छात्रा को इतनी कठोरता से डांटना और स्कूल से निकाल देना उचित था?

गांजा ब्रिकी में आरोपी महिला पकड़ाई

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। मादक पदार्थों की तस्करी एवं विक्रेताओं के विरूद्व कार्यवाही में आज थाना गोबरा नवापारा में आरोपीया श्रीमती राधिका साहू पति स्वरू लालचंद साहू उम्र 38 वर्ष साकिन खोली पारा नवापारा थाना गोबरा नवापारा जिला रायपुर कब्जे से अपने घर में एक सफेद रंग की प्लास्टिक बोरी के अंदर झिल्ली में मादक पदार्थ गांजा रखकर बिक्री कर रही है की मुखबीर सूचना पर हमराह स्टाप एवं गवाहान के मुखबीर के बताये स्थान पर जाकर रेड कार्यवाही कर आरोपीया को पकड़ कर आरोपीया के कब्जे से 930 ग्राम मादक पदार्थ गांजा जुमला कीमती 8000 रुपये को जप्त कर थाना गोबरा नवापारा में पंजीबद्ध कर आरोपिया को न्यायिक हिरासत में रायपुर न्यायालय भेजा गया।

दोपहिया की चोरी, आरोपी युवक पकड़ाया

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। राजधानी आमकाना थाने की पुलिस दुपहिया चोरी के मामले में आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया है बताया गया कि प्रार्थी खेमराज चक्रधारी ने थाना आमानाका में रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह महादेव घाट रोड पास रहता है तथा मजदूरी करता है। 20 जून को शाम करीबन 07.20 बजे टाटीबंध चौक बिलासपुर नया बायपास रोड एम आरण्सी गोडाउन के पास अपने निजी काम से गया था जहां अपने दोपहिया वाहन सीजी 04ध्एम एक्स 4348 को रोड किनारे खडी कर नास्ता करने ठेला के पास चला गया था। प्रार्थी नास्ता करने के बाद अपनी दोपहिया वाहन हेतु खड़े किये हुए स्थान पर जाकर देखा तो पाया कि दोपहिया वाहन वहां नही थी। कोई अज्ञात चोर प्रार्थी की दोपहिया वाहन को चोरी कर फरार हो गया था। जिस पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध थाना आमानाका में अपराध पंजीबद्ध करना पाया गया। जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना आमानाका पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण कर घटना के संबंध में प्रार्थी सहित आसपास के लोगों से विस्तृत पूछताछ कर अज्ञात आरोपी की पतासाजी करना प्रारंभ किया गया। टीम के सदस्यों द्वारा घटना स्थल तथा उसके आस.पास लगे सी सी टी व्ही कैमरों के फुटेजों को अवलोकन करने के साथ.साथ मुखबीर लगाकर भी प्रकरण में अज्ञात आरोपी की पतासाजी की जा रही थी। इसी के दौरान टीम के सदस्यों को प्रकरण में संलिप्त आरोपी के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई जिस पर टीम के सदस्यों द्वारा जिला बिलासपुर निवासी संतोष कुमार दांडेकर को पकड़कर प्राप्त साक्ष्यों के आधार घटना के संबंध में कड़ाई से पूछताछ करने पर उसके द्वारा दोपहिया वाहन चोरी की उक्त घटना को अंजाम देना स्वीकार किया गया।

स्मार्ट मीटर से बिजली चोरी का पहला मामला

उपभोक्ता पर लगा 87000 का जुर्माना, एफआईआर दर्ज

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। स्मार्ट मीटर से बिजली चोरी करने का पहला मामला राजधानी रायपुर से सामने आया है पावर कंपनी की विजिलेंस टीम ने ब्राम्हणपारा क्षेत्र में एक उपभोक्ता के यहां मीटर से छेड़छाड़ कर बिजली बायपास करने का मामला पकड़ा है ऑनलाइन सिस्टम से मिली सूचना के आधार पर अधिकारियों ने मौके पर दबिश दी जांच में चोरी की पुष्टि होने पर एफआईआर दर्ज कराई गई मामला लाखेनगर जोन के ब्राम्हणपारा इलाके का है जहां उपभोक्ता आलोक शर्मा के घर लगे स्मार्ट मीटर में छेड़छाड़ की जानकारी गुढ़ियारी स्थित कंट्रोल रूम को मिली तकनीकी टीम ने इसकी सूचना संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों को दी जिसके बाद 4 जुलाई को विजिलेंस की टीम ने छापा मारा जांच में स्मार्ट मीटर की बॉडी क्रैक मिली और उसके सील टूटे हुए थे इसके बाद मीटर को जब्त कर भिलाई के सेंट्रल लैब भेजा गया जहां 10 जुलाई को उपभोक्ता की उपस्थिति में जांच हुई रिपोर्ट में यह पुष्टि हुई कि मीटर के दोनों बॉक्स की सील तोड़कर अंदर छेड़खानी की गई थी

स्मार्ट मीटर से की गई तकनीकी छेड़छाड़ का खुलासा: स्मार्ट मीटर की आंतरिक जांच में बड़ा खुलासा हुआ है जांच में पाया गया कि मीटर के भीतर आरएवाईएबी तीनों फेज और न्यूट्रल टर्मिनल्स को अतिरिक्त कॉपर वायर से आपस में शॉर्ट कर दिया गया था जिससे मीटर को बायपास किया गया इस प्रक्रिया में मीटर की बॉडी को जानबूझकर क्षतिग्रस्त कर उसके सर्किट में हस्तक्षेप किया गया जिससे वास्तविक विद्युत खपत का रिकॉर्ड प्रभावित हुआ अधिकारियों के अनुसार इस तरह की छेड़छाड़ से मीटर वास्तविक खपत से काफी कम रीडिंग दर्ज करता है जिससे उपभोक्ता का बिल भी काफी कम आता है इसे तकनीकी रूप से मीटर टेम्परिंग और अनाधिकृत बिजली उपयोग की श्रेणी में रखा जाता है

स्मार्ट मीटर में क्या-क्या सुविधाएं: मोबाइल की तरह घर बैठे इसे रिचार्ज किया जा सकेगा स्मार्ट मीटर में हर आधे घंटे की बिजली खपत की जानकारी मिलेगी उपभोक्ताओं की ऑनलाइन गड़बड़ी का तत्काल पता चलेगा बिल के बकायादारों की संख्या में आएगी कमी।

उपभोक्ता पर 87 हजार का जुर्माना: इस मामले में क्षति का अनुमान लगाकर उपभोक्ता के खिलाफ87,349 रुपए का जुर्माना लगाया गया लैब जांच में मीटर में गड़बड़ी की पुष्टि होने के बाद बिजली विभाग ने उपभोक्ता के घर का कनेक्शन तत्काल प्रभाव से काट दिया इसके साथ ही शुक्रवार शाम लाखेनगर जोन के सहायक यंत्री गुलाब सिंह साहू ने आजाद चौक थाने में शिकायत दर्ज कराई पुलिस ने उपभोक्ता आलोक शर्मा के खिलाफविद्युत अधिनियम 2003 और 2005 की धारा 135 एवं 138 के तहत मामला दर्ज किया है अधिकारियों के अनुसार उपभोक्ता यह स्पष्ट नहीं कर रहा है कि स्मार्ट मीटर में छेड़छाड़ किसने की।

रायपुर के इतिहास में पहली बार लाभांडी दिगम्बर जैन मंदिर में चातुर्मास का आयोजन

कलश स्थापना और ध्वजारोहण के साथ पावन वर्षायोग का शुभारंभ

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। राजधानी रायपुर के इतिहास में यह पहला अवसर है जब लाभांडी के 1008 पद्मप्रभ दिगम्बर जैन मंदिर में चातुर्मास का आयोजन किया जा रहा है। पावन वर्षायोग 2025 का शुभारंभ आर्यिका अंतर्मति माताजी की ससंघ के पावन सानिध्य में कलश स्थापना और ध्वजारोहण के साथ हुआ।

कलश स्थापना समारोह में अरुण भैया, संजीव भैया कटंगी, सुनील भैया रायपुर, अंकित भैया भिलाई के साथ प्रतिभास्थली से पधारी दीदियां विशेष रूप से उपस्थित थी।

प्रमुख कलश की स्थापना का सौभाग्य समाज श्रेष्ठी हनुमान प्रसाद, राजकुमार, विनोद कुमार, दिलीप कुमार जैन बड़जात्या परिवार को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के भामाशाह विनोद बडजात्या परिवार द्वारा 3000 स्चायर फीट भूमि लभांडी मंदिर के लिए दान की घोषणा की गई।

साथ ही पदम चंद जितेंद्र गदिया, रतनलाल संजय बढ़जात्या, सज्जन बड़जात्या, गुलाबचंद मनसुख पाटौदी रांची, केशरी चंद मनीष जैन बिलासपुर, श्रीसनत जैन चूड़ी वाले, संजय जैन साइंटिस्ट, संजय जैन सतना, रवि सेठी सहित समाज जनों ने मंगल कलश स्थापना का सौभाग्य प्राप्त किया।

समारोह का संचालन चंद्रकांत जैन राजनंदगांव द्वारा किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के विभिन्न अंचलों सहित रायपुर जैन समाज ने बड़े ही उत्साह पूर्वक भाग लिया।

आध्यात्म और आत्मा से जुड़ने का समय है चातुर्मास: आर्यिका अंतर्मति माताजी

लाभांडी स्थित श्री 1008 पद्मप्रभ दिगम्बर जैन मंदिर में पावन वर्षावास 2025 के कलश स्थापना के दिन रविवार को आर्यिका अंतर्मति माताजी ने कहा कि वर्षा ऋतु के आगमन के साथ चातुर्मास की शुरुआत हो जाती है। यह चार महीने का विशेष काल जैन धर्म में अत्यंत पवित्र माना गया है। यह केवल मौसम के परिवर्तन का समय नहीं, बल्कि आत्मा के भीतर झांकने और उसे संवारने का अवसर है।

चातुर्मास त्याग, संयम और धर्म की साधना का काल है। इस दौरान आमतौर पर विवाह, यात्राएं, उत्सव और सामाजिक गतिविधियां स्थगित कर दी जाती हैं। मान्यता है कि जब बाहरी दुनिया की चहल-पहल शांत हो जाती है, तभी व्यक्ति अपने भीतर के संसार से जुड़ सकता है।

विशेष बात यह है कि चातुर्मास की जिनवाणी केवल श्रवण तक सीमित नहीं होनी चाहिए। यह वाणी हमारे जीवन का आधार है। केवल सुनने से जीवन नहीं बदलता, जब तक हम उसे अपने आचरण में न उतारें। अगर जिनवाणी को जीवन में लागू नहीं कर पाए, तो जीवन की गाड़ी कभी संतुलन में नहीं आ पाएगी।

परमात्मा की वाणी को केवल बाहर से सुनने का कोई लाभ नहीं, जब तक वह हमारे व्यवहार और सोच में प्रकट न हो। जितना हम उस वाणी को आत्मसात करेंगे, उतना ही जीवन में स्थिरता और सच्चा आनंद मिलेगा।

चातुर्मास का अर्थ है कि धर्म की लाइन ऑन और सांसारिक जीवन की गतिविधियों पर विराम। इन चार महीनों में आत्मिक साधना को प्राथमिकता दी जाती है। यह समय होता है अपने करीब आने का, स्वयं से जुड़ने का।

जितना व्यक्ति अपने भीतर उतरता है, उतना ही वह परमात्मा के निकट पहुंचता है। चातुर्मास हमें याद दिलाता है कि असली सुंदरता शरीर में नहीं, बल्कि आत्मा की शुद्धता में छिपी होती है। इसलिए यह काल केवल पर्व नहीं, आत्मविकास की यात्रा है।

सतनामी समाज की बैठक में मिनीमाता स्मृति दिवस व प्रतिभा सम्मान की बनी रूपरेखा

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। छ.ग. की प्रथम महिला सांसद व गुरुमाता स्व. मिनीमाता की 53 वीं. पुण्यतिथि 11 अगस्त को 'स्मृति दिवस' के रूप में मनाई जाएगी, इसी दिन सतनामी समाज के प्रतिभावान बच्चों तथा उत्कृष्ट महिलाओं को सम्मानित किया जाएगा यह निर्णय रविवार को न्यू राजेंद्रनगर स्थित गुरु घासीदास साहित्य एवं संस्कृति अकादमी भवन में आयोजित सतनामी समाज की बैठक में लिया गया।

आयोजन समिति संरक्षक श्रीमती शकुन डहरिया, अध्यक्ष के.पी.खण्डे एवं प्रवक्ता चेतन चंदेल ने तय कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया की राजधानी में मुख्य आयोजन 11 अगस्त को 'वृंदावन हाल' में आयोजित किया जाएगा जहां माताजी की अनुकरणीय कार्यों को यादकर उनकी स्मृति में मंगल भजन व संगोष्ठी के साथ ही प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 10वीं/12वीं बोर्ड के प्रतिभावान बच्चों, उत्कृष्ट महिलाओं तथा समाज के निर्वाचित शहरी व ग्रामीण जनप्रतिनिधियों को सम्मानित किया जाएगा। इसके पूर्व समाजजन पंडरी पुराना बस स्टैंड स्थित मिनीमाता जी की आदमकद प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लेंगे।

आज की बैठक में संरक्षक शकुन डहरिया, के.पी. खण्डे, डॉ.जे.आर. सोनी, डी.एस. पात्रे, चेतन चंदेल, सुंदरलाल जोगी, चंपादेवी गेंदले, जी.आर. बाघमारे, कपिल नारायण भारद्वाज, आर.के.गेदलें, खेदु बंजारे, आर.के. पाटले, पं. अंजोरदास बंजारे, कृपाराम चतुर्वेदी, लाला पुरेना, घासीदास कोसले, संतोष महिलांग, अरुण मंडल, तुलाराम टंडन, गुलाब महिलांग, सुखदास बंजारे, रमेश चंदेल, सी.एल. रात्रे, पप्पू बघेल, श्रीमती आशा पात्रे, संगीता पाटले, गोंदा बारले, ममता कुर्रे, सुमन गीत घृतलहरे, सरस्वती राघव, शुभांजली गायकवाड, रागनी, डॉ. चंद्रशेखर खरे, संतोष डहरिया, डीडी. भारती, नरेंद्र कुर्रे, जगजीवन जांगड़े, कृष्णा डहरिया, ईश्वर कुर्रे, रामचंद्र सोनवानी, मनीष मांडले, पुनीत सोनवानी, मोतीलाल टंडन सहित अनेकों लोग उपस्थित थे।

नाबालिक लड़की का अपहरण कर रेप और हत्या की कोशिश, 3 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। नाबालिक लडकी का अपहरण कर उसके साथ रेप व हत्या की कोशिश के मामले में पुलिस ने विवेचना करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया हैं बताया गया कि 10 जुलाई पीडिता की मॉ थाना उपस्थित आकर लिखित शिकायत आवेदन प्रस्तुत किया की उनकी नाबालिक पुत्री को 22.04.2024 के 05:30 बजे आरोपी किशोर गाईन एवं अन्य उनके साथी के साथ सफेद कार से आकर उनके घर के पास से बालिका को बहला फुसला कर कार में बैठाकर अपहरण कर ले गये और जबरदस्ती माथे पर सिंदूर लगाकर शादी कर लेने की बात कहते हुए बालिका के साथ लगातार 05 05 2024 तक शारीरिक शोषण किये और उन्हे जान से मार देने की धमकी देते हुए एयर गन से बालिका के उपर गोली मारकर हत्या करने का प्रयास किया की लिखित रिपोर्ट पर आरोपियों के विरूद्ध धारा 363 366 376;2 एन 323 506 34 भादवि 6, 17,19 पॉक्सो एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर घटना के संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों को तत्काल अवगत कराया गया। प्रकरण को गंभीरता से लिया गया और प्रकरण के आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार करने हेतु निर्देशित किया गया। प्रकरण की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए संयुक्त टीम तैयार कर प्रकरण के आरोपियों का पता तलाश कर शीघ्र ही गिरफ्तार करने हेतु निर्देशित कर टीम को रवाना किया गया। टीम के सदस्यों द्वारा प्रकरण को गंभीता से लेते हुए तत्काल आरोपियों के संबंध में पूछताछ कर घटना की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर आरोपियों के पता तलाश हेतु रवाना होकर आरोपियों के गिरफ्तारी हेतु उनके निवास स्थानों पर जाकर दबिस दिया गया सकूनत पर आरोपीगण के नही मिलने मुखबीरो एवं तकनीकी सहयोग से उनके छूपने के संभावित स्थानों पर दबिस देकर घेराबंदी कर आरोपियों को घेराबंदी कर पकडकर थाना लेकर आये और कडाई से पूछताछ करने पर आरोपी एवं उनके अन्य साथी द्वारा उक्त घटना कारित करना स्वीकार किये है। प्रकरण में आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय न्यायिक रिमांड पर पेश कर केन्द्रीय जेल निरूद्ध किया गया है।

ड्रंक एंड ड्राइव मामले में 890 वाहन चालकों पर की गई कार्यवाही

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। नशे की हालत में वाहन चलाने वाले वाहन चालकों के खिलाफसख्त कार्यवाही के निर्देश पर विगत रात्रि को रायपुर पुलिस द्वारा शहर के श्री राम मंदिर के सामने फुन्डहर चौक एवं तेलीबांधा थाना चौक में बैरिकेटिंग कर ड्रंक एंड ड्राइव कर वाहन चलाने वाले 07 शराबी वाहन चालकों के विरूद्ध चलानी कार्यवाही की गई। शहर की यातायात व्यवस्था के सुगम संचालन में ड्रंक एंड ड्राइव वाहन चालक सबसे बड़ी बाधा है। नशे की हालत में होने के कारण स्वयं तथा दूसरे वाहन चालक के जान के लिए जोखिम भरा होता है। ऐसे वाहन चालकों पर सख्त कार्यवाही हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रायपुर के निर्देशानुसार रायपुर पुलिस द्वारा लगातार अभियान चलाकर प्रत्येक शनिवार एवं रविवार को ड्रंक एंड ड्राइव वाहन चालकों पर कार्यवाही की जा रही है जिसके तहत वर्ष 2025 में अब तक 890 नशेड़ी वाहन चालकों पर कार्यवाही की जा चुकी है जिसके तहत वाहन जप्त कर प्रकरण निराकरण हेतु कोर्ट भेजा गया है जहां माननीय न्यायालय द्वारा 10,000 से 15000 रूपये का भारी भरकम जुर्माना लगाया गया हैए साथ ही उक्त ड्रंक एंड ड्राइव में लाइसेंस धारी वाहन चालकों पर लायसेंस निलबंन की कार्यवाही भी की जाती है। शहर के श्रीराम मंदिर के पासए फुन्डहर चौक एवं तेलीबांधा थाना चौक में यातायात पुलिस तैनात कर रात्रि 11 बजे से 02 बजे तक बेरिकेटिंग कर चेकिंग अभियान चलाया गया जिसमें 07 ड्रंक एंड ड्राइव वाहन चालकों के विरूद्ध मोटरयान अधिनियम की धारा 185 के तहत कार्यवाही की गई हैए प्रकरण निराकरण के लिए सोमवार को कोर्ट भेजा जाएगा तथा लाइसेंसधारी वाहन चालको का लाइसेंस भी निलंबन हेतु

देशी कट्टा व जिंदा कारतूस के साथ युवक पकड़ाया

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। अवैध रूप से पिस्टल व कट्टा रखकर घुमने वालों तथा इसकी अवैध तरीके से खरीदी.बिक्री करने वालों के संबंध में जानकारी एकत्र कर तस्दीक किया जाकर इस पर प्रभावी रूप से अंकुश लगाने व कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है। जिस पर समस्त पुलिस राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों द्वारा कार्य योजना तैयार कर इस पर प्रभावी रूप से अंकुश लगाने हेतु अपने.अपने थाना क्षेत्र में मुखबीर लगाने के साथ ही पेट्रोलिंग व सूचना संकलन कर इस संबंध में सूचना एकत्रित की जा रही है। एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की टीम को सूचना प्राप्त हुई कि थाना धरसींवा क्षेत्रांतर्गत ग्राम सड्डू प्रतिक्षालय के पास एक व्यक्ति अपने पास देशी कट्टा रखा है। जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा प्रभारी एण्टी क्राईम एवं साईबर यूनिट तथा थाना प्रभारी धरसींवा को आरोपी को देशी कट्टा के साथ रंगे हाथ पकडने निर्देशित किया गया। जिस पर एण्टी क्राईम एवं साईबर यूनिट एवं थाना धरसींवा पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा उक्त स्थान पर जाकर मुखबीर द्वारा बताये हुलिये के व्यक्ति को चिन्हांकित कर पकड़ा गया। पूछताछ में व्यक्ति ने अपना नाम मुकेश नायक निवासी बलौदाबाजार का होना बताया। टीम के सदस्यों द्वारा उसकी तलाशी लेने पर उसके पास 01 नग देशी कट्टा व 01 नग जिन्दा कारतूस रखा होना पाया। देशी कट्टा व जिंदा कारतूस रखने के संबंध में मुकेश नयक से वैध दस्तावेज की मांग करने पर उसके द्वारा किसी प्रकार का कोई दस्तावेज प्रस्तुत न कर टीम के सदस्यों को लगातार गुमराह किया जा रहा था। जिस पर आरोपी गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 01 नग देशी कट्टा व 01 नग जिन्दा कारतूस जप्त कर आरोपी के विरूद्ध थाना धरसींवा में धारा 25 आर्म्स एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर कार्यवाही किया गया।

संपादकीय

तालाबों में जान गंवाते मासूम

जून के अंतिम सप्ताह में पत्थलगांव के एक ग्राम में दो मासूमों की गांव के तालाब में डूबने से मौत हो गयी थी। अब जांजगीर-चाम्पा जिले से भी ऐसा ही हृदय विदारक समाचार मिला है। बलौदा थानांतर्गत भैंसतरा गांव की डबरी में डूबकर चार बच्चों की मौत हो गयी। इनके नाम हैं- पुष्पांजलि व तुषार श्रीवास (भाई-बहन, क्रमश: 9 व 5 साल), ख्याति केवट (4) और अंशिका यादव (8) पत्थलगांव की घटना में जहां स्कूल से वापसी में पड़ोस में रहने वाले दो बच्चे साइकल धोने के लिये तालाब में उतर गये थे, तो दूसरी घटना में ये बच्चे स्कूल से ही लौटते हुए नहाने के लिये पानी में उतर गये थे। इस तरह की अनगिनत घटनाएं तालाबों के राज्य छत्तीसगढ़ में होती रहती हैं, पर दुर्भाग्य से पालक व अभिभावक तो लापरवाही बरतते ही हैं, ग्राम पंचायतें भी लोगों को खुद की तथा बच्चों की सुरक्षा को लेकर जागरूक नहीं दिखतीं। डूबते हुए या तालाबों की दलदल तथा वनस्पतियों में उलझे वयस्क तो जान बचा लेते हैं पर बच्चे और किशोर जल्दी परास्त हो जाते हैं।

पत्थलगांव (अंबिकापुर) की जिस घटना का ऊपर जिक्र हुआ है वह केरजू गांव की है। स्कूल से लौटते हुए तालाब में आरव अग्रवाल व अंश अग्रवाल (क्रमश: 9 व 8 साल) अपनी साइकलें धोने गये थे। गहरे पानी में उतरने से उनकी मौत हो गयी। ऐसे ही, खल्लारी (महासमुन्द) थाना क्षेत्र के सोरम सिंघी में दुष्यंत निषाद (7 वर्ष) और द्रोण निषाद (8) कुछ मित्रों के साथ तालाब में नहाने गए थे। वे भी गहराई में उतरने से डूब गये। अन्य बच्चों की चीख-पुकार सुनकर ग्रामीण वहां पहुंचे। तब तक दोनों काल कलवित हो चुके थे। मई के बालोद के जगन्नाथपुर स्थित नवा तालाब में भी 5 साल का बच्चा डूबकर मरा था। राजनांदगांव के सोमनी थाना क्षेत्र में भी इसी प्रकार से दो की मौत हुई थी। भाई-बहन पूनम साहू (8 वर्ष) और तेजस (5) तालाब में मारे गये थे। सरगुजा के सिलसिला गांव में भी दो बच्चे तालाब में डूबे हैं। पिछले वर्ष अक्टूबर में धमतरी के एक गांव में दो सगी बहनें तथा उनके साथ गयी लड़की तालाब में डूब गयी थीं। लगभग 10 माह पहले रायपुर के राजेन्द्र नगर थाने के तहत एक तालाब में 8 और 10 साल के क्रमश: तेजस एवं विजय दीप भी डूब गये थे। ये भी शाला से नहाने चले गये थे।

ऐसी अनगिनत दुर्घटनाएं इसलिये होती हैं क्योंकि माता-पिता और अभिभावकों की जानकारी के बगैर बच्चे अकेले अथवा दोस्तों या सहेलियों के साथ तालाब नहाने चले जाते हैं। एक कारण यह भी होता है कि उनके मां-बाप, बड़े भाई-बहन, अभिभावक आदि कृषि कार्य अथवा मजदूरी करने चले गये होते हैं। कोशिश की जाये कि बच्चे तालाबों में अकेले नहाने न जायें। यथासम्भव कोई वयस्क उनके साथ रहे। बच्चे उनकी देखरेख में स्नानादि करें। बच्चे भी तालाबों की दलदल, गहराई, वनस्पतियों के खतरों को जानें। छोटे बच्चों को शाम या रात को तालाब न भेजा जाए।

शासन का ग्राम पंचायत विभाग तथा स्वयं ग्राम पंचायतों को चाहिये कि लोगों को सतर्क करें। ग्रामवासियों को बतलाया जाये कि बच्चों को नहाने या किसी भी काम के लिये अकेले न भेजें। किसी बड़े की उपस्थिति में वे नहायें अथवा तैरें अन्यथा मासूम ऐसे ही अपने प्राण गंवाते रहेंगे। जिस बड़ी तादाद में बच्चे तालाबों में डूबकर अपने प्राण गंवा रहे हैं वह दुर्भाग्यजनक है।

उल्टा पुल्टा

अब तो शक की इंतहा ही हो गई।
बीवी- तुम्हारे शर्ट पर एक भी बाल नहीं है।
सोनू- हां तो क्या?
बीवी- सच-सच बताओ कौन थी वह गंजी?

किसानों को बरगलाकर अराजकता फैला रहे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बैज: ललित चंद्राकर

दुर्ग, 13 जुलाई (देशबन्धु)। दुर्ग ग्रामीण विधायक व राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर ने कहा है कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज प्रेस कॉन्फ्रेंस में खाद-बीज नहीं मिलने का सफेद झूठ बोलकर प्रदेश के किसानों को बरगलाने और अराजकता फैलाने के अघोषित कांग्रेसी एजेंडे को आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं। विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि प्रदेश में कहीं भी खाद-बीज के लिए किसानों को परेशान नहीं होने देने के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली प्रदेश की भाजपा सरकार संकल्पित है।

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि कांग्रेस के कार्यकर्ताओं से लेकर बड़े नेता और पदाधिकारी कदम-कदम पर झूठ बोलने की आदत से बाज नहीं आ रहे हैं। यूरिया और डीएपी खाद को लेकर कांग्रेस बिना वजह मिथ्या प्रलाप कर रही है जबकि अभी प्रदेशभर में नैनो यूरिया, एनपीके, सुपर फास्फेट, ग्रोमोर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है, किसानों को 6 लाख क्विंटल से अधिक प्रमाणित बीज और मांग अनुसार नगदी कृषि ऋण का वितरण किया जा रहा है। इन सब का उपयोग से प्रदेश के किसान कृषि.कार्य को रफ्तार दे रहे हैं। लेकिन कांग्रेसी यह चाहते हैं कि किसानो में भ्रम फैलए किसानों में आशंकाओं के चलते अकारण दहशत और अफरा.तफरी मचे और फिर उस आड़ में कांग्रेसी अराजकता फैलाकर अपने एजेंडे को आगे बढ़ाएँ। श्री चंद्राकर ने कहा कि अपने शासनकाल में तो कांग्रेसियों ने किसानों का सुकून छीन ही रखा था, अब ➤➤ शेष पृष्ठ 9 पर ➤

बिजली दर में वृद्धि कर डबल इंजन की सरकार आम उपभोक्ताओं की जेब में डाल रही डाका

दुर्ग, 13 जुलाई (देशबन्धु)। राज्य सरकार ने घरेलू बिजली में 10 से 20 पैसे प्रति यूनिट दरों में बढ़ोतरी कर दी है। जिससे उपभोक्ता पर इसका सीधा असर पड़ेगा। बिजली दरों में बढ़ोतरी पर प्रतिक्रिया में प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने कहा है कि डबल इंजन की सरकार आम उपभोक्ताओं के जेब में डाका डाल रही है। पूर्व में हमारी कांग्रेस सरकार ने बिजली बिल हाफऔर आधा माफ करने की योजना चलाई थी। जिससे प्रदेश के लाखों उपभोक्ताओं को राहत मिल रही थी। उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर से पहले ही उपभोक्ताओं को ज्यादा बिजली बिल दिया जा रहा है। गरीब परिवार पहले ही महंगाई से जूझ रहा है। अब बिजली दर में वृद्धि का खामियाजा गरीब परिवारों को भुगतना पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि महंगी बिजली का असर उद्योग एवं दुकानों पर भी पड़ेगा। श्री साहू ने कहा है कि प्रति यूनिट 10 पैसे से लेकर 20 पैसे बिजली बिल में बढ़ोतरी करके डबल इंजन की भाजपा सरकार ने आम आदमी को परेशान करने का काम किया है। श्री साहू ने मांग की है कि राज्य सरकार बिजली बिल में वृद्धि वापस ले। जिससे आम आदमी को राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि बिजली दर वृद्धि का निर्णय बेहद निंदनीय है। यह फैसला प्रदेश की आम जनता, विशेषकर गरीब, मध्यमवर्गीय परिवारों और किसानों की जेब पर सीधी चोट है। उन्होंने मांग की है कि सरकार अपना फैसला वापस लें। साथ ही सरकार ऊर्जा नीति में पारदर्शिता लाए और उपभोक्ताओं के हितों को प्राथमिकता दें। उद्योग तथा व्यावसायिक संस्थानों में भी 20 पैसे प्रति यूनिट बिजली बिल दरों में वृद्धि होगी तो घरेलू सामान के दाम बढने से महंगाई भी बढ़ेगी।

विधायक यादव ने सड़क पर उतर बारिश पानी निकासी कार्यो का किया निरीक्षण

दुर्ग, 13 जुलाई (देशबन्धु)। शहर के जनसमस्याओं के समाधान के लिए आज सुबह शहर विधायक गजेन्द्र यादव ने चार वार्डों का निरीक्षण किया। सुबह 8 बजे शुरू हुए इस मॉर्निंग विजिट में वे रायपुर नाका, पुलिस लाइन, गांधी चौक, पद्मनाभपुर एवं पोटिया चौक पहुंचे, जहाँ उन्होंने पीडब्लूडी की इंजीनियरिंग टीम के साथ मिलकर बारिश के दौरान होने वाली जलभराव की समस्याओं और ट्रैफिक दबाव को लेकर गहन निरीक्षण किया। उन्होंने कहा की मुख्यमंत्री विष्णुदेव के सुशासन में दुर्ग के विकास में कोई कमी नहीं होगी दुर्ग का समग्र विकास करने हम लगातार कार्यरत है।

विधायक गजेन्द्र यादव ने बताया कि बरसात के मौसम में जलभराव की स्थिति से बचने के लिए नालियों की व्यापक सफाई एवं छोटी नालियों को बड़ी नालियों से जोड़ने की योजना बनाई जा रही है, ताकि पानी की निकासी सुचारू रूप से हो सके। इसके साथ ही, नागरिकों को बेहतर एवं सुरक्षित आवागमन सुविधा देने के उद्देश्य से एप्रोच सड़कों का निर्माण कर उन्हें मुख्य सड़कों से जोड़ा जाएगा। दुर्ग शहर विधानसभा क्षेत्र में आवागमन को बेहतर बनाने सभी वार्डों में वृहद स्तर पर सीमेंटीकरण सड़क बनाने कार्य जारी है।

दुर्ग जिला मुख्यालय होने के कारण यहाँ पर आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में नागरिकों का आवागमन होता है। इसे ध्यान में रखते हुए विधायक ने ट्रैफिक दबाव कम करने हेतु विभिन्न स्थानों का स्थलीय निरीक्षण कर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

इस निरीक्षण के दौरान वार्ड पार्षद संजय अग्रवाल, गुलाब वर्मा, देवनारायण तांडी, लोकेश्वरी ठाकुर सहित क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

बारिश के बाद नगर निगम अमला लगा डेमेज कंट्रोल पर

- आयुक्त अग्रवाल ने किया वार्डो का निरीक्षण
- सफाई पर विशेष जोर दिये निर्देश, नागरिकों से नालियों में कचरा न डालने की अपील

दुर्ग, 13 जुलाई (देशबन्धु)। लगातार तीन दिनों तक की झड़ीदार बारिश के बाद अब मौसम साफ होते ही नगर निगम का अमला डेमेज कंट्रोल में लग गया है। आज नगर निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल ने आपापुरा, गंजपारा वार्ड का भ्रमण कर वहां की समस्याएं देखी। उन्होंने साथ चल रहे अधिकारियों को वार्डो की कच्ची सड़कों पर डस्ट डलवाने के निर्देश देते हुए वार्डो की छोटी व टूटी नालियों की मरम्मत के लिये प्रस्ताव बनाने के निर्देश दिये। उन्होंने सफाई कर्मियों को गलियों की तल्ले से सफाई करने के निर्देश दिये।

नगर निगम आयुक्त श्री अग्रवाल ने स्वच्छता को निगम की प्राथमिकता निरूपित करते हुए इस कार्य में लगे कर्मचारियों को चेतावनी दी कि इस कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। उन्होंने नागरिकों से भी नालियों में कचरा न डालने के निर्देश दिये। उन्होंने वार्डवासियों की बातें सुनी।

आयुक्त श्री अग्रवाल ने यातायात में बाधा डालने वाले सड़क किनारे पड़े कंडम वाहन पर कार्रवाई कर उन्हें जब्त करने के निर्देश अधिकारियों को दिये। इस दौरान नगर निगम के कर्मशाला अधीक्षक शोएब अहमद कुणाल सहित अनेक कर्मचारी उपस्थित थे।

हुक्का गुड़गुड़ाते दो युवक पकड़ाये नशे का सामान बरामद

दुर्ग, 13 जुलाई (देशबन्धु)। मोहन नगर थाना क्षेत्र के मालवीय नगर स्थित एक मकान में देर रात पुलिस ने छापेमारी कर दो युवकों को हुक्का गुडगुड़ाते हुए रंगे हाथ पकड़ा। कार्रवाई भिलाई नगर सीएसपी सत्य प्रकाश तिवारी के नेतृत्व में की गई।

पुलिस को सूचना मिली थी कि एबॅलान होटल के पीछे स्थित सेठिया के मकान में अवैध रूप से हुक्का संचालित किया जा रहा है। इस पर मोहन नगर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और छापेमारी कर आरोपियों को धर दबोचा। मोहन नगर थाना ज्प् केशव कौशलेन्द्र ने बताया कि पकड़े गए युवकों की पहचान हर्ष जैन और कुशल सवैया के रूप में हुई है। दोनों एक कमरे में हुक्का पीते पकड़े गए, जहां से पुलिस ने तीन हुक्का पॉट, नशे वाले फ्लेवर, दर्जनों रस्सी, चिमटा और अन्य सामग्री जब्त की। दोनों के खिलाफकोटपा के तहत कार्रवाई कर नोटिस पर थाने से छोड़ दिया, क्योंकि मामला जमानती था ।पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी हर्ष जैन को मकान मालिक के बेटे ने कमरे की चाबी दी थी, जो फिलहाल शहर से बाहर है। जैन ने उस कमरे को ही अस्थायी हुक्का बार में बदल दिया गया था। छापेमारी के दौरान कुछ युवक मौके से भागने में सफल रहे। पुलिस का कहना है कि शहर में ऐसे गैरकानूनी हुक्का संचालन और युवाओं को नशे की गिरफ्त में धकेलने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

केन्द्रीय जेल में निरूद्ध पुत्र की जमानत कराने के नाम पर बुजुर्ग से ठगी

दुर्ग, 13 जुलाई (देशबन्धु)। बुजुर्ग को केंद्रीय जेल दुर्ग में निरुद्ध पुत्र की जमानत कराने के नाम पर धोखाधड़ी कर फरार निगरानी बदमाश को पाटन पुलिस के द्वारा गिरफ्तार किया गया। आरोपी नगदी रकम 1500 रूपये, मोबाईल एवं एक्टीवा वाहन को लेकर फरार हो गया था। पैरोल पर आए आरोपी व्दारा घटना को अंजाम दिया गया।

- दुपहिया वाहन मोबाइल फोन एवं 1500 रूपये नकदी लेकर फरार

जिला पुलिस प्रवक्ता पद्मश्री तवर ने बताया कि 21 जून को नंदन यादव पिता भागीरथी यादव उम्र 59 साल पता ग्राम रवेली थाना पाटन, जिला दुर्ग ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि 20 जून को आरोपी (निगरानी बदमाश) संजू वैष्णव प्रार्थी के घर ग्राम रवेली आकर प्रार्थी के लड़का ओमप्रकाश यादव जो केन्द्रीय जेल दुर्ग में निरुद्ध है उसका जमानत कराना है। पैसा पट्टा साथ मे लेकर चलो जमानत करा देता हूं कहकर प्रार्थी के एक्टीवा वाहन क्रमांक सीजी .07.सी क्यू.क्यू4737 को आरोपी संजू वैष्णव चलाते हुए दुर्ग ले गया। नोटरी कार्यालय दुर्ग में स्टैण्ड में वाहन को खड़ी करना है, कहकर प्रार्थी से नगदी रकम 1500 रूपये मोबाईल एवं एक्टीवा वाहन को लेकर ठगी करके धोखाधड़ी कर ले जाने की रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया था। प्रकरण का आरोपी संजू वैष्णव थाना पाटन का निगरानी शुदा है, जो केन्द्रीय जेल दुर्ग में सजा काट रहा है, और पैरोल पर अपने निवास स्थान ➤➤ शेष पृष्ठ 9 पर ➤

पुलिस बनकर बुजुर्ग महिला को झांसा देकर दो युवक कंगन लेकर भाग निकले

दुर्ग। दुर्ग कोतवाली थाना के सदर बाजार इलाके में आज सुबह दो अलग.अलग मोटर साइकिल पर सवार चार युवकों ने बुजुर्ग महिला के चार कंगन उड़ा दिए। महिला के पास पहुंचकर चारों ने कहा आगे हत्या हो गई है और हम पुलिस वाले हैं और इसलिए कंगन उतारकर रखलो। बुजुर्ग महिला ने कंगन उतारे तो चारों उसे लेकर रफुचक्कर हो गए। इस मामले में कोतवाली पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार पीड़ित महिला शीला जैन (62) भोई पारा की रहने वाली है। रविवार की सुबह वह मंदिर से अपने घर जा रही थी। इस बीच लगभग साढ़े 9 बजे राम मंदिर के पास दो अलग.अलग मोटर साइकिल पर सवार चार युवकों ने उन्हें रोका और खुद को पुलिस वाले बता कर कहा कि आगे हत्या की घटना हो गई है

आप पहने हुए सोने के कंगन को निकालकर सुरक्षित रख लें। इस दौरान एक युवक ने लिफाफा दिया कंगन को रखने की सलाह दी। बुजुर्ग महिला उनके बहकावे में आ गई और अपने दोनों हाथों में पहने हुए सोने के चार कंगन निकालकर लिफाफा में रखने दे दिया। तभी लिफाफे में कंगन लेकर चारों युवक मोटर साइकिल से भाग निकले। वारदात की जानकारी मिलते ही दुर्ग कोतवाली थाना पुलिस की टीम घटना स्थल पर पहुंची। पीड़िता महिला से जानकारी लेकर पुलिस ने घटना स्थल और उसके आसपास के इलाकों की जांच की। पास लगे एक सीसीटीवी कैमरे की फुटेज भी खंगाली। पुलिस ने आरोपियों का हुलिया बताकर नाकेबंदी भी की। सभी पीसीआर टीमों को भी अलर्ट कर यिा। पुलिस ने आसपास नाकेबंदी कर दी और सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है।

भोरमदेव के जलाभिषेक के लिए छह सौ भक्तों तक पहुँचेगा नर्मदा का पावन जल

- उपमुख्यंत्री विजय शर्मा सहित सभी जनप्रतिनिधि होंगे पदयात्रा में शामिल

कवर्धा, 13 जुलाई (देशबन्धु)। सावन के पहले सोमवार 14 जुलाई को कबीरधाम जिले में एक बार फिर आस्था और परंपरा का अद्वितीय संगम देखने को मिलेगा, जब हजारों श्रद्धालु और कंवरिया भोरमदेव महादेव के पवित्र धाम की ओर 18 किलोमीटर लंबी पदयात्रा पर निकलेंगे। यह पदयात्रा कवर्धा शहर के प्रसिद्ध बुढ़ा महादेव मंदिर से प्रात: 7 बजे प्रारंभ होगी, जो ऐतिहासिक, पुरातात्विक और धार्मिक दृष्टिकोण से समृद्ध भोरमदेव मंदिर परिसर तक पहुँचेगी।

पदयात्रा के माध्यम से श्रद्धालु भगवान भोरमदेव बाबा को माँ नर्मदा के पावन जल से अभिषेक करेंगे। इस अभिनव पहल के अंतर्गत कलेक्टर गोपाल वर्मा के मार्गदर्शन में लगभग 600 पैकेट माँ नर्मदा का जल तैयार किया गया है, जिसे भक्त अपने साथ लेकर जलाभिषेक करेंगे। नगरवासियों, जनप्रतिनिधियों, समाजसेवी संगठनों और श्रद्धालुओं द्वारा इस पहल की सराहना की जा रही है। उपमुख्यंत्री श्री विजय शर्मा सहित सभी जनप्रतिनिधि भोरमदेव पदयात्रा में शामिल होंगे। उपमुख्यंत्री श्री शर्मा कवर्धा के पंचमुखी बूढ़ामहादेव में विशेष पूजा अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली और समृद्धि के लिए कामना करेंगे।

पदयात्रा मार्ग में मिलेगा ठंडा पानी, नाश्ता, और चिकित्सकीय सुविधा-भक्तों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पदयात्रा मार्ग में जिला प्रशासन द्वारा 9 प्रमुख स्थानों पर शीतल पेयजल, नाश्ता एवं विश्राम व्यवस्था की गई है। इन स्थानों में सकरी नदी विद्युत केन्द्र, समनापुर, बरपेलाटोला, रेंगाखारखुर्द, कोडार, राजानवागांव, बाघुटोला, छपरी (गौशाला) और भोरमदेव मंदिर परिसर शामिल हैं। पदयात्रा में चलित एम्बुलेंस, स्वास्थ्य परीक्षण और उपचार की व्यवस्था के साथ-साथ डीजे साउंड बॉक्स भी उपलब्ध रहेगा ताकि पूरे मार्ग में च्च्हर हर महादेवज्ज और च्च्बोलबमज्ज की गूंज बनी रहे।

भक्ति के साथ आधुनिक तकनीक का संगम, होंगे लाइव दर्शन-श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करने और उन्हें सहज दर्शन की सुविधा प्रदान करने हेतु मंदिर के गर्भगृह से एलईडी के माध्यम से लाइव दर्शन की व्यवस्था की गई है। पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग प्रवेश द्वार निर्धारित किए गए हैं ताकि दर्शन की प्रक्रिया सुव्यवस्थित हो सके।

हर सोमवार लगेगा नि:शुल्क भंडारा, व्रतधारियों के लिए फलाहार की व्यवस्था-सावन माह के प्रत्येक सोमवार को ज्वाइन हैंड्स ग्रुप द्वारा भोरमदेव ➤➤ शेष पृष्ठ 9 पर ➤

राज्य कुश्ती प्रतियोगिता का समापन

दुर्ग, 13 जुलाई (देशबन्धु)। नगर में महात्मा गांधी उ मा विधालय के प्रांगण में आयोजित राज्यस्तरीय कुश्ती दंगल में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद विजय बघेल शामिल हुए। अध्यक्षता दुर्ग जिला कुश्ती संघ के अध्यक्ष शिव सागर सिन्हा ने की, विशिष्ट अतिथि विधायक ललित चंद्राकर, महापौर अलका वाघमर विशेष अतिथि जगन्नाथ सिंह यादव, अध्यक्ष शिव सागर सिन्हा दुर्ग जिला कुश्ती संघ, सचिव नागेन्द्र शर्मा अधिवक्ता दुर्ग जिला कुश्ती संघ कोषाध्यक्ष तोषानंद शुक्ला अधिवक्ता दुर्ग जिला कुश्ती संघ रहें और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। राज्यस्तरीय कुश्ती दंगल यह आयोजन 17 वर्षों से लगातार किया जा रहा है, जिसमें राज्य के शीर्ष पहलवान भाग ले रहे हैं।

इस कुश्ती प्रतियोगिता में भाग लेने वाले पहलवानों में मेन्नु यादव खेलों इंडिया गोल्ड मेडलिस्ट, भाई राम गोपाल यादव, अभिषेक निषाद खेलों इंडिया सिल्वर मेडलिस्ट, लक्ष्मण लाल साहू, भुपेंद्र यादव और अवधेश यादव जैसे प्रसिद्ध पहलवान इस दंगल में शामिल हुए। इस आयोजन का उद्देश्य पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देना और युवाओं को नशे से दूर रखना है।

भैसबोड़ स्कूल में मनाया गुरु पूर्णिमा

डौण्डी/भैसबोड, 13 जुलाई (देशबन्धु) ।महर्षि वेदव्यास के जन्मदिन के अवसर पर गुरु पूर्णिमा का पर्व मां सरस्वती की पुजा अर्चना कर छात्र छात्राओं ने तिलक लगाकर गुलदस्ता भेंट कर समस्त गुरूजनो का स्वागत सम्मान किया गया। गुरु के सम्मान में छात्र छात्राओं ने अपने अपने विचार रखे संस्था की ओर से व्याख्याता बी आर ➤➤ शेष पृष्ठ 9 पर ➤

उसूलों के साथ सत्य न्याय के लिये लड़ी जाने वाली जंग को हमेशा मिलती है कामयाबी

- मोहर्रम पर अल्लामा जाकिर हुसैन एवं विद्वानों की तकरीर

दुर्ग, 13 जुलाई (देशबन्धु)। अंजुमन इस्लाहुल मुस्लेमीन कमेटी दुर्ग शहर के बैनर पर 10 रोजा मोहर्रम के समापन दिवस पर तकरीर करते हुए अल्लामा जाकिर हुसैन नईमी मुरादाबाद ने कहा कि करबला में सत्य व न्याय के लिये शहादत देने वाले इमाम हुसैन और उनके साथियों के बलिदान को याद कर नई पीढ़ी तक संदेश पहुंचाने का अवसर है कि सच्चाई और इंसानियत के हक में उसूलों के साथ लड़ी जाने वाली जंग में हमेशा कामयाबी मिलती है।

अल्लामा जाकिर हुसैन नईमी ने कहा कि कत्ले हुसैन अमल में मर गये। इस्लाम हर करबला के बाद जिंदा होता है। करबला के शहीदों पर दुनिया भर के महान लोगों की राय काफी सम्मान जनक है। न्याय व सच्चाई के लिये यह जंग 10 अक्टूबर 680 को हुई थी मगर आज भी इसका जिक्र किया जाता है क्योंकि इमाम हुसैन ने उसूलों व सच्चाई के लिये करबला के मैदान में न सिर्फ अपना बल्कि 72 लोगों की जान कुबाई हो गई। यहां तक कि इस जंग में 6 माह के मासूम असगर तक को कत्ल कर दिया। उन्हें पानी तक नहीं दिया गया।

हुसैन अलैह सलाम के पोते पैगम्बर ए इस्लाम के वंशज डॉ. जलालुद्दीन अशरफ कादरी ने बताया कि करबला की लड़ाई न सिर्फ किसी एक मजहब के लिये थी बल्कि दुनियां से मानवता, सच्चाई व हक के लिये लड़ी गई थी। उन्होंने बताया कि यजीद की फौज हजारों में थी मगर इमाम हुसैन के साथ उनका परिवार भी था जिसमें महिलाएं भी थे। इस हालत में भी उन्होंने जंग लड़ी। उन्होंने लोगों से हजरत मोहम्मद साय के सिद्धांतों के अमल में लाने की अपील की।

पैगम्बर साय के वंशज के 10 मोहर्रम आसुरे के दिन की खासियत पर प्रकाश डाला। उन्होंने दुर्ग शहर, छत्तीसगढ़ और देश की खुशहाली व तरक्की के लिये खास दुआ मांगी। इस मौके पर अंजुमन के सदर अजहर पटेल, सेक्रेटरी जुनैद आजमी, वसीम रजा, सदाब अली, अनीस खान, लतीफ खोखर, और अंजुमन के सभी पदाधिकारी व सदस्यगण प्रोग्राम को सफल बनाने सक्रिय रहें।

पैरोल पर आए आरोपी ने घटना को दिया अंजाम

नंदिनी थाना अंतर्गत मिला शव घर पर अकेली ही रहती थी महिला

भिलाईनगर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि 21 जून 2025 को प्रार्थी नंदन यादव 59 साल पता ग्राम रवेली थाना पाटन जिला दुर्ग ने थाना आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि 20 जून 2025 को आरोपी संजू वैष्णव प्रार्थी के घर ग्राम रवेली आकर प्रार्थी के लड़का ओमप्रकाश यादव जो केन्द्रीय जेल दुर्ग में निरुद्ध है उसका जमानत कराना है। पैसा पट्टा साथ मे लेकर चलो मैं जमानत करा देता हूं कहकर प्रार्थी के एक्टीवा वाहन कंमांक सीजी.07.सीक्यू.4737 को आरोपी संजू वैष्णव चलाते हुए दुर्ग ले गया। नोटरी कार्यालय दुर्ग में स्टैण्ड में वाहन को खड़ी करना है, कहकर प्रार्थी से नगदी रकम 1500 रूपये, मोबाईल एवं एक्टीवा वाहन को लेकर करके धोखाधड़ी कर ले जाने की रिपोट पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया था। प्रकरण का आरोपी संजू वैष्णव जो केन्द्रीय जेल दुर्ग में सजा काट रहा है, और पैरोल पर अपने निवास स्थान ग्राम देवादा आया था जो तिथि पूर्ण होने उपरांत केन्द्रीय जेल वापस न जाकर उक्त घटना को घटित कर फरार हो गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी थाना पाटन निरीक्षक अनिल कुमार साहू के नेतृत्व में सायबर सेल एवं थाना पाटन स्टाफकी टीम द्वारा आरोपी का लगातार पता तलाश किया जा रहा था, जो 10 जुलाई 2025 को जरीये मुखबिर से सूचना मिला कि आरोपी संजू वैष्णव ग्राम देमार रास्ता में घूम रहा है सूचना पर घेराबंदी कर आरोपी संजू वैष्णव को पकड़ा गया। जिससे 8,00 रूपये नगदी एवं एक्टीवा वाहन को जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया। अपराध क्रमांक115/2025 धारा 316(2) 318 बीएनएस की कार्यवाही की गई।

घर में मिला महिला का शव

भिलाईनगर 13 जुलाई। नंदिनी थाना क्षेत्र के अंतर्गत घर पर अधेड़ महिला का शव संदिग्ध अवस्था में मिला है। जिसके सिर पर चोट का निशान है एवं कान से खून बह रहा था। नंदिनी पुलिस के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद इस पर कुछ कहा जा सकता है। किन्तु शरीर में मिले चोट के निशान से किसी अनहोनी होने की आशंका है।। फिलहाल मर्ग कायम कर शॉर्ट पीएम के लिए बॉडी को भेज दिया गया है। नंदिनी थाना प्रभारी पारस ठाकुर ने बताया कि नंदिनी टाउनशिप स्थित भारतीय स्टेट बैंक के पीछे झोपड़ी में घर बनाकर रहने वाली कुंवारिन बाई यादव पति विष्णु राम यादव 45 वर्ष रहती थी। कुंवारिन बाई मूलत ग्राम हरदी की रहने वाली थी। परंतु एक दशक से भी ज्यादा समय से नंदिनी टाउनशिप में अकेले रह रही थी। घरों में साफ सफाई का काम किया करती थी। आज उनके पड़ोसी के द्वारा घर पर मृत अवस्था में पड़े होने की सूचना दी गई थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच के दौरान देखा कि महिला के सिर पर चोट का निशान है एवं कान से खून बह रहा था। संदिग्ध अवस्था होने के कारण पुलिस के द्वारा महिला के हत्या की संभावना व्यक्त की गई। फिलहाल नंदिनी पुलिस के द्वारा पंचनामा कार्यवाही के बाद मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए भेज दिया है। शॉर्ट पीएम रिपोर्ट के आधार पर ही आगे की कार्यवाही की जाएगी।

मदनवाड़ा के शहीदों को आईजी ने दी श्रद्धांजलि

भिलाईनगर, 13 जुलाई (देशबन्धु)।12 जुलाई 2009 को राजनांदगांव जिले के मदनवाड़ा में नक्सलियों से मुकाबला करते हुए वीरगति को प्राप्त हुए तत्कालीन पुलिस अधीक्षक शहीद विनोद चौबे एवं उनके साथ शहीद हुए जांबाज़ जवानों को आज उनकी 16वीं पुण्यतिथि पर कोटिशः नमन किया गया। रिसाली स्थित शहीद स्मारक पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में पुलिस महानिरीक्षक दुर्ग रेंज रामगोपाल गर्ग एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग विजय अग्रवाल की ओर से श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। शहीदों के सम्मान में मौन धारण कर श्रद्धांजलि दी गई तथा मातृभूमि की रक्षा में दिए गए उनके सर्वोच्च बलिदान को याद कर उनके परिवारजनों का कुशलक्षेम पूछा गया। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुखनंदन राठौर, नगर पुलिस अधीक्षक सत्य प्रकाश तिवारी, निरीक्षक राजेश सिंह, उप निरीक्षक डॉ संकल्प राय, पुलिस पीआरओ प्रशांत कुमार शुक्ला अन्य पुलिस अधिकारी अन्य जवान सहित गणमान्य नागरिकगण उपस्थित रहे।

विश्व जनसंख्या दिवस पर कार्यक्रम

भिलाईनगर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। विश्व जनसंख्या दिवस पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भिलाई 3 ओर शहरी स्वास्थ्य मिशन युनिट चरोदा में बढ़ती जनसंख्या पर संगोष्ठी आयोजित किया गया। कार्यक्रम में डॉ. शिखर अग्रवाल ने कहा कि परिवार नियोजन कार्यक्रम के माध्यम से छोटा परिवार सुखी परिवार फॉर्मूला अपनाकर बढ़ती जनसंख्या पर स्थिरीकरण का सरल उपाय है। डा कीर्ति तिर्की ने विश्व जनसंख्या दिवस पर कहा कि शासन द्वारा समय-समय पर राष्ट्रीय परिवार नियोजन कार्यक्रम चलाया जाता है जिसमें पुरूषों ओर महिलाओं की स्थाई नसबंदी शिविर आयोजित किया जाता है। बी ई ईटीओ सैय्यद असलम ने उपस्थित हितग्राहियों को परिवार नियोजन कार्यक्रम संबंध में बताया कि 11जुलाई से पखवाड़ा आयोजित किया गया है। जिसमें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झीट, पाटन सिविल अस्पताल सुपेला ओर जिला अस्पताल दुर्ग में विशेष सर्जन द्वारा स्थाई विधि के माध्यम से सी टी टी ओर एल टी टी महिला नसबंदी शिविर आयोजित किया जाएगा। वहीं पुरुषों के लिए एन एस व्ही टी आप्रेशन व्हीटी आप्रेशन आयोजित किया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज दानी खंड चिकित्सा अधिकारी जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव गलेड जिला परिवार कल्याण नोडल अधिकारी डॉ सी बी एस बंजारे, डॉ भुनेश्वर कठौतिया ने कहा कि सभी शासकीय अस्पतालों में परिवार नियोजन के अस्थाई साधन निशुल्क उपलब्ध है उनका माध्यम अपनाकर बच्चों में अंतर रखकर ओर दो बच्चों के बाद सभी शासकीय अस्पतालों में निशुल्क आप्रेशन व्यवस्था के तहत उनका लाभ उठाया जा सकता है कार्यक्रम में सीनियर कंसल्टेंट श्रीमती आर विश्वास, श्रीमती प्रज्ञा कुशवाहा, डा देवांगन, डा पांडेय व अन्य अधिकारी उपस्थित थे

चेम्बर ने भाजपा अध्यक्ष को समस्या को लेकर पत्र किया प्रेषित

भिलाईनगर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। भाजपा द्वारा छत्तीसगढ़ के विधायक एवं सांसदों के लिए मैनपाट में आयोजित चिंतन शिविर एवं प्रशिक्षण के दौरान पार्टी के अध्यक्ष जे पी नड्डा से भिलाई स्टील सिटी चेंबर ऑफ कॉमर्स भिलाई के अध्यक्ष ज्ञानचंद जैन ने इसी तरह का मार्गदर्शन केन्द्रीय इस्पात मंत्री और भारतीय इस्पात प्राधिकरण को भी दिए जाने का निवेदन किया है। श्री जैन ने जेपी नड्डा को भेज अपने पत्र में इस बात का उल्लेख किया है स्थानीय समस्याओं के हल में कोई रुचि नहीं देता जिसके कारण राज्य और केंद्र का जहां राजस्व पिछले 15 वर्षों से भिलाई मे रुक गया है जो करोड़ों रुपए में है वही शहर की सामाजिक, धार्मिक, शैक्षणिक, एवं व्यापारिक संस्थाएं के लगभग 2 लाख लोग मानसिक, आर्थिक और शारीरिक प्रताड़ना से जूझ रहे है और इन्हें जनप्रतिनिधियों की ओर आशा भरी नजरों से देख रहे हैं शायद कोई हल निकल आए। जेपी नड्डा आपके मार्गदर्शन में आयोजित चिंतन शिविर जनप्रतिनिधियों के लिए तो निश्चित रूप से उपयोगी भी होगा यदि ऐसे ही चिंतन केंद्र शासन के अधीन आने वाले अधिकारियों एवं विभागीय मंत्रियों की उपस्थिति में हो तो समस्याओं से जूझ रहे लोगों को राहत मिल सकेगी चेंबर का प्रतिनिधि मंडल अपने स्थानीय सांसद के माध्यम से नई दिल्ली में आपसे मुलाकात भी करेगा और अपनी भावनाओं से आपको अवगत भी कराएगा आशा करते हैं कि भारतीय जनता पार्टी के द्वारा आयोजित किया गया चिंतन सेवा के जनप्रतिनिधियों के साथ.साथ अधिकारियों के लिए भी मार्गदर्शन का आधार बने ताकि प्रभावित वर्ग राहत महसूस कर सके ।

बीआरएम में सेफटी को लेकर चाय पे चर्चा

भिलाईनगर, 13 जुलाईन (देशबन्धु)। भिलाई स्टील प्लांट के बार एंड रॉड मिल (बी.आर.एम.) में एक नयी सोच आकार ले रही है। एक ऐसी सोच जो बातचीत से विश्वास और विश्वास से बदलाव की नींव रखती है। बार एंड रॉड मिल विभाग के मुख्य महाप्रबंधक योगेश शास्त्री ने हाल ही में एक पहल की शुरुआत की है जिसका नाम है, सेफटी चाय पे चर्चा। यह कोई औपचारिक बैठक नहीं, न ही उत्पादन लक्ष्यों की समीक्षा। यह है एक सरल लेकिन प्रभावशाली संवाद, जहाँ मुख्य महाप्रबंधक श्री शास्त्री अपने विभाग के कर्मचारियों से एक एक करके, आमने.सामने बैठकर बात करते हैं। चाय की एक प्याली के साथ यह चर्चा कर्मचारियों की व्यक्तिगत कहानियों, काम के अनुभवों और उनके सुझावों और उनकी सुरक्षा के इर्द.गिर्द घूमती है। संवाद से जुड़ाव की दिशा में इस पहल का मकसद है। कर्मचारियों के साथ एक सजीव और वास्तविक जुड़ाव बनाना। जब एक वरिष्ठ अधिकारी सीधे एक कर्मचारी से बात करता है, तो एक औपचारिकता की दीवार टूटती है और भरोसे की नींव रखी जाती है। जिससे कार्मिक के मनोबल में वृद्धि होती है। चर्चा की शुरुआत सामान्य पारिवारिक बातचीत से होती है। परिवार कैसा है, काम में क्या चुनौती है, आपके अनुसार क्या बेहतर किया जा सकता है, कार्य को और सुरक्षित कैसे बनाया जाये आदि आदि। इन छोटे सवालों में ही बड़े उत्तर छिपे होते हैं, जो शायद नियमित बैठकों में सामने नहीं आ पाते हैं। श्री शास्त्री ने बीआरएम के कर्मचारी सुब्रत कुमार से संवाद किया। चर्चा के दौरान योगेश शास्त्री ने कर्मचारियों से यह भी पूछा कि उनके नजरिये से विभाग में क्या सुधार संभव हैं। इन सुझावों को पूरी गोपनीयता और सम्मान के साथ लिखित रूप में संकलित किया गया, ताकि आगे की रणनीतियों में उन्हें शामिल किया जा सके। यह पहल न केवल संवाद की संस्कृति को प्रोत्साहित करती है, बल्कि संस्थान को भीतर से बेहतर करने की ईमानदार कोशिश भी है।

सुमन बनीं महिला चेम्बर भिलाई की अध्यक्ष

भिलाईनगर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफकॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की महिला इकाई की अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी अब श्रीमती सुमन कनोजे को सौंपी गई है। प्रदेश महामंत्री अजय भसीन व भिलाई चेम्बर अध्यक्ष गारगी शंकर मिश्रा पद भार की जिम्मेदारी सौपते हुए बताया कि सुमन कनोजे की सामाजिक सक्रियता, नेतृत्व क्षमता और व्यापारिक क्षेत्र में योगदान को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया। उन्होंने बताया कि महिला चेम्बर भिलाई के संरक्षक पद पर वरिष्ठ गीता वर्मा व प्रभारी महिला चेम्बर सरोजनी पाणिग्रही को मनोनीत किया गया है। नव-निर्वाचित अध्यक्ष सुमन कनोजे ने पदभार ग्रहण करते हुए कहा कि वे महिला उद्यमियों को आगे बढ़ाने, उनके प्रशिक्षण, सशक्तिकरण और व्यापारिक अवसरों के विस्तार हेतु ठोस कार्य योजनाएं लागू करेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि चेम्बर की महिला इकाई महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने हेतु जागरूकता कार्यक्रम, कार्यशालाएं और नेटवर्किंग मंच प्रदान करेगी। चेम्बर के अध्यक्ष गारगी शंकर मिश्रा, अजय भसीन, अनिल अग्रवाल, मनोहर कृष्णानी, सुनील मिश्रा, शंकर सचदेव व वरिष्ठ पदाधिकारियों ने श्रीमती कनोजे को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दी और विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में महिला इकाई नई ऊंचाइयों को छूएगी। यह जानकारी शंकर सचदेव ने लिखित जारी बयान में दी है।

डेढ़ करोड़ के विकास कार्यों का भूमिपूजन

भिलाईनगर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने आज सब्जी मंडी में डोम शेड, सिंधू भवन विस्तार और जवाहर नगर में देव धाम निर्माण के लिए लगभग 1.51 करोड़ रूपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर पार्षद श्रीमती स्मिता दोंडके, कांजी भाई, दिलीप पवानी, भीमसेन सेतपाल सहित व्यापारी और सिंधी पंचायत के प्रतिनिधि मौजूद रहे। आपको बता दें कि गोल मार्केट वैशाली नगर स्थित सब्जी मंडी चबूतरे को व्यवस्थित कर उसका सौंदर्यीकरण, तीन डोम शेड निर्माण कार्य के लिए वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने मार्केट व्यापारियों की मौजूदगी में 10 लाख 59 हजार रूपये के कार्य के लिए भूमिपूजन किया। इसके पश्चात सिंधू भवन विस्तार और डोम शेड के लिए लगभग 40 लाख के निर्माण कार्य का भूमिपूजन हुआ। विधायक श्री सेन का श्रीराम सिंधी पंचायत के अध्यक्ष दिलीप पवानी और समाज प्रमुखों ने स्वागत किया। विधायक रिकेश ने सिंधू भवन प्रांगण के विस्तार के लिए 25 लाख रूपये, मंदिर प्रांगण में डोम शेड के लिए 15 लाख रूपये के विकास कार्यों के लिए भूमिपूजन किया। इस अवसर पर वार्ड पार्षद श्रीमती स्मिता दोंडके, भीमसेन सेतपाल, जय गेहानी, गोपी राजपालानी, अर्जुन सचदेव, मुन्ना लाल कुकरेजा, चंदूलाल आहूजा सहित सिंधी समाज के प्रमुखजन मौजूद रहे। जवाहर नगर में देव धाम निर्माण के लिए लगभग 1 करोड़ रूपये के निर्माण कार्यों का विधायक श्री सेन ने भूमिपूजन किया। इस अवसर पर विधायकॉ रिकेश सेन ने श्रीश्रीश्री मंकिनम्मा मंदिरए रेणुका एलम्मा देवी मंदिरए नुकाम्बिका देवी, विराट पोतुलूरी वीर ब्रम्हेंद्र स्वामी मंदिर, मां सिन्धु पाटरानी मंदिर के लिए पहुंच मार्ग, डोम शेडए स्ट्रीट लाइट्स सहित सम्पूर्ण क्षेत्र को देव धाम के रूप में डेवलप किया जाएगा। इस अवसर पर तेलुगू, उत्कल, वैश्य, चित्रगुप्त, यदुवंशी, कसौंधन वैश्य समाज के प्रतिनिधि मौजूद रहे। वैशालीनगर विधायक रिकेस सेन ने कहा कि राज्य सरकार की मशां है, कि लोगों को अधिक से अधिक सुविधा प्रदान की जावे। इस कड़ी में इन विकास कार्यो का भूमि पूजन किया गया। उन्होनें कहा कि जिन स्थानो पर विकास कार्य किया जाना है, उन स्थानों पर विकास कार्यो की गुणवत्ता व कार्य समय सीमा में पुरा हो इसका विशेष ध्यान देने की आवश्यकता होनी चाहिए।

जनसंख्या नियंत्रण बिल लागू करने की मांग का सौपा ज्ञापन

भिलाईनगर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। जनसंख्या नियंत्रण बिल जल्द लागू करने के समर्थन में रुद्र सेवा समिति द्वारा निर्मित रूद्र सेना ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर सक्षम अधिकारियों को ज्ञापन सोपा जनसंख्या बढ़ने से आने वाले समय में होती हुई दिखती हुई भयावेश स्थिति से रोकने के लिए और अपने देश की आर्थिक तरक्की को सुनिश्चित रखने के लिए यह बिल बहुत जरूरी है। समिति के पदाधिकारी द्वारा बताया गया अरुण बेरी , जीपी तिवारी, शारदा गुप्ता, सच्चिदानंद दुबे, नीलू शर्मा, साधना सिंह, गजेंद्र प्रताप सिंह, महेंद्र प्रताप सिंह, योगेश गुप्ता, अरुण पांडा, महेंद्र भाई, उदय ढाबले, प्रशांत क्षीरसागर संजय शर्मा, वीके सिंह, मिथिला खिचड़िया, अशोक रावलानी, पिंकी सिंह, ईश्वरी नेम, नवीन जैन, रविंद्र सिंह, दयाशंकर पांडे, जेपी शुक्ला, अजय चक्रवर्ती, विपिन सिंह, ढलान साहू, कबीर साहू, गुजराती समाज से ललित भाई, दिनेश भाई, सुनील भाई, योगेश भाई, निर्मल भारती सहित सभी कार्यकर्ता सर्वेश्वर धाम मंदिर सेक्टर-4 में खट्टा होकर राजेंद्र प्रसाद चौक पहुंचे वहां से दूसरे हिंदू संगठनों के साथ सर्व सनातन समाज के साथ पदयात्रा करते हुए कलेक्ट पहुंचे। समिति के वरिष्ठ पदाधिकारी शारदा गुप्ता ने यह जानकारी दी है।

ठेका श्रमिकों सुरक्षा पुरस्कार वितरण

भिलाईनगर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। संयंत्र के उपयोगिताएं संगठन द्वारा ठेका श्रमिक सुरक्षा पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन के मुख्य महाप्रबंधक सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाए डी. सतपथी के मुख्य आतिथ्य में कार्यस्थल पर सुरक्षा नियमों का पालन करने, सतर्कता बरतने एवं सुरक्षा को प्राथमिकता देने वाले श्रमिकों को सम्मानित व प्रेरित करने के लिए किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य महाप्रबंधक उपयोगिताएं जे. पी. सिंह ने की। समारोह में 10 ठेका कर्मियों को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य संयंत्र में कार्यरत ठेका श्रमिकों के बीच सुरक्षा के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना तथा उत्कृष्ट सुरक्षा प्रदर्शन करने वाले श्रमिकों को सम्मानित करना था। इस अवसर पर ठेका श्रमिकों को तीन श्रेणियों जिसके अंतर्गत सुरक्षा सर्वोत्तम से 2 श्रमिक को, सुरक्षा अनमोल से 2 श्रमिक और सुरक्षा दक्ष से 6 श्रमिकों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि महाप्रबंधक एम. वी. बाबू, महाप्रबंधक, एस. के. बेहरा, महाप्रबंधक नदीम खान उपस्थित थे। उपस्थित अतिथियों ने पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और सुरक्षा पुरस्कार पहल की सराहना की। उन्होंने संयंत्र में शून्य दुर्घटना के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करने और सुरक्षित कार्य संस्कृति को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने संयंत्र के भीतर और बाहर, जीवन के सभी क्षेत्रों में सुरक्षा प्रथाओं का पालन करने का आग्रह किया। कार्यक्रम का संचालन विभागीय सुरक्षा अधिकारी एवं सहायक महाप्रबंधक एस.पी. निगम द्वारा किया गया।

बिजली दरें बढ़ाना जनविरोधी मानसिकता-साहू

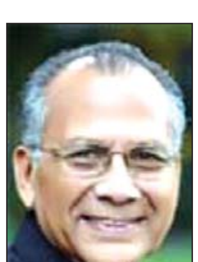

भिलाईनगर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। राज्य सरकार ने बिजली घरों में 10 से 20 पैसे प्रति यूनिट बिजली दरों में बढ़ोतरी कर दी है। जिससे उपभोक्ता पर इसका सीधा असर पड़ेगा। बिजली दरो में बढ़ोतरी को प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने कहा है कि डबल इंजन की सरकार आम उपभोक्ताओं के जेब में डाका डाल रही है। पूर्व में हमारी कांग्रेस सरकार ने बिजली बिल हाफ और आधा माफ करने की योजना चलाई थी। जिससे प्रदेश के लाखों उपभोक्ताओं को राहत मिल रही थी। उन्होंने कहा है कि स्मार्ट मीटर से पहले ही उपभोक्ताओं को ज्यादा बिजली बिल दिया जा रहा है। गरीब परिवार पहले ही महंगाई से जूझ रहा है। अब बिजली दर में वृद्धि का खामियाजा गरीब परिवारों को भुगतना पड़ता है। म श्री साहू ने कहा है कि प्रति यूनिट 10 पैसे से लेकर 20 पैसे बिजली बिल में बढ़ोतरी करके डबल इंजन की भाजपा सरकार ने आम आदमी को परेशानी में डाला है। राज्य सरकार बिजली बिल में कटौती वापस ले। जिसमें आम आदमी को राहत मिल सके। घरेलू उपभोक्ताओं के लिए प्रति यूनिट 20 पैसे की बिजली दर वृद्धि का निर्णय निंदनीय है। उन्होंने मांग की है कि सरकार अपना फैसला वापस लें। साथ ही सरकार ऊर्जा नीति में पारदर्शिता लाए और उपभोक्ताओं के हितों को प्राथमिकता दें। उद्योग तथा व्यावसायिक संस्थानों में भी 20 पैसे प्रति यूनिट बिजली बिल दरों में वृद्धि होगी तो घरेलू सामान के दाम बढने से महंगाई भी बढ़ेगी।

मार्शल आर्ट के 77 खिलाड़ियों का अपग्रेडेशन

भिलाईनगर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। परमेश्वरी भवन प्रगति नगर रिसाली में अभिषेक मार्शल आर्ट एवं स्पोर्ट्स एकेडमी के 77 खिलाड़ियों का बेल्ट अपग्रेडेशन एवं सम्मान समारोह का आयोजन संपन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि एकेडमी के संरक्षक एवं देवांगन जन कल्याण समिति अध्यक्ष घनश्याम कुमार देवांगन थे। उन्होंने कहा कि मार्शल आर्ट आत्मरक्षा के साथ ही जीवन को अनुशासित बनाने की बेहतरीन कला है। कठोर परिश्रम एवं सतत् अभ्यास से ही कला में निपुणता आती है। इस अवसर पर कराटे के खिलाड़ियों ने अपने प्रशिक्षक गुरु सेंसाई अभिषेक कुमार ब्लैक बेल्ट 3 डीएन कियो सर्टिफाइड जज एवं कोच का विशेष सम्मान कर उपहार भेंट किया। सम्मानित होने वाले खिलाड़ियों में कराटे नेशनल प्लेयर केशर देवांगन, कलश गंगबोइर, प्रियांशु नेताम, मयंक देवांगन तथा ओवरऑल बेस्ट परफॉर्मर नायरा बघेल 7 वर्ष एवं आदित्य रंजन 14 वर्ष का ट्राफी देकर सम्मान किया गया। इसके साथ ही कराटे के सभी 77 उत्तीर्ण खिलाड़ियों को अपग्रेडेड कलर बेल्ट एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसमें 7 ब्राउन बेल्ट, 16 पर्पल, 8 ब्ल्यूए 13 ग्रीन, 12 आरेंज एवं 21 येलो बेल्ट में अपग्रेड हुए। समारोह के आरंभ में नन्ही बालिका रूद्रांशी द्वारा प्रस्तुत भरतनाट्यम नृत्य ने दर्शकों का मन मोह लिया। समारोह में बालिकाओं द्वारा प्रस्तुत कराटे के दांव.पेंच अपनाकर बलात्कारियों एवं गुंडों से बचाव का प्रदर्शन सराहनीय रहा। कराटे खिलाड़ियों ने आत्मरक्षा में ट्रेडिशनल लाठीचालन का भी प्रदर्शन किया। सम्मान समारोह में विजेता खिलाड़ियों के साथ ही उनके अभिभावक एवं परिजन बड़ी संख्या में उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि परमेश्वरी भवन प्रगति नगर रिसाली में बच्चों को नियमित रूप से कराटे का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

मांगों को लेकर कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन पेंशनर फोरम 16 को सड़क पर

महासमुंद 13 जुलाई (देशबंधु)। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन पेंशनर फोरम के समस्त प्रांतीय पदाधिकारीएसंभाग संयोजक जिला संयोजक एवं सभी सदस्य गण से अनुरोध किया है कि कमल वर्मा संयोजक के नेतृत्व में कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने अपनी 11 सूत्री मांगों को लेकर जिसमें पेंशनर साथी भी सम्मिलित हैं।

धवलपुर से 18 किमी दूर आममोड़ा की पहाड़ियों में छिपा कारीपगार जलप्रपात - प्रकृति प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र

गरियाबंद, 13 जुलाई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में स्थित उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व अपनी जैव विविधता और बाघ संरक्षण के लिए देशभर में प्रसिद्ध है, लेकिन इसके घने जंगलों के बीच एक और अनमोल धरोहर छिपी हुई है—एक सुरम्य और शांत जलप्रपात, जो अब धीरे-धीरे प्रकृति प्रेमियों और पर्यटकों की नज़रों में आने लगा है। घने जंगल, पहाड़ी घाटियां और शांत वातावरण के बीच यह जलप्रपात अपने मनोहारी दृश्य और रहस्यमयी सौंदर्य के लिए प्रसिद्धि प्राप्त कर रहा है। नेशनल हाईवे 130 सी धवलपुर से मात्र 18 किमी दूर, आममोड़ा पहाड़ी क्षेत्र में स्थित यह जलप्रपात पहाड़ियों से घिरा हुआ है और चारों ओर फैला घना जंगल इसे एक अद्वितीय और एकांत प्राकृतिक स्थल बनाता है। यहाँ का वातावरण इतना शांत और स्वच्छ है कि पर्यटक स्वयं को प्रकृति की गोद में अनुभव करते हैं। कारीपगार जलप्रपात की धारा जब ऊँचाई से गिरती है, तो चट्टानों से टकराकर उत्पन्न होने वाली जलध्वनि दूर तक सुनाई देती है। मानसून में इसका रूप और भी भव्य हो जाता है। जब यह जलप्रपात हरियाली के बीच से बहते हुए जैसे धरती पर उतरता है तो ऐसा लगता जैसे कोई झरना हुआ आकाश हो।

प्राकृतिक सौंदर्य के साथ जैव विविधता का समृद्ध क्षेत्र यह क्षेत्र न सिर्फ सौंदर्य में समृद्ध है, बल्कि जैव विविधता के लिहाज़ से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यहां विभिन्न प्रजातियों के वन्यजीव, पक्षी और दुर्लभ वनस्पतियां पाई जाती हैं। पास ही स्थित उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व इसे और अधिक खास बनाता है। पर्यटन की दृष्टि से यहां अपार संभावनाएं हैं। स्थानीय ग्रामीणों और पर्यावरण प्रेमियों का मानना है कि यदि इस क्षेत्र को न्यूनतम हस्तक्षेप के साथ ईको-पर्यटन के रूप में विकसित किया जाए, तो यह न केवल रोजगार का स्रोत बन सकता है, बल्कि वन संरक्षण की दिशा में भी एक सार्थक कदम साबित हो सकता है।

वन विभाग और जिला प्रशासन की पहल अपेक्षित

कारीपगार जलप्रपात अभी तक मुख्यधारा के पर्यटन मानचित्र से बाहर है। यदि गरियाबंद जिला प्रशासन और वन विभाग समन्वय के साथ इसे संरक्षित और व्यवस्थित रूप से पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करें, तो यह स्थान छत्तीसगढ़ के प्रकृति प्रेमियों के लिए नया आकर्षण बन सकता है। डीएफओ वरुण जैन ने कहा कि बताया कि यह जलप्रपात का प्राकृतिक सौंदर्य, एकांत वातावरण, शांत बहाव, झरने की कलकल और पक्षियों की चहचहाहट के चलते धीरे धीरे प्रकृति प्रेमियों और पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। उन्होंने कहा की पर्यटन के दृष्टि इसे विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है।

ग्राम नारा में 25 गांवों के किसानों की समीक्षा बैठक ,गौठान पुनः शुरू करने की मांग तेज

आरंग, 13 जुलाई (देशबन्धु)। जय जवान जय किसान के संयोजक ध्रुवकुमार चन्द्राकर ,ज्ञानेंद्र साहू व ग्रामवासियों की सहयोग से ग्राम नारा के गौठान में रविवार को 25 ग्रामों के किसानों की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया जो सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। बैठक का मुख्य उद्देश्य गांवों में हो रहे फसल नुकसान, मवेशियों की समस्या और आगामी फसल चक्र को लेकर किसानों की राय एवं समाधान प्रस्तुत करना था।बैठक में उपस्थित किसानों ने सर्वसम्मति से यह मांग की कि ग्राम नारा सहित अन्य गांवों के गौठानों को पुनः सक्रिय किया जाए ताकि खेतों में विचरण कर रहे जानवरों को नियंत्रित किया जा सके। किसानों ने बताया कि वर्तमान में रोपा हुआ धान पौध अवस्था में है, जिसे छुट्टा जानवर नष्ट कर रहे हैं। अगर समय रहते रोका-छेका की उचित व्यवस्था नहीं की गई तो न केवल धान की उपज प्रभावित होगी, बल्कि आगामी उन्हारी फसलों जैसे तिलहन और दलहन की बुआई भी संकट में आ जाएगी।किसानों ने प्रशासन से अपील की कि प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर गौठानों को पुनः क्रियाशील कर चारा-पानी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही रोका-छेका अभियान को प्रभावी बनाने के लिए ग्राम स्तरीय समितियों का गठन कर सख्ती से पालन कराया जाए।जिला पंचायत सदस्य वतन चन्द्राकर ने कहा, च्हम मेहनत से धान की बोआई व रोपाई कर रहे हैं, लेकिन यदि मवेशियों का नियंत्रण नहीं हुआ तो हमारी सारी मेहनत पर पानी फिर जाएगा। इसके अलावा वर्तमान में तिलहन सहित उन्हारी फसलो में तिवड़ा, चना, मसूर बटरी उड़द जैसी फसलों की बुआई की कोई संभावना नहीं रहेगी।

समीक्षा बैठक में उपस्थित किसान संघर्ष समिति के संयोजक भूपेंद्र शर्मा सरपंच संघ के जिलाध्यक्ष गोपाल धीवर जनपद सदस्य (आरंग)अमर मांडले श्रीमतीमीणा जांगड़े सरपंच नारा कुंज बिहारी वर्मा सरपंच पिपरहट्टा श्रीमती ज्योति निषाद सरपंच डीघारी सहित अन्य पंचायत प्रतिनिधियों ने किसानों की मांगों को जायज बताते हुए किसानों की मांग का समर्थन किया। बैठक में उपस्थित सरपंचों ने कहा कि गौठानों के पुनरुद्धार और रोका-छेका अभियान के लिए जल्द ही पंचायत स्तर पर प्रस्ताव तैयार कर भेजा जाएगा।बैठक के अंत में यह तय किया गया कि यदि समय रहते गौठानों को पुनः प्रारंभ नहीं किया गया तो किसानों को आंदोलन का रास्ता अपनाने पर मजबूर होना पड़ेगा। गांवों की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ रखने के लिए खेतों की सुरक्षा और मवेशियों का नियमन आज की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुकी है। बैठक में ग्राम पंचायत लखौली, रीवा,कुकरा, संडी, नारा, भानसोज,पिपरहट्टा, सिवनी, गोढ़ी, खमरिया, टेकारी अमेरी खुटेरी करही मालिडीह बरछा फरफौद छतौना, सकरी, तोड़गाव,बड़गाँव, जरौद,कलई के सरपंच सहित बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया।बैठक का संचालन रामकुमार वर्मा ने किया

स्वामी आत्मानन्द उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल बिलाईगढ़ में गुरु पूर्णिमा को वृक्षारोपण किया गया

बिलाईगढ़ 13 जुलाई(देशबंधु)। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल में गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक प्रेरणादायी पहल की गई। विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों और स्कूल प्रबंधन ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत गुरुजनों के चरण वंदन और पौधों को अर्पित पुष्पांजलि से हुई। इसके पश्चात विद्यालय के प्रांगण में फलदार और छायादार पौधे रोपे गए। इस अवसर पर प्राचार्य ने गुरु पूर्णिमा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि च्जैसे गुरु जीवन को ज्ञान से सींचते हैं, वैसे ही वृक्ष जीवन को प्राणवायु देकर संजीवनी प्रदान करते हैं। विद्यालय परिवार का यह संदेश था कि ज्ञान और प्रकृति दोनों की पूजा समान रूप से आवश्यक है। वृक्षारोपण के माध्यम से विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता और सेवा का भाव जागृत किया गया। कार्यक्रम का समापन पर्यावरण संरक्षण की शपथ के साथ हुआ। स्वामी आत्मानंद स्कूल का यह प्रयास न केवल शिक्षा बल्कि संस्कार और सामाजिक उत्तरदायित्व की ओर भी महत्वपूर्ण कदम है।

मानसून के दस्तक के बाद चिंगरापगार जलप्रपात में उमड़ा सैलानियों का सैलाब, बारिश के बाद झरने में आई बहार

गरियाबंद, 13 जुलाई (देशबन्धु)। जिले में मानसून की दस्तक के बाद से वनांचल क्षेत्र में स्थित जलप्रपात में फिर से जान आ गई है। मुख्यालय से 15 किमी दूर बारूका के समीप स्थित बरसाती जलप्रपात चिंगरापगार में भी फिर से रौनक आ गई है। बारिश के बाद पहले रविवार को ही यहां सैलानियों की भारी भीड़ देखने को मिली। यहां गरियाबंद, रायपुर सहित आसपास के जिलों से हजारों की संख्या में सैलानी चिंगरापगार जलप्रपात का दीदार करने पहुंचे थे। मालूम हो कि चिंगरापगार जलप्रपात जिले का प्रमुख मानसूनी पर्यटन स्थल है। बारिश के बाद से प्राकृतिक वातावरण से परिपूर्ण जलप्रपात का नजारा काफी आकर्षक ओर मनमोहक हो गया है। हर भरे हरियाली और पहाड़ी से घिरे इस जलप्रपात में करीब 100 फिट की ऊंचाई से गिरता पानी अपने आप में अद्भुत और मनोरम दृश्य बनाता है। इसका नजारा देखने और मनोरंजन के लिए दूर दूर से पर्यटक पहुंचते है। वर्तमान में बारिश के बाद से जलप्रपात पूरी तरह सबाब में है। शनिवार को ही पर्यटकों की आमद शुरू हो गई थी। रविवार को दुगुनी भीड़ देखने को मिली। दिनभर जलप्रपात परिसर में गाड़ियों की आवाजाही और लोगों की चहलकदमी बनी रही। यहां रविवार को रायपुर, महासमुंद, धमतरी, बलौदाबाजार और गरियाबंद के कोने-कोने से लोग यहां पहुंच थे। सैलानियों ने प्राकृतिक नजारों का आनंद लिया। फोटो खिंचवाए और झरने के शीतल जल में भीगते नजर आए।रायपुर से आए पर्यटक संजय मखीजा, किशोर सुंदरानी, नरेश मुक्तानी, आनंद गुप्ता ने बताया कि राजधानी से सिर्फ 75 किलोमीटर दूर स्थित यह स्थल सप्ताहांत के सुकून के लिए आदर्श जगह है। शहर के शोरगुल से दूर यहां हरियाली, शांत वातावरण और पहाड़ों के बीच समय बिताकर मन को सुकून मिलता है। हम लगातार तीन साल से यहां आ रहे है। प्रशासन यहां बेहतर सड़क बनाए, रपटा का निर्माण करे और टूरिस्ट कार्टेज बनाए,तो परिवार के साथ आने जाने में सुगमता होगी। मालूम हो कि वन विभाग द्वारा चिंगरापगार जलप्रपात को पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जा रहा है। हाल में ही यहां खैरागढ़ के गंडई गांव से आए कलाकार दंपती ने पत्थरों पर शेर, अजगर, मगरमच्छ, तेंदुआ, मछली, बिच्छू, गिरगिट, घेंघा, जंगली भैंसा, कछुआ और केकड़े जैसी वन्य प्रजातियों की आकृति उकेरी हैं। जिससे यहां माहौल और अधिक लोकप्रिय हो गया है।

फोटो क्रमांक 63 चिंगरापगार जलप्रपात रविवार को दोपहर सैलानियों से भरा हुआ।

पाररास में रचनात्मक गतिविधियों हेतु समिति का गठन

बालोद, 13 जुलाई (देशबन्धु)। बालोद से लगे ग्राम पाररास में रचनात्मक गतिविधियों हेतु समिति का गठन किया गया। मदन साहू अध्यक्ष एवम् पुर्व पार्षद संतोष कौशिक सचिव चुने गए वहीं समिति में उपाध्यक्ष लोकनाथ साहू कोषाध्यक्ष युगल किशोर साहू सह सचिव लेखराज साहू संरक्षक पार्षद कशिमुद्दीन कुरैशी एवम् पुष्प ईश्वर साहू चुने गए। नगरपालिका परिषद बालोद के वार्ड 1 एवम् 20 पाररास घनी एवम बड़ी आबादी क्षेत्र है जो 1977 से नगरीय निकाय के अन्तर्गत आता है। यहां के रहवासीयो का रहन सहन ग्रामीण परिवेश की है बड़ी आबादी मे विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए समिति का गठन सर्व सम्मति से पाररास के सभी सदस्यों की उपस्थिति में शीतला माता मंदिर प्रांगन में किया गया। उक्त समिती का कार्यकाल पांच वर्षों का होगा जिसमें शीतला माता मंदिर पुजा अर्चना, गौरी गौरा पुजन कृषि क्षेत्र में फसलों के रखरखाव, कोटवारी कार्य पौनी पसारी व्यवस्था तथा पाररास क्षेत्र में शांति व्यवस्था हेतु छोटी मोटी आपसी वाद-विवाद लड़ाई झगड़े निपटाने शासन के विभिन्न जन कल्याण कारी योजनाओं से लाभान्वित कराने हेतु समिति का गठन सर्व सम्मति से किया गया है। समिति के कार्यकारिणी में कुल 15 सदस्य बनाए गये है।

तहसील आदिवासी गोंड़ समाज की बैठक

जी जामगांव , 13 जुलाई (देशबन्धु)।तहसील कुरुद आदिवासी गोंड़(ध्रुव) समाज का रूटीन बैठक संरक्षक कुलंजन मंडावी ,ललित ठाकुर अध्यक्ष की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ ग्राम सिर्री आदिवासी भवन में तहसील ,मुड़ा, परिक्षेत्र के समस्त पदाधिकारियो की उपस्थिति में तहसील वार्षिक आयोजन के आय व्यय की लेखा जोखा की जानकारी बताया गया ।साथ ही आगामी 9 अगस्त 2025 भखारा में मनाए जाने के लिए एवम कोया पुनेम गाथा माह फरवरी 2026 में कार्यक्रम के आयोजन के सम्बंध में प्रस्ताव पारित किया गया है। सभी सगाजनों ,कर्मचारी बंधुओ को इस बैठक के माध्यम से कार्यक्रम में अधिक से अधिक उपस्थित होने का आह्वान कीया गया है।

10वीं 12वीं बोर्ड के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का होगा सम्मान समारोह

◆ **27 को रायपुर में मुख्यमंत्री के मुख्य आतिथ्य में होगा प्रगतिशील छग सतनामी समाज के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथग्रहण**

पलारी 13 जुलाई (देशबन्धु) प्रगतिशील छग सतनामी समाज के प्रतिनिधि मंडल ने आज मुख्यमंत्री निवास में विष्णुदेव साय मुख्यमंत्री से मिलकर शपथग्रहण समारोह एवं प्रतिभा सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के लिए आमंत्रित किए, मुख्यमंत्री जी ने सहर्ष स्वीकार कर 27जुलाई को समय देने सहमति प्रदान किए। प्रदेश अध्यक्ष एल एल कोशले ने सभी का परिचय कराया।इस अवसर पर सांसद जांजगीर-चांपा श्रीमती कमलेश जांगड़े, वेदराम मनहर, प्रदेश अध्यक्ष एल एल कोशले, उपाध्यक्ष डॉ दिनेश लाल जांगड़े,महासचिव मोहन बंजारे, कोषाध्यक्ष श्याम जी टांडे, संरक्षक एच एल रात्रे, चतुर्वेदी जी , अशोक बंजारे महासचिव युवा प्रकोष्ठ ,संकुल समन्वयक संघ के प्रदेश अध्यक्ष विक्रम राय, नीलकमल आजाद, कृष्ण कोशले प्रमुख रूप से उपस्थित थे। प्रदेश महासचिव मोहन बंजारे ने जानकारी देते हुए बताया कि उक्त कार्यक्रम में देशभर से समाज प्रमुख एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के मुखिया एवं जनप्रतिनिधियों एवं सर्व समाज के पदाधिकारियों को आमंत्रित किया जायेगा।

जेसीबी से उखाड़ी गई अवैध प्लाटिंग की सड़कें

बागबाहरा, 13 जुलाई (देशबन्धु)। राजस्व प्रशासन एवं नगर पालिका प्रशासन ने संयुक्त रूप से नगर में हो रहे अवैध प्लाटिंग के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करते हुए जेसीबी मशीन से कच्ची सड़कों को उखाड़ दी गई है।

जिससे नगर में हड़कंप मच गया है। नगर के खाली पड़े जमीन पर अवैध प्लाटिंग करने की शिकायत लगातार नागरिकों से राजस्व विभाग एवं नगर पालिका अधिकारी को मिल रही थी। जिस पर प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई की है। जिला दंडाधिकारी एवं कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के निर्देशन तथा बागबाहरा एसडीएम उमेश कुमार साहू के मार्गदर्शन में राजस्व प्रशासन एवं नगर पालिका प्रशासन द्वारा नगर में हो रहे अवैध प्लाटिंग पर रोक लगाते हुए अवैध कॉलोनी निर्माण स्थल पर बनी कच्ची सड़कों को बुलडोजर से उखड़वा दी गई है। राजस्व प्रशासन के अनुसार रवि चंद्राकर के दो एकड़ एवं गिरीश राजपूत के साढ़े तीन एकड़ जमीन पर अवैध प्लॉटिंग की जा रही थी। इस मामले में नगर पालिका प्रशासन ने पहले दोनों जमीन मालिकों को तत्सम्बन्ध में नोटिस भी जारी किया था। उसके बाद भी अवैध प्लॉटिंग का काम धड़ल्ले से चल रहा था। यह कार्रवाई नगर के लालपुर-सोनदादर मार्ग

एवं पिथौरा रोड में सिलाफ़ेडा के पास स्थित अवैध प्लाटिंग पर की गई है। दोनों ही स्थानों पर बिना अनुमति लिए भूमि का अवैध रूप से विभाजन कर प्लॉटिंग की जा रही थी जो नियमों के स्पष्ट उल्लंघन की श्रेणी में आता है। दोनों विभाग द्वारा की गई संयुक्त कार्रवाई के दौरान बागबाहरा के नवपदस्थ तहसीलदार नितिन ठाकुर, राजस्व निरीक्षक देवराज बेहरा, हल्का पटवारी, रुपेश सिन्हा, नगर पालिका के उपयंत्री शशि प्रताप सिंह की उपस्थिति में अवैध प्लॉटिंग पर मौके पर जाकर निरीक्षण कर यह कार्रवाई की गई।

शिक्षक सहयोग निधि द्वारा मरणोपरांत मोतीलाल ध्रुव के परिजनों को दी गई सहयोग राशि

पलारी 13 जुलाई (देशबन्धु) 12/07/2025 को शिक्षक सहयोग निधि समिति ने स्व मोतीलाल ध्रुव प्रधान पाठक शास प्राथमिक शाला टीला को मरणोपरांत उनके परिवारजनो उसके पत्नी श्रीमती बेदमति ध्रुव पुत्र ग्रामवासी व परिवार भारतभूषण ध्रुव उमाशंकर ध्रुव हीरालाल ध्रुव जितेंद्र पटेल के उपस्थिति में दिया गया पचास हजार रूपया की सहयोग राशि यह हमारे पलारी ब्लॉक की बारह सौ शिक्षकों का सहयोग राशि है जो सभी के सहयोग का पुरे छत्तीसगढ़ में एक मिशाल है जो कई वर्षो से चल रहा है आज की महगाई की दृष्टि में बहुत अच्छा पहल है जो पलारी ब्लॉक जिला बलौदाबाजार के पुरे छत्तीसगढ़ में सराहनीय पहल है इस सहयोग राशि को देते हुए इस अवसर पर -शिक्षक संवर्ग संघ के ब्लॉक अध्यक्ष अभिषेक महोबे, शिक्षक सहयोग निधि कोषाध्यक्ष घनश्याम वर्मा, संकुल समन्वयक पलारी भानु ध्रुव, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष शिक्षक संघ दया राम ध्रुव, शिक्षक समाजसेवी कमलेश ध्रुव शामिल रहे।

प्रादेशिकी का शेष...

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ...

सत्ता से उखाड़ फेंक दिए जाने के बाद भी कांग्रेसी किसानों की खुशी और उनका हित नहीं चाहते हैं और बेवजह के झूठ बोलकर के भ्रामक वातावरण निर्मित करना चाहते हैं। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बैज को यह कतई नहीं भूलना चाहिए कि भूपेश सरकार ने किसानों को बदहाल करने का पूरा सिलसिला चला रखा था। किसानों को कांग्रेस ने अपने शासनकाल में केवल छला। कांग्रेस की भूपेश सरकार ने दो साल का बोनस नहीं दिया, धान का पैसा चार-चार किश्तों में रुला-रुलाकर किसानों को दिया, बारदाने तक की कमी थी, ठीक से धान खरीदी तक नहीं कर रहे, रकबा कटौती, धान जप्ती, नकली कीटनाशक से फसल को होने वाली क्षति से परेशान सैकड़ों किसानों ने कांग्रेस के शासनकाल में आत्महत्या की। श्री चंद्राकर ने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी किसानों को उचित समर्थन मूल्य दे रहे हैं, फसल बीमा योजना दे रहे हैं, किसान सम्मान निधि दे रहे हैं। इसी प्रकार प्रदेश में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में किसानों की समृद्धि के द्वार खुले हैं। भाजपा ने सत्ता में आते ही वादे के मुताबिक 25 दिम्बर को 2 साल का बकाया बोनस दिया। प्रदेश सरकार 31सौ रुपए प्रति क्विंटल की दर पर किसान से 21 क्विंटल प्रति एकड़ के हिसाब से धान खरीद रही है और धान की राशि एकमुश्त किसानों के खाते में जमा हो रही है।

केन्द्रीय जेल में निरुद्ध...

ग्राम देवादा आया था जो तिथिपूर्ण होने उपरांत केन्द्रीय जेल वापस न जाकर उक्त घटना को घटित कर फरार हो गया था ।मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी थाना पाटन निरीक्षक अनिल कुमार साहू के नेतृत्व में सायबर सेल एवं थाना पाटन स्टाफ की टीम द्वारा आरोपी का लगातार पता तलाश किया जा रहा था, जो 10 जुलाई को जरीये मुखबिर से सूचना मिला कि आरोपी संजू वैष्णव ग्राम देमार रास्ता में घूम रहा है सूचना पर घेराबंदी कर आरोपी संजू वैष्णव को पकड़ा गया । जिससे 8,00 रूपये नगदी एवं एक्टीवा वाहन को जप्तकर आरोपी को दिनांक 10/07/2025 को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया ।

भोरमदेव के जलाभिषेक के लिए...

मंदिर परिसर में निःशुल्क भंडारा एवं प्रसादी वितरण किया जाएगा। श्रद्धालुओं के लिए भरपेट भोजन तथा व्रतधारियों के लिए फलाहार की समुचित व्यवस्था की गई है। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा की संभावित सहभागिता, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों को भी भेजा गया निमंत्रण

भक्ति और आस्था से ओतप्रोत इस पदयात्रा में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। साथ ही कबीरधाम जिले में पूर्व में पदस्थ रहे राज्य शासन के वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को भी जिला प्रशासन द्वारा आमंत्रित किया गया है।

कलेक्टर गोपाल वर्मा ने जिलेवासियों से की सहभागिता की अपील

कलेक्टर गोपाल वर्मा ने जिलेवासियों, जनप्रतिनिधियों, समाजसेवी संस्थाओं एवं व्यापारिक संगठनों से अपील करते हुए कहा है कि जैसा कि आप सभी जानते हैं, सावन के प्रथम सोमवार को बूढ़ा महादेव मंदिर से भोरमदेव मंदिर तक ऐतिहासिक पदयात्रा का आयोजन होता है। यह जनआस्था और सांस्कृतिक विरासत का पर्व है, जिसमें आपकी सहभागिता आवश्यक है। आप सभी से अनुरोध है कि अधिक से अधिक संख्या में सम्मिलित होकर इस आयोजन को सफल बनाएं।

भैसबोड़ स्कूल ...

रामटेके ने लघुकथा के माध्यम से मानव जीवन में गुरु की महिमा को बताया एस एल ध्रुव व्याख्याता ने गुरु पूर्णिमा को भारत की एक महान परंपरा से अवगत कराया एस एल नागवंशी ने कहा गुरु हमारे जीवन में दीपक की तरह है एम एल धनकर ने कहा की माता पिता हमारे पहले गुरु होते हैं। बताया एम साहू ने कहा माता पिता प्रारंभिक पाठ सिखाते हैं लालेश्वर पटेल अपने व्याख्यान में कहा कीगुरु द्वारा दिया गया ज्ञान अमुल्य खजाना है और अंत में संस्था के प्राचार्य ने अपने उद्बोधन में कहा की गुरू शिक्षा के साथ साथ अनुशासन और अच्छे संस्कार देकर शिष्य को बेहतर बनाते है। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में चलायें जा रहे अभियान के तहत एक पेड़ मां के नाम पर वृहद वृक्षा रोपण के सफल क्रियान्वयन के लिए विद्यालय समस्त छात्र छात्राओं ने वृक्षा रोपण करने पर स्लोगन पोस्टर नारे लगाते हुए गांव में रेली निकाल कर ग्रामिणों ज्यादा से ज्यादा वृक्षारोपण करने के लिए,संदेश देते हुए प्रेरित भी किया।इस अवसर पर संस्था के समस्त छात्र छात्राओं शिक्षक शिक्षकाऐं उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन छात्र योगेश्वर कुमार ने किया।

निधन

विनय कुमार ध्रुव

कुरूद। परखंदा निवासी बेरला के शिक्षा विभाग में क्लर्क पद में पदस्थ विनय कुमार ध्रुव 52 वर्ष का निधन 13 जुलाई को हो गया। वे रवि ध्रुव के छोटे भाई, स्व दीपक ध्रुव के बड़े भाई थे। उनका अंतिम संस्कार 14 जुलाई को सुबह 10 बजे मुक्तिधाम परखंदा में होगा।

बलराम सदन सिर्फ भवन नहीं, किसानों के प्रति सरकार की संवेदनशीलता का प्रतीक: विजय शर्मा

- गांव से आने वाले किसानों को अब नहीं होगी रुकने की चिंता, सर्व सुविधायुक्त बलराम सदन किसान रेस्ट हाऊस में मिलेगी सुविधा
- कवर्धा में प्रदेश का पहला सर्वसुविधा युक्त बलराम सदन किसान रेस्ट हाऊस का किया लोकार्पण

कवर्धा, 13 जुलाई (देशबन्धु)। किसानों की सुविधा और सम्मान को प्राथमिकता देते हुए उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने आज अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय परिसर में नवनिर्मित प्रदेश का पहला बलराम सदन किसान रेस्ट हाऊस का विधिवत् पूजा अर्चना कर लोकार्पण किया। उन्होंने कवर्धा में एक महत्वपूर्ण पहल की शुरुआत करते हुए नव निर्मित 'बलराम सदन किसान रेस्ट हाऊस' को किसानों को समर्पित किया। करीब 15 लाख रुपए की लागत से निर्मित यह किसान रेस्ट हाऊस पूरी तरह से सर्वसुविधायुक्त है। इसमें एसी युक्त कक्ष, ठंडा पेयजल के लिए वाटर कुलर, मनोरंजन के लिए टीवी, स्वच्छ शौचालय, बैठने की आरामदायक व्यवस्था, साफ-सफाई और जल सुविधा जैसी सभी आवश्यक इंतजाम किए गए हैं। बलराम सदन किसान रेस्ट हाऊस में कवर्धा अनुविभाग के अंतर्गत कवर्धा और पिपरिया तहसील के 184 गांव के लाखों किसान को लाभ मिलेगा।

वर्षों से ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले किसानों की एक अहम मांग थी कि जब वे अपने राजस्व, कृषि या अन्य प्रशासनिक कार्यों से तहसील और अनुविभागीय कार्यालय पहुंचते हैं, तो उन्हें बैठने और विश्राम करने के लिए कोई समुचित स्थान नहीं मिलता था। बारिश, धूप और घंटों की प्रतीक्षा में किसान खुले में बैठने को मजबूर होते थे। किसानों की इसी वर्षों पुरानी मांग को उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने आज साकार रूप दिया। इस अवसर पर पूर्व विधायक संसदीय सचिव सियाराम साहू, कृषक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष सुरेश चंद्रवंशी, जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, जिला पंचायत सदस्य राम कुमार भट्ट, नगर पालिका अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश चंद्रवंशी, सहित जनप्रतिनिधियों, किसान संघ, जिला एवं तहसील प्रशासन के अधिकारी, कर्मचारी, गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में ग्रामीण किसान उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि किसान हमारे अन्नदाता हैं। उनकी मेहनत के बल पर देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था चलती है। जब ऐसे किसान अपने काम से सरकारी दफ्तरों में आते हैं, तो उनके लिए एक सम्मानजनक ठहराव स्थल होना चाहिए। 'बलराम सदन' इसी सोच का परिणाम है। यह सिर्फ एक भवन नहीं, बल्कि किसानों के प्रति हमारी संवेदनशीलता और कर्तव्य भावना का प्रतीक है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार किसानों की भलाई के लिए निरंतर कार्य कर रही है। किसानों के लिए किसान सम्मान निधि, 3100 में धान खरीदी, फसल बीमा योजना या अब सुविधाजनक ढांचा हो, हर पहलू में किसानों को प्राथमिकता दी जा रही है। आने वाले समय में जिलों के अन्य अनुविभाग में भी इसी प्रकार के रेस्ट हाऊस बनाए जाएंगे, ताकि हर अनुविभाग ,तहसील स्तर पर किसानों को यह सुविधा प्राप्त हो सके।

प्रदेश के अन्य जिलों के किसानों के लिए मॉडल

बलराम सदन किसान रेस्ट हाऊस' को न केवल कवर्धा बल्कि पूरे प्रदेश में किसान सुविधा केंद्र के रूप में देखा जा रहा है। इस मॉडल को अन्य जिलों में भी लागू करने की योजना बनाई जा रही है ताकि प्रदेश का हर किसान जहां कहीं भी जाए, उसे सुविधा, सम्मान और सहारा मिले।

किसानों ने उप मुख्यमंत्री का जताया आभार

बलराम सदन के लोकार्पण अवसर पर बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। ग्रामीण अंचलों से आए कृषकों ने इस पहल के लिए राज्य शासन, विशेषकर उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा का आभार व्यक्त किया। उनका कहना था कि लंबे समय से ऐसी सुविधा की आवश्यकता महसूस की जा रही थी, जो अब पूरी हो गई है। 'बलराम सदन' जैसे रेस्ट हाऊस ग्रामीण विकास और किसान कल्याण के लिए एक आदर्श मॉडल हैं। इससे किसानों को न केवल भौतिक सुविधा मिलेगी, बल्कि शासन-प्रशासन के प्रति विश्वास भी बढ़ेगा।

धर्मगुरु खुशवंत साहेब की गाड़ी पर हमले की घटना की तीव्र निंदा, भाजपा नेता योगेश तिवारी ने की

बेमेतरा, 13 जुलाई (देशबन्धु)। बीती रात्रि सतनामी समाज के धर्मगुरु एवं आरंग विधानसभा क्षेत्र के विधायक और अनुसूचित जनजाति आयोग के उपाध्यक्ष केबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब के गाड़ी पर बेमेतरा जिले के चांरभाठा बाईपास पर हुए हमले की घटना की कड़ी निंदा करते हुए योगेश तिवारी ने बताया ।आज उनके पूज्य पिता गुरु बाल दास साहेब बेमेतरा पहुंचे। उनके साथ भाजपा नेता एवं जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री योगेश तिवारी एवं उनके समर्थक भी उपस्थित रहे।

गुरु बाल दास साहेब आज बेमेतरा आगमन पर रेस्टहाऊस पर योगश तिवारी के नेतृत्व पर समर्थकों के साथ गुरु बाल दास साहेब का स्वागत किया और बेमेतरा के बाईपास चांरभाठा मे घटना स्थल का जांच दल के साथ पहुंचकर निरीक्षण किया और बेमेतरा एस पी से चर्चा कर सभी तथ्यों का जांच करने को लेकर चर्चा की ।और योगेश तिवारी ने इस अमानवीय कृत्य की कठोर शब्दों में निंदा की और प्रशासन से मामले की स्वतंत्र व निष्पक्ष जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि प्रशासन सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करे, जिससे भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति ना हो।

श्री तिवारी ने यह भी माँग की कि जनप्रतिनिधियों को पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था प्रदान की जाए ताकि असामाजिक तत्वों द्वारा किए जा रहे इस प्रकार के दुस्साहसिक कृत्यों पर रोक लगाई जा सके।

जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कल्पना योगेश तिवारी ने भी इस घटना पर गहरी चिंता जताते हुए प्रशासन से मांग की कि दोषियों को तत्काल चिन्हित कर निष्पक्ष जांच करे तथा सतनामी समाज के धर्म गुरु की गाड़ी में में पत्थर से हमला हो जाए। ये गंभीर जाँच का विषय है ।

गुरु बाल दास साहेब के बेमेतरा आगमन के समय बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और समाजजन मौजूद रहे। प्रमुख रूप से उपस्थित समर्थकों में — अजय मिश्रा, गोलू कोसले, मनोज पटेल, मनोज बंजारे, हरीस गायकवाड़, राजेश गायकवाड़, सौरभ मिश्रा, हरीश धीतलहरे, लखन चक्रधारी रतिराम साहू सोनु साहु सौरभ वर्मा मनोज यदु, जीवन गायकवाड़ मनोज सिन्हा नरेश पाय यशवंत टंडन मनोज बंजारे सहित अनेक सम्माननीय कार्यकर्ता उपस्थित थे।

इस अवसर पर भाजपा किसान मोर्चा नेता एवं सर्व हिन्दू सनातन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री योगेश तिवारी ने कहा कि अनुसूचित जनजाति आयोग के उपाध्यक्ष विधायक आंरग गुरु खुशवंत साहेब के साथ जो घटना घटित हुई है ईस मामले को प्रशासन को पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्यवाही करनी चाहिए।

आरंग विधायक पर हमले की घटना पर विधायक दीपेश साहू ने जताई चिंता एवं कड़ी निंदा की

बेमेतरा, 13 जुलाई (देशबन्धु)। आरंग विधायक एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष गुरु खुशवंत साहेब जी की गाड़ी पर नवागढ़ से लौटते समय चारभांठा और भोईनाभांठा के बीच अज्ञात तत्वों द्वारा किए गए हमले की घटना को लेकर बेमेतरा विधायक श्री दीपेश साहू जी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है ।विधायक दीपेश साहू ने कहा यह घटना अत्यंत निंदनीय एवं चिंता का विषय है। हमारे आरंग विधायक गुरु खुशवंत साहेब जी नवागढ़ में सतनाम समाज की सामाजिक बैठक में शामिल होने आए थे और रायपुर लौटते समय जिस प्रकार से उनकी गाड़ी पर हमला हुआ, वह बेहद दुर्भाग्यजनक है। ऐसी घटनाएं लोकतंत्र और सामाजिक व्यवस्था के लिए खतरा हैं। मैं इस पूरे घटनाक्रम की घोर निंदा करता हूं ।ज्ज विधायक साहू ने आगे कहा यह जरूरी है कि घटना की निष्पक्ष जांच हो और यह स्पष्ट हो कि आखिर ऐसे कायराना कृत्य को अंजाम देने वाले कौन लोग हैं। हमारे एसपी साहब स्वयं मौके पर मौजूद हैं, जांच प्रारंभ कर दी गई है। जनता को विश्वास दिलाता हूं कि जांच पूरी पारदर्शिता से होगी और दोषियों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा ।ज्जविधायक दीपेश साहू ने कहा कि इस प्रकार की हिंसा किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं है और जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने गुरु खुशवंत साहेब के कुशलता की जानकारी मिलने पर राहत की भावना व्यक्त करते हुए उनके स्वस्थ रहने की कामना की।

भगवत उत्सव से बढ़कर भी गुरू उत्सव: पाराशर

थानखम्हरिया, 13 जुलाई (देशबन्धु)। गुरूपूर्णिमा पर्व पर सद्गुरूदेव श्री संतोषीलाल पाराशर का शिष्य समुदाय द्वारा श्रद्धापूर्वक पूजन किया गया। गुरूजी का पाद प्रच्छालन कर तिलक वंदन किया गया उनकी पूजा आरती की गयी। बड़ी संख्या में आये शिष्य समुदाय तथा श्रद्धालुओं ने श्रद्धा और भक्ति के साथ अपना आदर, सत्कार, भेंट समर्पित किया। भण्डारा प्रसादी भी हुयी। गुरूजी ने सभी भक्तों पर स्नेह, करूणा बरसाते हुये उन्हें आशीष प्रदान किया। गुरूजी ने अपने आशीर्वचन में कहा कि भगवान ने बड़ी कृपा कर हमें मानव देह प्रदान की है अन्यथा किसी अन्य योनी में भेज देते तो क्या हम भगवान का गुणगान कर पाते। भगवान की अहैतु की कृपा है कि उन्होंने हमें मानव बनाकर भगवान की आराधना का अनुपम अवसर प्रदान किया। श्री पाराशर ने कहा भगवान कहते हैं मुझसे भी अधिक गुरू को मानो। भगवान के उत्सव से भी बड़ा उत्सव गुरू का करो। मानव जीवन को सफल बनाने हमेशा भगवन्नाम में लीन रहें। उठते - बैठते, खाते - पीते, चलते - फिरते, सोते - जागते भगवन्नाम का स्मरण करते रहें। भगवान का नाम मंगलकारी है। भक्तों का हमेशा मंगल होता है। भगवान नाम भजने वाले भक्त भगवान के प्रिय हो जाते हैं वे ऐसे भक्त की रक्षा करने हमेशा तत्पर रहते हैं। ऐसे प्यारे - न्यारे भक्त को वे गोद में बैठाने लालायित रहते हैं। ऐसे भक्तों के जीवन में आने वाली बाधा, संकट से रक्षा करते हैं। जीव माया के वशीभूत हो संसार को अपना मान बैठता है। भगवान कहते हैं मैं तुम्हारी सहायता तब करूँगा जब तुम मुझे पुकारोगे। तुम मुझे भूल जाओगे तो मैं भी तुम्हे भूल जाऊंगा। इस अवसर पर नगर सहित सक्ती, चॉपा, बिलासपुर, रायपुर के भक्तगण भी आयोजन में शामिल हुये।

श्रीरामहर्षण कुंज साजा में झूलोत्सव 22 तक

थानखम्हरिया, 13 जुलाई (देशबन्धु)। श्रीरामहर्षण कुंज साजा में 13 से 22 जुलाई तक सावन झूला महोत्सव का आयोजन किया गया है। झूला झूलन बिहारी सरकार भक्तों को झूलन आनंद प्रदान करेंगे। महंत श्रीवैष्णवदास जी ने बताया कि 13 से 21 जुलाई तक नित्य रात्रि 7 से 9 बजे तक झूलोत्सव होगा। 22 जुलाई को सुबह 10 बजे से फूलबंगला की झाँकी का दर्शन होगा। ठाकुर जी की कलेवा झाँकी के पश्चात् भण्डारा प्रसादी होगी इसके साथ ही झूलन का विश्राम होगा।

बीआरसीसी ने किया संबंधित शालाओं का निरीक्षण

थानखम्हरिया, 13 जुलाई (देशबन्धु)। राजेंद्र साहू विकासखंड स्रोत समन्वयक बेमेतरा के द्वारा 12 जुलाई को विभिन्न शास.प्रा.शाला व माध्य.शाला जीया,शास.प्रा.शाला डोकला,शास.प्रा.शाला व माध्य शाला जेवरा ,शास.प्रा.शाला बसनी तथा शास.प्रा.शाला व माध्य.शाला मटका का आकस्मिक निरीक्षण किया गया ।साहू जी द्वारा सुबह 7.00 बजे जिया स्कूल के प्रार्थना में शामिल हुए शाला के कई शिक्षक शाला समय में उपस्थित नहीं थे जिस पर नाराजगी जताई हुए समय में स्कूल आने कहा। शाला की साफ सफाई व माध्यमिक शाला की कक्षा की फर्श को मरम्मत करने कहा,पाठ्य पुस्तक स्कैनिंग कर बच्चों को वितरण की जानकारी लिया गया। उल्लास कार्यक्रम के तहत असाक्षरों की जानकारी एकत्रित कर पंजीयन करना एवम स्वयं सेवी शिक्षकों द्वारा नियमित कक्षा संचालन करने संस्था प्रमुख को निर्देशित किया गया। बच्चों की शतप्रतिशत उपस्थिति हेतु आवश्यक प्रयास करने,आपदा प्रबंधन समिति गठित कर जरूरी जानकारी बच्चों को दिए जाने कहा गया। विभिन्न स्कूलों में भी शाला संचालन समय पर करने , शिक्षकों को नियमित कक्षा लेने ,जिस शाला को ड्ढष्टञ्ज लैब मिला है उसे अच्छे रख रखाव के साथ संचालित करने कहा गया। साथ ही प्रधान पाठक को गांव वालो के तरफ से किसी भी प्रकार की शिकायत उच्च कार्यालय को नहीं आए इसका ध्यान रखने निर्देशित किया गया।

जिला पंचायत सामान्य सभा की बैठक संपन्न

कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं वन विभाग के कार्यों की हुई समीक्षा

खैरागढ़, 13 जुलाई (देशबन्धु)। जिपं खैरागढ़ छुईखदान गण्डई के सामान्य सभा की बैठक विगत दिनों दोपहर 12 बजे जिपं के सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिपं अध्यक्ष प्रियंका ताम्रकार ने की। बैठक में जिपं उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह, सभापतिगण अरुणा सिंह, भुनेश्वरी देवांगन, जमुना कुर्रे, हेमलता मंडावी, दिनेश वर्मा व ललित चोपड़ा, जिपं सदस्य निर्मला वर्मा, सांसद प्रतिनिधि खम्हन ताम्रकार, विधायक प्रतिनिधिगण सहित जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे। बैठक की शुरुआत में पिछले सामान्य सभा में सदस्यों के द्वारा दिए गए निर्णय पर क्रमवार चर्चा की गई। जिन विभागों के द्वारा पिछली बैठक के निर्देश के अनुरूप कार्यवाही पूर्ण नहीं की गई थी उन पर सदस्यों के द्वारा नाराजगी व्यक्त की गई एवं आगामी बैठक में इसके दोहराव के लिए सचेत किया गया। विभागीय कार्यों की समीक्षा के क्रम में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना, मनरेगा एवं स्वच्छ भारत मिशन की समीक्षा की गई। सदस्यों के द्वारा पुराने आवास निर्माण में हो रही देरी का शीघ्र निराकरण करने निर्देशित किया गया। कुछ हितग्राहियों को आवास की राशि एवं मजदूरी राशि मिलने में हो रही समस्या का त्वरित समाधान करने अध्यक्ष के द्वारा निर्देश दिए गए ।नर्मदा मंदिर और माँ भवानी मंदिर करेला में सामुदायिक शौचालय निर्माण का निर्णय लिया गया। कृषि विभाग की समीक्षा विस्तार से की गई। समीक्षा के दौरान सदस्यों के द्वारा खाद की उपलब्धता एवं खुले बाज़ार में की जा रही अनियमितता पर कड़ी कार्यवाही करने निर्देशित किया गया। रबी सीजन के दौरान मूंग की बीज से फसल उत्पादन कम होने संबंधी प्रश्न उठाये गए जिसमें विभाग को उचित कार्यवाही के निर्देश दिए गए। उपाध्यक्ष के द्वारा मृदा परीक्षण के परिणाम अनुसार कृषकों को उचित खाद इस्तेमाल की जानकारी देने निर्देशित किया गया। उद्यानिकी विभाग की समीक्षा के दौरान बगदूर क्षेत्र में प्रस्तावित गेंदा फूल की खेती के मार्केटिंग की व्यवस्था के संबंध में सदस्यों के द्वारा संशय व्यक्त किया गया, जिस पर विभागीय अधिकारी के द्वारा फूल विक्रेताओं से संपर्क कर अच्छा दाम उपलब्ध कराने के बारे में अवगत कराया गया। मछली पालन विभाग की समीक्षा के दौरान सदस्यों के द्वारा पंचायतों के द्वारा नियम विरुद्ध तालाबों के पुन- नीलामी की शिकायत की गई। विभागीय अधिकारी के द्वारा जांचकर नियम अनुसार कार्यवाही का आश्वासन दिया गया। पशुपालन विभाग को उन्नत नस्ल के पशु के लिए ज़्यादा से ज़्यादा आर्टिफ़िशियल इंसेमिनेशन तकनीक के इस्तेमाल करने के साथ-साथ जिला में अधिक दूध उत्पादन के लिए सार्थक प्रयास करने के निर्देश दिए गए। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान विभागीय अधिकारियों को पैलीमेटा में 102 वाहन की आवश्यकता, जोरातराई में प्रसव कक्ष निर्माण एवं अमलीडीहकला में एएनएम की पोस्टिंग के बारे में सदस्यों के द्वारा अवगत कराया गया। वन विभाग की समीक्षा के दौरान सदस्यों के द्वारा विभाग की प्रचलित योजनाओं की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। साथ ही आधुनिक मुनारा के स्थलों की जानकारी आमजन को दी जाए जिससे इसके उपयोगिता की जानकारी लोगों को मिल सके। सदस्यों ने आमजन को बांस की उपलब्धता नहीं कराने संबंधी प्रश्न किए गए। कुछ सदस्यों के द्वारा वन पट्टा प्राप्त करने में हो रही समस्या से अवगत कराया गया। सामान्य सभा में अतिरिक्त विषय के रूप में बिजली विभाग के कार्यों की जानकारी ली गई। बिना टेंडर कार्य करने एवं आमजन से राशि मांग का विषय उठाया गया। विभागीय अधिकारी को इन विषयों पर त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। सिंचाई विभाग के कार्यों की गुणवत्ता को लेकर भी सवाल उठाए गए। अधिकारियों को निर्माण कार्य की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न करने के कड़े निर्देश दिए गए। सदस्यों के द्वारा जिले के विभिन्न मार्गों में निर्माणाधीन सड़क एवं पुल को जल्दी पूरा करने के सख्त निर्देश दिए गए साथ ही आवश्यकतानुसार नई सड़क और पुलिया की स्वीकृति के लिए विभाग स्तर से त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए गए। बैठक के अंत में उपस्थित सदस्यों, प्रतिनिधि, अधिकारीगण एवं मीडियाकर्मियों को जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

अवैध रूप से पशु परिवहन करने वाले चार आरोपी गिरफ्तार

खैरागढ़, 13 जुलाई (देशबन्धु)। अवैध रूप से पशु परिवहन करने वाले चार आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही करते हुए पुलिस ने धर दबोचा है। जानकारी अनुसार प्रार्थी लक्की सिंह राजपूत ने 13 जुलाई को सूचना दी कि ग्राम बेंद्रीडीह शीतला मंदिर के पास एक टाटा एस वाहन क्रमांक सीजी 07 सीडी 2207 में गौवंश को निर्दयतापूर्वक अवैध रूप से परिवहन किया जा रहा है। सूचना पर थाना खैरागढ़ पुलिस की टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुये ग्रामीणों के साथ मिलकर घेराबंदी कर उक्त वाहन को रुकवाया गया मौके पर 03 नग गौवंश को बरामद किया गया। गौ वंश तस्करी करने वाले तीन आरोपी ईश्वर दास पिता अशोक बंजारे उम्र 25 वर्ष मंजीत पिता अशोक बंजारे उम्र 25 वर्ष व भुनेश्वर पिता फूलदास कोसारे उम्र 19 वर्ष सभी निवासी सूतिया थाना खैरागढ़ एवं खेदूराम पिता फत्तू राम मारकंडे उम्र 45 वर्ष निवासी चांदगढ़ी थाना खैरागढ़ को हिरासत में लिया गया एवं इनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त टाटा एस वाहन के साथ 3 नग मवेशी बरामद किया गया। आरोपियों द्वारा गौ वंश परिवहन के सम्बंध में कोई दस्तावेज नहीं होना बताने पर आरोपियो के विरुद्ध थाना खैरागढ़ में धारा 4,6,10,11(1)(डी),11(1)द्द,11(1)(एफ) एमवी एक्ट की धारा 146/196, 3/181, 66/192, 50, 130/177 के तहत मामला पंजीबद्ध कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है जिन्हें न्यायालय में पेश कर ज्युडिशियल रिमांड पर भेजा गया जायेगा।

एकेडमिक वर्ल्ड स्कूल ने मनाया पंचम दीक्षांत व फेयरवेल समारोह

बेमेतरा, 13 जुलाई (देशबन्धु)। शिक्षा क्षेत्र के विभिन्न आयामों को छूती राज्य की सुप्रसिद्ध एकेडमिक वर्ल्ड स्कूल, बेमेतरा में पंचम दीक्षांत एवं फेयरवेल समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कक्षा बारहवीं की बैच 2024-25 के विद्यार्थियों हेतु इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

इस सुअवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री रणवीर शर्मा, आई.ए.एस. जिला (कलेक्टर) बेमेतरा, डॉ. अनिल वाजपई एडिसनल मजिस्ट्रेटे बेमेतरा एवं जिले के अधिकारी मौजूद रहे, मुख्य कार्यकारी प्रबंधन अधिकारी श्री विनीत राजोरिया, प्राचार्य श्री गिरीश कुमार, उपप्राचार्य श्री राकेश कुमार, ए.सी.ओ. श्रीमती नीता राइचा एवं एच.एम. श्रीमती स्मृति शाही, समस्त शिक्षकगण, अभिभावक व अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

इस सुअवसर पर कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि श्री रणवीर शर्मा, आई.ए.एस. जिला (कलेक्टर) बेमेतरा, द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से की गई। तत्पश्चात् मुख्य अतिथि श्री रणवीर शर्मा द्वारा, प्राचार्य श्री गिरीश कुमार की उपस्थिति में कक्षा बारहवीं (2024-25) बैच के विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। इस समय बच्चों द्वारा धारण की गई ड्रेस ने सभी लोगों का मन मोह लिया।

इस सुअवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री रणवीर शर्मा ने संस्था के पंचम दीक्षांत समारोह में हिस्सा बनने पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की, छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने अपने जीवन के व्यक्तिगत अनुभवों को विद्यार्थियों के साथ साझा कर जीवन के हर क्षेत्र में सफलता अर्जित करने, संघर्षों एवं चुनौतियों का सामना करने हेतु प्रेरणा प्रदान की। इस सुअवसर पर अपने भाषण में उन्होंने शिक्षा, शिक्षा के सही मायने, स्वास्थ्य, व्यायाम, सही मित्रों के चुनाव, उचित आहार-विहार जैसे अनेक महत्वपूर्ण मुद्दों पर जो कि एक विद्यार्थी को अपने जीवन के हर क्षेत्र में पूर्णता एवं सफलता प्रदान करने में सहायक हैं पर अनमोल मार्गदर्शन किया। साथ ही यह विश्वास व्यक्त किया कि आप सभी के चेहरों से स्पष्ट रूप से झलक रहे आत्मविश्वास एवं विद्यालय से मिले संस्कारों एवं ज्ञान से आप अपने जीवन के हर क्षेत्र में सफलता का परचम लहराएँगे।

जानकारी हेतु विज्ञान समूह और वाणिज्य (कॉमर्स) व कला (ह्यूमिनिटिस) समूह का परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहा। एकेडमिक वर्ल्ड स्कूल, बेमेतरा का कक्षा बारहवीं का यह 9वां बैच था और इस बैच ने अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस वर्ष केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित कक्षा बारहवीं में एकेडमिक वर्ल्ड स्कूल, बेमेतरा के कुल 184 विद्यार्थी सम्मिलित हुए, जिसमें विज्ञान समूह के 43, गणित संकाय के 22 और वाणिज्य (कॉमर्स) समूह के 101 व कला (ह्यूमिनिटिस) समूह के 18 विद्यार्थी शामिल हुए।

विद्यालय के छात्र अभिनव जैन ने 98.20त्न अंकों के साथ प्रथम स्थान, मांशी चंद्रवंशी ने 96.80त्न के साथ द्वितीय स्थान और ईशान खंडेलिया ने 96.40त्न के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। उपरोक्त तीनों छात्र भी प्रमुख रूप से इस समारोह में उपस्थित थे।

इस अवसर पर एकेडमिक वर्ल्ड स्कूल के सांस्कृतिक विभाग की ओर से अनेक रंगारंग व सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम का पहली कड़ी में बच्चों द्वारा गणेश वंदना पर मनमोहक नृत्य का प्रदर्शन किया गया। जिसने सभी लोगों का मन मोह लिया। स्वयं मुख्य अतिथि द्वारा बच्चों की इस प्रस्तुति के लिए विशेष रूप से प्रशंसा की गई। उसी प्रकार संगीत विभाग की ओर से ऑर्केस्ट्रा प्रस्तुत किया गया जो आकर्षण का केन्द्र रहा। विद्यार्थियों ने विभिन्न वाद्य यंत्रों (पाश्चात्य एवं हिंदुस्तानी शास्त्रीय वाद्य यंत्रों) के प्रयोग द्वारा अपनी गरिमामय प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम की दूसरी कड़ी फेयरवेल समारोह में बच्चों द्वारा रैम्प वॉक व अन्य कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न चरणों को पार करने के बाद मिस्टर फेयरवेल तथा मिस फेयरवेल के लिए क्रमशः ईशान खंडेलिया एवं लविषा पंजवानी के नामों की घोषणा की गई, वहीं फ़ेस ऑफ ईवनिंग अंकिता बाग व फ़ेस इन द क्राउड सिद्धार्थ तोमर रहे।

विद्यालय के समस्त विद्यार्थियों की ओर से पूर्व शाला नायक शौर्य साहू एवं पूर्व शाला नायिका वैष्णवी शर्मा ने मुख्य अतिथि महोदय, सभी गणमान्य नागरिको एवं संस्था के सभी पदाधिकारी गण एवं शिक्षकों का आभार मानते हुए कहा कि, इस विद्यालय के द्वारा हमारी जो बुनियाद पुख्ता हुई है, इसके सहारे हम हमेशा और हर स्थान पर अटल व विश्वसनीय बने रहेंगे। तथा देश व दुनिया में जहाँ भी रहेंगे विद्यालय, परिवार एवं समाज का नाम रोशन करेंगे। साथ ही उनकी इस सफलता के लिए उन्होंने होस्टल एवं होस्टल वार्डनों के प्रति भी अपना आभार व्यक्त किया।

विद्यालय प्राचार्य श्री गिरीश कुमार का मार्गदर्शी संदेश-

ज्ञान केवल परीक्षा में सफलता नहीं, जीवन में दिशा देने वाला दीपक है।

प्रिय विद्यार्थियों, आपने परिश्रम, अनुशासन और जिज्ञासा से यह सिद्ध कर दिया है कि कोई भी चुनौती आपके आत्मविश्वास के आगे छोटी है।

एकेडमिक वर्ल्ड स्कूल का सदैव प्रयास रहा है कि आप जीवन जीने की कला, नेतृत्व और उत्तरदायित्व को भी समझें। आपकी यह सफलता हमारे विश्वास, शिक्षकों के समर्पण और आपके दृढ़ संकल्प का परिणाम है।

मेरी शुभकामनाएँ हैं कि आप जीवन के हर मोड़ पर अपने ज्ञान, आचरण और आत्मबल से नई ऊँचाइयाँ प्राप्त करें।

विद्यालय संचालिका श्रीमती भावना बोहरा ने अपने संदेश मे कहा-

हर प्रस्थान एक नई यात्रा की शुरुआत है।

आज जब हम अपने प्रिय विद्यार्थियों को एक नई उड़ान के लिए विदा कर रहे हैं, तो हृदय गर्व और भावनाओं से भर उठा है। एकेडमिक वर्ल्ड स्कूल, बेमेतरा में आपने शिक्षा, अनुशासन, संस्कृति और संस्कार का जो बीज बोया, आज वह एक फलदार वृक्ष बनकर विदा ले रहा है।

मैं आप सभी विद्यार्थियों को दिल से बधाई देती हूँ, जिन्होंने अथक परिश्रम, विश्वास और विद्यालय की शिक्षाओं को आत्मसात कर यह मुकाम हासिल किया। यह केवल एक शैक्षणिक उपलब्धि नहीं, बल्कि जीवन की अगली पायदान की ओर बढ़ने का आत्मविश्वास है।

मेरी शुभकामनाएँ सदैव आपके साथ हैं। ईश्वर करे आप जहाँ भी जाएँ, अपने ज्ञान, आचरण और उत्कृष्टता से न केवल अपने परिवार, बल्कि विद्यालय, समाज और देश का नाम भी गर्व से ऊँचा करें।

साथ ही मैं सभी सम्माननीय अतिथियों, अध्यापकगणों, पालकों और सहयोगियों का हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ, जिनकी भागीदारी ने इस पंचम दीक्षांत समारोह को एक अविस्मरणीय अवसर बना दिया।

CMYK

महावीर वार्ड को संवारने में जुटे युवा पार्षद जैनम क्या अपने रचनात्मक कार्यों को नई पहचान देंगे !

राजनांदगांव, 13 जुलाई (देशबन्धु)। दीवारें ऊंची हैं गलियां हैं तंग, लम्बी डगर है पर हिम्मत है संग , वार्ड नंबर,37 महावीर वार्ड के युवा पार्षद जैनम बैद पर सटीक बैठता है। उस वार्ड से पार्षद बने हैं जहां सबसे ज्यादा व्यवसायी वर्ग है अगर डबरी पारा को पृथक छोड़ दें तो, एक तरफ नगर निगम अतिक्रमण हटाने में जुटा हुआ है उनके साथ पुलिस का अमला और जिला प्रशासन भी साथ रहता है , लगातार कार्यवाही जारी है। निश्चित रूप से शहर में वाहनों की संख्या बढ़ गई ऐसी परिस्थितियों में यातायात सुगम हो और शहर की भीड़ भाड़ सुव्यवस्थित हो सके उसके लिए लगातार कार्रवाई देखने को मिल रही है भले और निश्चित रूप से परिणाम भी समय रहते हैं दिख तो रहा है पर भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति नहीं होगी इसकी कोई गारंटी नहीं,भले निगम पार्किंग की व्यवस्था करा पाने विफल हो, आज भी कुछ दुकानदार पुन: अपना सामान बाहर तक निकाल रहे हैं पूर्ण अतिक्रमण हटाने की दिशा में जब तक प्लेटफार्म हटाया नही जाएगा दबी नालियां बाहर नहीं निकलेगी तब तक व्यापारी अपना काम करेंगे जो अतिक्रमण के दायरे में अपने टीन टप्पर उखड़वा चुके है। वहीं एक युवा जनप्रतिनिधि भी सक्रिय हैं जो राजनांदगांव शहर के मध्य एक ऐसा वार्ड है जिसे महावीर वार्ड 37 के नाम से जाना जाता है, वहां के युवा पार्षद लोगों के क्रोध आक्रोश को सहते हुए भी सकारात्मक कार्य की शुरुआत करने में सफल रहा जिसकी कल्पना समूचे शहर के लिए लागू की जानी चाहिए। ओसवाल लाइन जहां बेहद ही सकरी सड़क के नाम से जाना जाता है मोती स्वीट से लेकर अगर ओसवाल लाइन के रास्ते चार चक्का वाला वाहन बिना किसी अवरोध के निकाल ले तो समझो शहर में यातायात सुव्यवस्थित हो गया है। लोगों की असहज पीड़ा और युवा जोश लिए हुए महावीर वार्ड के पार्षद प्लेटफार्म के नीचे की नाली और लोगों का अतिक्रमण हटाने के प्रयास में सफल दिख रहे हैं। यही कारण है कि मोती स्वीट्स ने भी स्फूर्त नाली निर्माण और सड़क के चौड़ीकरण को देखते हुए दीवाल को स्फूर्त तोड़ गिराया है, सबसे बड़ा सवाल यह है कि ओसवाल लाइन में जब सड़क के आजू-बाजू में नाली है और जहां नाली नहीं है उसे भी बनाया जा रहा है और सड़क चौड़ीकरण के लिए कुछ आपसी तालमेल बैठाकर सड़क के दोनों तरफ नाली और सड़क का चौड़ीकरण साफ दिखाई दे रहा है । अन्य वार्ड के पार्षद महावीर वार्ड के पार्षद से प्रेरणा लेकर अन्य वार्डों को सुव्यवस्थित करने कि दिशा में जनप्रतिनिधि काम क्यों नहीं कर पा रहे हैं। महावीर वार्ड के पार्षद जैनम बैद की दृढ़ इच्छा शक्ति आने वाले समय में क्या बेहतर परिणाम देती है वो अन्य वार्ड के पार्षदों के लिए एक मिसाल होगा।

अवैध कबाड़ रखने वाले कबाड़ियों पर पुलिस की नकेल, धरे गए आरोपी पहुंचे जेल

राजनांदगांव, 13 जुलाई (देशबन्धु)। पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग के मार्गदर्शन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा तथा नगर पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र नायक के दिशा निर्देश पर गिरफ्तारी वारंटी , आपराधिक, एवं असमाजिक तत्वो एवं शहर एवं देहात में अवैध रूप से संचालित कबाडी दुकानो की चेकिंग कर आवश्यक कार्यवाही करने हेतु निर्देश प्राप्त हुआ है। मामला इस प्रकार है कि आज दिनांक 13.07.25 को सूचना प्राप्त हुआ कि ग्राम बनभेडी में डिस्पोजल गैरेज में अवैध रूप से गाड़ियों को गैस सिलेण्डर से कांटकर कबाडी में बदल रहा हे। सूचना पर मुखबीर के बताये स्थान पर दबिश देकर अनावेदक एजाज खान पिता अयाज खान निवासी तुलसीपुर राजनांदगांव के द्वारा पुरानी ट्रक के समानो को गैस कटर से कांटते हुए मिला जिसके संबंध में उक्त पुरानी गाड़ी के सामानो के बारे मे वैध दस्तावेज पेश करने हेतु दिया जो कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नही किया गया तथा अनावेदक एजाज खान के कब्जे से पुरानी ट्रक का हेड, 02 नग पुरानी ट्रक का कटा हुआ ड्रेसबोड, एक नग एच0पी0 कंपनी का सिलेण्डर, गैस कांटने का पाईप जिसमें नोजल लगा हुआ जप्त कर अनावेदक के विरूद्व इस्तगाशा क्रमांक 01/2025 धारा 35(3),(6)38 बीएनएसएस के तहत् इस्तगाशा तैयार किया गया। इसी कडी के दौरान थाना क्षेत्रान्तर्गत परिशांत भंग कर मोहल्ले में हो-हुल्लड करने वाले 02 अनावेदकगणों को गिरफ्तार कर अनावेदकगणों के विरूद्व धारा 170, 126,135(3) बीनएसएसएस के तहत् कार्यवाही कर गिरफ्तारी वारंटी एवं आवेदकगणों को संबंधित न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। न्यायालय से अनावेदकगणों एवं गिरफ्तारी वारंटी का जेल वारंट प्राप्त होने पश्चात जिला जेल राजनांदगांव दाखिल किया गया।

उपरोक्त कार्यवाही में निरीक्षक एमन साहू, सउनि. गोवर्धन देशमुख, प्र.आर. राजेश परिहार, आरक्षक कुश बघेल, राजेश्वर बंदेश्वर एवं रूपेन्द्र वर्मा की सराहनीय भूमिका रही है।

नवनियुक्त महामंत्री रमन सिंह ने जिला भाजपा अध्यक्ष कोमल राजपूत से भेंट कर आभार जताया

राजनांदगांव, 13 जुलाई (देशबन्धु)। भाजपा राजनांदगाँव ग्रामीण पूर्व मंडल के नवनियुक्त महामंत्री रमन सिंह राजपूत ने जिला भाजपा के अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत से भेंट कर महामंत्री नियुक्त किए जाने पर निवास जाकर आभार व्यक्त किया। इस नियुक्ति से क्षेत्र में अच्छा संदेश गया है। क्षेत्र के उत्साहित कार्यकर्ताओं ने भी आभार व्यक्त कर कोमल सिंह राजपूत को धन्यवाद दिया। क्षेत्र के कार्यकर्तागण विजय सिंह राजपूत (उप सरपंच) , विक्रम सिंह राजपूत, उमेश कुमार साहू, गजेन्द्र बंजारे, नरोत्तम बंजारे, कैलाश विश्वकर्मा, रमेश बंजारे, बुधराम पटेल, विजय बघेल, प्रताप मैथिल क्षत्री, लाकेश खाण्डे, बलराम बंजारे, मोहन खरे, उपस्थित थे।

आज भस्म आरती, श्रृंगार आरती फिर निकलेगी महाकाल की भव्य सवारी

राजनांदगांव, 13 जुलाई (देशबन्धु)। सिंघोला स्थित महाकाल मंदिर की महाकाल सेना सावन उत्सव धूमधाम से मना रही है। विशेष तैयारियाँ सावन के हर एक सोमवार के लिए है। पहले सोमवार की तैयारी कुछ इस प्रकार है।

महाकाल भक्त पवन डागा ने बताया कि सावन के पहले सोमवार 14 जुलाई को महाकाल मंदिर सिंघोला में तड़के ढाई बजे भस्म आरती की जाएगी । उसके बाद पहट के 4 बजे श्रृंगार आरती होगी फिर दोपहर 2 बजे महाकाल बाबा की भव्य सवारी बाजे गाजे के साथ निकलेगी। महाकाल की सवारी देखने नांदगाँव से सिंघोला तक लोग आँखें बिछाए प्रतीक्षा करेंगे।

भाजपा ग्रामीण मंडल पश्चिम अध्यक्ष मनोज साहू ने की अपने टीम की घोषणा

राननांदगांव, 13 जुलाई (देशबन्धु)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री किरण सिंह देव जी एवं संगठन महामंत्री श्री पवन साय जी की सहमति से जिला भाजपा अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत ने आज ग्रामीण मंडल पश्चिम की कार्यकारिणी की घोषणा की है

मनोज साहू राजनांदगांव पश्चिम मंडल के अध्यक्ष एवं बलराम निर्मलकर, मोतीलाल देवांगन महामंत्री कृष्णा साहू कोषाध्यक्ष बनाए गए।

राजनांदगांव पश्चिम मंडल से अध्यक्ष मनोज साहू उपाध्यक्ष- रमेश चन्द्राकर, मुकेश साहू, श्रीमती पुष्पा उईके, श्रीमती उषा साहू, महामंत्री- बलराम निर्मलकर, मोतीलाल देवांगन, कोषाध्यक्ष- कृष्णा साहू, सह कोषाध्याक्ष- गोविन्द वर्मा, मंत्री- हेमदीप साहू, कोमल टंडन, श्रीमती भगवन्तीन निषाद, श्रीमती अनामिका यादव, मिडिया प्रभारी- डेवल साहू, सह मिडिया प्रभारी- हिपेन्द्र साहू, सोशल मीडिया प्रभारी- राकेश साहू, सह सोशल मीडिया प्रभारी- टुकेश्वर साहू, कार्यालय प्रभारी- गुणीत साहू, सह कार्यालय प्रभारी जितेन्द्र साहू, को बनाया गया है

राजनांदगांव पश्चिम मंडल - लाला देवांगन, गुलाब वर्मा, प्रमोद गहने, मिथलेश साहू, चोवा राम साहू, छत्रपाल वर्मा, लोकेश सेन, टोमिन लाउत्रे, निशा साहू, शशि साहू, बसंत निषाद, संतोष साहू, शशिकांत गंजीर, महेश्वर निषाद, विष्णु साहू, उत्तम साहू, तारा साहू, इन्द्रजीत मानिकपुरी, मनीषा साहू, चित्ररेखा ठाकुर, बिसंतिन नेताम, दीपा साहू, ममता ध्रुव, पुर्णिमा साहू, राम गुलाल यादव, पवन यादव, तिलक वर्मा, प्रभा साहू, लता साहू, झामेश्वर साहू प्रेमचंद साहू, दिलीप साहू, कमलेश निषाद, राजेश साहू, गजेन्द्र वर्मा को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया है

भाजपा जिला महामंत्री सौरभ कोठारी , वरिष्ठ विवेक साहू, अशोक देवांगन , लीलाधर साहू,रोहित चंद्राकर ,देवकुमारी साहू,प्रप्रतिमा चंद्राकर ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारीयों एवं कार्यकारिणी सदस्यों को उज्जवल भविष्य की शुभकानाएं देते हुए आने वाले समय में संगठन के कार्यों में जुट जाने का आव्हान किया है।

मुढ़ीपार ब्लॉक कांग्रेस ने प्रदर्शन करके रखी सड़क बनाने की मांग , किया चक्का जाम

डोंगरगढ़, 11 जुलाई (देशबन्धु)। विधायक हर्षिता स्वामी बघेल जी के अगुवाई में धारा भंडारपुर सिरदार खपरी मुढ़ीपार सड़क और ढारा से टोला गांव बढ़ाई टोला सड़क की जर्जर हालत के विरोध में हुई चक्का जाम में महामहिम राज्यपाल के नाम से ज्ञापन सौप गया। कार्यकर्ताओं ने बताया की लगातार मांग किए जाने के बाद भी और विधान सभा में आवाज उठाने के बाद भी प्रशासनों है,जानलेवा गड्ढे बने हुए आए दिन दुर्घटना का शिकार लोग हो रहे हैं।

चक्का जाम में विधायक हर्षिता स्वामी बघेल ,ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष कोमल साहू,डोंगरगढ़ शहर ब्लॉक अध्यक्ष विजय राज चौहान,गौतम। चंद जैन,मधुसूदन साहू,आरती महोबिया,मधुसूदन साहू,श्रवण चक्रधारी,जय प्रकाश वर्मा,राजू राजपूत, शिशुपाल भारती,रिंकू महोबिया,दुर्गेश सिन्हा,उदय सिन्हा,टिकेश्वर ध्रुव, बालकरन वर्मा,गौतम वर्मा,शाम साय तंडेकार गोकुल वर्मा जगन सेन, जीतू यादव सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और आम जनता उपस्थित रहे।

निकाय कर्मचारी संघ अपनी तीन सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री से किये मुलाकात

■ मुख्यमंत्री कर्मचारियों की मांगों पर शीघ्र विचार कर पूर्ण करने दिया आश्वासन

दल्लीराजहरा, 13 जुलाई (देशबन्धु) ।नगर पालिका दल्लीराजहरा में पदस्थ जिला नगरीय निकाय विभाग के कर्मचारी संघ के अध्यक्ष गोविंद राम साहु एवं संघ महामंत्री पूर्णानंद आर्य ने जानकारी देते हुए बताया की नगरी निकाय कर्मचारी अपनी तीन सूत्री महत्वपूर्ण मांगों को लेकर मुख्यमंत्री से किये मुलाकात।। पूरे प्रदेश भर के नगरी निकाय कर्मचारी अपनी तीन सूत्री मूलभूत महत्वपूर्ण मांगों को लेकर लगातार पिछले एक सप्ताह भर से अपने-अपने स्थानीय निकायों में काली पट्टी लगाकर फील्ड और कार्यालयीन कार्यों को कर रहे थे और अपनी मांगों को लेकर नारा लगाते हुए आवाज बुलंद कर शासन का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने का लगातार प्रयास कर रहे थे। नवयुक्त अधिकारी कर्मचारी नगरी निकाय कल्याण संघ के प्रदेश अध्यक्ष राजेश सोनी ने बताया कि निकाय कर्मचारियों की बहुत ही महत्वपूर्ण और जमीनी स्तर की तीन मांगे जिसमें महीने के पहली तारीख को वेतन का भुगतान करने, शासन के अन्य विभागों की भांति पुरानी पेंशन योजना लागू करने, और समय पद पदोन्नति प्रदान करने जैसे गंभीर मुद्दों को लेकर हम लगातार संघर्षरत है और लगातार शासन को अपनी मांगों और समस्याओं को लेकर ध्यान आकर्षित करने के लिए प्रयास कर रहे हैं, इसी बीच शनिवार को मुख्यमंत्री निवास से संघ के पदाधिकारीयो को मुलाकात के लिए बुलावा आया था। संघ के प्रदेश पदाधिकारीयो द्वारा मुख्यमंत्री से उनके निवास में भेंट मुलाकात कर अपनी गंभीर और महत्वपूर्ण मांगों और समस्याओं से उनको अवगत कराया गया। जिस मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा निकाय कर्मचारियों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए अति शीघ्र मांगों पर विचार कर पूर्ण करने का आश्वासन दिया गया। सोनी ने बताया कि चर्चा सकारात्मक और सार्थक रही और आने वाले समय पर निश्चित रूप से कर्मचारियों को इसका लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री से मुलाकात करने वाले में प्रमुख रूप से कर्मचारी संघ के संरक्षक संजय शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष राजेश सोनी, प्रदेश महामंत्री सुभाष सोनकर, वरिष्ठ सलाहकार श्रवण ठाकुर, और कर्मचारी ललित साहू उपस्थित रहे।

डॉ अम्बेडकर फोटो पर कीचड़ फेंकने वाले आरोपी पर कार्यवाही की मांग, एसडीओपी. को सौंपा ज्ञापन

डोंगरगढ़, 11 जुलाई (देशबन्धु)। धर्मनगरी में अनुसूचित जाति मोर्चा जिला अध्यक्ष रविंद्र रामटेक, शहर अध्यक्ष, राजेश गजभिए, महामंत्री मयंक डोंगरे, जिला उपाध्यक्ष अनीता इंदुलकर, लोकेश इंदुरकर, प्रज्वल गोंदम, ओम प्रकाश, संतु, उमंग, कुणाल धांसू, करण सहित अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता एकत्र होकर एस.डी.ओ.पी. को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से प्रतिनिधिमंडल ने विगत दिवस धर्मनगर क्षेत्र में भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की फोटो पर अज्ञात असामाजिक तत्वों द्वारा कीचड़ फेंककर की गई घोर अपमानजनक हरकत पर गहरी आपत्ति जताई। यह कृत्य न केवल संविधान निर्माता के सम्मान का हनन है, बल्कि समूचे दलित समाज की भावनाओं को ठेस पहुँचाने वाला और सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने का सुनियोजित प्रयास प्रतीत होता है। मोर्चा ने प्रशासन से इस कृत्य की निर्दोष और निष्पक्ष जांच कर दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध तीव्रतम व कठोर कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन में यह भी स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया कि यदि अगले तीन दिनों के भीतर दोषियों की गिरफ्तारी एवं उचित कानूनी कार्रवाई नहीं होती, तो अनुसूचित जाति मोर्चा डोंगरगढ़ द्वारा चक्काजाम व अन्य लोकतांत्रिक विरोध प्रदर्शन की रणनीति अपनाई जाएगी, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

एम डी मेडिसिन देंगे मंदिर अस्पताल में नियमित सेवाएं

डोंगरगढ़, 11 जुलाई (देशबन्धु)। श्री बम्लेश्वरी मंदिर ट्रस्ट समिति डोंगरगढ़ द्वारा संचालित मां बम्लेश्वरी धर्मार्थ चिकित्सालय में डां तिलक राज गजेन्द्र (एम डी मेडिसिन) सोमवार से शनिवार शाम 4 बजे से 7 बजे नियमित सेवाएं प्रदान करेंगे। इसके पूर्व विगत सप्ताह से डॉ. अनुपमा अस्थाना, स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ (सोमवार, बुधवार, शुक्रवार) और डॉ विजय श्री जैन स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ (मंगलवार, गुरुवार, शनिवार) इस प्रकार सप्ताह में 6 दिन रविवार छोड़ कर दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक सेवायें प्रदान कर रहीं हैं। और डॉ अपूर्व वर्मा नाक कान गला रोग विशेषज्ञ प्रतिदिन प्रात: 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं ।* श्री बम्लेश्वरी मंदिर ट्रस्ट समिति द्वारा संचालित मां बम्लेश्वरी धर्मार्थ चिकित्सालय में उक्त डाक्टरों के अतिरिक्त विशेषज्ञ डाक्टरों द्वारा प्रदान किए जा रहे सेवाओं का लाभ निरंतर क्षेत्र के नागरिक गण ले रहे हैं। श्री बम्लेश्वरी मंदिर ट्रस्ट समिति द्वारा क्षेत्र के नागरिकों से उपलब्ध सेवाओं का लाभ उठाने की अपील की गई है। कृपया मंदिर चिकित्सालय से संबंधित पूछताछ हेतू मोबाइल नं 9425205917 में संपर्क करें।

देशी शराब के साथ युवक गिरफ्तार

खैरागढ़, 13 जुलाई (देशबन्धु)। खैरागढ़ थाना पुलिस ने ग्राम पांडादाह हाई स्कूल के पास 20 वर्षीय युवक को अवैध रूप से शराब की बिक्री करते हुए रंगे हाथ पकड़ा है। आरोपी की पहचान निखिल पिता नंदु शर्मा निवासी पांडादाह के रूप में हुई है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि पांडादाह में एक युवक अवैध रूप से शराब बेचकर गलत तरीके से मुनाफा कमा रहा है। सूचना की तस्दीक के बाद थाना खैरागढ़ के सहायक उप निरीक्षक शंकर कारूनिक एवं आरक्षक मुरली वर्मा ने गवाहों की मौजूदगी में दबिश दी। आरोपी निखिल शर्मा को हाई स्कूल के पास सफेद बोरी में शराब बेचते पकड़ा गया। मौके से 23 पौवा कुल 4140 एमएल देसी प्लेन मदिरा यूनिक ब्रांड एवं बिक्री की 300 रुपये नकद राशि बरामद की गई। शराब की कुल कीमत 2140 रुपये बताई गई। पूछताछ में युवक शराब बेचने का वैध लाइसेंस नहीं पेश कर पाया जिस पर पुलिस ने आबकारी एक्ट की धारा 34(1)(ब) के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

स्वच्छ सर्वेक्षण में कुम्हारी नगरपालिका को मिलेगा राष्ट्रीय पुरस्कार

कुम्हारी, 13 जुलाई (देशबन्धु)। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में छत्तीसगढ़ ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत स्थिति दर्ज कराई है। बता दें कि राज्य के 7 नगरीय निकायों का चयन स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए किया गया है। जिसमे कुम्हारी नगरपालिका परिषद का नाम उल्लेखनीय है। चयनित सभी निकायों को आगामी 17 जुलाई को नई दिल्ली में आयोजित पुरस्कार समारोह में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू सम्मानित करेंगी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार समारोह में कुम्हारी नगरपालिका को 20 हजार से 50 हजार के आबादी वाले शहरों की श्रेणी में पुरस्कृत किया जाएगा।

इस अवसर पर केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल तथा केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू भी उपस्थित रहेंगे। पुरस्कार लेने के लिए नगरपालिका परिषद कुम्हारी की अध्यक्ष श्रीमती मीना वर्मा, मुख्य नगरपालिका अधिकारी नेतराम चन्द्राकर सहित दो अन्य अधिकारी शीघ्र दिल्ली हेतु रवाना होंगे।

कंसेलापाठ में गुरु पूर्णिमा महोत्सव धूमधाम से मनाया

खैरागढ़, 13 जुलाई (देशबन्धु)। ग्राम कंसेलापाठ स्थित शिव मंदिर एवं माता भगवती मंदिर परिसर में इस वर्ष गुरु पूर्णिमा महोत्सव के आध्यात्मिक उल्लास एवं भक्ति भावना के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर सूरज उपाध्याय ने अपनी धर्मपत्नी के साथ सर्वप्रथम अपने पूज्य गुरुदेव जगद्गुरु शंकराचार्य पूज्यपाद स्वामी निश्चलानंद सरस्वती महाराज की छवि का पूजन एवं वंदन किया तत्पश्चात उपाध्याय के शिष्यों द्वारा पारंपरिक विधि से गुरुपूजन संपन्न किया गया। पूजा उपरांत गुरुजी ने सभी शिष्यों को आत्मानुभूति की दिशा में साधना तथा सनातन धर्म के शाश्वत सिद्धांतों, राष्ट्र धर्म और व्यवहारिक अध्यात्म पर सारगर्भित मार्गदर्शन प्रदान किया।

शिष्यों ने गुरु वचनों का श्रद्धापूर्वक श्रवण किया एवं जीवन में आत्मसात करने का संकल्प लिया। गुरुवाणी के उपरांत सभी उपस्थित साधकों और ग्रामवासियों के लिए भोजन प्रसाद की व्यवस्था की गई जिसमें भक्तों ने भक्ति भाव से भाग लिया। इस दिव्य आयोजन में कंसेलापाठ के शिष्यगणों के साथ-साथ समस्त वनांचल क्षेत्रवासियों ने तन, मन, धन से सक्रिय सहभागिता निभाई और गुरु भक्ति की अनुपम मिसाल प्रस्तुत की।

उल्टा पुल्टा

पति ने पत्नी से बड़े ही प्यार से कहा - काश तुम शक्कर होती, कभी तो मीठा बोलती...
पत्नी- काश तुम अदरक होते, कसम से... जी भर के कूटती...!!!
पत्नी का जवाब सुनकर पति बेहोश!

संपादकीय

तालाबों में जान गंवाते मासूम

जून के अंतिम सप्ताह में पत्थलगांव के एक ग्राम में दो मासूमों की गांव के तालाब में डूबने से मौत हो गयी थी। अब जांजगीर-चाम्पा जिले से भी ऐसा ही हृदय विदारक समाचार मिला है। बलौदा थानांतर्गत भैंसतरा गांव की डबरी में डूबकर चार बच्चों की मौत हो गयी। इनके नाम हैं- पुष्पांजलि व तुषार श्रीवास (भाई-बहन, क्रमश: 9 व 5 साल), ख्याति केवट (4) और अंशिका यादव (8) पत्थलगांव की घटना में जहां स्कूल से वापसी में पड़ोस में रहने वाले दो बच्चे साइकल धोने के लिये तालाब में उतर गये थे, तो दूसरी घटना में ये बच्चे स्कूल से ही लौटते हुए नहाने के लिये पानी में उतर गये थे। इस तरह की अनगिनत घटनाएं तालाबों के राज्य छत्तीसगढ़ में होती रहती हैं, पर दुर्भाग्य से पालक व अभिभावक तो लापरवाही बरतते ही हैं, ग्राम पंचायतें भी लोगों को खुद की तथा बच्चों की सुरक्षा को लेकर जागरूक नहीं दिखतीं। डूबते हुए या तालाबों की दलदल तथा वनस्पतियों में उलझे वयस्क तो जान बचा लेते हैं पर बच्चे और किशोर जल्दी परास्त हो जाते हैं।

पत्थलगांव (अंबिकापुर) की जिस घटना का ऊपर जिक्र हुआ है वह केरजू गांव की है। स्कूल से लौटते हुए तालाब में आरव अग्रवाल व अंश अग्रवाल (क्रमश: 9 व 8 साल) अपनी साइकलें धोने गये थे। गहरे पानी में उतरने से उनकी मौत हो गयी। ऐसे ही, खल्लारी (महासमुन्द) थाना क्षेत्र के सोरम सिंघी में दुष्यंत निषाद (7 वर्ष) और द्रोण निषाद (8) कुछ मित्रों के साथ तालाब में नहाने गए थे। वे भी गहराई में उतरने से डूब गये। अन्य बच्चों की चीख-पुकार सुनकर ग्रामीण वहां पहुंचे। तब तक दोनों काल कलवित हो चुके थे। मई के बालोद के जगन्नाथपुर स्थित नवा तालाब में भी 5 साल का बच्चा डूबकर मरा था। राजनांदगांव के सोमनी थाना क्षेत्र में भी इसी प्रकार से दो की मौत हुई थी। भाई-बहन पूनम साहू (8 वर्ष) और तेजस (5) तालाब में मारे गये थे। सरगुजा के सिलसिला गांव में भी दो बच्चे तालाब में डूबे हैं। पिछले वर्ष अक्टूबर में धमतरी के एक गांव में दो सगी बहनें तथा उनके साथ गयी लड़की तालाब में डूब गयी थीं। लगभग 10 माह पहले रायपुर के राजेन्द्र नगर थाने के तहत एक तालाब में 8 और 10 साल के क्रमश: तेजस एवं विजय दीप भी डूब गये थे। ये भी शाला से नहाने चले गये थे।

ऐसी अनगिनत दुर्घटनाएं इसलिये होती हैं क्योंकि माता-पिता और अभिभावकों की जानकारी के बगैर बच्चे अकेले अथवा दोस्तों या सहेलियों के साथ तालाब नहाने चले जाते हैं। एक कारण यह भी होता है कि उनके मां-बाप, बड़े भाई-बहन, अभिभावक आदि कृषि कार्य अथवा मजदूरी करने चले गये होते हैं। कोशिश की जाये कि बच्चे तालाबों में अकेले नहाने न जायें। यथासम्भव कोई वयस्क उनके साथ रहे। बच्चे उनकी देखरेख में स्नानादि करें। बच्चे भी तालाबों की दलदल, गहराई, वनस्पतियों के खतरों को जानें। छोटे बच्चों को शाम या रात को तालाब न भेजा जाए।

शासन का ग्राम पंचायत विभाग तथा स्वयं ग्राम पंचायतों को चाहिये कि लोगों को सतर्क करें। ग्रामवासियों को बतलाया जाये कि बच्चों को नहाने या किसी भी काम के लिये अकेले न भेजें। किसी बड़े की उपस्थिति में वे नहायें अथवा तैरें अन्यथा मासूम ऐसे ही अपने प्राण गंवाते रहेंगे। जिस बड़ी तादाद में बच्चे तालाबों में डूबकर अपने प्राण गंवा रहे हैं वह दुर्भाग्यजनक है।

देवरी की पानी टंकी बनी शो पीस, लाखों की लागत पर भी नहीं मिल रहा पानी

ग्रामीणों ने जताई नाराजगी, तीन साल से इंतजार में बीत रहे दिन, लापरवाही की मिसाल बना निर्माण कार्य

राजिम, 13 जुलाई (देशबन्धु)। ग्राम पंचायत देवरी में लाखों रुपए की लागत से बनी पानी टंकी ग्रामीणों के किसी काम नहीं आ रही है। लगभग तीन वर्ष पूर्व नल-जल योजना के तहत इस पानी टंकी का निर्माण किया गया था, लेकिन आज तक यह चालू नहीं हो पाई। ग्रामीणो की मानें तो टंकी निर्माण में गुणवत्ता की भारी अनदेखी की गई है. जिससे इसमें जगह-जगह लिकेज हो गया है। साथ ही, बोरवेल फिटिंग का काम अब तक अधूरा है और खोदे गए गड्ढों को भी नहीं भरा गया है।

ग्रामीणों ने बताया कि ठेकेदार द्वारा न केवल घटिया सामग्री से निर्माण कराया गया, बल्कि पाइपलाइन बिछाने में भी मनमानी की गई। योजना के अनुसार प्रत्येक घर तक नई पाइपलाइन से जल आपूर्ति होनी थी, लेकिन ठेकेदार ने पुरानी पाइपलाइन से ही कनेक्शन जोड़ दिया। परिणामस्वरूप, आज भी ग्रामीणों को पीने के पानी के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है, ।

स्थानीय लोगों का कहना है कि शासन की महत्वाकांक्षी योजना को ठेकेदारों की लापरवाही और अधिकारियों की अनदेखी ने फेल कर दिया है। गांव के लोग मांग कर रहे हैं कि जल्द से जल्द इस पानी टंकी को चालू किया जाए और दोषियों के खिलाफकार्रवाई हो। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी समस्याओं को शीघ्र नहीं सुना गया, तो वे आंदोलन करने मजबूर होंगे। एक ओर पानी की किल्लत, दूसरी ओर अनुपयोगी टंकी - देवरी गांव बना योजनाओं की लापरवाही का उदाहरण

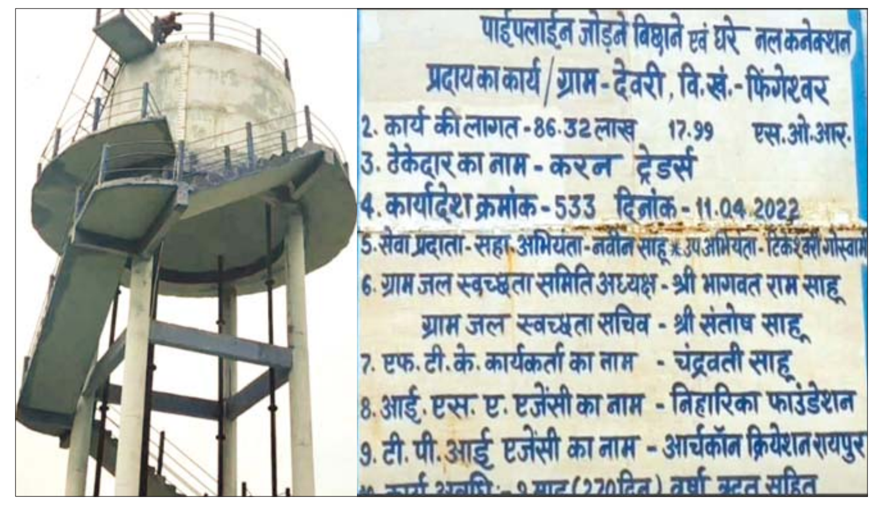

पाईपलाईन जोड़ने बिछाने एवं घरों में नल कनेक्शन प्रदाय का कार्य / ग्राम - देवरी, वि.सं.-फिंगेश्वर, कार्य की लागत-86.32 लाख17.99, एस.ओ.आर., ठेकेदार का नाम - करन ट्रेडर्स, कार्यादेशक्रमांक-533 दिनांक 11.04.2022 सेवा प्रदाता-सहा-अभियंता - नवीन साहू ,उपअभियंता - टिकेश्वरी गोस्वामी. ग्राम जल स्वच्छता समिति अध्यक्ष भागवत राम साहू ग्राम जल स्वच्छता सचिव - संतोष साहू, ,. एफ टी. के. कार्यकर्ता का न- चंद्रवती साहू , आई. एस. ए. एजेंसी निहारिका फाउंडेशन टी. पी. आई एजेंसी का नाम - आर्चकॉन क्रियेशन रायपुर है।

जर्जर हालत में पितईबंद पंचायत भवन, ग्रामीणों ने की मरम्मत की मांग

राजिम, 13 जुलाई (देशबन्धु)। ग्राम पंचायत पितईबंद का पंचायत भवन इन दिनों अपनी खस्ताहाल स्थिति को लेकर चर्चा में है। करीब 20 वर्ष पूर्व बना यह भवन आज जर्जर हालत में पहुंच गया है, जहां छत से प्लास्टर झड़ रहा है, दीवारों में गहरी दरारें पड़ चुकी हैं और पूरी संरचना कमजोर हो चुकी है। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत भवन में प्रवेश करना जान जोखिम में डालना है ।

छत से गिर रहा प्लास्टर, कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

स्थानीय निवासियों ने बताया कि निर्माण के समय गुणवत्ता से समझौता किया गया, जिसके कारण दो दशक में भवन की हालत खंडहर जैसी हो गई है। अब वहां ग्राम सभा, राशन कार्ड वितरण जैसे जरूरी कार्य भी खतरे में पड़ गए हैं। लोग पंचायत कार्यालय जाने से भी डरते हैं, क्योंकि छत से प्लास्टर का गिरना आम बात हो गई है।

पूर्व एवं वर्तमान पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा कई बार इस मुद्दे को जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के समक्ष उठाया गया, लेकिन अब तक न तो कोई मरम्मत हुई है और न ही पुनर्निर्माण के लिए राशि स्वीकृत की गई है। ग्रामीणों ने प्रशासन पर गंभीर उदासीनता का आरोप लगाते हुए कहा है कि यदि जल्द कदम नहीं उठाते तो बड़ी दुर्घटना की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता ।

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से तत्काल पंचायत भवन की मरम्मत या पुनर्निर्माण के लिए बजट स्वीकृत करने की मांग की है। साथ ही उन्होंने यह भी आग्रह किया है कि भविष्य में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए निष्पक्ष जांच और निगरानी व्यवस्था की जाए।

जैन संतों की निश्रा में नवकार अमृत अनुष्ठान एवं तपस्याओं का शुभारंभ

महासमुंद, 13 जुलाई (देशबन्धु)। पूज्य उपाध्यायद्वय अध्यात्मयोगी महेंद्रसागर जी मसा एवं युवा मनीषी मनीषसागर जी मसा के सुशिष्य पूज्य विवेकसागर जी मसा व पूज्य शासनरत्नसागर जी मसा की पावन निश्रा में रविवार 13 जुलाई को 51 दिवसीय नवकार अमृत अनुष्ठान का शुभारंभ हुआ । सर्वप्रथम मनोहर बहु मंडल ने मंगलगीत से कार्यक्रम का शुभारंभ किया । भक्ति गोलछा0, मौली भंसाली, कृतिका लुनिया, खुशी लूनिया और श्रुति लुनिया ने नृत्य के माध्यम से नवकार की महिमा का वर्णन किया । जैन श्री संघ द्वारा नवकार पट की स्थापना के लाभार्थी नेमीचंद ,भंवरलाल, सम्पतलाल, कानमल चोपड़ा का बहुमान किया गया। तत्पश्चात नवकार पट की पालकी यात्रा गाजे बाजे के साथ जैन मंदिर से गांधी चौक होते हुए वल्लभ भवन पहुंची, जहाँ नवकार दरबार में नवकार पट की स्थापना की गई । साधकों को बेटका और माला श्री संघ की द्वारा गुप्त लाभार्थी के माध्यम से प्रदान किया गया । पूज्य विवेकसागर जी मसा ने इस अनुष्ठान का वर्णन करते हुए बताया कि 51 दिन में प्रत्येक आराधक को न्यूनतम 102 पक्की माला का जाप नवकार दरबार में करना है । अर्थात् एक आराधक 51 दिनों में कुल 11016 नवकार मंत्र का जाप करेगा । इस प्रकार 100 आराधक लगभग 11 लाख मंत्र का जाप इस दरबार में करेंगे । इतने मंत्रोच्चार से इस जगह की ऊर्जा में अपार वृद्धि होगी तथा सम्पूर्ण संघ का मंगल होगा । जैन धर्म में नवकार मंत्र की महिमा अपरंपार बतायी गई है । कार्यक्रम का संचालन रितेश गोलछा ने किया।

कृषकों को बैटरी स्पेयर व अरहर बीज मिनिकिट वितरित

बलौदाबाजार, 13 जुलाई (देशबन्धु)। कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देशानुसार कृषि विभाग द्वारा विकासखण्ड बलौदाबाजार के ग्राम सुनसुनिया में एक्सीटेंशन रिफार्म आत्मा अतर्गत कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में किसानो को कृषि विभाग कि विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। इसके साथ ही डीएमएफअंतर्गत 20 कृषकों को बैटरी स्पेयर व 30 कृषको को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण योजना अंतर्गत अरहर बीज मिनीकिट का वितरण किया गया।

वर्तमान खरीफसीजन में डीएपी के स्थान पर एसएसपी अथवा एनपीके उर्वरक के उपयोग हेतु कृषको को सलाह दी गई। साथ ही विभिन्न फसलों में उर्वरकों के संतुलित उपयोग के माध्यम से खेती हेतु प्रोत्साहित किया गया। उर्वरक के उपयोग में कमी हेतु नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी छिड़काव हेतु विस्तृत जानकारी दी गई। फसल बीमा योजना अंतर्गत खेती में जोखिम से बचाव हेतु कृषको को फसलों के बीमा के लिए प्रोत्साहित किया गया। कृषको को कुल बीमा का मात्र 2 प्रतिशत देय होगा, शेष राशि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा वाहन किया जाएगा। फसल बीमा के लिए अंतिम तिथि 31 जुलाई 2025 है। उद्यानिकी विभाग द्वारा सब्जी एवं पुष्प उत्पादन की तकनीकी जानकारी दी गई वहीं पशुपालन विभाग द्वारा पशुओं में मौसमी बिमारी एवं उसके उपचार की विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर जनपद सदस्य शांता देवी यादव, अमित बारले, सरपंच रोशनी मांझी, उप सरपंच शरद कुमार केवट, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी लोकनाथ दीवान, ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारी संतोष साहु सहित अन्य अधिकारी एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

वनाधिकार पत्र पर कार्यशाला आयोजित

कसडोल/बलौदाबाजार, 13 जुलाई (देशबन्धु)। जनपद पंचायत कार्यालय कसडोल में शनिवार को वन अधिकार अधिनियम के अंतर्गत फौत एवं नामांतरण विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में डीएफओ गणवीर धम्मशील, एसडीएम, तहसीलदार एवं सभी एसडीओ (वन), परिक्षेत्र अधिकारीगण एवं प्रशिक्षु वनक्षेत्रपाल उपस्थित रहे।

कार्यशाला में डीएफओ एवं एसडीएम के द्वारा नामांतरण की प्रक्रिया को लेकर महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया और फील्ड स्तर पर आने वाली समस्याओं के समाधान हेतु सुझाव दिए गए। इसके >> शेष पृष्ठ 9 पर >

कृषक के खेत में एक सीमेंट कंपनी की कॉलोनी का पानी भरने से फसल हुई बर्बाद

भरूवाडीह/बलौदाबाजार, 13 जुलाई (देशबन्धु)। समीप ग्राम ठेलकी के गरीब किसान महेंद्र पिता स्वर्गीय भैय्याराम वर्मा खेती से ही किसानी करके अपने परिवार का भरण पोषण और जीवीकोपार्जन करता है। उसके पास उसका डेढ़ एकड़ का खेत भरूवाडीह स्थित श्री टॉऊनशिप कॉलोनी के नजदीक है। उसने बताया कि धान बोने के बाद हम किसान सुबह-शाम खेत के फसल को देखने जाते हैं। जाने पर पता चला की कॉलोनी से मोटर पंप द्वारा पानी सीधे मेरे ही खेत में फेंका जा रहा है। जिस पर मना >> शेष पृष्ठ 9 पर >

गुरु प्रसाद बाबा मानव समाज के लिए समर्पित व्यक्तित्व : गेंदलाल कोकडिया

करोड़ों का जमीन दान देकर गुरु प्रसाद बाबा ने बनवाया अभिभावक विद्यालय

महासमुंद, 13 जुलाई (देशबन्धु)।.मानवीय शिक्षा शोध केंद्र तेंदुवाही के संचालक शिक्षक गेंदलाल कोकडिया ने भिलाई दुर्ग ,गुंडर डेही शहर व गांवों से पहुंचे जीवन विद्या समझने विद्यार्थियों, अभिभावकों, विद्यालयों , समाज सेवियों को संबोधित करते हुए, स्वागत करते हुते गुरु के बारे में बतायें कि गुरु, गुरु बनाते हैं, चेला नहीं, गुरु दान दक्षिणा मांगते नहीं, शिष्य खुश होकर समर्पित करते हैं, असली गुरु दक्षिणा वह है,जब शिष्य भी गुरु बन जाये, गुरु का जीवन प्रमाणिकता पूर्वक सफल है, गुरु हमें न्याय धर्म सत्य का मार्ग दर्शन करने का समझ की वस्तु देते हैं। गुरु प्रकृति और मानव के साथ पर्यावरण और आवर्तन शीलता को महत्व देते हैं, सादगीपूर्ण जीवन जीते हैं,श्री कोकडिया ने गुरु प्रसाद बाबा के बारे में बताते हुए कहा कि बाबा ने जयपुर,राजीम नयापारा, सांकरी पारा के अलावा गुंडरडेही समेत 4आश्रम समाज के सहयोग से मानव समाज के जागृति के लिए बनाकर समर्पित किये हैं, उत्सव पारा सांकरी में जीवन विद्या आधारित अभिभावक विद्यालय बनाने के लिए दो एकड़ तीस डिस्मिल जमीन दान दिये हैं,जो कि करोड़ो रुपयों का है। कार्यक्रम के आयोजक मानव कल्याण संस्थान गुंडर डेही गुरु प्रसाद बाबा व चेतन मानव ने बताया कि मानव समाज को जागृत करने वाले ही गुरु होते हैं, मानव, मानव का महत्व समझ जाये, उत्सव पूर्वक जिसमें, इसीलिए मानव कल्याण संस्थान हर वर्ष गुरु पूर्णिमा का आयोजन करती है। कार्यक्रम में गुरु जनों व महासमुन्द, धमतरी, बालोद, भिलाई, दुर्ग, मध्यप्रदेश, उत्सव पारा सांकरी व अन्य जिलों व राज्य से आये लोगों का स्वागत करने स्वयं पूर्व विधायक राजा राय, नपाध्यक्ष प्रमोद जैन, रुप नारायण सिन्हा ,योगा व खेल कूद,केशव राम साहू कवि आदि सभी ने गुरुओं के महत्व पर प्रकाश डालते व मानव जन कल्याण संस्थान के सुरक्षा व संरक्षण समेत जीवन विद्या के लोक व्यापीकरण का संकल्प लिये 100 गांवों के 300 से अधिक लोगों ने जीवन विद्या का महत्व समझा एवं भविष्य में जीवन विद्या शिविर करने का संकल्प लिए। क्षेमेन्द्र साहेब सेमरा धमतरी, सावंत गुरु ,रामचरण पटेल पाली गायत्री परिवार,कृष्ण मोहन पटेलआरंग,गेश्वरी साहु, दीदी राखी गेंदलाल कोकडिया,रागेश्वर,रवि शंकर छिंदवाड़ा, सुनील शर्मा तुमगांव ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

जन्म दिन की हार्दिक बधाई
जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक रायपुर के पूर्व अध्यक्ष एवं पलारी क्षेत्र के वरिष्ठ भाजपा नेता
मा. योगश चंद्राकर
के आज जन्म दिवस पर हार्दिक बधाई एवं ढेर सारी शुभकामनाएं
विनीत

श्री योगेश चंद्राकर

लालिमा-रामखिलावन डहरिया
सभापति विद्युत विभाग
जनपद पंचायत पलारी

रामखिलावन डहरिया
सभापति प्रतिनिधि

तुलसीराम डहरिया
भाजपा मण्डल उपाध्यक्ष
पलारी

जन्म दिन की हार्दिक बधाई
माटीपुत्र, सफल कृषक, सहकारिता के जनक, भाजपा के वरिष्ठ नेता
मा. योगेश चन्द्राकर
पलारी (पूर्व अध्यक्ष जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक रायपुर) के आज जन्म दिवस पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं....

श्री योगेश चंद्राकर
शुभेच्छु- एक शुभचिंतक, पलारी

बिजली दरों की बढ़ोतरी, भाजपा की जनविरोधी मानसिकता की खुली पोल: केशव चंद्राकर

बागबाहरा, 13 जुलाई (देशबन्धु)। डबल इंजन की भाजपा सरकार ने एक बार फिर छत्तीसगढ़ की करोड़ों मेहनतकश जनता के साथ विश्वासघात किया है। बिजली की दरों में की गई भारी वृद्धि इस सरकार की जनविरोधी और पूंजीपरस्त मानसिकता को उजागर करती है।

यह वही सरकार है जो चुनाव पूर्व विकसित छत्तीसगढ़ समृद्ध किसान, 24 घंटे बिजली जैसे सपने दिखाकर सत्ता पर आई। लेकिन अब एक-एक यूनिट पर जनता की जेब काटने में लगी है।

पिछड़ा वर्ग कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष एवं बागबाहरा जनपद पंचायत के अध्यक्ष केशव नायक राम चंद्राकर ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि यह सरकार आम आदमी की नहीं, अमीर उद्योगपतियों की सरकार है। पूंजीपतियों के लिए खजाने के द्वार खोलने वाली इस सरकार ने गरीब और मध्यम वर्ग की कमर तोड़ने का ठेका ले लिया है।

सरप्लस बिजली, फिर भी महंगी बिजली?

छत्तीसगढ़ जैसा बिजली सरप्लस राज्य, जहां से अन्य राज्यों को भी बिजली निर्यात होती है। वहां घरेलू उपभोक्ताओं से 10 से 20 पैसे प्रति यूनिट, गैर-घरेलू उपभोक्ताओं से 25 पैसे प्रति यूनिट तक की वृद्धि करना क्या लूट नहीं है?

केशव चंद्राकर ने आगे कहा कि कभी आधे बिल की राहत देने वाली कांग्रेस सरकार के जनहित वाली सरकार के बाद झूठे वादे करके सत्ता पर काबिज हुई भाजपा सरकार ने छत्तीसगढ़ की गरीब जनता को परेशान करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। यह सरकार हर दिन जनता की जेब पर डाका डालके उनकी जेब खाली करने में लगी हुई है। और इस सरकार की नियत देखिए कि अब इन्होंने बिजली को भी विलासिता की वस्तु बना दी है। जिसके चलते गरीब अपनी रसोई की बत्ती जलाने से भी डरेगा।

मित्र पूंजीवाद का चरम रूप....भाजपा का असली चेहरा

जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री चंद्राकर ने आरोप लगाया है कि भाजपा की नीतियां पूरी तरह से अपने मित्र उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से बनाई जा रही है। प्राकृतिक संसाधनों की लूट, जमीन अधिग्रहण, और अब बिजली दरों की बढ़ोतरी— यह सब उसी रणनीति का हिस्सा है। जिससे केवल भाजपा के मित्र समूह लाभान्वित हो सके।

सरकार ने उद्योगपतियों को सब्सिडी दी। माफियाओं को संरक्षण दिया। मगर किसानों, छोटे दुकानदारों और घरेलू उपभोक्ताओं को बोझ थमा दिया।

कांग्रेस देगी सड़कों पर जवाब, शुरू होगा जन-जागरण अभियान

दबंग एवं कर्मठ कांग्रेस नेता केशव नायक राम चंद्राकर ने कहा कि कांग्रेस इस जनविरोधी निर्णय के खिलाफ प्रदेशव्यापी आंदोलन की तैयारी कर रही है। गांव-गांव, शहर-शहर कांग्रेस कार्यकर्ता जाकर बिजली दरों की असलियत बताएंगे। और जनता को जागरूक करेंगे। यह जनतंत्र है, झूठ का व्यापार नहीं। जब सरकार जनता की पीड़ा नहीं सुनेगी, तो कांग्रेस सड़क पर उतरेगी और आवाज बनकर लड़ेगी। उन्होंने यह भी कहा कि अब समय आ गया है जब जनता भाजपा सरकार को उसके हर फैसले के लिए जवाबदेह बनाए और आगामी चुनावों में सबक सिखाए।

शासन से हमारी प्रमुख मांगे यह है कि बिजली दरों में की गई वृद्धि को तुरंत प्रभाव से वापस लिया जाए। पूर्ववर्ती 'बिजली बिल हाफ' योजना को शत प्रतिशत पुनः पूर्ववर्ती सरकार के नियमों के अनुसार ही फिर से लागू किया जाए। सरप्लस बिजली राज्य में उपभोक्ताओं को न्यूनतम दर पर बिजली मुहैय्या कराई जाए। एवं पूंजीपतियों को दी जा रही सब्सिडी और टैक्स रियायतों की सार्वजनिक जांच करवाई जाए।

ग्राम पंचायत रावन में मौसमी बीमारियों पर जागरूकता एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन

बलौदाबाजार, 13 जुलाई (देशबन्धु)। अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड, रावन सीमेंट वर्क्स, सी. एस. आर. द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तदायित्व (सी. एस. आर.) के अंतर्गत ग्रामीणों स्वास्थ्य देखभाल पहल के तहत ग्राम पंचायत रावन में मौसमी बीमारीयों पर एक जागरूकता एवं निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन ग्राम पंचायत परिसर में किया गया।

इस कार्यक्रम का आयोजन संयंत्र प्रमुख नुगुरी केशव एवं मानव संसाधन प्रमुख करन मिस्त्री के मार्गदर्शन में किया गया। इस शिविर में संयंत्र के डॉ. श्रीराम एवं डॉ. मंजरी द्वारा ग्राम के 157 से अधिक ग्रामीणों की मौसमी बीमारीयों की जाँच की गई तथा उन्हें आवश्यक परामर्श और निःशुल्क दवाइयां वितरीत की गई साथ ही मौसमी बीमारीयों जैसे सर्दी, खांसी, डेंगु, मलेरिया आदि की रोकथाम एवं प्राथमिक उपचार के विषय में उपयोगी जानकारी साझा की गई। करन मिस्त्री ने अपने उधबोधन में कहा कि शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाये रखने की जरुरत है। स्टाप नर्स अपूर्वा मिर्जा एवं राकेश सोनी, प्रबीन कुशवा, रेडियोग्राफर-रतन चंद, राकेश वर्मा ने रोगियों के लिए बेहतर सेवाए प्रदान की। सरपंच रावन अमर सिंह नेताम, पूर्व सरपंच माधवी वर्मा, संजू लहरी की इस कार्यक्रम में गरिमामयी उपस्थिति रही और स्वेच्छा से अपनी सहयोग दीं। इस कार्यक्रम में प्रशासन सी. एस. आर. और सुरक्षा विभाग प्रमुख संजीव मिश्रा, सी.एस.आर. प्रमुख विनोद श्रीवास्तव, अधिकारी ज्योत्सना पति एवं रंजय पाण्डेय, सी.एस.आर. टीम से सुरेन्द्र कुमार यादव, द्वारिका वर्मा, जानकी यादव, हेमलता ध्रुव, ताराचंद वर्मा, रमा वर्मा, सुनीता निषाद की भागीदारी रहीं।

सकरी में वर्मा परिवार द्वारा 100 पेंडो का रोपण कर मां को दी गई श्रद्धांजली

बलौदाबाजार, 13 जुलाई (देशबन्धु)। ग्राम सकरी निवासी वर्मा परिवार के सदस्यों द्वारा शनिवार को शासकीय प्राथमिक शाला सकरी के बच्चो को स्व. श्रीमती दुजमति वर्मा की स्मृति में न्योता भोज तथा मुक्तिधाम के किनारे 100 छायादार वृक्षो का रोपणकर श्रद्धांजली दी गई। वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ सरपंच हरिश फेकर एवं उपसरपंच धनेश वर्मा द्वारा किया गया। पुत्र नामदेव वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि गत वर्ष ग्राम सकरी के मुक्तिधाम में करीब 90 छायदार वृक्ष लगाये गये थे। रोपण किये गये सभी वृक्षो का देखरेख भी किया जा रहा है। इस कार्य में ग्राम के कई प्रबुद्धजनो ने भी भाग लिया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से टिकाराम वर्मा, गौरीशंकर वर्मा, गिरजाशंकर, सोनसाय, ललित साहू, चंदू साहू, एमकुमार साहू, जागेश्वर साहू, विक्रम साहू, हरिकिशन वर्मा, चंद्रहास साहू, मौसम वर्मा, उमेंद साहू उपस्थित थे।

सशिमं में शिशु भारती, बालभारती, कन्या भारती एवं किशोर भारती का गठन

महासमुंद 13 जुलाई (देशबंधु)। स्थानीय भलेसर मार्ग पर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर उमावि में शिशु भारती, बालभारती, कन्या भारती एवं किशोर भारती का गठन किया गया । सभी पदाधिकारी भैया बहनों को विद्यालय के प्राचार्य देवराज वर्मा द्वारा वर्षभर विद्यालय की व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए एवं निष्ठा पूर्वक अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए शपथ दिलाई गई । जिसमें किशोर भारती से अध्यक्ष भावेश साहू, उपाध्यक्ष खेमचंद साहू , सचिव . हर्ष देव, सह सचिव अक्षत जलक्षत्री, सेनापति. युवराज साहू, उप सेनापति. निहाल पटेल को दायित्व सौंपा गया। इसी प्रकार कन्या भारती से अध्यक्ष . कु योगिता साहू, उपाध्यक्ष. कु खुशी निषाद, सचिव. कु विधि साहू, सह सचिव . कु जिया वर्मा, सेनापति कु टिकेश्वरी साहू, उप सेनापति कु जीविका देवांगन,बालभारती से अध्यक्ष . कु निधि जलक्षत्री ,उपाध्यक्ष. अंश कुमार साहू, सचिव . कु दोनिशा साहू, सह सचिव .भिमेश कुमार सेन, सेनापति चिराग साहू, उप सेनापति. धर्मवीर नेताम, शिशु भारती से अध्यक्ष . शुभम महानंद, उपाध्यक्ष खोमेश ठाकुर, सचिव . दिव्यांश साहू, सह सचिव अंजली मधुकर, सेनापति वैभव साहू, उप सेनापति भेखराम साहू को दायित्व सौंपा गया । इस अवसर पर विद्यालय के वरिष्ठ आचार्या श्रीमती मनोज साहू, वरिष्ठ आचार्य एवं बालभारती प्रमुख बलराम सेन, वरिष्ठ आचार्य शिवकुमार कन्नौजे, किशोर भारती प्रमुख आचार्य, तुलसीराम पटेल, कन्या भारती प्रमुख श्रीमती दुर्गेश नंदिनी चंद्राकर, सुश्री सरोजनी साव, शिशु भारती प्रमुख श्रीमती किरण सोनी एवं विद्यालय के समस्त दीदी आचार्य उपस्थित थे ।

स्वामी आत्मानंद इंग्लिश स्कूल के इकोक्लब के छात्रों ने एक पेड़ मां के नाम रोपे पौधे

महासमुंद 13 जुलाई (देशबंधु)। नगर के स्वामी आत्मानंद शासकीय इंग्लिश स्कूल नयापारा के इकोक्लब के छात्रों के द्वारा संस्था के प्राचार्यअमी रूफस के मार्गदर्शन एवं प्रमोद कुमार कन्नौजे के निर्देशन में इकोक्लब के छात्र-छात्राओं के द्वारा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में शासन द्वारा चलाये जा रहे अभियान एक पेड़ मां के नाम के अंतर्गत शाला परिसर में फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया। इकोक्लब के प्रभारी शिक्षक विकास यादव ने छात्रों को पौधे लगाने के उद्धेश्य एवं आवश्यकता, महत्ता पर प्रकाश डालते हुए छात्रों को अपने-अपने घरों के आसपास खाली जगहों पर एक पेड़ मां के नाम पौधे लगाकर उसको संरक्षित, सुरक्षित करने के लिए प्रेरित किया। इसअवसर पर संस्था के जी.आर. टांडेकर, प्रियंका पीटर, मितेश शर्मा, नेहा सिंह, ध्रुतिश्रीवास्त, अंशुमालाबारिक एवं इकोक्लब के अध्यक्ष गरिमा साहू, सदस्य हिमांशु साहू, खुशीसाहू, चन्द्रशिला, द्रोणटंडन, लीलेशसाहू गुलशन साहू, लीना साहू आदि उपस्थित थे।

गढ़सिवनी में शाला प्रवेश उत्सव और गुरु पूर्णिमा मनाया गया

महासमुंद 13 जुलाई (देशबंधु)। सरस्वती शिशु मंदिर गढ़सिवनी में शाला प्रवेश उत्सव व गुरु पूर्णिमा का कार्यक्रम मनाया। जिसमें गढ़सिवनी के सरपंच श्रीमती खेमलता ध्रुव, जनपद सदस्य श्रीमती योगेश्वरी साहू, विद्यालय के संरक्षक जीवन लाल साहू, संयोजक रोशन दास मानिकपुरी, कौशल पालकगण व ग्रामीणजन उपस्थित थे। संरक्षक जीवन लाल साहू ने नवप्रवेशित बच्चों को शुभकामनायें प्रदान करते हुए गुरु की महिमा के बारे मे मार्गदर्शन दिया। साथ ही सरपंच श्रीमती खेमलता ध्रुव ने अध्ययनरत बच्चों को गणवेश वितरण कर विद्यालय द्वारा गठित शिशु भारती व बाल भारती, आचार्य दायित्व प्राप्त सभी को शपथ ग्रहण कराया गया। संयोजक रोशन दास मानिकपुरी द्वारा सभी आचार्य,अचार्यों को गुरुपूर्णिमा के अवसर पर श्रीफल व कलम देकर गुरु के महिमा का बखान किया। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के प्रधानाचार्य दिलीप कुमार साहू ने किया।

जुआ खेलते 13 पकड़ाए

सिमगा, 13 जुलाई (देशबन्धु)। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस को मुखबिर से सूचना मिला कि ग्राम पंचायत तुलसी में खाद गोदाम के बाजू में कुछ लोग रूपए पैसे का दांव लगाकर काट पत्ती नामक जुआ खेल रहे हैं कि सूचना पर मुखबिर के बताए स्थान पर पहुंचकर घेराबंदी कर जुआ खेल रहे 13 लोगों रंगे हाथों पकड़ा । तथा कुछ लोग मौके का फायदा उठाकर भाग खड़े हुए ।

पकड़े गए जुआरियों में रिझन कुमार साहू पिता नर्सिंग साहू उम्र 34 वर्ष रामायण चतुर्वेदी पिता केहर चतुर्वेदी उम्र 41 वर्ष रूपचंद साहू पिता जेठीराम साहू उम्र 55 वर्ष कुमार साहू पिता सोनउराम साहू उम्र 55 वर्ष हेमप्रकाश मांडले पिता प्रेम मांडले उम्र 32 वर्ष बिजूराम साहू भाग बली साहू उम्र 50 वर्ष वीरसिंह साहू पिता रामनाथ साहू उम्र 45 वर्ष राम अवतार साहू पिता सुखी राम साहू उम्र 55 वर्ष टिकेंद्र साहू पिता जगदीश साहू उम्र 34 वर्ष विजयदास मानिकपुरी पिता सूकीत मानिकपुरी उम्र 34 वर्ष विनोद साहू पिता जक्कु साहू उम्र 41 वर्ष वेदराम साहू पिता शिवकुमार साहू उम्र 38 वर्ष यह सभी ग्राम तुलसी निवासी एवं ओमप्रकाश डोरे पिता जगतारण डोरे उम्र 52 वर्ष ग्राम चंदनू के पास से 52 पत्ती ताश एवं 3065 नगद रकम एक प्लास्टिक बोरी जप्त किया गया । पुलिस आरोपियों के विरुद्ध जुंआ एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है ।

उल्लेखनीय है कि क्षेत्र में काफी लंबे समय से जुंआ सट्टा का अवैध कारोबार संचालित हो रहा है । जुआ खेलने की लत के चलते कई घर परिवार बर्बाद हो रहे हैं । जिस पर प्रतिबंध नहीं लग पा रहा है। इस संबंध में थाना प्रभारी रितेश मिश्रा ने कहा कि पुलिस को किसी भी अवैध कार्य के बारे में जानकारी प्राप्त होती है तो कार्यवाही किया जाता है ।

पर्यावरण संरक्षण हेतु नवीन कांप्लेक्स में रोपे पौधे

महासमुंद 13 जुलाई (देशबंधु)। नगर पंचायत तुमगांव में महादेव के विशेष मास सावन माह के प्रथम दिवस पर नगर पंचायत तुमगांव में नगर में व्यवसाय को बढ़ावा और नगर के युवाओ को रोजगार देने हेतु पूर्व अध्यक्ष उप अध्यक्ष, सभापति, पार्षदों द्वारा चौक पर नवीन दुकान का निर्माण करवाया गया जो आज पूरे आस पास क्षेत्र में व्यवसाय का प्रमुख स्थान के रूप में अपना अलग पहचान बना रहा है और यहां लगभग सभी दुकान दार शिक्षित युवा वर्ग है जो आज पढ़ लिख कर खुद का व्यवसाय शुरू किए है और यह कंप्लेक्स समाज मे जागरूकता अभियान चला कर समाज के लिए अपना छोटे छोटे प्रयासों से समाज मे जागरूकता अभियान चलाए। कॉप्लेक्स के निर्माण से अनेक बेरोजगार युवाओं को रोजगार का अवसर मिल रहा है सभी नया कॉप्लेक्स में व्यवसाय कर रहे दुकान दानों द्वारा पर्यावरण संरक्षण हेतू नगर के प्राकृतिक प्रेमी धर्मेन्द्र यादव ने कदम का वृक्ष लगाया गया। साथ ही पेड़ के सुरक्षा के लिए जाली भी लगाया गया और इस पौधे को एक विशाल वृक्ष के रूप में बढ़ाने का संकल्प लिया गया। आने वाले समय में नया कॉप्लेक्स के आस पास और नगर में बरसात में वृक्षारोपण व अन्य समाज सेवा का कार्य करने का प्रयास किया जाएगा। आम जनता को इस बरसात एक एक पेड़ लगाने और उसे बढ़ाने का अपील व्यवसायिक नवीन कॉप्लेक्स के दुकानदारों द्वारा किया गया। इस अवसर पर धर्मेन्द्र यादव, योगेश साहू,हेमंत धीवर, रामचंद्र पटेल, मुकेश साहू आदि दुकानदार उपस्थित थे।

राजधानी में 'लखपति महिला' कार्यशाला गरियाबंद की एमिन दीदी की सफलता की गूंज

गरियाबंद, 13 जुलाई (देशबन्धु)। राजधानी रायपुर में आयोजित तीन दिवसीय लखपति महिला पहल विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला के अंतिम दिन गरियाबंद जिले की एमिन साहू ने अपनी प्रेरणादायक यात्रा साझा की। अपने संघर्ष, मेहनत व आजीविका से आत्मनिर्भर बनाने की कहानी बताई। कार्यक्रम का आयोजन ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा किया गया। कार्यशाला में भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय के सचिव शैलेष कुमार तथा सूक्ष्म, लघु उद्यम मंत्रालय के सचिव एससीएल दास वर्चुअल शामिल हुए। इसके अलावा मिशन संचालक श्रीमती जयश्री जैन सहित देश के विभिन्न राज्यो से आई चयनित लखपति दीदियों ने भी आजीविका के क्षेत्र में अपने अनुभव साझा किए।

■ कार्यशाला में एमिन ने बताई अपने संघर्ष और मेहनत से आत्मनिर्भर बनने की कहानी

फिंगेश्वर ब्लॉक के ग्राम तर्रा निवासी एमिन साहू ने बताया कि वे पहले केवल खेती में लगी थीं। बिहान समूह से जुड़ने के बाद उन्होंने अचार, पापड़, बड़ी, धूपबत्ती जैसे कई उत्पाद बनाने शुरू किए। आज वे बिहान कैंटीन भी चला रही हैं और 30-40 हजार रुपये प्रति माह कमा रही हैं। राजिम में उन्होंने अपने उत्पादों के लिए आउटलेट भी खोला है। इसके अलावा वह छत्तीसगढ़ के पारंपरिक व्यंजन जैसे चीला, फरा, ठेठरी, बड़ा, गुजिया आदि के स्टाल भी मेलों में लगाती हैं। उन्हें भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण से लाइसेंस भी मिला है। गुरुग्राम और दिल्ली में आयोजित सरस मेला में भी उनका चयन हुआ था जहाँ उन्होंने 15 दिनों में 1.85 लाख रुपये की बिक्री की। आज एमिन के साथ उनके समूह की प्रेमीन गायकवाड़, खेमीन साहू, भूमिका साहू और केवरा साहू भी फूड ज़ोन में कार्य कर रहीं हैं। इनकी भागीदारी जिला स्तरीय आयोजनों जैसे राज्योत्सव, आदिवासी गौरव दिवस, और महोत्सवों में भी होती रही है। एमिन ने बताया कि उनका समुह उत्पादों की पैकिंग कर गाँव स्तर पर, समूह बैठकों में ग्राम संगठन, कलस्टर बैठकों में, मेलों में स्टाल लगाकर, अपने उत्पादों का विक्रय करते है। जिससे उनकी वार्षिक आय 3 से 4 लाख रूपये तक हो चुकी हैं। कार्यशाला में उनके प्रेरणादायक यात्रा का अन्य राज्यों के प्रतिनिधिगण ने तालियां बजाकर उत्साहवर्धन किया।

इसके बाद एमिन दीदी की मेहनत और सफलता की सराहना करते हुए मिशन संचालक श्रीमती जयश्री जैन ने उन्हें सम्मानित किया। कार्यशाला में मध्यप्रदेश, बिहार, ओडिशा, तेलंगाना, जम्मू-कश्मीर सहित देश के विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधिगण मौजूद रहे।

रिमजी के छात्रों द्वारा व्यावसायिक शिक्षा हेतु सब्जी बाजार भ्रमण

सरायपाली 13 जुलाई (देशबन्धु)शासकीय उच्च प्राथमिक शाला रिमजी बी ई ओ प्रकाशचंद्र मांझी, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी डी.एन.दीवान एवं बी आर सी सतीश स्वरूप पटेल के मार्गदर्शन से व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने के उद्देश्य से शैक्षणिक अध्ययन भ्रमण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानपाठक ओम प्रकाश साव एवं शिक्षक कमल नारायण भोई के नेतृत्व में विद्यार्थियों को ग्राम के समीप स्थित चौराहा के समीप हाट-बाजार में ले जाया गया।

शैक्षणिक भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को वास्तविक जीवन के व्यापारिक वातावरण से जोड़ना और उनकी गणितीय, आर्थिक एवं सामाजिक समझ को सुदृढ़ करना था। बच्चों ने हाट-बाजार में चल रही खरीद-बिक्री, वस्तुओं का संग्रहण, मूल्य निर्धारण, नफा-नुकसान की गणना, तथा आयात-निर्यात जैसी गतिविधियों का प्रत्यक्ष अवलोकन किया।

बच्चों ने सीखा कि किस प्रकार व्यापारी वस्तुओं की लागत, परिवहन खर्च और लाभ जोड़कर वस्तु का मूल्य तय करते हैं। उन्होंने विभिन्न प्रकार के तुला (तराजू, बाट आदि), डिजिटल तुला का प्रयोग भी देखा, जिससे उन्हें मापन की शुद्धता का महत्व समझ में आया।

बाजार में वस्तुओं की सुरक्षा, उनकी संग्रहण विधियाँ, ग्राहक सेवा की शैली, और वस्तु विनिमय एवं मुद्रा आधारित लेन-देन की बारीकियों को बच्चों ने नजदीक से जाना। साथ ही, उन्होंने व्यापारियों से जिज्ञासावश अनेक प्रश्न पूछे, जैसे—वस्तुएँ कहाँ से लाते हैं, कितने में बेचते हैं, क्या-कैसे नुकसान होता है, और पर्यावरण का व्यापार पर क्या प्रभाव पड़ता है। व्यापारियों ने भी बच्चों के प्रश्नों का उत्तर आत्मीयता से दिया।

इस दौरान विद्यार्थियों ने वर्तमान और पूर्व काल के मूल्य की तुलना कर मूल्यवृद्धि (अधिमूल्यन) और मूल्यह्रास (अवमूल्यन) की अवधारणाओं को भी समझा, जो उन्हें गणित एवं सामाजिक विज्ञान में व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करता है।

इस अध्ययन भ्रमण ने विद्यार्थियों को व्यवसायिक, गणितीय एवं सामाजिक पहलुओं से रूबरू करवाया। उन्हें यह अनुभव न केवल कक्षा के बाहर की शिक्षा का ज्ञान देने वाला रहा, बल्कि उनके तार्किक सोच, संवाद कौशल और पर्यावरणीय जागरूकता को भी मजबूत करने वाला सिद्ध हुआ।

इसी तरह से व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत छात्रों को प्रत्येक माह आसपास स्थित व्यावसायिक क्षेत्र ईट भट्टी, हथकरघा वस्त्र उद्योग, भवन निर्माण, सब्जी की खेती, चिकित्सालय में व्यावहारिक ज्ञान हेतु परिभ्रमण कराया जाता है, जिसमें शाला प्रबंधन समिति एवं पालकों का भी विशेष सहयोग प्राप्त होता है।

विद्यालय परिवार एवं शिक्षकगण और साथ ही साथ ग्रामीण लोकजन व व्यापारिक गणों ने भी इस शैक्षणिक प्रयास की जमकर सराहना की तथा भविष्य में इस प्रकार के और व्यावहारिक कार्यक्रमों की योजना बनाने की बात कही।

स्टेट बैंक ने किया प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के हितग्राहियों को 2-2 लाख का बीमा भुगतान

पिथौरा, 13 जुलाई (देशबन्धु)। भारतीय स्टेट बैंक, शाखा कौहाकुडा, तहसील पिथौरा के द्वारा प्रधानमंत्री जीवन ज्योति, बीमा योजना के अंतर्गत, 3 बीमित व्यक्तियों के मृत्यु पश्चात उनके नामितो को 2-2 लाख रूपये का मृत्यु दावा भुगतान किया गया इनमे 2 लाख 1. ग्राम हनुमानडीह के मृतक श्रीमती गीता बाई के मृत्यु पश्चात उनके नॉमिनी श्री रामलाल यादव 2 लाख रुपये 2 . ग्राम घोंच के मृतक श्रीमती नर्मदा साहू के नॉमिनी श्रीमती बिसाहिन साहू को रुपये, 3. ग्राम लक्ष्मीपुर के मृतक श्री भूषण दीवान के नामिनी श्रीमती गीता दीवान को 2 लाख रुपये बीमा भुगतान के माध्यम दिया गया। बीमा दावा भुगतान प्राप्त कर्ता सभी हितग्राही ग्राहकों ने बताया कि प्राप्त रकम से उनको और उनके परिवार जनों को बहुत बड़ा सहारा मिला है, साथ ही समय पर दावा भुगतान दिलाने हेतु स्टेट बैंक कौहाकुडा बैंक परिवार को धन्यवाद दिया, एवं सरकार को भी इस जन कल्याणकारी बीमा योजना हेतु धन्यवाद ज्ञापित करते हुए स्वयं को भी इस बीमा योजना के लिए नामांकित किया और अन्य बैंक ग्राहकों को भी इसे करने के लिए प्रेरित किया

भारतीय स्टेट बैंक शाखा कौहाकुड़ा के शाखा प्रबंधक यज्ञदत्त वर्मा ने बताया की प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना भारत सरकार की बहुत ही महत्वपूर्ण जन कल्याणकारी एवं जन हितैषी योजना है जो आमजन को बहुत ही कम एवं सस्ते दाम मेंबीमा प्रदान कार रही है जिसमे प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा मात्र 436/- में 2 लाख का बीमा एवं प्रधानमंत्री दुर्घटना सुरक्षा बीमा कवर प्रदान कर रही है। कौहाकुडा के शाखा प्रबंधक मात्र 20 रु में 2 लाख का बीमा द्वारा शाखा के सभी बैंक ग्राहकों से अपील किया गया की सभी लोग आकार अपना और अपने परिवार के सभी पात्र लोगो का सुरक्षा बीमा एवं जीवन ज्योति बीमा अवश्य करवाए।

मांगों को लेकर कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन पेंशनर फोरम 16 को सड़क पर

महासमुंद 13 जुलाई (देशबंधु)। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन पेंशनर फोरम के समस्त प्रांतीय पदाधिकारीएसंभाग संयोजक जिला संयोजक एवं सभी सदस्य गण से अनुरोध किया है कि कमल वर्मा संयोजक के नेतृत्व में कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने अपनी 11 सूत्री मांगों को लेकर जिसमें पेंशनर साथी भी सम्मिलित हैं ।

धवलपुर से 18 किमी दूर आममोड़ा की पहाड़ियों में छिपा कारीपगार जलप्रपात - प्रकृति प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र

गरियाबंद, 13 जुलाई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में स्थित उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व अपनी जैव विविधता और बाघ संरक्षण के लिए देशभर में प्रसिद्ध है, लेकिन इसके घने जंगलों के बीच एक और अनमोल धरोहर छिपी हुई है—एक सुरम्य और शांत जलप्रपात, जो अब धीरे-धीरे प्रकृति प्रेमियों और पर्यटकों की नज़रों में आने लगा है। घने जंगल, पहाड़ी घाटियां और शांत वातावरण के बीच यह जलप्रपात अपने मनोहारी दृश्य और रहस्यमयी सौंदर्य के लिए प्रसिद्धी प्राप्त कर रहा है। नेशनल हाईवे 130 सी धवलपुर से मात्र 18 किमी दूर, आममोड़ा पहाड़ी क्षेत्र में स्थित यह जलप्रपात पहाड़ियों से घिरा हुआ है और चारों ओर फैला घना जंगल इसे एक अद्वितीय और एकांत प्राकृतिक स्थल बनाता है। यहाँ का वातावरण इतना शांत और स्वच्छ है कि पर्यटक स्वयं को प्रकृति की गोद में अनुभव करते हैं। कारीपगार जलप्रपात की धारा जब ऊँचाई से गिरती है, तो चट्टानों से टकराकर उत्पन्न होने वाली जलध्वनि दूर तक सुनाई देती है। मानसून में इसका रूप और भी भव्य हो जाता है। जब यह जलप्रपात हरियाली के बीच से बहते हुए जैसे धरती पर उतरता है तो ऐसा लगता जैसे कोई झरता हुआ आकाश हो।

प्राकृतिक सौंदर्य के साथ जैव विविधता का समृद्ध क्षेत्र

यह क्षेत्र न सिर्फ सौंदर्य में समृद्ध है, बल्कि जैव विविधता के लिहाज़ से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यहां विभिन्न प्रजातियों के वन्यजीव, पक्षी और दुर्लभ वनस्पतियां पाई जाती हैं। पास ही स्थित उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व इसे और अधिक खास बनाता है। पर्यटन की दृष्टि से यहां अपार संभावनाएं है। स्थानीय ग्रामीणों और पर्यावरण प्रेमियों का मानना है कि यदि इस क्षेत्र को न्यूनतम हस्तक्षेप के साथ ईको-पर्यटन के रूप में विकसित किया जाए, तो यह न केवल रोजगार का स्रोत बन सकता है, बल्कि वन संरक्षण की दिशा में भी एक सार्थक कदम साबित हो सकता है।

वन विभाग और जिला प्रशासन की पहल अपेक्षित

कारीपगार जलप्रपात अभी तक मुख्यधारा के पर्यटन मानचित्र से बाहर है। यदि गरियाबंद जिला प्रशासन और वन विभाग समन्वय के साथ इसे संरक्षित और व्यवस्थित रूप से पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करें, तो यह स्थान छत्तीसगढ़ के प्रकृति प्रेमियों के लिए नया आकर्षण बन सकता है। डीएफओ वरुण जैन ने कहा कि बताया कि यह जलप्रपात का प्राकृतिक सौंदर्य, एकांत वातावरण, शांत बहाव, झरने की कलकल और पक्षियों की चहचहाहट के चलते धीरे धीरे प्रकृति प्रेमियों और पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। उन्होंने कहा की पर्यटन के दृष्टि इसे विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है।

ग्राम नारा में 25 गांवों के किसानों की समीक्षा बैठक ,गौठान पुनः शुरू करने की मांग तेज

आरंग, 13 जुलाई (देशबन्धु)। जय जवान जय किसान के संयोजक ध्रुवकुमार चन्द्राकर ,ज्ञानेंद्र साहू व ग्रामवासियो की सहयोग से ग्राम नारा के गौठान में रविवार को 25 ग्रामों के किसानों की एक महत्त्वपूर्ण समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया जो सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। बैठक का मुख्य उद्देश्य गांवों में हो रहे फसल नुकसान, मवेशियों की समस्या और आगामी फसल चक्र को लेकर किसानों की राय एवं समाधान प्रस्तुत करना था।बैठक में उपस्थित किसानों ने सर्वसम्मति से यह मांग की कि ग्राम नारा सहित अन्य गांवों के गौठानों को पुनः सक्रिय किया जाए ताकि खेतों में विचरण कर रहे जानवरों को नियंत्रित किया जा सके। किसानों ने बताया कि वर्तमान में रोपा हुआ धान पौध अवस्था में है, जिसे छुट्टा जानवर नष्ट कर रहे हैं। अगर समय रहते रोका-छेका की उचित व्यवस्था नहीं की गई तो न केवल धान की उपज प्रभावित होगी, बल्कि आगामी उन्हारी फसलों जैसे तिलहन और दलहन की बुआई भी संकट में आ जाएगी।किसानों ने प्रशासन से अपील की कि प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर गौठानों को पुनः क्रियाशील कर चारा-पानी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही रोका-छेका अभियान को प्रभावी बनाने के लिए ग्राम स्तरीय समितियों का गठन कर सख्ती से पालन कराया जाए।जिला पंचायत सदस्य वतन चन्द्राकर ने कहा, च्हम मेहनत से धान की बोआई व रोपाई कर रहे हैं, लेकिन यदि मवेशियों का नियंत्रण नहीं हुआ तो हमारी सारी मेहनत पर पानी फिर जाएगा। इसके अलावा वर्तमान में तिलहन सहित उन्हारी फसलो में तिवड़ा, चना, मसूर बटरी उड़द जैसी फसलों की बुआई की कोई संभावना नहीं रहेगी।

समीक्षा बैठक में उपस्थित किसान संघर्ष समिति के संयोजक भूपेंद्र शर्मा सरपंच संघ के जिलाध्यक्ष गोपाल धीवर जनपद सदस्य (आरंग)अमर मांडले श्रीमतीमीणा जांगड़े सरपंच नारा कुंज बिहारी वर्मा सरपंच पिपरहट्टा श्रीमती ज्योति निषाद सरपंच डीघारी सहित अन्य पंचायत प्रतिनिधियों ने किसानों की मांगों को जायज बताते हुए किसानों की मांग का समर्थन किया। बैठक में उपस्थित सरपंचों ने कहा कि गौठानों के पुनरुद्धार और रोका-छेका अभियान के लिए जल्द ही पंचायत स्तर पर प्रस्ताव तैयार कर भेजा जाएगा।बैठक के अंत में यह तय किया गया कि यदि समय रहते गौठानों को पुनः प्रारंभ नहीं किया गया तो किसानों को आंदोलन का रास्ता अपनाने पर मजबूर होना पड़ेगा। गांवों की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ रखने के लिए खेतों की सुरक्षा और मवेशियों का नियमन आज की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुकी है। बैठक में ग्राम पंचायत लखौली, रीवा,कुकरा, संडी, नारा, भानसोज,पिपरहट्टा, सिवनी, गोढ़ी, खमरिया, टेकारी अमेंरी खुटेरी करही मालिडीह बरछा फरफौद छतौना, सकरी, तोड़गाव,बड़गाँव, जरौद,कलई के सरपंच सहित बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया।बैठक का संचालन रामकुमार वर्मा ने किया

स्वामी आत्मानन्द उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल बिलाईगढ़ में गुरु पूर्णिमा को वृक्षारोपण किया गया

बिलाईगढ़ 13 जुलाई(देशबंधु)। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल में गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक प्रेरणादायी पहल की गई। विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों और स्कूल प्रबंधन ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत गुरुजनों के चरण वंदन और पौधों को अर्पित पुष्पांजलि से हुई। इसके पश्चात विद्यालय के प्रांगण में फलदार और छायादार पौधे रोपे गए। इस अवसर पर प्राचार्य ने गुरु पूर्णिमा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि च्जैसे गुरु जीवन को ज्ञान से सींचते हैं, वैसे ही वृक्ष जीवन को प्राणवायु देकर संजीवनी प्रदान करते हैं। विद्यालय परिवार का यह संदेश था कि ज्ञान और प्रकृति दोनों की पूजा समान रूप से आवश्यक है। वृक्षारोपण के माध्यम से विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता और सेवा का भाव जागृत किया गया। कार्यक्रम का समापन पर्यावरण संरक्षण की शपथ के साथ हुआ। स्वामी आत्मानंद स्कूल का यह प्रयास न केवल शिक्षा बल्कि संस्कार और सामाजिक उत्तरदायित्व की ओर भी महत्वपूर्ण कदम है।

मानसून के दस्तक के बाद चिंगरापगार जलप्रपात में उमड़ा सैलानियों का सैलाब, बारिश के बाद झरने में आई बहार

गरियाबंद, 13 जुलाई (देशबन्धु)। जिले में मानसून की दस्तक के बाद से वनांचल क्षेत्र में स्थित जलप्रपात में फिर से जान आ गई है। मुख्यालय से 15 किमी दूर बारूका के समीप स्थित बरसाती जलप्रपात चिंगरापगार में भी फिर से रौनक आ गई है। बारिश के बाद पहले रविवार को ही यहां सैलानियों की भारी भीड़ देखने को मिली। यहां गरियाबंद, रायपुर सहित आसपास के जिलों से हजारों की संख्या में सैलानी चिंगरापगार जलप्रपात का दीदार करने पहुंचे थे। मालूम हो कि चिंगरापगार जलप्रपात जिले का प्रमुख मानसूनी पर्यटन स्थल है। बारिश के बाद से प्राकृतिक वातावरण से परिपूर्ण जलप्रपात का नजारा काफी आकर्षक ओर मनमोहक हो गया है। हर भरे हरियाली और पहाड़ी से घिरे इस जलप्रपात में करीब 100 फिट की ऊंचाई से गिरता पानी अपने आप में अद्भुत और मनोरम दृश्य बनाता है। इसका नजारा देखने और मनोरंजन के लिए दूर दूर से पर्यटक पहुंचते है। वर्तमान में बारिश के बाद से जलप्रपात पूरी तरह सबाब में है। शनिवार को ही पर्यटकों की आमद शुरू हो गई थी। रविवार को दुगुनी भीड़ देखने की मिली। दिनभर जलप्रपात परिसर में गाड़ियों की आवाजाही और लोगों की चहलकदमी बनी रही। यहां रविवार को रायपुर, महासमुंद, धमतरी, बलौदाबाजार और गरियाबंद के कोने-कोने से लोग यहां पहुंच थे। सैलानियों ने प्राकृतिक नजारों का आनंद लिया। फोटो खिंचवाए और झरने के शीतल जल में भीगते नजर आए।रायपुर से आए पर्यटक संजय मखीजा, किशोर सुंदरानी, नरेश मुक्तानी, आनंद गुप्ता ने बताया कि राजधानी से सिर्फ 75 किलोमीटर दूर स्थित यह स्थल सप्ताहांत के सुकून के लिए आदर्श जगह है। शहर के शोरगुल से दूर यहां हरियाली, शांत वातावरण और पहाड़ों के बीच समय बिताकर मन को सुकून मिलता है। हम लगातार तीन साल से यहां आ रहे है। प्रशासन यहां बेहतर सड़क बनाए, रपटा का निर्माण करे और टूरिस्ट कार्टेज बनाए तो परिवार के साथ आने जाने में सुगमता होगी। मालूम हो कि वन विभाग द्वारा चिंगरापगार जलप्रपात को पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जा रहा है। हाल में ही यहां खैरागढ़ के गंडई गांव से आए कलाकार दंपती ने पत्थरों पर शेर, अजगर, मगरमच्छ, तेंदुआ, मछली, बिच्छू, गिरगिट, घेंघा, जंगली भैंसा, कछुआ और केकड़े जैसी वन्य प्रजातियों की आकृति उकेरी हैं। जिससे यहां माहौल और अधिक लोकप्रिय हो गया है।

फोटो क्रमांक 63 चिंगरापगार जलप्रपात रविवार की दोपहर सैलानियों से भरा हुआ।

तहसील आदिवासी गोंड़ समाज की बैठक

जी जामगांव , 13 जुलाई (देशबन्धु)।तहसील कुरुद आदिवासी गोंड़(ध्रुव) समाज का रूटीन बैठक संरक्षक कुलंजन मंडावी ,ललित ठाकुर अध्यक्ष की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ ।ग्राम सिर्री आदिवासी भवन में तहसील ,मुड़ा, परिक्षेत्र के समस्त पदाधिकारियो की उपस्थिति में तहसील वार्षिक आयोजन के आय ब्यय की लेखा जोखा की जानकारी बताया गया ।साथ ही आगामी 9 अगस्त 2025 भखारा में मनाए जाने के लिए एवम कोया पुनेम गाथा माह फरवरी 2026 में कार्यक्रम के आयोजन के सम्बंध में प्रस्ताव पारित किया गया है। सभी सगाजनो ,कर्मचारी बंधुओ को इस बैठक के माध्यम से कार्यक्रम में अधिक से अधिक उपस्थित होने का आह्वान कीया गया है ।संचालन फलेंद्र ध्रुव ने किया । झागेश्वर ध्रुव ,लखेश्वर नेताम, भूपेंद्र नेताम,राजकुमार ,विष्णु,नीलकंठ,गैदलाल ,बालमुकुंद,पोखराज ,अन्य सामाजिक पदाधिकारी उपस्थित थे।

10वीं 12वीं बोर्ड के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का होगा सम्मान समारोह

◆ **27 को रायपुर में मुख्यमंत्री के मुख्य आतिथ्य में होगा प्रगतिशील छग सतनामी समाज के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथग्रहण**

पलारी 13 जुलाई (देशबन्धु) प्रगतिशील छग सतनामी समाज के प्रतिनिधि मंडल ने आज मुख्यमंत्री निवास में विष्णुदेव साय मुख्यमंत्री से मिलकर शपथग्रहण समारोह एवं प्रतिभा सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के लिए आमंत्रित किए मुख्यमंत्री जी ने सहर्ष स्वीकार कर 27जुलाई को समय देने सहमति प्रदान किए। प्रदेश अध्यक्ष एल एल कोशले ने सभी का परिचय कराया।इस अवसर पर सांसद जांजगीर-चांपा श्रीमती कमलेश जांगड़े, वेदराम मनहरे, प्रदेश अध्यक्ष एल एल कोशले, उपाध्यक्ष डॉ दिनेश लाल जांगड़े,महासचिव मोहन बंजारे, कोषाध्यक्ष श्याम जी टांडे, संरक्षक एच एल रात्रे, चतुर्वेदी जी , अशोक बंजारे महासचिव युवा प्रकोष्ठ ,संकुल समन्वयक संघ के प्रदेश अध्यक्ष विक्रम राय, नीलकमल आजाद, कृष्ण कोशले प्रमुख रूप से उपस्थित थे। प्रदेश महासचिव मोहन बंजारे ने जानकारी देते हुए बताया कि उक्त कार्यक्रम में देशभर से समाज प्रमुख एवं विभिन्न समाजिक संगठनों के मुखिया एवं जनप्रतिनिधियों एवं सर्व समाज के पदाधिकारियों को आमंत्रित किया जायेगा।

जेसीबी से उखाड़ी गई अवैध प्लाटिंग की सड़कें

बागबाहरा, 13 जुलाई (देशबन्धु)। राजस्व प्रशासन एवं नगर पालिका प्रशासन ने संयुक्त रूप से नगर में हो रहे अवैध प्लाटिंग के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करते हुए जेसीबी मशीन से कच्ची सड़को को उखाड़ दी गई है।

जिससे नगर में हड़कंप मच गया है। नगर के खाली पड़े जमीन पर अवैध प्लाटिंग करने की शिकायत लगातार नागरिकों से राजस्व विभाग एवं नगर पालिका अधिकारी को मिल रही थी। जिस पर प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई की है। जिला दंडाधिकारी एवं कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के निर्देशन तथा बागबाहरा एसडीएम उमेश कुमार साहू के मार्गदर्शन में राजस्व प्रशासन एवं नगर पालिका प्रशासन द्वारा नगर में ।हो रहे अवैध प्लाटिंग पर रोक लगाते हुए अवैध कॉलोनी निर्माण स्थल पर बनी कच्ची सड़को को बुलडोजर से उखड़वा दी गई है। राजस्व प्रशासन के अनुसार रवि चंद्राकर के दो एकड़ एवं गिरीश राजपूत के साढ़े तीन एकड़ जमीन पर अवैध प्लाटिंग की जा रही थी। इस मामले में नगर पालिका प्रशासन ने पहले दोनों जमीन मालिकों को तत्सम्बन्ध में नोटिस भी जारी किया था। उसके बाद भी अवैध प्लाटिंग का काम धड़ल्ले से चल रहा था। यह कार्रवाई नगर के लालपुर-सोनदादर मार्ग

एवं पिथौरा रोड में सिलापडेरा के पास स्थित अवैध प्लाटिंग पर की गई है। दोनों ही स्थानों पर बिना अनुमति लिए भूमि का अवैध रूप से विभाजन कर प्लाटिंग की जा रही थी जो नियमों के स्पष्ट उल्लंघन की श्रेणी में आता है। दोनों विभाग द्वारा की गई संयुक्त कार्रवाई के दौरान बागबाहरा के नवपदस्थ तहसीलदार नितिन ठाकुर, राजस्व निरीक्षक देवराज बेहरा, हल्का पटवारी, रुपेश सिन्हा, नगर पालिका के उपयंत्री शशि प्रताप सिंह की उपस्थिति में अवैध प्लाटिंग पर मौके पर जाकर निरीक्षण कर यह कार्रवाई की गई।

शिक्षक सहयोग निधि द्वारा मरणोपरांत मोतीलाल ध्रुव के परिजनों को दी गई सहयोग राशि

पलारी 13 जुलाई (देशबन्धु) 12/07/2025 को शिक्षक सहयोग निधि समिति ने स्व मोतीलाल ध्रुव प्रधान पाठक शास प्राथमिक शाला टीला को मरणोपरांत उनके परिवारजनो उसके पत्नी श्रीमती बेदमति ध्रुव पुत्र ग्रामवासी व परिवार भारतभूषण ध्रुव उमाशंकर ध्रुव हीरालाल ध्रुव जितेंद्र पटेल के उपस्थिति मेँ दिया गया पचास हजार रूपया की सहयोग राशि यह हमारे पलारी ब्लॉक की बारह सौ शिक्षकों का सहयोग राशि है जो सभी के सहयोग का पुरे छत्तीसगढ़ मेँ एक मिशाल है जो कई वर्षो से चल रहा है आज की महगाई की दृष्टि मेँ बहुत अच्छा पहल है जो पलारी ब्लॉक जिला बलौदाबाजार के पुरे छत्तीसगढ़ मेँ सराहनीय पहल है इस सहयोग राशि को देते हुए इस अवसर पर -शिक्षक संवर्ग संघ के ब्लॉक अध्यक्ष अभिषेक महोबे, शिक्षक सहयोग निधि कोषाध्यक्ष घनश्याम वर्मा, संकुल समन्वयक पलारी भानु ध्रुव, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष शिक्षक संघ दया राम ध्रुव, शिक्षक समाजसेवी कमलेश ध्रुव शामिल रहे।

श्रीसाईं मंदिर में गुरुपूर्णिमा मनाया

पिथौरा , 13 जुलाई (देशबन्धु)। स्थानीय श्रीसाईं मंदिर में गुरुपूर्णिमा का पर्व हर्षोउल्लास से मनाया गया ।इस अवसर पर प्रातः मंगल स्नान के साथ संध्या श्रीसाईं पालकी शोभायात्रा निकाली गई ।छप्पन भोग व खीचड़ा का प्रसाद वितरण किया गया । इस अवसर पर श्रीसाईं मंदिर के पुजारी पंचा नंद का समिति सदस्यों ने शॉल श्रीफल से सम्मानित किया ।

प्रादेशिकी का शेष...

वनाधिकार पत्र पर कार्यशाला...

साथ ही वनाधिकार पत्र के लिए प्राप्त आवेदनों का अनुभाग स्तरीय समिति में संविक्षा एवं आगे की कार्यवाही के सम्बन्ध में भी दिशा निर्देश दिये गए। कार्यशाला में वनाधिकार अधिनियम पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

कृषक के खेत में एक...

करने पर एक दिन बंद तो किया फिर दुसरे दिन और फिर तीसरे दिन भी मेरे मना करने के बाद भी पानी फेंकने का कार्य जारी रखा। जिसके चलते महेंद्र वर्मा के खेत में पानी भरने से डेढ़ एकड़ का बोया हुआ धान का फसल बर्बाद हो गया। कृषक ने अपना फसल बर्बाद होने की जानकारी देते हुए इसकी भरपाई प्लांट से दिलाई जाने की मांग शासन प्रशासन से की है।

सरस्वती ज्ञान दीप विद्यालय भानसोज में वृक्षारोपण

आरंग, 13 जुलाई (देशबन्धु)। सरस्वती ज्ञान दीप विद्यालय में आज पर्यावरण जागरूकता और हरियाली को बढ़ावा देने हेतु एक प्रेरणादायक वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता, ज़िम्मेदारी और सेवा भावना को विकसित करना था।कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय परिसर में पूजा-अर्चना और पर्यावरण संरक्षण पर छोटे बच्चों द्वारा प्रस्तुत स्लोगन व नारे से हुई। तत्पश्चात विद्यालय शाला समिति के अध्यक्ष जागेश्वर साहू एवं जितेश देवांगन ने मुख्य अतिथि के रूप में पौधारोपण कर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की।विद्यालय की संस्था प्रमुख डाली विश्वकर्मा ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में पर्यावरण के महत्व पर प्रकाश डाला और बच्चों को संदेश दिया कि एक पौधा लगाना केवल हरियाली नहीं, बल्कि एक जीवन को जन्म देना है। इस आयोजन में विद्यालय के सभी शिक्षकगण, स्टाफ सदस्य और बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

जिला स्तरीय शालेय शतरंज स्पर्धा पिथौरा में संपन्न

◆ **सीनियर बालक वर्ग में सरायपाली के आयुष बरीहा बने जिला चैंपियन वहीं बालिका वर्ग में पिथौरा की अनुपमा साहू को मिला जिले का खिताब**

पिथौरा , 13 जुलाई (देशबन्धु)। पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी (टाउन हाल) में जिला स्तरीय शतरंज स्पर्धा का आयोजन किया गया। इस स्पर्धा में पिथौरा , बसना,सरायपाली, बागबाहरा एवं महासमुंद विकासखंड से 112 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। प्रतियोगिता सब जूनियर, जूनियर एवं सीनियर तीन आयु वर्गों में आयोजित की गई ।टूर्नामेंट डायरेक्टर हेमंत खुटे ने जानकारी देते हुए बताया कि यह स्पर्धा अंतर्राष्ट्रीय नियमानुसार स्विस लीग पद्धति से 4 चक्रों में खेली गई।स्पर्धा की पूरी तरह से निष्पक्षता के साथ संपन्न कराने हेतु अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त साफ्टवेयर स्विस मैनेजर का उपयोग पेयरिंग हेतु किया गया तथा सभी चक्रों की पेयरिंग व परिणाम इंटरनेट पर चेस रिजल्ट के माध्यम से अपलोड किया गया। हेमंत ने आगे बताया कि पिथौरा में ही आगामी 25 अगस्त को संभाग स्तरीय चयन स्पर्धा का आयोजन किया जावेगा। इसके चयनित खिलाड़ी सितंबर माह में आयोजित होने वाली राज्य चयन स्पर्धा में रायपुर संभाग से प्रतिनिधित्व करेंगे। स्पर्धा के उदघाटन अवसर पर विकासखंड क्रीड़ा प्रभारी सुधीर प्रधान व संयोजक राजेश साहू ने उदघाटन अवसर पर खिलाड़ियों को खेल भावना और अनुशासन के साथ खेलने के लिए प्रेरित किया और सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी।

प्रतियोगिता के परिणाम एवं चयनित खिलाड़ियों के नाम इस प्रकार है - सीनियर वर्ग (अंडर - 19) बालक वर्ग में आयुष बरीहा प्रथम (सरायपाली) द्वितीय जसवंत साहू (पिथौरा) तृतीय दीपांशु प्रधान (सरायपाली) चतुर्थ चौलेश साहू (पिथौरा) पंचम हिमांशु यादव (पिथौरा) बालिका वर्ग में प्रथम अनुपमा साहू (पिथौरा) द्वितीय दीक्षा बारीक (सरायपाली) तृतीय फातिमा (सरायपाली) चतुर्थ मंजुला साहू (पिथौरा) पंचम नीरा यादव यादव (पिथौरा) जूनियर बालक वर्ग (अंडर - 17) में पहला स्थान इशांत भोई (सरायपाली) दूसरा चिराग यदु (महासमुंद) तीसरा ऋषभ यादव (पिथौरा) चौथा शौम्य चंद्राकर (महासमुंद) पांचवा ओबेद तांडी (सरायपाली) बालिका वर्ग में पहला स्थान प्रिया साहू (बागबाहरा) दूसरा इशिका भोई (पिथौरा) तीसरा प्राची तांडी (पिथौरा) चौथा अंकिता भोई (पिथौरा) पांचवां अलसामा कालिमा (सरायपाली)सब जूनियर बालक वर्ग (अंडर - 14) में पहला डूगेश निर्मलकर (पिथौरा) दूसरा दिव्यांश भोई (सरायपाली) तीसरा वंश चंद्राकर (बागबाहरा) चौथा अंकुर ध्रुवंशी (महासमुंद) नेतेंद्र यादव (महासमुंद) बालिका वर्ग में पहला स्थान आशी सतपथी (सरायपाली) दूसरा सृष्टि प्रधान (सरायपाली) तीसरा होशिका पटेल (पिथौरा) चौथा खुशी ठाकुर (बागबाहरा) पांचवा नीतू साहू (सरायपाली)।

इस चयन स्पर्धा में चयनित 30 खिलाड़ियों में 11 पिथौरा ,सरायपाली 11 , 5 महासमुंद व 3 खिलाड़ी बागबाहरा विकासखंड से शामिल है। उक्त स्पर्धा का कुशल संचालन में चीफ आर्बिटर चंदन विश्वकर्मा ने किया । आर्बिटर पैनल में राजेश्वरी ध्रुवंशी, हेमराज प्रधान शामिल थे ।टेक्निकल सपोर्ट फीडे आर्बिटर रॉकी देवांगन का मिला। चयनकर्ताओं की टीम में हेमंत खुटे,राजेश्वरी ध्रुवंशी, भूपेंद्र प्रधान,लखेश्वर भाई , भूपेंद्र प्रधान,तृषा शर्मा, मंजिला व शैलेश शुक्ला को शामिल किया गया था। हेमंत खुटे ने जिले के चयनित खिलाड़ियों से अपील की है कि पिथौरा में संचालित नाइट चेस क्लब आकर वे मार्गदर्शन ले सकते है तथा बिना किसी शुल्क के रोजाना अभ्यास कर सकते हैं।

निधन

विनय कुमार ध्रुव

कुरूद। परखंदा निवासी बेरला के शिक्षा विभाग में क्लर्क पद में पदस्थ विनय कुमार ध्रुव 52 वर्ष का निधन 13 जुलाई को हो गया। वे रवि ध्रुव के छोटे भाई, स्व दीपक ध्रुव के बड़े भाई थे। उनका अंतिम संस्कार 14 जुलाई को सुबह 10 बजे मुक्तिधाम परखंदा में होगा।

फिंगेश्वर विकासखण्ड की लखपति दीदी: राष्ट्रीय कार्यशाला में सुनाया अपने लखपति बनने तक का सफर

राजिम, 13 जुलाई (देशबन्धु)। ऐमीन साहू फिंगेश्वर विकासखंड के ग्राम पंचायत तर्रा में निवासरत है। एमीन साहू समूह में जुड़ने से पहले केवल एक गृहिणी के तौर पर परंम्परागत खेती-बाड़ी कर रही थी, जिससे उनकी आय सीमित थी। उक्त कार्य में अपने परिवार के सदस्यों की सहायता करती ।समूह के माध्यम से अन्य दीदीयों के साथ राशि बचत कर अपनी आवश्यकता को पूरा करने एवं अपनी आय को बढ़ाने हेतु समूह से जुड़ी ।बिहान में महिला लखपति पहल के तहत इनका चिन्हांकन हुआ। इसके द्वारा सभी उत्पादों हेतु राजिम में एक आउटलेट की शुरूआत की गई । साथ ही इनके द्वारा छ.ग. की पारम्परिक खान-पान जैसे- चीला, फरा, ठेठरी, खुर्मी, गुजिया, बड़ा एवं छ.ग. व्यंजन के स्टाल भी लगाया गया। बिहान के सहयोग से इन्हे भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक का लाटसेंस भी टिलताया गया।

सरस मेला अंतर्गत गुरुग्राम, दिल्ली में छत्तीसगढ़ी व्यंजन का स्टाल लगाया गया, जहाँ उनके व्यंजनों को सराहा गया

दीदी के द्वारा 15 दिवस के आयोजन में कुल 1 लाख 85 हजार रूपये का किया विक्रय: राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा राष्ट्रीय स्तर गुड़गांव, दिल्ली में आयोजित सरस मेला में फूड जोन हेतु इनका चयन हुआ। सरस मेला अंतर्गत गुरूग्राम, दिल्ली में छत्तीसगढ़ी व्यंजन का स्टाल लगाया गया, जहाँ उनके व्यंजनों को सराहा गया। साथ ही दीदी के द्वारा 15 दिवस के आयोजन में कुल 1 लाख 85 हजार रूपये का विक्रय किया गया। एमिन दीदी के साथ उन्ही के समूह की चार अन्य दीदीयां प्रेमीन गायकवाड़, खेमीन साहू, भुमिका साहू, केवरा साहू भी समूह के माध्यम से फुड जोन मे जुड़कर कार्य कर रही है। साथ ही जिला स्तर आयोजित सभी महत्वपूर्ण जिला स्तरीय आयोजन यथा- राज्योत्सव, आदिवासी गौरव दिवस अन्य कार्यो, महोत्सव इत्यादि में प्रतिभागिता की जाती है।

ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार अंतर्गत दीनदयाल अंत्योदय योजना: राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा लखपति दीदी बनाने की दिशा में विषय पर तीन दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला के अंतिम दिवस 11 जुलाई 2025 को राजधानी रायपुर में प्रदेश भर की चयनित लखपति दीदियों ने अपने संघर्ष, मेहनत व आजीविका से आत्मनिर्भर बनाने की कहानियों, परिचर्चा सत्र का आयोजन हुआ ।उल्लेखनीय है कि कार्यशाला का शुभारंभ ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव शैलेष कुमार, सूक्ष्म व लघु उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव एस. सी. एल. दास द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया था। सत्र में मिशन संचालक जयश्री जैन ने एमीन साहू, लखपति दीदी की कहानी सुन कार्यो व प्रयासों की सराहना की गई। अन्य राज्यों के प्रतिनिधि गण लगातार तालियां बजाकर एमीन साहू का उत्साहवर्धन करते रहे।

छोटी गुमटी से आज बिहान कैंटीन चला रही अब वर्तमान में प्रतिमाह 30 से 40 हज़ार कमा रही: एमीन दीदी ने बताया कैसे एक छोटी सी गुमटी से आज बिहान कैंटीन चला रही है। वर्तमान में प्रतिमाह 30 से 40 हज़ार कमा ले रही है। आज की स्थिति में प्रशिक्षणों की सहायता से दीदी विभिन्न प्रकार के अचार जैसे- आम, करौन्दा, नींबू, कटहल, जीमिकान्दा आदि, पापड़, बड़ी फिनाईल, धूपबत्ती बना रही हैं। दीदी के द्वारा अपने उत्पादों की पैकिंग कर गाँव स्तर पर, समूह बैठकों में ग्राम संगठन, कलस्टर बैठकों में, मेलों में स्टाल लगाकर, दुकनों में अपने उत्पादों का विक्रय किया जाता है। जिससे की उनकी वार्षिक आय 3 लाख रूपये से 4 लाख रूपये तक हो चुकी हैं।

गुरु खुशवंत का हाल पूछने वालों का लगा तांता

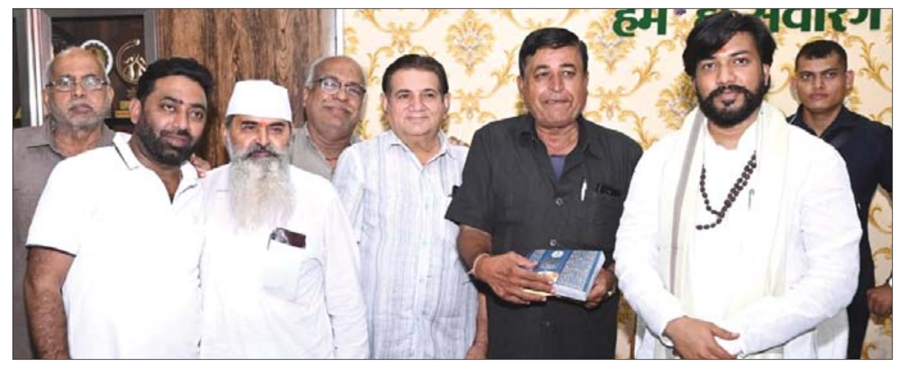

तिल्दा नेवरा के शुभचिंतक पहुंचे आरंग

तिल्दा, 13 जुलाई (देशबन्धु)। बेमेतरा जिले के नवागढ़ क्षेत्र में आरंग विधायक एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष गुरु खुशवंत साहेब की गाड़ी पर अज्ञात असामाजिक तत्वों ने अचानक हमला कर दिया।

बाल-बाल बचे विधायक: पत्थरबाजी उसी गाड़ी में की गई जिसमें विधायक बैठे थे। हमले में गाड़ी के शीशे टूट गए हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, यदि गाड़ी धीमी होती तो सीधा कांच तोड़ते हुए पत्थर सीधे विधायक को लगते ।इस हमले में विधायक बाल-बाल बचे हैं।

कुशल क्षेम जानने वालों की लगी भीड़: यह खबर पुरे प्रदेश में आग तरह फ़ैल गई विधायक कार्यालय आरंग में उनसे मिलने के लिए भीड़ लग गई तिल्दा नेवरा से मोती ज्ञानचंदानी ,धनराज खत्री, किशोर सेतपाल ,परमानंद बालचंदानी ,जीतू माधवानी, रामचंद संतवानी आदि लोग गुरु खुशवंत से मुलाकात कर उनका श्रीफल और साल से स्वागत कर मुँह मीठा कराया सभी से मिल कर गुरु खुशवंत साहेब ने कहा की आज नवागढ़ प्रवास के दौरान मेरे ऊपर हुए कायरतापूर्ण हमले की खबर से आप सभी शुभचिंतकों, क्षेत्रवासियों, समाजजनों एवं समर्थकों की चिंता एवं व्याकुलता स्वाभाविक है।

परम् पूज्य गुरु घासीदास बाबा जी के आशीर्वाद से मैं सुरक्षित एवं स्वस्थ हूं। परम् पूज्य गुरु घासीदास बाबा जी की कृपा एवं आप सभी के शुभकामनाओं से कोई गंभीर अनहोनी नहीं हुई। आप सभी के स्नेह, चिंता और समर्थन के लिए हृदय से धन्यवाद। आप सभी का प्रेम, स्नेह, शुभकामनाएं और विश्वास ही मेरी असली ताकत है। मैं आप सभी के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ। मैं समाज व जनसेवा के मार्ग से पीछे नहीं हटूँगा ।आप सभी से आग्रह है कि शांति एवं संयम बनाए रखें, और अफवाहों से दूर रहें।

बूंद-बूंद बचएंगे, जीवन को सुरक्षित बनाएंगे

भाटापारा, 13 जुलाई (देशबन्धु)। बूँद-बूँद बचाएँगे, जीवन को सुरक्षित बनाएँगे, इसी उद्देश्य के साथ भाटापारा नगर क्षेत्र में आज भू-जल संवर्धन मिशन (शहरी) के अंतर्गत पारंपरिक जल स्त्रोतों के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्री शिवरतन शर्मा जी के मार्गदर्शन तथा नगर पालिका अध्यक्ष श्री अश्वनी शर्मा जी के नेतृत्व में कुँए एवं तालाब के सुधार कार्य की औपचारिक शुरुआत की गई। यह कार्य न केवल पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि स्थानीय नागरिकों के लिए स्वच्छ और सतत जल आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में एक प्रभावी कदम भी है।

जल संरक्षण को लेकर प्रदेशभर में चलाए जा रहे इस जन-जागरण अभियान का उद्देश्य भू-जल स्तर में सुधार, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण तथा आगामी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित जल भविष्य का निर्माण करना है। पारंपरिक जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन से न केवल वर्षा जल संचयन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि स्थानीय जल संकट की समस्याओं का समाधान भी साकार रूप लेगा।

इस अभियान में नागरिकों की सहभागिता अत्यंत आवश्यक है, ताकि च्जल ही जीवनज्ज का मंत्र वास्तव में जन-जीवन का आधार बन सके।

टोंगोपानी के स्कूल में न्योता भोज कराकर बच्चों को टाई, बेल्ट और बैच का किया गया वितरण

बागबाहरा, 13 जुलाई (देशबन्धु)। बागबाहरा विकासखंड के अंतर्गत संकुल केंद्र कसेकेरा के शासकीय प्राथमिक शाला टोंगोपानीकला के प्रांगण में शुक्रवार को 'न्योता भोज कार्यक्रम पोषण और शिक्षा का आदर्श संगम' का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बच्चों के पोषण और शिक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुए कई गतिविधियां आयोजित की गईं।

शाला के प्रधानपाठक प्रमोद कुमार चन्द्राकर ने बताया कि इस अवसर पर न्योता भोज के साथ-साथ विद्यार्थियों को टाई, बेल्ट और बैज का वितरण किया गया। इसके अतिरिक्त, विद्यालय से पदोन्नति होने वाले और नए पदभार ग्रहण करने वाले

शिक्षक-शिक्षिकाओं का स्वागत सम्मान समारोह भी आयोजित किया गया। साथ ही, 'एक पेड़ मां के नाम 2.0' इको क्लब फॉर मिशन लाइफ के तहत पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए वृक्षारोपण गतिविधि भी संपन्न हुई।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केवल राम टंडन, विशेष अतिथि रमाकांत बुनकर, सभापति डॉ. विजय शर्मा, प्रधानपाठक प्रमोद कुमार चन्द्राकर, शिक्षक विजय जगत, फलेश साहू सहित विद्यार्थियों के माता-पिता और स्थानीय गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। संकुल केंद्र कसेकेरा के समन्वयक मनीष अवसरिया ने इस शानदार आयोजन के लिए शाला परिवार को धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि 'यह आयोजन न केवल बच्चों के लिए प्रेरणादायी है। बल्कि अन्य स्कूलों और संकुलों के लिए भी एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करता है। कार्यक्रम में संकुल प्राचार्य पवन कुमार चक्रधारी, फ्रांसिस टोप्पो, जितेंद्र कुमार साहू, रजनी दीवान, ज्ञान सिंह ध्रुव, समन्वयक गोविंद चौधरी, अजय कुमार भतपहरी, खेमूप्रसाद दीवान, देवलाल सिन्हा, जनप्रतिनिधिगण और गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का कुशल संचालन सहायक शिक्षक विजय कुमार जगत ने किया। जिनकी प्रस्तुति ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। यह बच्चों, शिक्षकों और अभिभावकों के बीच सामंजस्य और समुदाय की भावना को दर्शाने वाला एक यादगार आयोजन रहा।

मामूली बात पर चाकू से हमला, नशे में धूत युवकों ने पंच को मारा चाकू

नवापारा राजिम, 13 जुलाई (देशबन्धु)। समीपस्थ ग्राम कुर्रा में मामूली विवाद को लेकर नशे में धुत दो युवकों ने एक पंच के सिर पर चाकू से हमला कर दिया। खून से लथपथ पंच को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे घर भेज दिया गया। घटना की शिकायत पर पुलिस ने दोनों युवकों के खिलाफअपराध दर्ज कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार, नवापारा से लगे ग्राम कुर्रा निवासी दिनेश यादव (41 वर्ष) वार्ड क्रमांक 13 के पंच हैं। प्रार्थी दिनेश यादव ने पुलिस को बताया कि शनिवार रात करीब 9 बजे वह खाना खा रहा था। उसी समय गांव के ही हरिश ध्रुव और योगेश साहू घर के बाहर आए और गाली-गलौज करने लगे। खाना खाने के बाद दिनेश घर से बाहर आया और दोनों युवकों को गाली-गलौज करने से रोकने लगा। तभी योगेश और हरिश मिलकर पानी का मोटर बंद करने की बात कहते हुए उसे अश्लील गालियां देने लगे और जान से मारने की धमकी दी। दिनेश और दोनों युवकों के बीच विवाद बढ़ने पर युवकों ने दिनेश के सिर पर चाकू से हमला कर दिया। हमले के बाद दिनेश के सिर से खून बहने लगा। परिजन और आसपास के लोग उसे तुरंत स्थानीय अस्पताल ले गए और उसका इलाज कराया। इसके बाद थाने पहुँचकर दोनों आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। पुलिस ने योगेश और हरिश के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर लिया है। पुलिस दोनों आरोपियों की तलाश कर ही है।

नवापारा क्षेत्र में बढ़ रही अपराधिक घटनाएं: आपको बता दें कि नवापारा क्षेत्र में अपराध की घटनाएं बढ़ गई हैं। छोटी-छोटी बातों पर चाकूबाजी की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। 5 जुलाई को नवापारा के वार्ड क्रमांक 4 में पुरानी रंजिश को लेकर एक युवक से मारपीट की गई। प्रार्थी द्वारिकाधीश दुबे के अनुसार वह मंदिर से घर आ रहा था ।तभी पड़ोसी चंदू निषाद ने पुरानी रंजिश को लेकर उसे अश्लील गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी दी। फिर किसी ठोस वस्तु से उस पर हमला कर दिया।

पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग: इसी तरह दूसरी घटना नवापारा के बस स्टैंड के पास हुई। जहाँ एक नाबालिग ने अपने मामा की चाकू मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर बाल सुधार गृह भेज दिया है। इलाके में लगातार हो रही घटनाओं से लोगों में डर का माहौल है। शहरवासियों के साथ ग्रामीणों ने पुलिस सुरक्षा पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने मांग की है कि पुलिस आपराधिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे। ताकि अपराधियों में कानून का डर बना रहे।

गुरु पूर्णिमा उत्सव में स्वयंसेवकों को दिया राष्ट्र निर्माण का संदेश

संघ का समर्पण राष्ट्र की रीढ़ है 'ये देश मेरा है, देश के लिए कुछ करना है।' तन-मन-धन राष्ट्र के कल्याण में लगाना ही संघ का मूल भाव : पूर्णेन्दू सक्सेना

नवापारा राजिम, 13 जुलाई (देशबन्धु)। नवापारा नगर द्वारा आयोजित श्री गुरु पूर्णिमा उत्सव एवं समर्पण कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ. पूर्णेन्दु सक्सेना क्षेत्र संघचालक, मध्यक्षेत्र एवं संचालक, ने संबोधित करते हुए कहा कि गुरु पूजन का उत्सव संघ के लिए केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि अत्यंत भावनात्मक और संकल्पपूर्ण आयोजन होता है।

उन्होंने कहा, च्संघ का उद्देश्य है—'ये देश मेरा है, देश के लिए कुछ करना है।' तन-मन-धन राष्ट्र के कल्याण में लगाना ही संघ का मूल भाव है। यह संगठन स्वयंसेवकों की समर्पित राशि से चलता है, यही कारण है कि संघ हमेशा ऊपर रहता है।ज्ज

समर्पण को बताया रीढ़ की हड्डी के समान

उन्होंने कहा कि संघ अपने पैरों पर खड़े होकर कार्य करता है। समर्पण राष्ट्र के लिए रीढ़ की हड्डी की तरह है। आज संघ को केवल आर्थिक सहयोग ही नहीं, समय का भी योगदान चाहिए। समर्पण जीवन का स्थायी भाव बनना चाहिए।

संघ निर्माण का उद्देश्य - सेवा, संस्कार और संगठन: डॉ. सक्सेना ने कहा कि संघ च्मैं संघ में क्या कर सकता हूंज्ज—ऐसी सोच वाले स्वयंसेवकों का निर्माण करता है। 100 वर्षों की यात्रा पूर्ण करने की ओर अग्रसर संघ अब स्वयंसेवकों से अपने आचरण, व्यवहार और संस्कार के माध्यम से समाज में योग्य परिवर्तन लाने की अपेक्षा रखता है ।उन्होंने कहा, च्परिवारों में अच्छे संस्कार बच्चों को दिए जाएं ताकि समृद्ध राष्ट्र का निर्माण हो। समाज में बिना किसी भेदभाव और छुआछूत के सभी वर्गों को संगठित करना संघ का दूसरा आग्रह है।

पर्यावरण और स्वदेशी पर दिया बल: उन्होंने पर्यावरण की चिंता जताते हुए कहा कि च्हमारे छोटे-छोटे आचरणों से बड़ा बदलाव संभव है। कुम्भ मेले में कपड़े की थैलियों और बर्तनों के प्रयोग से हमने पर्यावरण सुधार की दिशा में सार्थक प्रयास किया है।

इसके साथ ही उन्होंने स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग को बढ़ावा देने की बात कही और विदेशी वस्तुओं से दूरी बनाने का आग्रह किया।

शिक्षा और नागरिक कर्तव्यों पर भी किया मंथन: उन्होंने कहा कि च्स्वस्थ समाज और मजबूत राष्ट्र के लिए शिक्षा के साथ नागरिक दायित्वों का पालन आवश्यक है ।ज्ज उन्होंने स्वयंसेवकों से आग्रह किया कि वे इन बातों को अपने जीवन में अपनाएं और इसी को सच्चा समर्पण मानें।

राष्टीय स्वयंसेवक संघ नवापारा नगर का गुरुपूर्णिमा उत्सव संपन्न हुआ इसके मुख्य वक्ता डॉक्टर पूर्णेन्दु सक्सेना क्षेत्र संघचालक मध्यक्षेत्र रहे मंच पर गरियाबंद जिला संघचालक प्रेमलाल साहू एवं नगर संघचालक एवं सह सनत चौधरी डॉ के आर सिन्हा तथा गोपाल यादव सह प्रांत कार्यवाह, हरिओम शर्मा प्रांत कुटुंब प्रबोधन प्रमुख रायपुर उपस्थित रहे

पूजन समर्पण उत्सव में नगर के 175 स्वयंसेवकों ने समर्पण किया.इसमे ? प्रमुख रूप से रमेश पहाड़िया अशोक गंगवाल ब्रहमदत्त शर्मा विजय गोयल इंद्रकुमार साहू विधायक अभनपुर ओम कुमारी अध्यक्ष नगर पालिका संजय साहू नागेन्द्र वर्मा भूपेंद्र सोनी

डाक्टर के आर सिंहा पुनीत गोस्वामी सौरभ भांडगे राजेश्वर पटेल तेजेन्द्र साहू उमा गुप्ता डॉ एडिशन मालाकार डॉ राम गोपाल यादव किशोर नागवानी राजेश छाबडा सिंधु सेवा मंडल के कार्यकर्ताओं की विशेष उपस्थिति रही ।

गुरु पूर्णिमा पर माता-पिता का सम्मान

भाटापारा, 13 जुलाई (देशबन्धु)। छ. ग. प्रदेश कुनबी समाज महासगंठन छत्तीसगढ की सभी शाखाओं में आज हिंदू संस्कृति की रक्षा करने के लिए योग्य कदम उठाते हुए. गुरु पूर्णिमा के अंतर्गत आज प्रथम गुरु माता पिता का सम्मान करते हुए गुरु पूर्णिमा मनाई गई है. प्रदेश की सभी शाखाओं में आज यह कार्यक्रम आयोजित हुआ है. भाटापारा कुनबी समाज भवन स्टेशन वार्ड में यह कार्यक्रम हुआ है. इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमती कल्पना जिवतोडे जी बिलासपुर महिला अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष श्रीमती छाया वरकड जी उपस्थित हुए हैं. साथ भाटापारा के अध्यक्ष प्रेम भाऊ बोहरे जी ने अपने उदबोधन में बच्चों का माता पिता से दुरीया बढने घटनाओं को दुर्भाग्य बताया है.

आज बच्चे बड़े हो जाने पर माता पिता को छोड़कर जाना आम बात हो गई है. इसलिए समाज में सुधार करने के लिए उन्हें प्रथम गुरु मानकर उन्हें पुज्यनिय बनाना लक्ष है. आज हम कहीं जगह घरों में माँ बाप को घर निकालने की घटनाक्रम दिखाई देता है. मुख्य अतिथि कल्पना जी ने माँ पहली गुरु होती हैं. जो बच्चों को बोलने से लेकर चलना और समाज में जीना सिखाती है. इतना ही नहीं तो छत्रपति शिवाजी महाराज जी को जीजाबाई ने शीक्षा देकर उन्हें दुनीया महान राजा बनाया है. छाया वरकड जी ने आज परिस्थितीयो देखकर माता पिता की जिम्मेदारी अधिक बढ जाता है. हर एक व्यक्ति गलत राह दिखाने की कोशिश कर्ता दिखाई दे रहा है. ऐसे में समाज का यह कदम हिन्दू संस्कृति को बनाए रखने में मील का पत्थर साबित होगा. साथ समाज द्वारा स्कुली बच्चों कापीया दी गई है. जिसपर छत्रपति शिवाजी महाराज की फोटो और माता जिजाबाई भोसले की शिक्षा लेख अंकित है. जो माता-पिता के साथ बच्चों को नी उर्जा देने का काम करेगी. यह कापीया समाज द्वारा निशुल्क दिया जा रहा है.

आबकारी विभाग की कार्रवाई, नकली होलोग्राम लगी शराब जब्त, आरोपी गिरफ्तार

नवापारा राजिम, 13 जुलाई (देशबन्धु)। आबकारी विभाग की टीम ने नकली होलोग्राम और नकली शोले स्टिकर लगी शराब के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी कार में भारी मात्रा में अवैध शराब की तस्करी कर रहा था। आरोपी के खिलाफ छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है।।

आबकारी उपनिरीक्षक नीलम स्वर्णकार ने हमारे प्रतिनिधि को बताया कि 11 जुलाई को एक ई10 कार क्रमांक सीजी 04 एमजेड 5272 में अवैध शराब का परिवहन किया जा रहा था। इसकी सूचना मिलने पर आबकारी विभाग की टीम ने अभनपुर क्षेत्र के ग्राम चंडी के पास कार को रोका और उसकी तलाशी ली। कार में 3 कार्टन बॉक्स में नकली होलोग्राम और नकली शोले स्टिकर लगे कुल 144 नग पाव नॉन ड्यूटी पेड देशी मदिरा मसाला शराब बरामद किया गया। इसकी कीमत 14400 रुपये आंकी गई है। कार चालक से पूछताछ की गई। जिसमें उसने अपना नाम मनीराम टंडन बताया। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। उसके कब्जे से कार और शराब जब्त कर ली गई। आरोपी मनीराम टंडन के खिलाफ छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2), 36, 59 (क) के तहत मामला दर्ज किया गया है। उक्त कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक प्रकाश देशमुख, कौशल सोनी, मेघा मिश्रा, आबकारी आरक्षक विवेक श्रीवास्तव, राकेश दुबे और पूजा शर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

श्रावण मास में 10 वर्षों से प्रतिदिन सुंदरकांड पाठ, श्रद्धा और भक्ति का अद्वितीय आयोजन

नवापारा-राजिम, 13 जुलाई (देशबन्धु)। श्रावण मास को पवित्र मास कहा जाता है। शिव भक्त सावन मास में उपवास करते हैं वही मन मे श्रद्धा व आस्थाके साथ कांवड़ लेकर मीलो पैदल चलते हैं।

श्रावण मास में नवापारा-राजिम के तरी रोड स्थित बजरंग निवास में 11वां वार्षिक पाठ का आयोजन 11 जुलाई से शुरू हो गया है जो की पूरे सावन मास भर चलेगा। प्रतिदिन शाम 6 बजे सुंदरकांड, हनुमान चालीसा, शिवाष्टक, संक्षिप्त रामायण पाठ और आरती की जाती है, जिसमें नगरवासियों के साथ आसपास से श्रद्धालु भाग लेते हैं। आयोजन में राम दरबार, भोलेनाथ दरबार और सालासर बालाजी दरबार की भव्य सजावट विशेष आकर्षण का केंद्र रहती है। फूलों से सजे दरबार श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर देते हैं। इस आयोजन को सफल बनाने में राजू बजरंगलाल काबरा, सालासर सुंदरकांड हनुमान चालीसा समिति और नगरवासियों का योगदान सराहनीय है। रायपुर, नागपुर, बालोद, गुरुर व जगदलपुर से भी भक्त यहां पहुंच रहे हैं। आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं से परिवार सहित शामिल होकर धर्म लाभ लेनें की अपील की।

श्री सालासर सुदरकांड जन कल्याण समिति द्वारा